आज़ादी का अमृत महोत्सव

57वीं वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

कुलाधिपति

श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम
सचिव, वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली–110 011

संस्थान का प्रबंधन मंडल

चेयरमैन

प्रोफेसर मनोज पंत
कुलपति
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110 016

सदस्य

श्री अमित यादव
महानिदेशक विदेश व्यापार
उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन,
एच–विंग, गेट नं. 2, नई दिल्ली–110 011
ईमेलः dgft@nic.in

श्री पी. हरिश
अपर सचिव (ईआर)
विदेश मंत्रालय, कमरा न. 3057, 'बी', विंग,
तृतीय तल, जवाहरलाल नेहरू भवन, 23–डी, जनपथ,
नई दिल्ली–110 001
ईमेलः aser@mea.gov.in

प्रो. राज एस. धंखड़
प्रोफेसर
एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय
साऊथ कैम्पस, धौला कुंआ, नई दिल्ली–110 021
ईमेलः rajsdhankar@gmail.com

श्री गौरव चढ़ा
निदेशक, गूगल इंडिया
ब्लॉक–1, दिव्याश्री ओमेगा सर्वे नं.13, कोथागुडा,
तेलंगाना–500 032
ईमेलः gchadha@google.com

डॉ. राशेश शाह
चेयरमैन व सीईओ, एडेलवेइस ग्रुप, एडेलवेइस हाउस,
कार्यालयः सी.एस.टी. रोड़, कलिना, मुम्बई–400 098
ईमेलः rashesh.shah@edelweissfin.com

प्रो. आर. नागराज
सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, प्रशांत नगर, उलूर,
त्रिवान्द्रम–695 011
ईमेलः rayaprolu.nagaraj@gmail.com

संस्थान संकाय

डॉ. (श्रीमती) शीबा कपिल
विभाग प्रमुख (प्रकाशन)
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110 016
ईमेलः sheebakapil@iift.edu

डॉ. (श्रीमती) नीति नंदिनी चटनानी
प्रोफेसर
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया,
नई दिल्ली–110 016
ईमेलः nitinandini@iift.edu

डॉ. के. रंगराजन
प्रमुख, कोलकाता केंद्र
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
प्लाट नं. 1583, मदुरदाहा, वार्ड नंबर 108,
ईएम बाइपास, नजदीक रूबि हॉस्पिटल
कोलकाता–700 107
ईमेलः head_kol@iift.edu

डॉ. प्रबीर कुमार दास
प्रोफेसर, कोलकाता केंद
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
प्लाट नं. 1583, मदुरदाहा, वार्ड नंबर 108,
ईएम बाइपास, नजदीक रूबि हॉस्पिटल
कोलकाता–700 107
ईमेलः pkdas@iift.edu

सचिव

डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव
ईमेलः registrar@iift.ac.in

57वीं वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

विषय क्रम

समीक्षाधीन वर्ष	02
वर्ष 2020–21 में संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियां (एक झलक)	10
आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा	13
शिक्षण एवं प्रशिक्षण	21
आईआईएफटी में अनुसंधान	30
अंतरराष्ट्रीय सहयोग	32
अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं	34
आईआईएफटी के प्रतिष्ठित केंद्र	35
निगमित संबंध एवं नियोजन विभाग	42
छात्र गतिविधियां 2020–21	44
उद्योग, व्यापार तथा वाणिज्य पर संवाद	52
विदेश व्यापार पुस्तकालय	54
कंप्यूटर केंद्र एवं आईटी सहायक सेवाएं	56
प्रकाशन विभाग	58
राजभाषा हिंदी की गतिविधियां	67
वार्षिक लेखा	69
संस्थान का संकाय	90
प्रशासन सेवाएं	99
सहायक सेवाएं	100
अतिथि संकाय	101
स्थायी सदस्य	102

समीक्षाधीन वर्ष

वैश्विक अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2020 में 3.2 प्रतिशत का तीव्र संकुचन दर्ज करने के बाद नए सुधार के संकेत दिखाना शुरू कर दिया है। कोविड–19 महामारी ने देशों को वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कड़े लॉकडाउन लागू करने के लिए मजबूर किया, जिसके परिणामस्वरूप देशज और अंतरराष्ट्रीय दोनों की आर्थिक गतिविधियों में एक ठहराव आ गया। नए म्यूटेंट के चिंता के एक कारक के रूप में उभरने के साथ वायरस का खतरा अभी भी बहुत बड़ा है, परन्तु कुछ अर्थव्यवस्थाओं में वैक्सीन के बनने, बड़े पैमाने पर वित्तीय एवं मौद्रिक प्रोत्साहन और महामारी जीवन के प्रति अनुकूलन वैश्विक अर्थव्यवस्था को जीवित रख रहे हैं।

आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) अपडेट (जुलाई 2021) के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था के वर्ष 2021 में 6 प्रतिशत और 2022 में 4.9 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। सरकार के नीतिगत समर्थन, पिछले कुछ महीनों में सुस्त आर्थिक गतिविधियों के दौरान केंद्रीय बैंक और घरेलू बचत जमा से उबरने में मदद की उम्मीद है। इन घरेलू बचतों द्वारा आंशिक रूप से वित्तपोषित निजी खर्च के बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि देशों ने अपने कोविड प्रतिबंधों को कम करना शुरू कर दिया है।

यद्यपि, आर्थिक सुधार की गति और ताकत देश भर में और देशों में असमान बनी हुई है और यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। अमेरिका और चीन जैसे देश अपने पूर्व–महामारी वृद्धि के स्तर पर लौट आए हैं, जबकि कई अन्य के वर्ष 2023 तक ऐसा करने की संभावना नहीं है। वर्ष 2021 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है, जबकि चीन की वृद्धि दर लगभग 8.1 प्रतिशत (डब्ल्यूईओ अपडेट, जुलाई 2021) होने की उम्मीद है। इस बीच, उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के वर्ष 2021 में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करने की उम्मीद है। हाल के महीनों में इन देशों में बिगड़ती महामारी के घटनाक्रम से वैश्विक आर्थिक सुधार पर असर पड़ने की उम्मीद है।

आर्थिक पलटाव में भिन्नता वैक्सीन के बनने की गति में अंतर, महामारी–प्रेरित व्यवधानों में भिन्नता और सरकारों तथा केंद्रीय बैंकों द्वारा दी जाने वाली नीतिगत सहायता की सीमा के कारण है। जून 2021 के अंत तक दुनिया भर में लगाए गए 3 बिलियन टीकों में से लगभग 75 प्रतिशत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और चीन में लगाए गए थे। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में, उभरते बाजारों में 15 प्रतिशत से कम और निम्न आय वाले देशों में 5 प्रतिशत से कम की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत आबादी को पूरी तरह से टीका (डब्ल्यूईओ अपडेट, जुलाई 2021) लगाया गया है।

अधिकांश देशों में, मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ आर्थिक सुधार हो रहा है। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने जून 2021 में 5.4 प्रतिशत की वार्षिक सीपीआई मुद्रास्फीति दर्ज की है, जो अगस्त 2008 के बाद सबसे अधिक है। हाल के महीनों में, जर्मनी और यूके जैसी अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने भी मुद्रास्फीति में वृद्धि दर्ज की है। इस बीच, उप–सहारा अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों में खाद्य कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप इन अर्थव्यवस्थाओं में गरीबों के लिए दोहरी मार पड़ी है, जिन्होंने लॉकडाउन के दौरान आय और आजीविका खो दी थी।

विद्यमान मुद्रास्फीति के प्रकरणों में, मांग–पुल और लागत–पुश दोनों कारक खेल में प्रतीत होते हैं। बड़े पैमाने पर मौद्रिक और राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेजों से मिली मजबूती से धीरे–धीरे फिर से खुलने, टीकाकरण की गति में वृद्धि और मांग में आई तेजी से वस्तुओं की मांग बढ़ रही है। तेल और गैर–तेल जिंसों की कीमतें वर्ष 2021 में अपने वर्ष 2020 के स्तर (डब्ल्यूईओ अपडेट, जुलाई 2021) से क्रमशः लगभग 60 प्रतिशत और 30 प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है। इसी अवधि के दौरान, श्रम की कमी से उत्पादन लागतों पर दबाव पड़ना जारी है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि श्रमिकों के काम पर लौटने से उत्पादन में आई कमी जल्दी ही दूर हो जाएगी, जिससे कीमतों पर नीचे की ओर दबाव पड़ेगा, अन्य लोगों को डर है कि मुद्रास्फीति यहां बनी रहेगी और आर्थिक सुधारों को प्रभावहीन कर सकती है। निःसंदेह, मुद्रास्फीति के एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरने की संभावना है, विशेषकर जब मुद्रास्फीति के दबाव में वृद्धि होने से वह केंद्रीय बैंकों को अपनी मौद्रिक नीतियों को सख्त करने के लिए मजबूर करती है। घरेलू ऋण के प्रवाह को कम करने के अतिरिक्त, इसके परिणामस्वरूप उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं से धन का प्रवाह भी हो सकता है।

महामारी की प्रतिक्रिया में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने अपरंपरागत मौद्रिक नीतियों का सहारा लिया – ब्याज दरों में भारी कमी और अपनी अर्थव्यवस्थाओं में अधिशेष तरलता को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर परिसंपत्ति खरीद में वृद्धि। आईएमएफ की वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (अप्रैल 2021) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं को चालू रखने के लिए लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति की खरीद की है। तथापि इसने घरों और फर्मों को ऋण की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की और वसूली में सहायता की, परंतु नीतिगत समर्थन के परिणामस्वरूप कुछ अनपेक्षित परिणाम भी हुए हैं। सस्ती मुद्रा के उभरते बाजार इक्विटी जैसे जोखिम भरे रास्ते अपनाने से, इन अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय कमजोरियों को बढ़ाया। अपेक्षा–से–अधिक–मजबूत रिकवरी और नीतिगत समर्थन जारी रहने की उम्मीद में, हाल के महीनों में इक्विटी बाजारों में जोरदार तेजी आई है। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ाया हुआ मूल्यांकन और बढ़ती वित्तीय कमजोरियां विकास के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती हैं (वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अप्रैल 2021)।

आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान का रोजगार के स्तरों पर भी विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, महामारी ने 2020 की पहली छमाही में 435 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर काम के कुल घंटों को कम कर दिया। इसके अतिरिक्त, आईएलओ के अनुमानों के अनुसार, लगभग 436 मिलियन लोगों (47 मिलियन नियोक्ता और 389 मिलियन स्व–

गणना के कर्मचारी) ने उन क्षेत्रों में काम किया जो लंबे समय तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुए थे। महामारी में अपनी आजीविका खोने वाले सभी लोगों के लिए रोजगार के अवसरों को फिर से बनाना सरकारों की ओर से अनिवार्य है।

महामारी का एक और बड़ा नतीजा वैश्विक व्यापार में उल्लेखनीय गिरावट थी। वास्तव में, वैश्विक विकास के कमजोर होने और अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार तनाव के कारण, 2019 में विश्व व्यापार में मंदी के संकेत पहले ही दिखने शुरू हो गए थे। मई 2019 (व्यापार और विकास रिपोर्ट 2019) की तुलना में मई 2020 में विश्व व्यापार की मात्रा में 17.7 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज करने के साथ, कोविड व्यवधानों ने इस गिरावट को और बढ़ा दिया। वास्तव में, जैसा कि अतीत में अन्य वैश्विक संकटों में हुआ है, व्यापार की मात्रा में गिरावट आर्थिक गतिविधियों में संकुचन की तुलना में बहुत अधिक थी क्योंकि सरकारों ने सीमाओं और बंदरगाहों को बंद कर दिया, हवाई यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया और मुख्य रूप से व्यापार बाधाओं का सहारा चिकित्सा आपूर्ति और खाद्य उत्पादों के निर्यात को प्रतिबंधित करने के लिए लिया।

अर्थव्यवस्थाओं के धीरे–धीरे फिर से खुलने के साथ, वैश्विक व्यापार की मात्रा में भी 2021 और 2022 में क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 7 प्रतिशत का विस्तार होने की उम्मीद है (डब्लूईओ अपडेट, जुलाई 2021)। व्यापारिक वस्तुओं की टोकरी भी महामारी से संबंधित खरीद से आगे बढ़ने के लिए तैयार है, जैसे कि उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और चिकित्सा उपकरण। तथापि, सेवाओं में व्यापार, निकट अवधि में मौन रहने की उम्मीद है क्योंकि पर्यटन प्रवाह जो सेवाओं के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, के अगले कई महीनों तक कमजोर रहने की संभावना है। अधिकांश देशों ने अभी भी कुछ यात्रा और सीमा प्रतिबंध लगाए हुए हैं और संभावित यात्रियों ने नए सिरे से कोविड–19 के प्रकोप (व्यापार और विकास रिपोर्ट 2019) की सुस्त संभावनाओं के मद्देनजर सावधानी बरतना जारी रखा है।

कोविड वायरस के विरूद्ध युद्ध तब तक नहीं जीता जा सकता है जब तक कि वैश्विक आबादी का अधिकांश हिस्सा वायरस और इसके म्युटेशन्स की चपेट में है। धीमी गति से वैक्सीन बनने से वायरस को और अधिक उत्परिवर्तित (म्युटेट) करने और आर्थिक सुधार में बाधा डालने की अनुमति देगा। उदाहरण के लिए, वायरस के डेल्टा संस्करण के प्रसार ने यूके को सामान्य आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने में विलंब करने के लिए मजबूर किया।

आईएमएफ, डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक ने महामारी को समाप्त करने के लिए 2021 के अंत तक हर देश में कम से कम 40 प्रतिशत आबादी और 2022 के मध्य तक कम से कम 60 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के पक्ष का समर्थन किया है। इस उद्देश्य को पूर्ति के लिए दैनिक वैश्विक टीकाकरण दरों में निरंतर और उल्लेखनीय वृद्धि की आवश्यकता होगी, जो जून 2021 के अंत तक केवल 40 मिलियन थी (डब्ल्यूईओ अपडेट, जुलाई 2021)। इसमें से, उच्च आय वाले देशों में एक दिन में 7 मिलियन खुराक होती है, जबकि कम आय वाले देशों में एक दिन में 1,00,000 से कम खुराक होती है। उन अर्थव्यवस्थाओं से टीके दान के माध्यम से कम आय वाले देशों को टीकों की आपूर्ति में तत्काल वृद्धि करने की आवश्यकता है जिन्होंने अतिरिक्त खुराक की खरीद की है और टीकों और उन्हें बनाने में उपयोग किए जाने वाले घटकों के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे मध्य और निम्न आय वाले देश भी टीकों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रिप्स) के समझौते के व्यापार–संबंधी पहलुओं के कुछ प्रावधानों के कार्यान्वयन पर सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के लिए छूट पर जोर दे रहे हैं।

आगे बढ़ते हुए, देशों के महामारी के बाद के आर्थिक वापसी विद्रोह में विचलन को पाटने के लिए ठोस बहुपक्षीय कार्रवाइयों की आवश्यकता है। इसे प्राप्त करने में विफलता, वी–आकार की वसूली के बाद विश्व उत्पादन की संभावना को कम कर देगी। अंकटाड की व्यापार और विकास रिपोर्ट 2019 के अनुसार, वास्तव में, एक लंबी मंदी अथवा यू–आकार की वसूली, एक डबल–डिप मंदी (डब्ल्यू–आकार) अथवा संभावित उत्पादन का स्थायी नुकसान (एल–आकार) सभी संभावित प्रक्षेपवक्र हैं यदि अच्छी तरह से निर्देशित नीति कार्रवाइयां बहुपक्षीय और देश स्तर पर नहीं की जाती है।

आईएमएफ ने हाल ही में तरलता की कमी को कम करने और वैश्विक सुधार का समर्थन करने के लिए विशेष आहरण अधिकारों (एसडीआर) के 650 बिलियन डॉलर के सामान्य आवंटन को मंजूरी दी है। इसमें से लगभग 275 बिलियन डॉलर उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को आवंटित किए जाएंगे जो उन्हें अपने सामाजिक व्यय और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के साथ–साथ उनके आर्थिक सुधार को पूरा करने में मदद करेंगे। विशेष रूप से टीकों पर बेहतर वैश्विक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए और उपायों की आवश्यकता है। अगर कोविड जैब्स की खरीद और वितरण में लॉजिस्टिक और वित्तीय बाधाओं के कारण उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वैक्सीन बनाने की गति और धीमी हो जाती है, तो वैश्विक वृद्धि में सुधार के कमजोर होने की संभावना है।

व्यक्तिगत स्तर पर, सरकारों और केंद्रीय बैंकों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को वित्तीय और मौद्रिक प्रोत्साहन देना जारी रखना चाहिए। सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल पर अपने खर्च को और बढ़ाना चाहिए, विशेषकर टीकों की खरीद और प्रशासन के लिए। वह राजकोषीय स्थान को अलक्षित सब्सिडी और अन्य कम–उपयोगी व्यय पर खर्च को कम करके प्राप्त किया जा सकता है। इस बीच, केंद्रीय बैंकों को एक विस्तारवादी मौद्रिक नीति रुख बनाए रखना चाहिए, जब तक कि वे आश्वस्त न हों कि मुद्रास्फीति के दबाव एक अस्थायी झटका हैं और जल्द ही ये दूर हो जाएंगे।

तालिका 1

विश्व आर्थिक दृष्टिकोण अनुमान

(प्रतिशत परिवर्तन जब तक कि लिखा न हो)

विश्व आर्थिक दृष्टिकोण संकेतक	वर्ष दर वर्ष			
	2019	2020	अनुमान	
			2021	2022
विश्व आउटपुट	3.6	2.9	−3.0	5.8
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.2	1.7	−6.1	4.5
संयुक्त राज्य अमेरिका	2.2	−3.5	7	4.9
यूरो एरिया	1.3	−6.5	4.6	4.3
जर्मनी	0.6	−4.8	3.6	4.1
फ्रांस	1.8	−8.0	5.8	4.2
इटली	0.3	−8.9	4.9	4.2
स्पेन	2	10.8	6.2	5.8
जापान	0	−4.7	2.8	3
यूनाइटेड किंगडम	1.4	−9.8	7	4.8
कनाडा	1.9	−5.3	6.3	4.5
अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	1.9	−2.0	4.9	3.6
उभरता बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	3.7	−2.1	6.3	5.2
उभरता और विकासशील एशिया	5.4	−0.9	7.5	6.4
चीन	6	2.3	8.1	5.7
भारत	4	−7.3	9.5	8.5
आसियान − 5	4.9	−3.4	4.3	6.3
उभरता और विकासशील यूरोप	2.5	−2.0	4.9	3.6
रूस	2	−3ण्0	4ण्4	3ण्1
लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई	0.1	−7.0	5.8	3.2
ब्राजील	1.4	−4.1	5.3	1.9
मैक्सिको	−0.2	−8.3	6.3	4.2
मध्य पूर्व और मध्य एशिया	1.4	−2.6	4	3.7
सऊदी अरब	0.3	−4.1	2.4	4.8
उप−सहारा अफ्रीका	3.2	−1.8	3.4	4.1
नाइजीरिया	2.2	−1.8	2.5	2.6
दक्षिण अफ्रीका	0.2	−7.0	4	2.2
वर्ल्ड ग्रोथ बेसड ऑन माक्रेट एक्सचेंज रेट	2.4	−3.6	6	4.6
यूरोपीयन यूनिन	1.8	−6.0	4.7	4.4
मिडल ईस्ट एंड नार्थ अफ्रीका	0.8	−3.0	4.1	3.7
एमर्जिंग मार्केट एंड मिडल−इनकम ईकॉनामिस	3.5	−2.3	6.5	5.2
लॉ−इनकम डेवल्पिंग कट्रींज	5.3	0.2	3.9	5.5
विश्व व्यापार परिमाण (माल और सेवाएं)	0.9	−8.3	9.7	7
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	1.4	−9.2	8.9	7.1
उभरते बाजार और विकाशील अर्थव्यवस्थाएं	−0.2	−6.7	11.1	6.9
माल की कीमतें (अमेरिकी डॉलर)	0.9	−8.3	9.7	7
तेल	−10.2	−32.7	56.6	−2.6
गैर−ईंधन (विश्व माल आयात भार औसत आधार पर)	0.8	6.7	26.5	−0.8
उपभोक्ता कीमतें				
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	1.4	0.7	2.4	2.1
उभरते बाजार और विकाशील अर्थव्यवस्थाएं	5.1	5.1	5.4	4.7
लंदन अंतर−बैंक पेशकश दर (प्रतिशत)				
अमेरिकी डॉलर जमा पर (छः माह)	2.3	0.7	0.3	0.4
यूरो जमा पर (तीन माह)	−0.4	−0.4	−0.5	−0.5
जापानी येन पर (छः माह)	0	0	0	0

स्रोतः वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, जुलाई 2021 (आईएमएफ)

महामारी और नीति प्रतिक्रिया

ऊपर वर्णित महामारी के अंतर्गत विकसित वैश्विक आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि में, भारत ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में अपनी अर्थव्यवस्था और समाज में पहले से ही दुनिया में सबसे कड़े लॉक–डाउन के अंतर्गत प्रवेश किया। इस महामारी से प्रेरित लॉक–डाउन के कारण सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के लिए गंभीर व्यवधान हुए। यह एक साथ एक मांग झटका (चूंकि कई लोगों ने आय में कमी का सामना किया) और एक आपूर्ति झटका (चूंकि आपूर्ति श्रृंखलाएं गंभीर रूप से बाधित हो गई थीं) था।

तथापि, कुछ समय पहले कोविड–19 ने देश में राष्ट्रीय स्तर की महामारी के खतरे की प्रकृति को ग्रहण करना शुरू कर दिया था, विकास की संभावनाएं दिख रही थीं। मजबूत खाद्य कीमतों और रबी की अच्छी फसल दोनों के कारण ग्रामीण मांग मजबूत हो रही थी। इसके अतिरिक्त, बैंकों द्वारा वास्तविक उधार दरों की ओर नीतिगत दरों (रेपो और रिवर्स रेपो दरें) में कटौती के प्रसारण में सुधार हो रहा था, जिससे खपत और निवेश दोनों गतिविधियों से मांग में संभावित वृद्धि हुई। अंतिम लेकिन कम से कम, ग्रामीण और बुनियादी ढांचे के खर्च को बढ़ावा देने के उपायों और कर दरों में कमी (सितंबर 2019 में जीएसटी दरों और कॉर्पोरेट आयकर दरों दोनों) ने आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक अत्यंत अनुकूल स्थिति पैदा की (मौद्रिक नीति रिपोर्ट, 9 अप्रैल 2020, भारतीय रिजर्व बैंक)।

लेकिन महामारी से प्रेरित राष्ट्रव्यापी लॉक–डाउन ने इन सभी को अचानक से बदल दिया। भारत में पहला राष्ट्रव्यापी लॉक–डाउन 24 मार्च 2020 को घोषित किया गया था (तथापि कुछ दिनों पहले से ही प्रकोप को रोकने के लिए कुछ विशिष्ट व्यक्तिगत उपाय किए जा रहे थे)।

मार्च 2020 की शुरुआत से भारतीय रिज़र्व बैंक और भारत सरकार ने इसके तुरंत बाद (अर्थव्यवस्था और भारत के असंख्य लोगों की आजीविका को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए) कई उपाय किए। बाद में उभरती परिस्थितियों से निपटने के लिए पैकेजों/योजनाओं को संशोधित, पुनर्गणना और विस्तारित किया और नई योजनाएं (या प्रोत्साहन पैकेज) लाना जारी रखा। भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों – एमएसएमई, किसानों, प्रवासी श्रमिकों, एनबीएफसी, संकटग्रस्त कंपनियों और यहां तक कि व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को बैंकों/एनबीएफसी से ऋण चुकाने में कठिनाई का सामना करने के लिए वित्तीय उपाय किए गए, विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्र महामारी के कारण प्रेरित लॉक–डाउन (उदाहरणार्थ, यात्रा और आतिथ्य उद्योग), आदि इसी तरह सबसे अधिक प्रभावित हुए। नई योजनाएं तैयार की गईं (उदाहरण के लिए, निम्न आय वर्ग से संबंधित लगभग पूरी आबादी को मुफ्त खाद्यान्न और दालें प्रदान करना और कई अन्य योजनाएं), साथ ही विद्यमान योजनाओं पर आवंटन बढ़ाया गया (उदाहरण के लिए, मनरेगा)। कृषि बुनियादी ढांचे सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए आवंटन किया गया था। विशेष रूप से, भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के दो प्रमुख उद्देश्य हैं: (1) एमएसएमई और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों और सामान्य रूप से गरीब लोगों को आजीविका सहायता प्रदान करना; (2) निजी क्षेत्र को ऋण सुविधाएं प्रदान करके और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकार द्वारा शुरू किए गए निवेश के माध्यम से मांग का सृजन।

विशेष रूप से, भारत सरकार आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) लेकर आई, जैसा कि यहां बताया गया है। मई 2020 में घोषित ईसीएलजीएस–1.0 के अंतर्गत, भारत सरकार ने सदस्य ऋण दाता संस्थाओं (उदाहरणार्थ बैंक, एनबीएफसी, आदि) को अपने उन उधारकर्ताओं को दी गई पात्र ऋण सुविधा के संबंध में 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान करने का बीड़ा उठाया, जिनकी ऋण देने वाले सभी संस्थानों में कुल निधि–आधारित ऋण बकाया और 29 फरवरी 2020 तक 60 दिन तक बीते दिनों के देय ₹50 करोड़ तक हैं। ईसीएलजीएस–2.0 के अंतर्गत, संकल्प फ्रेमवर्क पर कामथ समिति (सितंबर 2020 में प्रस्तुत रिपोर्ट) द्वारा पहचाने गए 26 क्षेत्रों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को उधार देने के लिए भारत सरकार द्वारा बिल्कुल इसी प्रकार की (100:) गारंटी प्रदान की गई थी। ईसीएलजीएस–2.0 के अंतर्गत, 29 फरवरी 2020 को ₹50 करोड़ से अधिक एवं ₹500 करोड़ से अनधिक बकाया ऋण और 29 फरवरी 2020 को 30 दिन से कम या उसके बराबर के पिछले देय वाली संस्थाएं पात्र हैं। ये संस्थाएं/उधारकर्ता खाते एक संपार्श्विक मुक्त गारंटीकृत आपातकालीन क्रेडिट लाइन (जीईसीएल) के रूप में अपने कुल बकाया ऋण (केवल निधि आधारित) के 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त वित्त पोषण (जो निधि आधारित या गैर–निधि आधारित या दोनों हो सकते हैं) के लिए पात्र होंगे। ईसीएलजीएस–2.0 के अंतर्गत प्रदान किए गए ऋण की मूलधन के पुनर्भुगतान पर 12 महीने के प्रतिबंध के साथ 5 साल की अवधि होगी। ईसीएलजीएस–3.0 मार्च 2021 में शुरू किया गया था, भारत सरकार ने विशेष रूप से संकटग्रस्त क्षेत्रों यथा आतिथ्य, यात्रा एव पर्यटन, अवकाश और खेल क्षेत्रों में व्यावसायिक उद्यमों को शामिल करने के लिए ईसीएलजीएस के दायरे का विस्तार किया, जिनका कुल ऋण बकाया और 29 फरवरी 2020 को 60 दिन या उससे कम का पिछला देय ₹500 करोड़ से अधिक नहीं था। इस योजना के अंतर्गत, बैंकों के लिए ऋण पर ब्याज दर 9.5 प्रतिशत और एनबीएफसी के लिए 14 प्रतिशत निर्धारित है। सरकार मई 2021, में ईसीएलजीएस–4.0 लेकर आई जिसमें अस्पतालों/नर्सिंग होम/क्लीनिक/मेडिकल कॉलेजों को ऑन–साइट ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र लगाने के लिए के लिए 7.5 प्रतिशत ब्याज दर के साथ ₹2 करोड़ तक के ऋण के लिए 100 प्रतिशत गारंटी दी गई थी। ईसीएलजीएस की वैधता 30 सितंबर 2021 तक, या ₹3 लाख करोड़ तक की राशि की गारंटी जारी होने तक बढ़ा दी गई थी (प्रेस सूचना ब्यूरो, भारत सरकार, नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड)।

इस योजना के साथ, एमएसएमई, अन्य संकटग्रस्त क्षेत्रों (कामथ समिति की रिपोर्ट के अनुसार), स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र, यात्रा और पर्यटन, अवकाश और खेल क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं का समाधान किया गया था। जब सरकार के पास राजस्व की गंभीर कमी (महामारी से प्रेरित लॉक डाउन और आर्थिक गतिविधियों में गंभीर व्यवधान के कारण) ने प्रत्यक्ष राजकोषीय व्यय के दायरे को सीमित कर दिया, तब ईसीएलजीएस ने व्यय (यह मानते हुए कि भविष्य में चूक के लिए कुछ ऋणों को विस्तारित किया गया है जिससे सरकार को चूक राशि का भुगतान करना पड़ता है) को भविष्य की तारीख के लिए स्थगित कर दिया, जबकि साथ ही आर्थिक व्यवधान से संकटग्रस्त फर्मों को बहुत आवश्यक ऋण और तरलता सहायता प्रदान की।

ऊपर उल्लिखित क्रेडिट गारंटी योजना के अतिरिक्त, सरकार ने आबादी के विभिन्न कमजोर और हाशिए के वर्गों पर बोझ कम करने के साथ–साथ मांग और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य उपायों को भी अपनाया। ऐसे और अन्य संबंधित उपायों में से कुछ ही इस प्रकार हैं:

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत प्रारंभ में गरीबों के लिए 5 किलो गेहूं/चावल प्रति सदस्य और 1 किलो दाल प्रति परिवार प्रति माह 3 महीने के लिए निशुल्क प्रदान किया जाना था, जिसे बाद में जून 2021 तक बढ़ा दिया गया था; जन धन महिला खाताधारकों को तीन महीने के लिए ₹500 प्रति माह की अनुग्रह राशि दी गई; 3 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को ₹1000/– की अनुग्रह राशि, गरीब विधवाओं और गरीब दिव्यांगों को भुगतान किया जाना था, मनरेगा में दैनिक मजदूरी में ₹20 की वृद्धि की गयी। पैकेज के अंतर्गत, ₹2.76 लाख करोड़ खर्च किया गया था और 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क खाद्यान्न, 8 करोड़ परिवारों के लिए निशुल्क रसोई गैस, 40 करोड़ से अधिक किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों, गरीबों और जरूरतमंदों के लिए प्रत्यक्ष नकद अंतरण किया गया।

- मनरेगा के अंतर्गत दैनिक मजदूरी दर में वृद्धि के अतिरिक्त, वित्तीय आवंटन ₹40,000 करोड़ तक बढ़ाया गया था ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व महामारी वर्ष की तुलना में पर्याप्त रूप से अधिक रोजगार उत्पन्न हो।

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अंतर्गत, मुख्य रूप से लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों को लाभ पहुंचाने के लिए, लगभग चालीस हजार करोड़ का व्यय करते हुए पचास करोड़ व्यक्ति–दिवस से अधिक का रोजगार सृजित किया गया था।

- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 2.5 करोड़ किसानों के लिए ₹2 लाख करोड़ का रियायती ऋण प्रदान किया जाएगा।

- प्रधानमंत्रीजी के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज से, अन्य लोगों के बीच, फार्म–गेट बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ₹1 लाख करोड़ के कृषि अवसंरचना कोष की स्थापना की।

- वर्ष 2020–21 के लिए नाबार्ड के माध्यम से किसानों हेतु ₹30,000 करोड़ का अतिरिक्त आपातकालीन कार्यशील पूंजी वित्त–पोषण प्रदान किया गया था, इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष के लिए सामान्य पुनर्वित्त मार्ग के माध्यम से नाबार्ड द्वारा ₹90,000 करोड़ उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें से, ₹25,000 करोड़ 4 दिसंबर, 2020 तक वितरित किया गया है। शेष राशि में से ₹5,000 करोड़ छोटे कम आंकलित एनबीएफसी और एमएफआई के लिए विशेष तरलता सुविधा हेतु आवंटित किए गए थे।

- इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की धारा 4 के अंतर्गत डिफॉल्ट की सीमा को, वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही को रोकने के लिए, ₹1 लाख से बढ़ाकर ₹1 करोड़ कर दिया गया था।

- एमएसएमई के लिए विशेष दिवालिया समाधान ढांचे को अधिसूचित किया गया था, दिवालिया कार्यवाही की नई शुरुआत को एक वर्ष तक के लिए निलंबित कर दिया गया था, और कोविड–19 से संबंधित ऋण को आईबीसी के अंतर्गत "डिफ़ॉल्ट" की परिभाषा से बाहर रखा गया था।

- बड़ी संख्या में फर्मों को लाभ देने के लिए एमएसएमई की परिभाषा को संशोधित किया गया।

- चूंकि सभी राज्य सरकारों को भी राजस्व में भारी कमी का सामना करना पड़ा है, इसलिए केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए राज्यों के लिए उधार सीमा को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया है।

- उधार लेने के लिए एक विशेष खिड़की को राज्यों के लिए घोषित किया गया था जिसके अंतर्गत ₹1.1 लाख करोड़ की अनुमानित जीएसटी मुआवजा उपकर कमी को उचित हिस्सों में भारत सरकार द्वारा उधार लिया जाएगा और जीएसटी मुआवजा उपकर मोचन के स्थान पर बैक–टू–बैक ऋण के रूप में राज्यों को आगे दे दिया जाएगा।

- निर्दिष्ट क्षेत्रों (उदाहरणार्थ, एडवांस सेल केमिस्ट्री बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक/टेक्नोलॉजी उत्पाद, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, फार्मास्युटिकल ड्रग्स, टेलीकॉम और नेटवर्किंग उत्पाद, इत्यादि) में घरेलू उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में, आत्मनिर्भर भारत अभियान पहल के अंतर्गत दस (10) प्रमुख क्षेत्रों (बाद में ₹1.97 लाख करोड़ और 13 क्षेत्रों तक बढ़ाया गया) के लिए ₹1.46 लाख करोड़ मूल्य की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना आरंभ की गई थी।

- निर्दिष्ट भुगतानों (वेतन के अतिरिक्त) के लिए टीडीएस की दरें और निर्दिष्ट प्राप्तियों के लिए टीसीएस को विद्यमान दरों के 25 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है और यह मई 2020 के मध्य से 31 मार्च 2021 तक लागू होगा। इससे ₹50,000 करोड़ की तरलता सहायता मिलने की अपेक्षा है।

- वैधानिक और अनुपालन के मामलों में ढील दी गई थी यथा आयकर/जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की समय–सीमा का विस्तार, विवाद से विश्वास योजना के अंतर्गत भुगतान और विभिन्न कॉर्पोरेट मामले।

- सरकार ने छोटे व्यवसायों (100 से कम कर्मचारी) में कम वेतन पाने वालों के लिए, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों की ओर से एक निर्दिष्ट अवधि (जिसे बाद में जून 2022 तक बढ़ा दिया गया) के लिए अनिवार्य कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के योगदान को स्वयं वहन करने पहल की।

- मेक इन इंडिया के समर्थन में ₹200 करोड़ तक की सरकारी खरीद के लिए ग्लोबल टेंडर करने के लिए अनुमति नहीं है।

- भारतीय रेलवे ने देश भर में आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए, आवश्यक वस्तुओं और अन्य सामानों के राष्ट्रव्यापी परिवहन के लिए समयबद्ध पार्सल ट्रेनों की शुरुआत की।

- भारत सरकार ने भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के अंतर्गत परियोजना निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्जिम बैंक को ₹3,000 करोड़ की सहायता की घोषणा की। यह एक्जिम बैंक को विकास सहायता गतिविधियों के लिए ऋण की सुविधा प्रदान करने और भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

- अन्य महत्वपूर्ण उपायों में शामिल हैं: मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क (एमआईटीआरए), सात टेक्सटाइल पार्क, नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) का 7,400 परियोजनाओं तक विस्तार, इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग के लिए संस्थागत ढांचे का निर्माण, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन, पूंजीगत बजट में तेज वृद्धि, इत्यादि।

इस बीच, आरबीआई भी लगभग भारत सरकार के समान उद्देश्य के साथ समय–समय पर कई उपायों के साथ सामने आया है। आरबीआई द्वारा किए गए इन उपायों में से कई भारत सरकार द्वारा अपनाए गए विभिन्न राजकोषीय उपायों के पूरक प्रकृति के थे। इनमें से आरबीआई द्वारा अपनाए गए कुछ उपाय इस प्रकार हैं (आरबीआई वार्षिक रिपोर्ट, 2021):

- मार्च 2020 के अंत में पॉलिसी रेपो दर को 5.15 से घटाकर 4.40 प्रतिशत (75 आधार अंकों या बीपीएस की कमी) और रिवर्स रेपो दर को 4.90 से घटाकर 4.00 प्रतिशत कर दिया गया था। रेपो दर में कमी का उद्देश्य बैंक ऋण की लागत को ऋण लेने वालों के लिए कम करना था और रिवर्स रेपो दर, वाणिज्यिक बैंकों को आरबीआई के पास पैसा जमा करने के बजाय व्यवसाय और व्यक्तियों को ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए थी। अप्रैल 2020 के मध्य में रिवर्स रेपो दर को 25 बीपीएस से और घटाकर 3.75 प्रतिशत तथा मई 2021 में 40 बीपीएस से 3.35 प्रतिशत कर दिया गया था। मई 2020 में पॉलिसी रेपो दर को 470 बीपीएस से और घटाकर 4.0 प्रतिशत कर दिया गया था।

- नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) 28 मार्च 2020 से एक वर्ष के लिए शुद्ध मांग और समय देयताओं (एनडीटीएल) के 100 बीपीएस घटकर 3.0 प्रतिशत हो गया, जिससे वर्ष के लिए संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली हेतु उधार योग्य संसाधनों की आपूर्ति में 1.37 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इसे 27 मार्च 2021 (सीआरआर बढ़ाकर 3.5%) और 22 मई 2021 (4%) से दो चरणों में उलट दिया गया था।

- असाधारण रूप से अत्यधिक अस्थिर घरेलू वित्तीय बाजारों में बैंकिंग प्रणाली को आराम प्रदान करने के उद्देश्य से, सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के तहत आरबीआई से बैंकों की उधार (तरलता समर्थन) की सीमा को 28 मार्च 2020 से 30 सितंबर 2020 तक वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत कर दिया गया (प्रारंभ में 30 जून 2020 तक घोषित किया गया था), और बाद में वैधता को 31 मार्च 2021 तक और फिर 30 सितंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया था।

- अप्रैल 2020 के मध्य में नाबार्ड को कुल ₹50,000 करोड़ की विशेष पुनर्वित्त सुविधाएं प्रदान की गईं थीं ₹25,000 करोड़ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), सहकारी बैंकों और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) के पुनर्वित्त के लिए}, सिडबी को ₹15,000 करोड़ (उधार पर/पुनर्वित्त के लिए) और ₹10,000 करोड़ {आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) को सहायता देने के लिए} एनएचबी को। इन संस्थानों को लक्षित क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए समय–समय पर प्रचलित आरबीआई की नीति रेपो दर पर इस सुविधा के अंतर्गत अग्रिम प्रदान किए गए थे।

- आरबीआई ने मार्च 2020 से शुरू होने वाले नए प्रस्तुत लक्षित दीर्घकालिक रेपो संचालन (टीएलटीआरओ) की मदद से वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से बड़े कॉरपोरेट्स को तरलता सहायता प्रदान की, जिसके अंतर्गत बैंकों को तरलता प्रदान की गई थी, इन बांडों में उनके निवेश के बकाया स्तर के अतिरिक्त, निवेश ग्रेड कॉर्पोरेट बॉन्ड, वाणिज्यिक पत्र और गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर में लगाया जाना था। अप्रैल 2020 में, टीएलटीआरओ 2.0 को पॉलिसी रेपो रेट पर आयोजित किया गया था। इस योजना के अंतर्गत बैंकों को प्रदान की गई तरलता को निवेश ग्रेड कॉरपोरेट बॉन्ड, वाणिज्यिक पत्र और गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर में लगाया जाना था, जिसमें कुल राशि का कम से कम 50 प्रतिशत छोटे और मध्यम आकार के एनबीएफसी और एमएफआई को दिया गया था। इन कदमों ने महामारी के पहले से ही तरलता आघात से पीड़ित लघु एनबीएफसी को प्रदान करने में बहुत उपयोगी भूमिका निभाई। इनसे छोटे सूक्ष्म–वित्त संस्थान द्वारा ऋण निधि में भी मदद मिली। इस एसएलएफ–एमएफ योजना को सभी बैंकों तक विस्तारित किया गया था, भले ही वे रिजर्व बैंक से धन प्राप्त करें या म्यूचुअल फंड की तरलता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने स्वयं के संसाधनों को लगाएं।

- एनबीएफसी, एचएफसी और एमएफआई (जो कुछ वित्तीय मापदंडों को पूरा करते हैं) में तरलता प्रदान करने के लिए भारत सरकार की ₹30,000 करोड़ की योजना को लागू करने के लिए, आरबीआई ने एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपी) द्वारा स्थापित एक न्यास, विशेष तरलता योजना (एसएलएस) के रूप में एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) द्वारा जारी सरकार की गारंटीकृत विशेष प्रतिभूतियों की सदस्यता लेकर बैक–टू–बैक फंडिंग के माध्यम से तरलता प्रदान की।

- अक्टूबर 2020 में, आरबीआई ने ऑन टैप टीएलटीआरओ योजना प्रस्तुत की। इसके अंतर्गत, ऑन टैप टीएलटीआरओ को अंतिम उपयोग मार्गदर्शन के साथ फ्लोटिंग रेट (रेपो रेट) पर ₹100,000 करोड़ की कुल राशि के लिए तीन साल के कार्यकाल के साथ आयोजित किया गया था। दिसंबर 2020 में, 21 अक्टूबर 2020 को पहले से पहचाने गए पांच क्षेत्रों के अतिरिक्त 26 संकटग्रस्त क्षेत्रों (जैसा कि कामथ समिति द्वारा पहचाना गया है और सरकार की आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस 2.0) के तहत उपलब्ध क्रेडिट गारंटी के अनुरूप

है), को कवर करने के लिए इस योजना का विस्तार किया गया था। फरवरी 2021 में, बैंकों को ऑन टैप टीएलटीआरओ योजना के अंतर्गत एनबीएफसी को धन उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई थी।

मैक्रोइकॉनॉमी

चूंकि वित्तीय वर्ष 2020–21 (क्यू1एफवाई21) की पहली तिमाही के प्रमुख भाग के दौरान अर्थव्यवस्था बहुत कड़े लॉक–डाउन के अंतर्गत रही, इसलिए तिमाही के लिए जीडीपी (2011–12 की कीमतों पर) वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही की तुलना में 23.7 प्रतिशत संकुचित हो गई। धीरे–धीरे रोक खुलने और भारत सरकार, आरबीआई और अन्य द्वारा अपनाए गए असंख्य नीतिगत उपायों के साथ, अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा। पूरे वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए, स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान 3.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 7.3 प्रतिशत (एनएसओ, एमओएसएंडपीआई) सिकुड़ने का अनुमान है। यह मुख्य रूप से उत्पादों पर शुद्ध करों में 18.4 प्रतिशत के तेज संकुचन से प्रेरित था। तथापि, जब चालू कीमतों में मापा गया तो वित्त वर्ष 2021 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि वित्त वर्ष 2020 में 7.8 प्रतिशत की तुलना में केवल –3.0 प्रतिशत थी। प्रमुख क्षेत्रों में, कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन केवल एक ही है जिसने वित्त वर्ष 2020 के दौरान 4.3 प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 3.6 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि (स्थिर कीमतों पर) दर्ज की। महामारी से प्रेरित लॉक–डाउन और आर्थिक व्यवधान से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले तीन क्षेत्र हैं: (1) व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और सेवाओं से संबंधित प्रसारण (वित्त वर्ष 2021 के दौरान –18.2% की वृद्धि), (2) निर्माण(–8.6%), (3) खनन और उत्खनन(–8.6%) और (4) विनिर्माण(–7.2%)।

सरकारी वित्त, अर्थव्यवस्था के लगभग सभी अन्य क्षेत्रों के साथ, गंभीर रूप से तनावपूर्ण हो गया। सकल राजकोषीय घाटा (जीएफडी) 2020–21 में सकल घरेलू उत्पाद (संशोधित अनुमानों के अनुसार) 9.5 प्रतिशत बिगड़ गया, जबकि वित्तीय वर्ष के बजटीय अनुमान के अनुसार यह 3.5 प्रतिशत था। परिणामस्वरूप, वर्ष के लिए केंद्र सरकार की ₹5.40 करोड़ के बजटीय अनुमान से बाजार उधार की वृद्धि ₹12.78 लाख करोड़ रुपये (आरई 2020–21) हो गई। उच्च बाजार उधारी के कारण, सरकार का ऋण–जीडीपी अनुपात 2020–21 (आरई) के लिए बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो गया। वास्तव में, सिस्टम में तरलता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार और आरबीआई दोनों द्वारा किए गए कई उपायों ने, वित्तीय बाजारों में बड़ी उथल–पुथल किए बिना भारत सरकार की बाजार उधारी को (बजटीय राशि की तुलना में) पर्याप्त रूप से बढ़ाने के लिए सक्षम किया है।

तालिका

भारत सरकार के वित्त

मद	वास्तविक	बजट प्राक्कलन	परिशोधित प्राक्कलन	बजट आकलन
	2019.20	**2020.21**	**2020.21**	**2021.22**
1. राजकोषीय घाटा जीडीपी के प्रतिशत के रूप में	933,651 (4.6)	796,337 (3.5)	1,848,655 (9.5)	1,506,812 (6.8)
2. राजस्व घाटा जीडीपी के प्रतिशत के रूप में	666,545 (3.3)	609,219 (2.7)	1,455,989 (7.5)	1,140,576 (5.1)
3. प्रभावी राजस्व घाटा जीडीपी के प्रतिशत के रूप में	480,904 (2.4)	402,719 (1.8)	1,225,613 (6.3)	921,464 (4.1)
4. प्राथमिक घाटा जीडीपी के प्रतिशत के रूप में	321,581 (1.6)	88,134 (0.4)	1,155,755 (5.9)	697,111 (3.1)
निम्न द्वारा वित्तपोषित किया जाना है: क. बाजार से उधार (G-sec+T Bills) ख. अन्य लिखत/चैनल	 624,089 309,562	 539,870 256,467	 1,277,788 570,867	 974,708 532,104
कुल वित्तपोषण	**933,651**	**796,337**	**1,848,655**	**1,506,812**

बीई: बजट प्राक्कलन; **आरई:** परिशोधित प्राक्कलन

स्रोत: बजट एक नजर में, केंद्रीय बजट 2021 वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

आर्थिक सुधार की चिंताओं के अतिरिक्त, वर्ष 2020–21 के लिए एक और चिंता मुद्रास्फीति का दबाव रहा। वर्ष 2020 के दौरान, वैश्विक मुद्रास्फीति परिदृश्य चिंता का एक विषय नहीं था, क्योंकि वैश्विक और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के बावजूद कुल मांग में कमी के कारण कीमतों में वृद्धि नहीं हुई थी। लेकिन वर्ष 2020 की दूसरी छमाही से, वैश्विक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि शुरू हो गई, जिससे दुनिया भर में कई अन्य उत्पादों की कीमतों पर लागत उछाल का दबाव पैदा हो गया।

भारत में, नोवेल कोरोना वायरस के प्रसार से लड़ने के लिए लगाए गए अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन के कारण वित्तीय वर्ष 2020–21 के पहले दो महीनों के दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा कीमतों पर विश्वसनीय जानकारी एकत्र नहीं की जा सकी। जून 2020 से, देश ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण आपूर्ति श्रृंखला में गड़बड़ी यथा कच्चे माल की आपूर्ति में व्यवधान, लोडिंग और अनलोडिंग के लिए श्रम की अनुपलब्धता, परिवहन के लिए बाधाएं, अधिक वर्षा होने से फसलों को नुकसान के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि इत्यादि के फलस्वरूप खाद्य मुद्रास्फीति (विशेषकर सब्जियों) और बढ़ी हुई मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर) में भारी तेजी देखी गई। मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर) वर्ष के दौरान मुख्य रूप से दो कारकों के कारण कठोर हुई: लॉकडाउन के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान (वैश्विक और स्थानीय) और परिवहन लागत में भारी वृद्धि। तथापि, ताजा फसल आवक (आरबीआई वार्षिक रिपोर्ट 2021) के कारण वित्त वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही के अंत से खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति धीमी होने लगी।

वैश्विक व्यापार के पतन की पृष्ठभूमि में, 2020–21 में भारत के व्यापारिक निर्यात में 11.8 प्रतिशत और आयात में 17.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। आयात में बड़ी गिरावट के कारण व्यापार घाटा 2019–20 में अमेरिकी डॉलर 144–631 बिलियन से बढ़कर अमेरिकी डॉलर 102–447 बिलियन हो गया है (वर्ष 2020–21 में भारत का विदेश व्यापार तालिका देखें)। तथापि वित्त वर्ष 2020–21 की तीसरी तिमाही से विदेशी व्यापार में वृद्धि के संकेत दिखने लगे हैं, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्तमान स्थितियों को देखते हुए तत्काल भविष्य की संभावना अनिश्चित बनी हुई है।

तालिका
वर्ष 2020–21 में भारत का विदेश व्यापार

मद	2019.20	2020.21	Change (%)
निर्यात	330,078.09	291,163.54	–11.8
आयात	474,709.28	393,610.56	–17.1
व्यापार शेष	(144,631.19)	(102,447.02)	–29.2

नोट: व्यापार संतुलन की गणना निर्यात और आयात के आंकड़ों से की जाती है।

स्रोत: निर्यात आयात डेटा बैंक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

पूंजी खाते पर, भारत ने 2020–21 के दौरान 81.72 बिलियन अमेरिकी डॉलर का एफडीआई प्राप्त किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 74. 39 अमेरिकी डॉलर की राशि से 10 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत में इक्विटी उपकरणों में कुल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश 2019–20 में केवल 1.291 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2020–21 में 37.029 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। डेट इंस्ट्रूमेंट्स (ऋण, स्वैच्छिक प्रतिधारण के अंतर्गत ऋण और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स) ने 2020–21 में यूएस + 0–848 बिलियन का शुद्ध बहिर्वाह दर्ज किया, जबकि 2019–20 में यूएस + 4–333 बिलियन के शुद्ध बहिर्वाह की तुलना में (मासिक एफपीआई नेट से गणना की गई) एनएसडीएल द्वारा प्रकाशित निवेश विवरण)। दिनांक 2 अप्रैल 2021 को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 576–87 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि 3 अप्रैल 2020 को यह 474–66 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

वित्तीय वर्ष के दौरान, वैश्विक महामारी की स्थिति में सुधार के कारण जोखिम धारणा के उलट होने के कारण अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ, रुपये में व्यापक रूप से सराहना पूर्वाग्रह के साथ कारोबार हुआ। भारतीय इक्विटी बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारी आमद से भी रुपये को समर्थन मिला। आरबीआई ने विनिमय दर में अस्थिरता को कम करने के लिए ऑनशोर/ऑफशोर ओवर द काउंटर (ओटीसी) और एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) सेगमेंट के माध्यम से विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया।

अभूतपूर्व वैश्विक महामारी और आर्थिक स्थिति के सामने, भारत को वित्त वर्ष 2020–21 में बाहरी क्षेत्र के संबंध में कुछ उल्लेखनीय कदम उठाने पड़े, जिनमें से कुछ का उल्लेख निम्नलिखित में किया गया है:

- महामारी के शुरुआती दिनों में, अचानक वैश्विक कमी का सामना करने पर, कुछ दवाओं (सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री और पैरासिटामोल, एसाइक्लोविर, विटामिन बी 1 और बी 6, आदि जैसे फॉर्मूलेशन), व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और यहां तक कि महामारी से लड़ने के लिए अपेक्षित वेंटिलेटर पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। साथ ही इन वस्तुओं में आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र दोनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए, और जब यह प्राप्त कर लिया गया तो निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया गया ताकि अन्य देशों को महामारी के खिलाफ उनकी लड़ाई में मदद मिल सके।

- विदेश व्यापार नीति 2015–20 को शुरू में एक साल के लिए बढ़ा दिया गया था और निर्यात एवं आयात प्रक्रियाओं के क्षेत्र में अन्य छूट दी गई थी। तत्पश्चात नीति को पुनः छह महीने के लिए 30 सितंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया था।

- महामारी प्रभावित भारतीय कंपनियों के अवसरवादी कब्जे/अधिग्रहण को हतोत्साहित करने के लिए, भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में संशोधन किया गया था।

***

वर्ष 2020–21 में आईआईएफटी की महत्वपूर्ण उपलब्धियां : (एक झलक)

कोविड से संबंधित अत्यावश्यकताओं के बाद लगाए गए सामाजिक दूरी के प्रावधानों और सीमा–पार आवागमनों और अन्य प्रासंगिक नियमों के कारण, कई नियमित कार्यक्रम जो अकादमिक वातावरण के अभिन्न अंग हैं (उदाहरणार्थ, अकादमिक रैंकिंग, विदेशी विश्वविद्यालयों और बी–स्कूलों के साथ छात्र आदान–प्रदान) को सीमित करना पड़ा। इस प्रक्रिया में संस्थान के कुछ कार्य भी प्रभावित हुए।

संस्थान का वार्षिक दीक्षांत समारोह

संस्थान का वार्षिक दीक्षांत समारोह इस वर्ष भौतिक रूप से आयोजित नहीं किया जा सका। इस वर्ष के दौरान विभिन्न प्रबंधन कार्यक्रमों के कुल 604 छात्रों को संस्थान से डिग्री प्रदान की जाएगी।

अंतिम प्लेसमेंट

संस्थान ने अपने प्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के एमबीए (आईबी) 2019–21 बैच के लिए अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस नियोजन के एक औसत सीटीसी ₹21.08 लाख प्रति वर्ष और मंझला सीटीसी प्रति वर्ष ₹20 लाख था। इसमें उच्चतम सीटीसी की पेशकश प्रति वर्ष ₹46.5 लाख है, जबकि बैच के शीर्ष 25 प्रतिशत छात्रों का प्राप्त औसत सीटीसी प्रति वर्ष ₹25.22 लाख है। नियोजन प्रक्रिया में 117 कंपनियों ने भाग लिया।

आईआईएफटी अपने कठोर पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या और अत्यंत प्रतिस्पर्धी बैच के कारण देश में शीर्ष नियोक्ताओं के लिए सबसे पसंदीदा भर्ती स्थलों में से एक रहा है। कुछ उल्लेखनीय नए संघों में एंजेल ब्रोकिंग, अल्फा अल्टरनेटिव्स, बजाज फिनसर्व, बेनक्यू, हेल्थियंस, केपीएमजी, लोगीनेक्स्ट सॉल्यूशंस, एसएंडपी ग्लोबल, शांगरीला कॉरपोरेट सर्विसेज, थाउसेंट्रिक, यूनाइटेड ब्रेवरीज, वीओआईएस, वोक्सको, वेलस्पन, श्याओमी, येलो मैसेंजर और जेडएस एसोसिएट्स शामिल हैं।

सेल्स एंड मार्केटिंग डोमेन ने 24 प्रतिशत ऑफर के उच्चतम प्रतिशत को आकर्षित किया और एयरटेल, एमवे, बजाज ऑटो, सिप्ला, डाबर, एली लिली, जीएसके, एचयूएल, आईटीसी, लोरियल, मेडट्रॉनिक, पेटीएम जैसे ब्रांडों की गहरी भागीदारी देखी। आरपीजी, सिग्निफाई और टाटा स्टील, जिन्होंने बेनक्यू, कोलगेट पामोलिव, जेसीबी, यूनाइटेड ब्रेवरीज और येलो मैसेंजर सहित नए नियोक्ताओं के साथ बड़ी संख्या में भर्ती करना जारी रखा।

इस प्लेसमेंट सीज़न में प्रतिष्ठित परामर्श डोमेन में शुरू किए गए ऑफ़र की संख्या में भी वृद्धि देखी गई, जो आईआईएफटी द्वारा एक बैच के लिए अब तक की सर्वोच्च रिपोर्ट की गई है। बेन कैपेबिलिटी नेटवर्क, बीओडी, कॉग्निजेंट, इंफोसिस कंसल्टिंग, केपीएमजी, मैकिन्से, माइकल पेज, प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस, थाउसेन्ट्रिक, विप्रो और जेडएस एसोसिएट्स जैसी प्रमुख कंसल्टिंग फर्मों ने 75 से अधिक ऑफर दिए।

कॉर्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, धन प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और फिनटेक जैसी भूमिकाओं के लिए वित्त क्षेत्र एक प्रमुख भर्तीकर्ता बना रहा, जो बैच के 22 प्रतिशत को प्रस्ताव दे रहा है। इस डोमेन में प्रतिष्ठित नियोक्ताओं में अल्फा अल्टरनेटिव्स, सिटीबैंक, डीई शॉ, जीई, गोल्डमैन सॅक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी एसटीजी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मॉर्गन एंड चेस, सिल्वरडेल, सिनर्जी कंसल्टिंग और यस बैंक शामिल हैं।

कॉर्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, धन प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और फिनटेक जैसी भूमिकाओं के लिए वित्त क्षेत्र एक प्रमुख भर्तीकर्ता बना रहा, जो बैच के 22 प्रतिशत को प्रस्ताव दे रहा है। इस डोमेन में प्रख्यात नियोक्ताओं में से कुछ नाम अल्फा अल्टरनेटिव्स, सिटीबैंक, डीई शॉ, जीई, गोल्डमैन सैक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी एसटीजी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मॉर्गन एंड चेस, सिल्वरडेल, सिनर्जी कंसल्टिंग और यस बैंक हैं।

55 से अधिक प्रस्तावों के साथ, आईटी और एनालिटिक्स एक आकर्षक डोमेन बना रहा और इसमें डीसीएम श्रीराम, इपिकइंडिफि, एक्सेल, गो–एमएमटी, हैक्सावेयर, इंकचर, लोगीनेक्सट सॉल्यूशन्स, माइक्रोसॉफ्ट, पोलस्टार, और एस एंड पी ग्लोबल जैसे तकनीकी दिग्गजों और स्टार्ट–अप के मिश्रण की भागीदारी देखी गई।

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, बजाज ऑटो, डाबर, गोल्डमैन सॅक्स, गूगल, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, आईटीसी, एलडीसी, लोरियल, माइक्रोसॉफ्ट और ट्रैफिगुरा जैसे प्रतिष्ठित नियोक्ताओं ने आईआईएफटी में अपने विश्वास को दर्शाया और विभिन्न भूमिकाओं की पेशकश करके मजबूत संबंधों को बनाए रखना जारी रखा।

ग्रीष्म इंटर्नशिप

संस्थान ने समर इंटर्नशिप के लिए अपने प्रमुख कार्यक्रम एमबीए(आईबी) के 2020–22 के बैच की प्लेसमेंट प्रक्रिया सम्पन्न कर ली है। प्लेसमेंट में औसत पारिश्रमिक ₹1.61 लाख और जबकि मध्यम पारिश्रमिक ₹1.50 लाख था। आईआईएफटी गत वर्ष की तुलना में बैच आकार में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद दो महीने के लिए 3.2 लाख के उच्चतम पारिश्रमिक को बनाए रखने में सफल रहा।

बैच के शीर्ष 100 छात्रों ने दो माह का औसत पारिश्रमिक ₹2.37 लाख प्राप्त किया जिसमें बैच के 70 प्रतिशत ने छः अंकों वाला पारिश्रमिक प्राप्त किया।

वर्चुअल प्लेसमेंट की चुनौती की ओर आगे बढ़ते हुए, आईआईएफटी ने समर प्लेसमेंट के इस चक्र के दौरान विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों के 123 नियोक्ताओं की भागीदारी देखी।

इन उल्लेखनीय अवधि के दौरान भी, संस्थान ब्रिजस्टोन, सीआईबीसी, सीओएफसीओ, कन्डुएंट, ईवाई, फिलिपकार्ट, ग्रोफर्स, जैन फार्म फ्रेश

फूड्स, जैन इरिगेशन, आईएमआई, मार्स, मैकिन्से एंड कंपनी शांगरीला कॉरपोरेट सर्विसेज, यूनाइटेड ब्रेवरीज, उड़ान, अनएकेडमी, वीओआईएस और श्याओमी कुछ नाम जैसे प्रख्यात ब्रांडों के साथ समर प्लेसमेंट के लिए नए जुड़ाव बनाने में सक्षम था।

इस वर्ष के 46 नए नियोक्ताओं ने व्यवसाय परामर्श, उत्पाद प्रबंधन, बिक्री और विपणन, वित्त, कमोडिटी ट्रेडिंग, व्यापार परामर्श, श्रेणी प्रबंधन, संचालन, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, व्यवसाय विकास और सामान्य प्रबंधन जैसे विभिन्न डोमेन में भूमिकाओं की पेशकश की है।

इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए, संस्थान समर प्लेसमेंट के लिए कैंपस में शीर्ष व्यापार फर्मों को आकर्षित करने में सफल रहा। आला ट्रेड डोमेन ने कोफको, इंटरनेशनल मैटेरियल्स इंक और ओलम एग्रो के साथ समर प्लेसमेंट के लिए नए जुड़ाव देखे। एलडीसी, टाटा इंटरनेशनल और मार्सक जैसे हमारे नियमित भर्तीकर्ताओं ने आईआईएफटी के छात्रों में विश्वास बनाए रखा।

बजाज, डाबर, जीई (कमर्शियल लीडरशिप प्रोग्राम), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड, जीएसके, एचटी मीडिया, आईटीसी, लोरियल, मेडट्रॉनिक और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा इंटरनेशनल जैसे प्रमुख ब्रांडों के लगभग 35 प्रतिशत ऑफ़र के साथ बिक्री और विपणन शीर्ष डोमेन में बना रहा। इन्होंने बड़ी संख्या में भर्ती करना जारी रखा, जबकि नए भर्तीकर्ताओं में मार्स और यूनाइटेड ब्रेवरीज शामिल थे।

फाइनेंस डोमेन ने सिटी बैंक, डीई शॉ, गोल्डमैन सॅक्स, जनरल इलेक्ट्रिक (वित्तीय प्रबंधन कार्यक्रम), एचएसबीसी एसटीजी, आईसीआईसीआई बैंक, इंडस वैली पार्टनर्स और जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, सिल्वरडेल और सिनर्जी कंसल्टिंग जैसे बड़े नामों से कुल प्रस्तावों का 24 प्रतिशत प्रमुख भूमिकाओं के लिए आकर्षित किया।

प्रतिष्ठित परामर्श डोमेन पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए, बीओडी, कॉग्निजेंट कंसल्टिंग, ईवाई और मैकिन्से एंड कंपनी जैसी फर्मों के साथ जुड़ाव के परिणामस्वरूप इस डोमेन में कुल प्रस्तावों का 9 प्रतिशत हिस्सा मिला।

कन्डुएंट, जेनपैक्ट, गूगल, हेक्सावेयर, माईक्रोसॉफ्ट और टीसीएस, आईटी एंड एनालिटिक्स जैसी तकनीकी फर्मों के 35 से अधिक ऑफ़र के साथ, कुल ऑफ़र का 9 प्रतिशत आकर्षित करने वाला पसंदीदा डोमेन बना रहा।

फ्लिपकार्ट और ग्रोफर्स जैसे उद्योग जगत के नेताओं के नेतृत्व में ई–कॉमर्स उद्योग में उछाल बैच के लिए विभिन्न प्रस्ताव लाई। इस भाग में भर्तीकर्ताओं ने नई भूमिकाओं की पेशकश की, जिससे प्रतिभागियों को चुनने के लिए असंख्य विकल्प मिले।

महामारी के दौरान भी, संस्थान बजाज ऑटो, बेक्टन डिकिंसन, डाबर, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड, गोल्डमैन सॅक्स, गूगल, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, आईटीसी एलडीसी, लोरियल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे अपने पुराने नियोक्ताओं के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने में सफल रहा जो कई क्षेत्रों और डोमेन में अवसरों के साथ शीर्ष–भर्तीकर्ता बने रहे।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

वर्ष 2020–21 के दौरान, संस्थान ने 10 अप्रैल 2020 को तीन साल की अवधि के लिए बांग्लादेश विदेश व्यापार संस्थान, ढाका, बांग्लादेश और 31 मई 2020 को पांच साल की अवधि के लिए इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी, ताशकंद क्षेत्र, उजबेकिस्तान जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ छात्र/संकाय आदान–प्रदान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

कार्यपालक छात्र अध्ययन पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अन्य वर्षों के विपरीत, ये गतिविधियाँ संपन्न नहीं हो सकीं क्योंकि कोविड–19 की स्थिति ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा की अनुमति नहीं दी।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 के दौरान, आईआईएफटी में एमडीपी डिवीजन ने विभिन्न स्तरों के प्रबंधकों और कार्यकारी अधिकारियों के लिए 13 कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें से, 8 सरकारी अधिकारियों (आईटीएस परिवीक्षाधीन सहित) और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निजी क्षेत्र के अधिकारियों के लिए प्रायोजित कार्यक्रम थे। इसके अतिरिक्त, 4 लंबी अवधि के पाठ्यक्रम हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्रदान किए गए और निर्यात बंधु योजना– एमओओसी के तहत ऑनलाइन एमडीपी की श्रृंखला भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, उद्यमियों को कोविड के बाद के व्यापार परिदृश्य से निपटने में मदद करने के लिए, कई ऑनलाइन एमडीपी की भी पेशकश की गई थी। इन कार्यक्रमों से कुल 886 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम

- **ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैंपस और हाइब्रिड) 2019–20 का सफलतापूर्वक समापन**

ऑन–कैंपस और हाइब्रिड में अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम दिसंबर 2020 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 128 प्रतिभागी शामिल थे, जिनमें से 95 ऑन–कैंपस मोड में थे और 33 हाइब्रिड मोड में थे।

- **ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैंपस और हाइब्रिड) 2020–2021 का सफल शुभारंभ**

ऑन–कैंपस और हाइब्रिड में, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में कार्यकारी स्नातकोत्तर 15 माह का नया बैच 8 अगस्त 2020 को कोविड–19 महामारी के बीच वर्चुअल मोड में उद्घाटन समारोह के साथ लॉन्च किया गया था। विभिन्न कॉर्पोरेट/उद्योगों के कुल 109 अधिकारी प्रतिभागियों के रूप में शामिल हुए, जिनमें से क्रमशः 76 ने कैंपस मोड में पंजीकरण कराया और 33 ने हाइब्रिड बैच को चुना।

- **पीएचडीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय सप्ताह, हाइब्रिड प्रदर्शनी (15 मार्च 2021 से 19 मार्च 2021)**

ईएमपी डिवीजन ने 15–19 मार्च 2021 तक आयोजित अपने प्रमुख कार्यक्रम के लिए पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ

सहयोग करने का बीड़ा उठाया था। आईआईएफटी इस आयोजन के लिए "नॉलेज पार्टनर" के रूप में जुड़ा था।

मासिक संगोष्ठी श्रृंखला

प्रो. मनोज पंत, निदेशक, आईआईएफटी के मार्गदर्शन में, प्रकाशन विभाग ने एक मासिक संगोष्ठी श्रृंखला शुरू करने की पहल की है। इस संगोष्ठी में, हम बाहरी विशेषज्ञों को एक अकादमिक शोध पत्र/विषय प्रस्तुत करने और आईआईएफटी में संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस तरह के आयोजनों के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच एक शोध संस्कृति को बढ़ावा देना है। अगस्त 2018 से, हमने मासिक सेमिनार/वेबिनार श्रृंखला के तहत कई व्याख्यान आयोजित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान विशेषज्ञ भागीदारों और दो अन्य वेबिनार के सहयोग से छह वेबिनार आयोजित किए गए।

प्रकाशन फोकसडब्ल्यूटीओ.आईबी जर्नल और आईआईएफटी त्रैमासिक न्यूजलेटर

प्रकाशन विभाग ने फोकस डब्ल्यूटीओ आईबी का खंड 22 (4 अंक) प्रकाशित किया है, जो आईआईएफटी का एक आंतरिक त्रैमासिक प्रकाशन है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉक्टरेट शोध प्रबंध के पूर्ण शोध पत्र, केस–स्टडी, मोनोग्राफ, पुस्तक समीक्षा और सारांश प्रकाशित करता है। और प्रबंधन अनुसंधान।

प्रकाशन विभाग ने फोकसडब्ल्यूटीओ.आईबी के लिए जर्मनी (मासमैन इंटरनेशनेल बुचंडलंग जीएमबीएच) से अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय सदस्यता के साथ एक बड़ी उपलब्धि अर्जित की।

प्रकाशन विभाग ने आईआईएफटी तिमाही न्यूज़लेटर (जनवरी–जून 2020, जुलाई–सितंबर 2020 और अक्टूबर–दिसंबर 2020) के तीन अंक प्रकाशित किए हैं। फोकसडब्ल्यूटीओ.आईबी अब आईसीआई (भारतीय उद्धरण सूचकांक) अनुक्रमित है।

फॉरेन ट्रेड रिव्यू का प्रकाशन

प्रकाशन विभाग ने वर्ष के दौरान वॉल्यूम 55 के तहत तीन अंक और फॉरेन ट्रेड रिव्यू (एसएजीई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड) के खंड 56 के तहत एक अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित किया है। प्रत्येक अंक आम तौर पर विदेशी व्यापार के क्षेत्र में शोध लेख, टिप्पणी और पुस्तक समीक्षा प्रकाशित करता है। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित विषयों पर तीन विशेष अंक प्रकाशित किए गए: ट्रेड वॉर, ग्लोबल रिस्ट्रक्चरिंग एंड ग्लोबल प्रोडक्शन नेटवर्क: बीटिंग द ऑड्स (वॉल्यूम 55(1) – गेस्ट एडिटेड बाय प्रो. गौरंगा गोपाल दास), ट्रेड; पर्यावरण और समायोजन: समकालीन विषय–वस्तु (वॉल्यूम 55(3) – प्रो. गौरंगा गोपाल दास द्वारा संपादित अतिथि) और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता और प्रदर्शन: सिद्धांत और साक्ष्य (वॉल्यूम 55(4) – प्रो. दीपांकर सिन्हा द्वारा संपादित अतिथि)। स्कोपस और एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूल्स (एबीएस) डेटाबेस के तहत अनुक्रमित होकर पत्रिका भी एक नए मील के पत्थर पर पहुंच गई।

वर्किंग पेपर सीरीज को अपलोड करना

आईआईएफटी की वर्किंग पेपर श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्यों को प्रकाशन–पूर्व चरण में पेशेवर सहयोगियों के साथ अपने शोध निष्कर्षों को साझा करने में मदद करना है। कागजात ऑनलाइन प्रकाशित किए जाते हैं और आईआईएफटी वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं। 2020–21 के दौरान चौदह वर्किंग पेपर अपलोड किए गए हैं, जिसमें कुल 54 पेपर हैं।

आईआईएफटी रैंकिंग

यह गर्व की बात है कि आईआईएफटी विभिन्न रेटिंग एजेंसियों द्वारा आयोजित अधिकांश प्रमुख राष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति में लगातार सुधार कर रहा है।

- 2020 में, आईआईएफटी ने संकाय छात्र अनुपात, रोजगार, समावेशिता और विविधता जैसे मापदंडों पर प्रभावशाली स्कोर के साथ आउटलुक–आई केयर बी–स्कूल सर्वेक्षण में 15वां स्थान हासिल किया।

- बिजनेस क्रॉनिकल बी–स्कूल सर्वेक्षण 2020 में, आईआईएफटी को दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में 'ए +++' ग्रेड का दर्जा दिया गया है , सामाजिक उत्तरदायित्व, अंतरराट्रीय सहयोग और उद्योग सहभागिता में सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल करने वाले देश में छठा सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूल।

- करियर 360 बी–स्कूल सर्वे रैंकिंग 2020 में 'एएएए+' रेटिंग के साथ, आईआईएफटी को देश में 'टॉप 15' एलीट बी–स्कूलों के रूप में दर्जा दिया गया है।

- 2019 में बिजनेस वर्ल्ड इंडिया के टॉप बी–स्कूल्स (ओवरऑल) सर्वे, आईआईएफटी को देश में 11वां स्थान मिला है। एमबीए यूनिवर्स और इनसाइड आईआईएम बिजनेस स्कूल रैंकिंग द्वारा किए गए दो धारणा सर्वेक्षणों में आईआईएफटी को क्रमशः 11वें और 10वें स्थान पर रखा गया है।

- आईआईएफटी ने ज्ञान प्रदान करने और कॉर्पोरेट और अकादमिक क्षेत्र में प्रतिभा को विकसित करने में अपनी उत्कृष्टता के साथ आईआईएम एमबीए रैंकिंग के अनुसार 10वीं रैंक, भारत में शीर्ष एमबीए कॉलेज 2020 और MBAUniverse.com बी–स्कूल के अनुसार 11वीं रैंक हासिल की है। रैंकिंग 2020।

तथापि 2020–21 में, कोविड–19 ने कुछ नियमित रैंकिंग अभ्यासों को सीमित कर दिया, संस्थान की प्रमुखता हाल के सर्वेक्षणों से भी स्पष्ट है। आईआईएफटी ने बिजनेस टुडे–एमडीआरए बी–स्कूल रैंकिंग सर्वेक्षण 2020 में भाग लिया और निम्नलिखित पदों को हासिल किया:

1. सरकारी बी–स्कूल श्रेणी में, आईआईएफटी को भारत में 7वां सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूल का दर्जा दिया गया है।
2. टॉप बी–स्कूल ओवरऑल के पैरामीटर पर, आईआईएफटी को भारत में 11वां सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूल का दर्जा दिया गया है।
3. आईआईएफटी ने उत्तरी क्षेत्र में शीर्ष बी–स्कूल के रूप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
4. आईआईएफटी सुरक्षित 3वां रैंक दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शीर्ष बी–स्कूल के रूप में।

आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा

भारत के विदेश व्यापार को बढ़ाने के लिए एक संस्थान बनाने की पं. जवाहर लाल नेहरू की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) की स्थापना दिनांक 2 मई 1963 को की गई थी जिसके मुख्य कार्यकलापों में विदेश व्यापार संबंधी अनुसंधान और प्रशिक्षण पर बल देना शामिल था। इसकी स्थापना के प्रारंभ से ही, इस संस्थान में बहुत बड़े परिवर्तन हुए और गत वर्षों के दौरान इसकी शैक्षिक गतिविधियों के क्षेत्र एवं आयाम का विस्तार हुआ है, जिसके अंतर्गत अब इसमें अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय का पूरा क्षेत्र शामिल है। आज, 56वें वर्ष में, संस्थान को इसके ज्ञान और संसाधन आधार, समृद्ध विरासत तथा देश और विदेश में एक मजबूत अल्युमनी नेटवर्क के लिए जाना जाता है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान जैसा कोई संगठन अपने अंदर से विकास करता है लेकिन अपने परिवेश से दृढ़ समर्थन प्राप्त करने के उपरांत ही। आसपास की व्यवस्था द्वारा जितनी अधिक असंख्य और कठिन चुनौतियों को उत्पन्न किया जाता है उससे कहीं अधिक प्रयासों को उभरते कार्यों को पूरा करने के लिए स्तर तक आने का प्रयास होता है। विदेश व्यापार क्षेत्र की विकासशील विशेषता सदैव सतत रूप से नए अवसर और चुनौतियां प्रस्तुत करती है जिसे संस्थान अपने ही ढंग से अपने कार्यकलापों के क्षेत्र का पुनः सीमांकन करके दूर करने का प्रयास करता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शिक्षा, अनुसंधान तथा सहयोग को बढ़ावा देने और संवर्धन के लिए आईआईएफटी के पास वर्तमान में निम्नलिखित विभाग हैं:

(i) कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) विभाग।
(ii) प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग।
(iii) अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग।
(iv) प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग।
(v) अर्थशास्त्र विभाग।
(vi) अनुसंधान विभाग।
(vii) व्यापार सुविधा और लॉजिस्टिक्स केंद्र (सीटीएफएल)।
(viii) पूर्व छात्र कार्य विभाग।
(ix) प्रकाशन विभाग।

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) विभाग

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम विभाग (ईएमपीडी) की परिकल्पना सरकारी अधिकारियों, राजनयिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, कॉर्पोरेट क्षेत्र और नागरिक समाज के सदस्यों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मुद्दों और व्यापार नीति पर इसके निहितार्थों की व्यापक समझ विकसित करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई है। ईएमपीडी विभिन्न देशों, विशेष रूप से विकासशील देशों की रुचि के समकालीन व्यापार और आर्थिक मुद्दों के विचार, राय, विश्लेषण को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों की शुरुआत करता है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यपालक डिप्लोमा कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- प्रत्येक महीने के तीन सप्ताहांत पर कक्षाओं के साथ 15 महीने की पाठ्यक्रम अवधि।
- प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में संपर्क सप्ताह।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे आगामी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना।
- अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय, अंतरराष्ट्रीय विपणन और अंतरराष्ट्रीय वित्त में से चुनने का विशेषज्ञता अवसर।
- एक संरचित अनुसंधान परियोजना के माध्यम से अनुसंधान पद्धति का एक्सपोजर।
- ऑनलाइन शोध डेटाबेस और पठन सामग्री की व्यापक उपलब्धता।
- पूरी दुनिया में उच्च पदस्थ पूर्व छात्रों के साथ नेटवर्किंग का अवसर।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग

संस्थान का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अंतरराष्ट्रीय विपणन, वित्त, निर्यात आयात प्रबंधन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सामरिक प्रबंधन, मानव संसाधन, आईटी, एसईजेड के लिए क्षमता निर्माण, डेटा विश्लेषण, व्यापार विश्लेषण आदि के क्षेत्र में सरकारी/सार्वजनिक उपक्रमों, कॉर्पोरेट और निजी क्षेत्र के अधिकारियों/कार्यपालकों को नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग आईएएस और अन्य अखिल भारतीय सेवाओं सहित भारत सरकार के विभिन्न अधिकारियों के लिए विभिन्न सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

आईआईएफटी भारतीय व्यापार सेवा के परिवीक्षाधीनों के लिए नौ महीने का आवासीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक नोडल संस्थान है। इसके अतिरिक्त, संस्थान भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय आर्थिक सेवा, भारतीय सांख्यिकी सेवा आदि के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

यह संस्थान विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), भारत सरकार की निर्यात बंधु योजना के अंतर्गत देश भर में फैले निर्यातकों और उद्यमियों के लिए "निर्यात–आयात व्यवसाय" पर ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 1,350 से अधिक निर्यातकों और उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। हाल ही में, डीजीएफटी की पहल पर, आईआईएफटी ने एमओओसी (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्यात बंधु कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम में कोई भी कहीं भी ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाग ले सकता है।

इसके अतिरिक्त, विभाग निम्नलिखित लंबी अवधि के कार्यक्रमों को हाइब्रिड/ऑनलाइन/ ऑन–कैंपस मोड के माध्यम से भी संचालित करता है।

1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम।
2. हाइब्रिड मोड के माध्यम से निर्यात और आयात प्रबंधन में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम।
3. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतियों पर ईडीपी।
4. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर ईडीपी।
5. डीजीआर के माध्यम से सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग

आईआईएफटी का अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग, संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को सक्षम बनाने के लिए देशज और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित करके संस्थान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्र और संकाय आदान–प्रदान अकादमिक सहयोग का एक अभिन्न अंग है। संस्थान, सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की सदस्यता प्राप्त करके अकादमिक सहयोग, छात्र आदान–प्रदान, अध्ययन पर्यटन और संकाय आदान–प्रदान को और मजबूत बनाता है। यह विभाग राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी की सुविधा भी प्रदान करता है।

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग

संस्थान का ग्रेजुएट स्टडीज इन मैनेजमेंट (जीएसएम) डिवीजन पूर्णकालिक/लंबी अवधि के कार्यक्रमों के लिए नोडल डिवीजन है। विभाग प्रशासनिक और शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त, संस्थान के सप्ताहांत एमबीए और प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कार्रवाई करता है। सभी हितधारकों अर्थात संकाय, छात्र और अन्य सभी संबंधित के साथ समन्वय में कार्यक्रमों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना इस विभाग की जिम्मेदारी है।

संस्थान ने अपने प्रमुख कार्यक्रम एमबीए (आईबी) 2020–22 में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। दिल्ली और कोलकाता परिसर में कुल 511 स्थानों के लिए लगभग 40,000 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके लिए 41 शहरों में कॉमन टेस्ट आयोजित कराया गया था। संस्थान के अन्य कार्यक्रमों को भी कॉर्पोरेट और सरकारी क्षेत्रों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र में उन्नत ज्ञान प्रदान करने के लिए, आईआईएफटी में एमए में अर्थशास्त्र कार्यक्रम शुरू किया गया है। कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:

- छात्रों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन–देन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल कॉर्पोरेट क्षेत्र में व्यापार के मुद्दों पर उत्कृष्ट व्यापार नीति–निर्माता और प्रमुख रणनीतिकार बनने के लिए तैयार करना।

- छात्रों को उपकरणों के एक सेट से सुसज्जित करना, जो उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में मदद करेगा।

- छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त में विशेषज्ञ ज्ञान के साथ पूर्णकालिक शिक्षाविद बनने के लिए तैयार करना।

एमए (अर्थशास्त्र) 2020–22 के तृतीय बैच का उद्घाटन 24 सितंबर 2021 को किया गया था और दिल्ली में 21 तथा कोलकाता में 20 छात्र पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं।

विषयों की कुल संख्या और क्रेडिट प्रणाली

प्रत्येक सेमेस्टर में चार विषय हैं। सेमेस्टर I और II में सभी विषय अनिवार्य हैं। सेमेस्टर III और IV प्रत्येक में एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है। छात्रों को सेमेस्टर III और IV में फैले 6 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को चुनने की आवश्यकता है। ये वैकल्पिक पाठ्यक्रम अधिकतर अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त के क्षेत्रों से होंगे। आईआईएफटी यह तय करेगा कि एक साल में कौन से वैकल्पिक विषय पेश किए जाएंगे।

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5 क्रेडिट हैं; 45 घंटे का शिक्षण; 25 घंटे के लिए ट्यूटोरियल और संकाय के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श के लिए ।

- प्रत्येक पाठ्यक्रम का शिक्षण 15 सप्ताह तक किया जाता है जो कि 4.5 से 5 महीने में फैला होता है।

- प्रत्येक छात्र को एक शोध प्रबंध करना होता है जिसके 10 क्रेडिट होते हैं। शोध प्रबंध का विषय पर्यवेक्षक के नियतन के साथ सेमेस्टर III के दौरान तय किया जाएगा।

- प्रत्येक छात्र को चतुर्थ सेमेस्टर के दौरान अंतिम सत्र की परीक्षा शुरू होने से पहले शोध प्रबंध का काम पूरा करना होगा। आईआईएफटी द्वारा तय की गई समय सीमा तक हार्डबाउंड रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

शैक्षिक व्याख्यान

तिथि	विषय	वक्ता	मोड	भागीदार
5 अक्टूबर 2020	"वर्चुअल ट्रेड एंड कम्पेरेटिव एडवांटेज – द फोर्थ डायमेंशन" पुस्तक के विशेष संदर्भ में एक बदलती दुनिया में आभासी व्यापार और बाजार	प्रो. नोरित्सुगु नकानिशी, प्रो. न्गो वैन लॉन्ग, प्रो. रजत आचार्य, और प्रो. असिस बनर्जी	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
16 अक्टूबर 2020	पहचान निर्माण की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः भारत से सिद्धांत और साक्ष्य	सौरव भट्टाचार्य	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
7 नवंबर 2020	कृषि विधेयक 2020	डॉ हिमांशु, और डॉ. बीके साहू	ऑनलाइन	खुला कार्यक्रम
27 नवंबर 2020	गैर–प्रशुल्क उपायों की अनुपालन लागतः मापन, सिद्धांत और नीति	प्रो. कुणाल दासगुप्ता आईआईएम बैंगलोर	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
22 दिसंबर 2020	ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं पर हाल की अमेरिकी मंदी का प्रभाव	प्रो. दिव्या टुटेजा	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
8 जनवरी 2021	व्यापार, विकास और असमानता का एक नया रिकार्डियन मॉडल	प्रो. सुगाता मरजीत	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
15 जनवरी 2021	फेंगस (उर्फ ट्रेड पॉलिसी और मल्टी–साइडेड प्लेटफॉर्म) के साथ व्यापार नीति	प्रो. फिलिप मैक्कलमैन, मेलबर्न विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
22 जनवरी 2021	कोविड–19 से शिक्षा और अशिक्षा	डॉ. सौम्य कांति घोष समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारतीय स्टेट बैंक	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
17 फरवरी 2021	भारत का श्रम बाजार और रोजगार वृद्धि चुनौतियां	डॉ. जयन जोस थॉमस आईआईटी दिल्ली	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
26 फरवरी 2021	इटालियन रेलवे विस्तार की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, 1879–1890	प्रो. जियोवानी फैचिनी, नॉटिंघम विश्वविद्यालय	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता
26 मार्च 2021	व्यापार, आंतरिक प्रवासन और मानव पूंजीः भारत के आईटी बूम से कौन लाभ प्राप्त करता है	डॉ. देवकी घोष	ऑनलाइन	दिल्ली और कोलकाता

कॉर्पोरेट व्याख्यान

तिथि	विषय	वक्ता	मोड	भागीदार
5 सितंबर 2020	भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा	श्री राहुल बाजोरिया मुख्य अर्थशास्त्री	बार्कलेज	दिल्ली और कोलकाता
9 सितंबर 2020	एआई की शक्ति का दोहन	श्री सयानदेब बनर्जी सीईओ और सह–संस्थापक	द मेथ कंपनी	दिल्ली और कोलकाता
11 सितंबर 2020	प्रासंगिक रहने की कला	श्री अमिताभ रे प्रबंध निदेशक	एरिक्सन	दिल्ली और कोलकाता
12 सितंबर 2020	भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 का प्रभाव	श्री साकेत कुमार सहायक महाप्रबंधक	भारतीय रिजर्व बैंक	दिल्ली और कोलकाता
12 सितंबर 2020	कैसे डेटा इक्विटी रिसर्च लैंडस्केप बदल रहा है	श्री मोहित मित्तल एसोसिएट निदेशक	एकुटी नॉलेज पार्टनर	दिल्ली और कोलकाता
13 सितंबर 2020	एक्ज़िम बैंक की गतिविधियाँ और उत्पाद	श्री संजय लांबा सहायक महाप्रबंधक	इंडियन एक्ज़िम बैंक	दिल्ली और कोलकाता
19 सितंबर 2020	एनालिटिक्स में करियर	श्री सुभ्रा बिष्णु निदेशक और सह–संस्थापक	ऑरेंज ट्री ग्लोबल	दिल्ली और कोलकाता

कॉर्पोरेट व्याख्यान

तिथि	विषय	वक्ता	मोड	भागीदार
26 सितंबर 2020	डेटा विज्ञान और उद्योग अनुप्रयोग	श्री योगेश राव एसोसिएट पार्टनर – एआई और एनालिटिक्स	आईबीएम	दिल्ली और कोलकाता
27 सितंबर 2020	एक कॉर्पोरेट अर्थशास्त्री की भूमिका; तेल बाजारों के मैक्रोज़	श्री अनुज अग्रवाल सहायक महाप्रबंधक– रणनीति और योजना	अल्ट्राटेक सीमेंट (आदित्य बिड़ला समूह	दिल्ली और कोलकाता
1 अक्टूबर 2020	कल्पना के लिए खुफिया	श्री संदीप दत्ता मुख्य अभ्यास अधिकारी	फ्रैक्टल एनालिटिक्स	दिल्ली और कोलकाता
12 नवंबर 2020	डेटा साइंस में करियर बनाना	श्री सुवदीप चक्रवर्ती एनालिटिक्स और डेटा साइंस लीड	एचएसबीसी	दिल्ली और कोलकाता
19 नवंबर 2020	क्यों डिजिटल एक गेम चेंजिंग प्रतिमान है	श्री धवल थंकी निदेशक–समाधान व्यवसाय	कार्टेशियन कंसल्टिंग	दिल्ली और कोलकाता
21 नवंबर 2020	एआई के डोमेन को समझना	श्री राहुल विश्वकर्मा सह–संस्थापक और सीईओ	मेट लैब्स	दिल्ली और कोलकाता
29 नवंबर 2020	शेयर बाजार पर महामारी का प्रभाव	श्री राज भट्ट सह–संस्थापक और सीईओ	एलारा कैपिटल	दिल्ली और कोलकाता
30 नवंबर 2020	स्टार्टअप्स में डेटा साइंस और डिजिटल युग में अंतरराष्ट्रीय व्यापार	श्री विजय कुमार इवातुरी को–फाउडर एंड सीटीओ	क्रेयॉन डाटा	दिल्ली और कोलकाता
5 दिसंबर 2020	वास्तविक दुनिया में विश्लेषण और अनुप्रयोग	श्री स्वप्निल श्रीवास्तव वीपी और एनालिटिक्स के ग्लोबल हेड	ईवैल्यूसर्व	दिल्ली और कोलकाता
9 दिसंबर 2020	वित्तीय संस्थानों में जोखिम प्रबंधन	श्री कुणाल सेनगुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष	स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	दिल्ली और कोलकाता
26 दिसंबर 2020	विलय और अधिग्रहण	श्री पंकज मल्होत्रा एसोसिएट वी.पी.	ईवाई–पार्थेनन	दिल्ली और कोलकाता
30 दिसंबर 2020	भारतीय बाजारों पर अवलोकन	श्री पवन कुमार हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट रिसर्च एंड एसेट एलोकेशन	ग्राहक सहयोगी	दिल्ली और कोलकाता

अर्थशास्त्र में अनुसंधान

संस्थान के विकास में अनुसंधान का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत व्यापक अंतरफलक प्रदान करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य का विश्लेषण करने और उपयुक्त कॉर्पोरेट रणनीति विकसित करने में पर्याप्त परामर्श क्षमता विकसित की है। संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली भी लगा रहा है। यह विभाग समय–समय पर समसामयिक विषयों पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है, जो बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र और प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों दोनों के प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों को एक साथ सामने लाता है।

क. पूरे किए गए शोध अध्ययन

निम्नलिखित शोध अध्ययन वर्ष 2020–21 के दौरान पूरे किए गए:

- **भारत के निर्यात विकास में एमएसएमई का योगदान और नए बाजारों के विस्तार में उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर अध्ययन**

यह अध्ययन एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया था, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमेशा भारत के सामाजिक–आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण रहे हैं। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में फैले, एमएसएमई रोजगार के असंख्य अवसर प्रदान करते हुए विविध प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करते हैं। यह क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत का योगदान देता है जबकि कुल विनिर्माण उत्पादन का 45

प्रतिशत और भारत से निर्यात में 40 प्रतिशत का योगदान देता है। निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद, भारतीय एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए लक्षित नीतियों और संस्थागत हस्तक्षेप की आवश्यकता है क्योंकि उन्हें अभी भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक ताकत के रूप में नहीं माना जाता है। इस दृष्टि से, एमएसएमई को निर्यात ऋण बीमा और व्यापार संबंधी सेवाएं प्रदान करने में ईसीजीसी द्वारा निभाई गई भूमिका सामने आती है। इस परियोजना के माध्यम से, हम एमएसएमई निर्यातकों के सामने आने वाले विभिन्न प्रकार के राजनीतिक और आर्थिक जोखिमों को समझने की कोशिश करते हैं। उन क्षेत्रों और देशों की पहचान के साथ संयोजन करना जिनके लिए ईसीजीसी कवर मुख्य रूप से पसंद किए जाते हैं। तथापि, ईसीजीसी अपनी विभिन्न नीतियों के माध्यम से निर्यातकों के लिए ऋण जोखिम को कवर करता है, लेकिन ईसीजीसी से संगठन/फर्म के निर्यात प्रदर्शन में इन कवरों की भूमिका का आकलन करना महत्वपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप निर्यात प्रदर्शन में सुधार हो सकता है या नहीं भी हो सकता है और यह पॉलिसी के मूल्य की तुलना में ईसीजीसी द्वारा प्रदान किए गए कवर/दावे की पर्याप्तता के कारण भी हो सकता है। साथ ही, यह परियोजना ईसीजीसी द्वारा गारंटी/कवर प्राप्त करने के लिए ईसीजीसी द्वारा कवर किए गए बैंकों से व्यापार ऋण की तुलना में एमएसएमई की वरीयता की पहचान करने के लिए एक रूपरेखा विकसित करने का प्रयास करती है। अंत में, हम ईसीजीसी का लाभ उठाने वाले इन एमएसएमई निर्यातकों से सुधार करने के लिए सुझाव मांगते हैं और उनके लिए गारंटी योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए नए उपाय सुझाते हैं।

- **डीपीआईआईटी की निवेश प्रोत्साहन योजना के मूल्यांकन पर अध्ययन**

यह अध्ययन भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया था। परियोजना के प्रमुख विचारार्थ विषयों में शामिल हैं: भविष्य में हैंड होल्डिंग और निवेश को सुविधाजनक बनाने की रणनीतियों की सिफारिश करना; निवेश कार्यक्रम के प्रकार और निवेश के लिए आवश्यक मंच प्रस्तुत करना; कार्यक्रम के बारे में हितधारकों को बेहतर जानकारी प्रदान करने के तरीकों के बारे में सुझाव देना; आवश्यक प्रपत्र के साथ योजना को जारी रखने का औचित्य (यदि योजना को जारी रखने की आवश्यकता है) प्रदान करना।

- **प्रौद्योगिकी और व्यापार के बीच संबंधों पर खोजपूर्ण अध्ययन**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की ओर से प्रारंभ किया गया यह अध्ययन भारतीय निर्यात और आयात के व्यापार पैटर्न का विश्लेषण करता है जो प्रौद्योगिकी तीव्रता के विभिन्न स्तरों पर वर्गीकृत होता है और इसके संभावित प्रभावों के साथ व्यापार प्रदर्शन और प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता के बीच संबंध विकसित करता है। यह नीति निर्माताओं को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारतीय व्यापार के योगदान को बढ़ाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास पर अंतर्दृष्टि विकसित करने में मदद करने के लिए इस घटना के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष पहलुओं की भी पड़ताल करता है।

- **भारतीय एल्युमीनियम उद्योग में आयात प्रशुल्क और संरक्षण की प्रभावी दर की स्थिति का आकलन करने पर अध्ययन**

एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एएसएमए) की ओर से प्रारंभ किए गए इस अध्ययन का उद्देश्य भारतीय एल्युमीनियम उद्योग में आयात प्रशुल्क और संरक्षण की प्रभावी दर की स्थिति का माप–तौल करना है। भारतीय एल्युमीनियम क्षेत्र की मांग और आपूर्ति संरचना की तुलना वैश्विक मांग और आपूर्ति की स्थिति से की जाती है। इस अध्ययन में भारतीय एल्युमीनियम उद्योग की संरचना और इसमें प्रशुल्क की भूमिका की जांच की गई। स्मार्ट विश्लेषण का उपयोग करते हुए, यूरेशिया जैसी चर्चा में एफटीए के संभावित लाभों के आकलन पर चर्चा की जाती है। अध्ययन में भारतीय एल्युमीनियम प्रशुल्क लाइन पर प्रकाश डाला गया है जिसे भारतीय अनुप्रवाह (डाउनस्ट्रीम) क्षेत्र की रक्षा के लिए सुधार करने की आवश्यकता है।

ख. अनुसंधान अध्ययन जो प्रगति पर हैं

उपरोक्त के अतिरिक्त, वर्ष 2020–21 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर थीं:

(i) ईसीजीसी द्वारा निर्यातकों और बैंकों को निर्यात ऋण बीमा का तुलनात्मक विश्लेषण: भारत के निर्यात प्रदर्शन पर प्रभाव [(प्रायोजक: भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी)]

(ii) ईसीजीसी बीमा कवर और भारतीय एसएसआई क्षेत्र: महिला उन्मुख इकाइयों का एक अध्ययन ख्प्रायोजक: भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी),

(iii) "यूके–भारतीय व्यापार का भविष्य और एक बदलते वैश्विक पर्यावरण में सीमा पार निवेश" पर आईसीएसएसआर–ईएसआरसी–यूकेआरआई सहयोगात्मक अनुसंधान (प्रायोजक: भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद)

पीएच.डी. कार्यक्रम (अर्थशास्त्र)

आईआईएफटी में पेश किया जाने वाला यह अर्थशास्त्र (पूर्णकालिक) में पांच वर्षीय पीएच.डी. कार्यक्रम भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उपलब्ध सबसे पसंदीदा शोध डिग्री कार्यक्रमों में से एक है। पीएच.डी. कार्यक्रम के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक है, स्कॉलर्स (विद्वानों) को अनुसंधान एवं गहन विश्लेषण करने और अपने चुने हुए क्षेत्र में ज्ञान को समृद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें वैज्ञानिक अनुसंधान के तरीकों को स्वतंत्र रूप से लागू करने के साथ–साथ नए वैज्ञानिक ज्ञान के सृजन की क्षमता शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्कॉलर्स से शोध निष्कर्षों का गंभीर रूप से विश्लेषण करने तथा व्यापक संदर्भों में उनके महत्व को समझने और शोध परिणामों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित एवं प्रसारित करने की क्षमता प्रदर्शित करने की अपेक्षा की जाती है। यह आशा की जाती है कि आईआईएफटी के पीएच.डी. स्कॉलर्स अपने संबंधित क्षेत्रों में मूल योगदान देंगे जो कि ज्ञान की सीमा के विस्तार में मदद करता है। यह जानकर खुशी होती है कि आईआईएफटी के कई पीएच.डी. विद्वान प्रतिष्ठित संदर्भित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और अन्य मंचों में नियमित रूप से प्रकाशित कर रहे हैं।

पीएचडी अर्थशास्त्र 2020–25 में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन मोड में 19 जुलाई 2020 को आयोजित की गई थी और कुल 20 उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए उपस्थित हुए थे। इन 20 उम्मीदवारों में से 15 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त की। अंत में, प्रवेश परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर, कुल 09 छात्रों (दिल्ली – 6 और कोलकाता – 3) ने पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) 2020 कार्यक्रम में प्रवेश लिया है। पाठ्यक्रम–कार्य शिक्षण प्रगति पर है।

वर्ष 2020–21 में महामारी के कारण, विभाग ने 2 उम्मीदवारों का अंतिम पीएच.डी. मौखिक परीक्षा (वाइवा) सफलतापूर्वक आयोजित की। साथ ही, प्रस्तुत किए गए 3 अंतिम शोध–प्रबंध मूल्यांकन प्रक्रिया के अधीन हैं।

अनुसंधान विभाग

संस्थान के विकास में अनुसंधान का बहुत महत्व है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत व्यापक अंतरफलक प्रदान करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य का विश्लेषण करने और उपयुक्त कॉर्पोरेट रणनीति विकसित करने में पर्याप्त परामर्श क्षमता विकसित की है। संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगा रहा है। अनुसंधान विभाग समय–समय पर समसामयिक विषयों पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है जो बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र और सुप्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों दोनों के प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों को एक साथ लाता है। . संभाग द्वारा प्रस्तुत यह पीएच.डी कार्यक्रम अत्यंत प्रशंसनीय है।

व्यापार सरलीकरण और लॉजिस्टिक्स केंद्र (सीटीएफएल)

सेंटर फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन एंड लॉजिस्टिक्स (सीटीएफएल) की उपलब्धि की संक्षिप्त झलकियां इस प्रकार हैं:

- सेंटर फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन एंड लॉजिस्टिक्स (सीटीएफएल) की स्थापना वर्ष 2018 में लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईएफटी कैंपस में की गई थी। इस केंद्र का उद्देश्य सरकार/निर्यातकों/उद्योग/नीति निकायों को आपूर्ति श्रृंखला/लॉजिस्टिक्स संबंधी मुद्दों पर अनुसंधान एवं विश्लेषणात्मक सहायता और संबद्ध इनपुट प्रदान करना है।

- सीटीएफएल को उनके लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन (एलपीआई–एस) को समझने और मापने के लिए 9 विभिन्न क्षेत्रों/परिषदों के साथ काम करने का अधिदेश दिया गया है। इन 9 प्रमुख क्षेत्रों में चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री, परिधान, कृषि, रत्न और आभूषण, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। एलपीआई–एस किसी देश के क्षेत्र–विशिष्ट लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक का प्रतिनिधित्व करने वाला दुनिया का सर्वप्रथम दृष्टिकोण होगा।

- आईआईएफटी, नई दिल्ली में 30 अप्रैल 2019 को एक गोलमेज बैठक आयोजित की गई थी जिसमें शिक्षाविदों और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों के साथ इन क्षेत्रों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। इस गोलमेज बैठक की अध्यक्षता श्री एन. शिवशैलम, विशेष सचिव, लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा प्रो. मनोज पंत, प्रमुख सीटीएफएल और कुलपति आईआईएफटी द्वारा की गई थी। इस गोलमेज बैठक में विभिन्न क्षेत्रों/परिषदों और बाहरी विशेषज्ञ पैनल के सदस्यों ने भी भाग लिया।

- परिषद के प्रमुखों/सदस्यों के समर्थन से, आईआईएफटी ने क्षेत्र–विशिष्ट लॉजिस्टिक्स मुद्दों और संभावित समाधानों की पहचान करने के लिए 30 से अधिक कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। ये कार्यशालाएं देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की गई हैं।

- बैठक के दौरान अंतिम रूप दी गई चर्चाओं और तौर–तरीकों के एक अंग के रूप में, सभी सेक्टर प्रमुखों/प्रतिनिधियों को सेक्टर विशिष्ट लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई–एस) के विकास के लिए सीटीएफएल के साथ काम करने की इच्छा रखने हेतु एमओयू भेजे गए थे। सीटीएफएल ने परिषदों के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

- सीटीएफएल ने लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के साथ 19–20 नवंबर 2019 को एक लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव एवं सम्मेलन का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता श्री एन. शिवशैलम, विशेष सचिव, लॉजिस्टिक्स विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने की। चुनिंदा आठ निर्यात संवर्धन परिषदों एवं 35 निर्यातकों के प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया और लॉजिस्टिक्स मुद्दों, चुनौतियों तथा लॉजिस्टिक्स प्रतिस्पर्धा प्राप्त करने के लिए सरकार से समर्थन पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में देश के विभिन्न भागों के 45 से अधिक स्कॉलरों की शोध कार्य प्रस्तुति भी देखी गई।

- आईआईएफटी संभावित सहयोग एवं समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स में उत्कृष्टता केंद्र वाले उद्योग निकायों तथा अकादमिक संस्थानों तक भी सक्रिय रूप से पहुंच रहा है।

पूर्व छात्र कार्य विभाग

पिछले एक वर्ष ने हमें कई अप्रत्याशित तरीकों से चुनौती दी है, पूर्व छात्र कार्य विभाग और आईआईएफटी की पूर्व छात्र संबंध समिति ने इसे नए विचारों, चीजों को करने के नए तरीकों का पता लगाने और हमारे पूर्व छात्र आधार के साथ संबंधों को और भी अधिक मजबूत करने के अवसर में बदलने के लिए तेजी से काम किया है।

संस्थान ने आईआईएफटी की स्थापना के 57 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 2 मई 2020 को अपने प्रथम आईआईएफटीयन दिवस की मेजबानी की। उस दिन पूर्व छात्र और वर्तमान छात्र वर्चुअल कॉल पर एक साथ आए और उन्होंने संस्थान में अपने दिनों की याद ताजा की।

हमारे समाचार पत्र "एलुमिनाटी" को पूर्व छात्रों के आधार पर निरंतर समर्थन और पाठक संख्या मिली है। इस द्विमासिक समाचार पत्र में एक डिजाइन सुधार देखा गया। न्यूज़लेटर को रणनीतिक रूप से एक

त्रैमासिक संस्करण में बदल दिया गया है और इसके पाठकों की संख्या भी निरंतर बनी हुई है। आईआईएफटी परिसर में हाल की घटनाओं को पूर्व छात्रों के साथ साझा करने के लिए एक परिसर डायरी अनुभाग जोड़ा गया था।

अतिथि व्याख्यान, जो आईआईएफटी में छात्र जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है, को एस्पायर और इनविज़न श्रृंखला के माध्यम से ऑनलाइन जारी रखा गया है, जिससे पूर्व छात्रों की परिसर की यात्रा करने में आने वाली बाधा को दूर किया जा सके। हम दुनिया भर में स्थित अपने पूर्व छात्रों के साथ जुड़े हुए हैं। छात्रों को उद्योग के दिग्गजों और उद्यमियों द्वारा समान रूप से प्रदान किए गए व्यावहारिक ज्ञान से अत्यधिक लाभ हुआ है।

वर्चुअल, "तरंग" की लहर पर सवार होकर, एक पूर्व छात्र वीडियो पॉडकास्ट श्रृंखला 1982 बैच से श्री पार्थ अंबिल की मेजबानी करने वाले पहले एपिसोड के साथ शुरू हुई। वीडियो श्रृंखला आईआईएफटी के पूर्व छात्रों के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर होस्ट की गई है और विषय नेतृत्व, करियर हाइलाइट्स, उद्यमिता और उनके संबंधित डोमेन में अंतर्दृष्टि के आसपास घूमते हैं। अब तक, तरंग को कुछ बेहद उल्लेखनीय पूर्व छात्रों ने देखा है, जो असंख्य लोगों तक पहुंचे हैं और हमारे सोशल मीडिया हैंडल पर विचार और प्रतिक्रियाएं प्राप्त कर रहे हैं।

अपने पूर्व छात्रों को संस्थान में हो रही गतिविधियों से अवगत कराने और बैचों के बीच संचार को सुव्यवस्थित करने के लिए, हमने दिसंबर 2020 में बैच एम्बेसडर कार्यक्रम की शुरुआत की। हम अपने पहले अभियान में, आईआईएफटी के कई कार्यक्रमों में 32 बैचों को शामिल करने में सक्षम हुए थे।

वर्ष 1963 में आईआईएफटी के स्थापित होने के बाद से, इसने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों, प्रशिक्षण और अनुसंधान उत्पादकता के माध्यम से, और अपने पूर्व छात्रों के माध्यम से भी अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है, जिन्होंने कई विविध क्षेत्रों में सफलता तथा यश प्राप्त किया है और इसके छात्र, जो सक्षम, आत्मविश्वासी हैं एवं अपने वरिष्ठों द्वारा प्रकाशित पथों पर चलने में सक्षम हैं। संस्थान के पूर्व छात्र सभी क्षेत्रों तथा व्यवसायों में शीर्ष पदों पर हैं। 1996 बैच के श्री ऋषि परदल को जुलाई 2020 में यूनाइटेड ब्रुअरीज के सीईओ और एमडी (अभिहित) के रूप में नियुक्त किया गया था। 1996 बैच के श्री जयदीप अग्रवाल को गोल्डमैन सॅक्स के एमडी के रूप में नियुक्त किया गया था। श्री शुभ्रांशु सिंह (1999), श्री बालाजी वैद्यनाथन (2002) और श्री मोहित मल्होत्रा (2003) को हाल ही में जारी इम्पैक्ट डिजिटल पावर 100, 2020 में शीर्ष व्यवसायी नेताओं में स्थान दिया गया और उन्होंने अपनी क्षमता को सिद्ध करते हुए वर्तमान छात्रों को प्रेरित किया।

ग्रैंड एलुमनी रीयूनियन, जिसे आमतौर पर गार कहा जाता है, पूर्व छात्र कार्य विभाग द्वारा आयोजित सबसे प्रत्याशित कार्यक्रमों में से एक है। महामारी ने एक चुनौती पेश की, लेकिन डिवीजन ने अपनी योजना को बदल दिया, 7 मार्च 2021 को गार की एक आभासी प्रस्तुति "नेतृत्व" की मेजबानी करने का अवसर दिया। यह कार्यक्रम ''अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस'' के लिए भी एक श्रद्धांजलि थी और इसके साथ सुश्री अनुराधा सहगल, 1995 बैच, एचटी मीडिया में बिजनेस हेड; सुश्री राशी गांधी, 1999 बैच, एक प्रारंभिक चरण के स्वास्थ्य तकनीक स्टार्ट–अप की मार्केटिंग वीपी; सुश्री मानसी चड्ढा, 2005 बैच, डिजिटल अनुभव और सामरिक परियोजनाओं के प्रमुख, सामुदायिक संचालन, एपैक, उबर; सुश्री सुजाता विश्वास, सह–संस्थापक, सुता; और सुश्री स्वाति माहेश्वरी, 2010 बैच, उपभोक्ता क्लस्टर प्रबंधक, दिल्ली एनसीआर, यूनिलीवर की एक अत्यंत स्वागत पूर्व छात्र पैनल चर्चा देखी गई। इस कार्यक्रम में 1985 बैच की सुश्री प्रीति श्रीधर द्वारा एक वीडियो संदेश भी शामिल था। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों की विशेषता वाला एक विशेष संस्करण समाचार पत्र भी जारी किया गया। इस संस्करण में उद्योग में बदलते रुझानों पर आईआईएफटी के पूर्व छात्रों के विचारों और कैसे आईआईएफटी ने उन्हें अपने कॅरियर पथ का मानचित्र तैयार करने और उनकी सफलता की कहानियों को आकार देने में मदद की है, को दिखाया गया है।

वर्ष के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र का पुरस्कार डॉ. अनिल जैन, पीजीडीआईटी 1985 बैच, सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार को भारत के "कॉर्पोरेट लीडरशिप कैटेगरी" में और श्री श्रीधर श्रीनिवासन, ईएमआईबी 2006 बैच, सीईओ, वेब प्लास्टिक कंपनी को "उद्यमिता श्रेणी" में प्रदान किया गया। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में 1,000 से अधिक पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों ने भाग लिया।

डॉ. अनिल जैन, पीजीडीआईटी 1985 बैच, सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार को "कॉर्पोरेट लीडरशिप कैटेगरी" में वर्ष के पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री श्रीधर श्रीनिवासन, ईएमआईबी 2006 बैच, सीईओ, वेब प्लास्टिक कंपनी को "उद्यमिता श्रेणी" में वर्ष के पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आईआईएफटी कोलकाता केंद्र

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग

- उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने प्रशिक्षण, अनुसंधान, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों और उद्यमिता के क्षेत्र में परामर्श एवं आउटरीच के माध्यम से असम राज्य में निर्यात बढ़ाने के लिए एक सहयोगी प्रयास के रूप में दिनांक 19 फरवरी 2021 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और कपड़ा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार तथा आईआईएफटी ने वर्ष 2019 में पश्चिम बंगाल के निर्यात को मजबूत करने की दिशा में विभिन्न गतिविधियों के लिए औपचारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान किया है। आईआईएफटी ने इसके संबंध में और अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, नई सामान्य दुनिया में पश्चिम बंगाल के निर्यातकों को मजबूत करने के लिए ई–व्याख्यान की श्रृंखला आयोजित की है।

- पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से, आईआईएफटी एक निर्यात क्लिनिक स्थापित करने और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के निर्यातकों के लिए एक प्रमाण–पत्र मैट्रिक्स तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

आईआईएफटी उपरोक्त की सहायता से, एमएसएमई एंड टी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से राज्यों के निर्यात को मजबूत करने के लिए विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों में एक निर्यात सुविधा केंद्र स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

निर्धारण वर्ष 2020–21 में आयोजित एमडीपी की एक पूरी सूची नीचे दी गई है:

क्र.सं.	तिथि	एमडीपी का नाम	प्रायोजित विभाग
1.	4–11 मई 2020	अंतरराष्ट्रीय व्यापार की तैयारी – पोस्ट कोविड–19 (ऑनलाइन)	ईईपीसी, भारत
2.	9–12 जुलाई 2020	पश्चिम बंगाल के निर्यातोन्मुखी उद्यमियों को कोविड के बाद के परिदृश्य के लिए तैयार करना (ऑनलाइन) (ई–व्याख्यान श्रृंखला @ कोविड–19)	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
3.	15–20 सितंबर 2020	पश्चिम बंगाल के एमएसएमई अधिकारियों को पोस्ट–कोविड परिदृश्य के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समझने के लिए तैयार करना (ऑनलाइन)	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
4.	13–16 अक्टूबर 2020	अंतरराष्ट्रीय व्यापार पोस्ट कोविड–19 परिदृश्य की तैयारी (ऑनलाइन)	फिक्की, गुवाहाटी
5.	2–11 नवंबर 2020	पोस्ट–कोविड निर्यात संवर्धन रणनीति के लिए अधिकारियों की तैयारी	टाटा मेटालिक्स
6.	10–12 नवंबर 2020	"अंतरराष्ट्रीय व्यापार – गंतव्य पहचान" (ऑनलाइन) पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	एचपीसीएल, मुंबई
7.	9–13 मार्च 2021	"कृषि निर्यात नीति और निर्यात वृद्धि" पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण	एमएफआईसीएल, इंफाल में आयोजित एपिडा द्वारा प्रायोजित

महत्वपूर्ण बैठकें

वर्ष के दौरान, 04 अगस्त 2020, 09 अक्टूबर 2020 और 23 मार्च 2021 को प्रबंधन बोर्ड की तीन बैठकें, 05 जून 2020, 30 सितम्बर 2020 वित्त समिति की दो बैठकें और अकादमिक परिषद की एक बैठक 29 दिसंबर 2020 को आयोजित की गई।

शिक्षण एवं प्रशिक्षण

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग संस्थान के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में सप्ताहांत एमबीए के अलावा आईआईएफटी के प्रमुख कार्यक्रम अर्थात अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एमबीए बिजनेस का संचालन करता है। जीएसएम विभाग उपरोक्त कार्यक्रमों में शिक्षण का समन्वय करता है। जीएसएम का उद्देश्य आईआईएफटी के कार्यक्रमों के कामकाज की निगरानी, उनकी अकादमिक उत्कृष्टता और समकालीनता सुनिश्चित करते हुए करना है। जीएसएम कार्यक्रम प्रबंधन, पाठ्यक्रम निर्धारण, सत्र योजना और संकाय नियतन, परीक्षाओं के संचालन, व्याख्यान परियोजनाओं, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम और छात्र मौखिक परीक्षा पर भी काम करता है। छात्र संबंध और अनुशासन सहित सभी छात्र मामले जीएसएम के अधीन हैं। जीएसएम बंदरगाह यात्राओं, औद्योगिक यात्राओं, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 की अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. दो वर्षीय एमबीए (आईबी) 2020–22 कार्यक्रम

दिल्ली और कोलकाता कैंपस में दो वर्षीय एमबीए (इंटरनेशनल बिजनेस) 2020–22 के 55वें बैच का उद्घाटन 5 अगस्त 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया था। स्वागत भाषण डॉ. संजय रस्तोगी, प्रमुख, जीएसएमडी, दिल्ली कैंपस और डॉ. सैकत बनर्जी, प्रमुख, जीएसएमडी कोलकाता कैंपस ने दिया। प्रो. मनोज पंत, कुलपति, आईआईएफटी ने उद्घाटन भाषण दिया और डॉ. विजया कट्टी, पूर्व डीन ने छात्रों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में एमएस टीम ऐप के माध्यम से संस्थान के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

2. ढाई साल का सप्ताहांत एमबीए (आईबी) 2020–23 कार्यक्रम

कार्यकारी अधिकारियों के लिए दिल्ली कैंपस में ढाई साल के सप्ताहांत एमबीए (इंटरनेशनल बिजनेस) 2020–23 का 21वां बैच 8 अगस्त 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से शुरू किया गया था। 45 छात्रों को निबंध लेखन और साक्षात्कार के आधार पर इस कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया था। समूह चर्चा जो एक नियमित विशेषता थी, वैश्विक महामारी की स्थिति के कारण प्रक्रिया से हटा दी गई थी। माइक्रोसॉफ्ट टीम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित किया गया था और निबंध लेखन भी ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

उद्घाटन भाषण प्रोफेसर मनोज पंत, कुलपति, आईआईएफटी द्वारा दिया गया था और संस्थान के संकाय और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया था।

संस्थान के दो प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के उद्घाटन के अलावा, निम्नलिखित स्नातकोत्तर कक्षाएं को संबोधित किया गया था, एमबीए (आईबी) 2019–21 और एमबीए (आईबी) 2020–22 की कक्षाओं के तीन सौ अस्सी छात्रों ने माइक्रोसॉफ्ट टीम ऐप के माध्यम से संबोधन में भाग लिया।

- प्रथम स्नातकोत्तर कक्षा को श्री पीयूष गोयल, माननीय रेल मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार द्वारा "भारत की व्यापार नीति" पर 10 सितंबर 2020 को संबोधित किया गया था।

- द्वितीय स्नातकोत्तर कक्षा को श्री एके भल्ला, गृह सचिव, भारत सरकार और आईआईएफटी के पूर्व निदेशक द्वारा "बड़े सिस्टम का संगठनात्मक प्रबंधनः भारत का मामला" विषय पर 10 अक्टूबर 2020 को संबोधित किया गया था।

- तृतीय स्नातकोत्तर कक्षा को श्री पवन अग्रवाल, विशेष सचिव, लॉजिस्टिक्स वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 25 नवंबर 2020 को संबोधित किया गया था।

- चतुर्थ स्नातकोत्तर कक्षा को श्री अनिल स्वरूप, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा 7 दिसंबर 2020 को "पेशेवर जीवन में नैतिक दुविधा" विषय पर संबोधित किया गया था ।

- पांचवीं स्नातकोत्तर कक्षा को प्रो. बिबेक देबरॉय, अध्यक्ष और प्रधान मंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा 9 फरवरी 2021 को "कानून और अर्थशास्त्र" पर व्यापक रूप से व्याख्यान देंगे।

- छठी स्नातकोत्तर कक्षा को श्री अनूप वधावन, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 18 फरवरी 2021 को "अंतरराष्ट्रीय वार्ताः व्यापार वार्ता के विशेष संदर्भ के साथ सिद्धांत और व्यवहार" विषय पर संबोधित किया गया था ।

- सातवीं स्नातकोत्तर कक्षा को ग्लोबल इंफोसिस यूके के अध्यक्ष श्री मोहित जोशी द्वारा इंफोसिस स्ट्रैटेजी एंड इट्स लिंकेज टु की ट्रेंड्स इन एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी विषय पर 12 मार्च 2021 को संबोधित किया गया।

- आठवीं स्नातकोत्तर कक्षा को पेप्सिको के अध्यक्ष श्री अहमद एलशेख ने 26 फरवरी 2021 को संबोधित किया। उन्होंने एक प्रेरक भाषण दिया और अपनी पेशेवर यात्रा और उससे मिली सीख को साझा किया।

सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष 2005 में प्रारंभ किया गया सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, संस्थान के एमबीए (आईबी) पूर्णकालिक कार्यक्रम के छात्रों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों को शुरू करने और समाज के वंचित वर्गों के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। चूंकि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के नियामक प्रावधानों के तहत कॉर्पोरेट क्षेत्र के दायित्व हैं, अतरू वे इस कार्यक्रम के तहत हमारे छात्रों को दिए गए एक्सपोजर को महत्व देते हैं।

पाठ्यचर्या में इस कार्यक्रम के महत्व पर जोर देने के लिए, 3 क्रेडिट का भार निर्धारित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को एनजीओ/कॉर्पोरेट घरानों द्वारा उन्हें सौंपे गए वास्तविक जीवन की परियोजना पर काम करना होता है, जिसके लिए बाद में उनका मूल्यांकन किया जाता है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत से अब तक 3,100 से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। छात्रों को संबंधित एनजीओ/संगठन द्वारा सौंपे गए सजीव परियोजना कार्य पर काम करने का अवसर मिलता है। पर्यावरण और सामुदायिक विकास, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण, साक्षरता, स्वच्छता, एचआईवी/एड्स जागरूकता, बच्चों के लिए शिक्षा, वंचित बुजुर्गों का कल्याण, स्वास्थ्य, बेघरों के लिए आश्रय, सामुदायिक विकास, दिव्यांगता, महिला सशक्तिकरण, कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, बच्चा गोद लेना आदि कुछ प्रमुख सामाजिक क्षेत्र हैं जहां हमारे छात्रों ने काम किया है।

इस वर्ष छात्रों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से दिल्ली परिसर में लगभग 53 गैर–सरकारी संगठनों के साथ लगाया गया था। आईआईएफटी अपने पाठ्यचर्या के एक अभिन्न अंग के रूप में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 के दौरान, आईआईएफटी दिल्ली में प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग ने विभिन्न स्तरों के प्रबंधकों और अधिकारियों के लिए 11 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें से सरकारी अधिकारियों (आईटीएस परिवीक्षाधीन सहित) और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निजी क्षेत्र के अधिकारियों के लिए 6 प्रायोजित कार्यक्रम हैं। इसके अलावा, निर्यात बंधु योजना– एमओओसी के तहत 4 लंबी अवधि के प्रमाण–पत्र कार्यक्रम और एक कार्यक्रम श्रृंखला भी आयोजित की गई है। इन कार्यक्रमों से कुल 711 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। कोविड–19 महामारी के कारण, ये सभी कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे।

श्रेणीवार कार्यक्रम विवरण

क्रं.स.	कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1	प्रायोजित	6	223
2	हाइब्रिड/ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रम	4	156
3	ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु योजना– मूक)	1	332
	कुल	**11**	**711**

(1) प्रायोजित कार्यक्रम

क. सरकारी अधिकारियों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. आईटीएस परिवीक्षाधीनों के लिए "अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय" पर नौ महीने का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (जनवरी–अक्टूबर 2020)।

आईआईएफटी भारतीय व्यापार सेवा परिवीक्षाधीनों के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक नोडल संस्थान होने के नाते, बैच 2019–20 के 2 आईटीएस परिवीक्षाधीनों के लिए 9 महीने का फाउंडेशन कार्यक्रम जनवरी–अक्टूबर 2020 से आयोजित किया गया था। 9 महीने के व्यापक प्रशिक्षण को तीन चरणों में विभाजित किया गया था। प्रथम चरण में अधिकारियों को वैश्विक व्यवसाय पर्यावरण और व्यापार नीति, नीति निर्माताओं के लिए सांख्यिकी, समष्टि अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार विश्लेषिकी, अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, बाजार की पहचान, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, वैश्विक साधन प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन, निर्यात–आयात वित्त, डब्ल्यूटीओ और वार्ताओं के तहत प्रमुख समझौते, विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) और विदेश व्यापार विकास और विनियमन अधिनियम (एफटीडीआर अधिनियम), कराधान के लिए सीमा शुल्क प्रक्रिया और जीएसटी व्यवस्था (सीमा शुल्क) के प्रबंधन का गहन ज्ञान प्रदान किया गया था।

द्वितीय चरण में संचार कौशल व लोक संगठन में पारस्परिक संबंध, सार्वजनिक संगठन में प्रबंधकीय व्यवहार, जिंस बाजार, डेरिवेटिव और अनुप्रयोग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया।

तृतीय चरण में उन्हें व्यावहारिक जानकारी देने की दृष्टि से विदेश व्यापार महानिदेशालय कार्यालयों के साथ इन आईटीएस परिवीक्षार्थियों का 3 महीने की संलग्नता भी शामिल है। इसके अलावा, वे विभिन्न उद्योगों, बंदरगाहों और सरकारी विभागों से भी जुड़े हुए थे।

2. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम, बैच 3 (मार्च–जुलाई 2020)

पुनर्वास महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश पर, संस्थान सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में एक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है और यह 2 मार्च 2020 से 30 जुलाई 2020 तक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः विपणन मैनेजमेंट, व्यवसाय विश्लेषिकी, व्यवसाय अर्थशास्त्र, वैश्विक व्यवसाय, व्यवसाय वातावरण, प्रबंधकों के लिए लेखांकन, प्रबंधन में आईटी अनुप्रयोग, व्यवसाय संचार, डिजाइनिंग एवं संगठन प्रबंधन, मैक्रो इकोनॉमिक्स, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन एवं प्रलेखीकरण, अंतरराष्ट्रीय विपणन, वित्तीय प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, व्यापार का कानूनी और नियामक ढांचा, उद्यमिता विकास, वैश्विक साधन का प्रबंधन, व्यापार नैतिकता और स्थिरता आदि।

इस पाठ्यक्रम की अत्यधिक सराहना की गई और अच्छी तरह से प्राप्त किया गया क्योंकि यह सशस्त्र अधिकारियों को उनके करियर की दूसरी पारी शुरू करने में मदद करने के लिए केंद्रित था ।

भारतीय सशस्त्र बलों के 59 अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

3. विश्व व्यापार संगठन प्रकोष्ठ, केरल सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए "कृषि उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (15–26 जून 2021)।

केरल सरकार के निर्देश पर, डब्ल्यूटीओ प्रकोष्ठ, केरल सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए "कृषि उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने" पर 2 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में 15–26 जून 2021 तक आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की सामग्रीः कार्यक्रम की सामग्री में केरल से कृषि निर्यात की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता का मूल्यांकन, समुद्री उत्पाद, मसाले, चाय, कॉफी, कॉयर, रबड़, बागवानी, निर्यात के लिए उत्पाद पहचान, कोविड–19 के आलोक में निर्यात के लिए बाजार की पहचान, निर्यात व्यापार योजनाः प्रतिस्पर्धी देशों से केस स्टडीज, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने के लिए भारत व्यापार समझौतों का उपयोग करना शामिल है।

कार्यक्रम में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य के लिए भारत की विदेश व्यापार नीति, निर्यात में नियामक दस्तावेज, निर्यात में वाणिज्यिक दस्तावेज, आयात में नियामक और वाणिज्यिक दस्तावेज, निर्यात और आयात के लिए कस्टम मंजूरी, निर्यात में वैश्विक अनुपालन का प्रबंधन (एसपीएस और टीबीटी), निर्यात के लिए वित्त, कृषि निर्यात के लिए कुशल व्यापार लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन, प्रतिभागियों द्वारा कंप्यूटर आधारित कार्य पर अभ्यास और प्रस्तुति पर, भारत में कृषि विपणन पारिस्थितिकी तंत्रः प्रतिस्पर्धी देश से झुकाव आदि।

केरल सरकार (डब्ल्यूटीओ प्रकोष्ठ) के तीस अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

4. टाटा मेटालिक्स के अधिकारियों के लिए "कोविड के बाद निर्यात संवर्धन रणनीति तैयार करना" पर एमडीपी

टाटा स्टील की सहायक कंपनी टाटा मेटालिक्स के अधिकारियों के लिए "कोविड के बाद निर्यात संवर्धन रणनीति तैयार करना" पर 2 से 11 नवंबर 2020 के बीच छह दिवसीय एमडीपी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः कार्यक्रम की सामग्री में शामिल हैं कोविड–19 – बदलता व्यापार परिदृश्य और व्यापार रणनीतियों का पुनरीक्षण, अंतरराष्ट्रीय भुगतान विधियांः यूसीपी 600 के तहत मुद्दे और चुनौतियां, निर्यात आपूर्ति श्रृंखला में व्यापार वित्तः केस स्टडी, वाणिज्यिक और नियामक दस्तावेज (सीमा शुल्क/जीएसटी/पीजीए)/डीजीएफटी/बैंक–ईडीपीएमएस/पोर्ट), अंतरराष्ट्रीय बिक्री अनुबंधों को समझना– खंड–दर–खंड, आईएनसीओ शर्तों को समझना, निर्यात में जोखिम प्रबंधनः लीवरेजिंग इंकोटर्म्स 2020 – जोखिम, जिम्मेदारी और जवाबदेही।

कार्यक्रम में नए सामान्य, व्यापार विस्तार और विविधीकरण के तहत ग्राहकों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने में चालू डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना भी शामिल हैः व्यापार नामकरण, व्यापार विस्तार और विविधीकरण पोस्ट–कोविड का उपयोग करके उत्पाद पहचान रणनीतिः शुल्क, गैर–शुल्क और व्यापार समझौते आदि का उपयोग करके नए बाजार/खरीदार पहचान रणनीति आदि।

कार्यक्रम में टाटा मेटालिक्स के 45 अधिकारियों ने भाग लिया।

5. एचपीसीएल के अधिकारियों के लिए विदेश व्यापार पर आधारभूत पाठ्यक्रम (जनवरी–मार्च 2021)

एचपीसीएल के अधिकारियों के लिए विदेश व्यापार पर जनवरी–मार्च 2021 के दौरान तीन महीने का आधारभूत पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की सामग्रीः कार्यक्रम की सामग्री में इनकोटर्म्स, व्यापार के लिए अंतरराष्ट्रीय नियामक ढांचा, अनुबंध निर्माण, वैश्विक व्यापार के लिए आईसीसी कानून, निर्यात के लिए वाणिज्यिक और नियामक दस्तावेज, निर्यात आयात के लिए नियामक आवश्यकता, व्यापार डेटाबेस और बाजार की पहचान, भुगतान के तरीके, वैश्विक व्यापार के लिए डब्लूटीओ कानून, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स कॉन्सेप्ट और केपीआई, वेयरहाउसिंग और पैकेजिंगः प्रकार, हैंडलिंग, पैकेजिंग मिक्स और कंटेनर, एल/सी और यूसीपी 600 – केस स्टडी, मुद्रा जोखिम प्रबंधन आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम में पोर्ट संचालन पर विषयों को भी शामिल किया गयाः दक्षता और लागत, धोखाधड़ीः तत्व और परिश्रम, निर्यात कार्गो के लिए कस्टम मंजूरी, भूतल व्यवहार के लिए सामान्य अपेक्षाओं का अवलोकन, बाजार वृद्धि का विश्लेषणः शिफ्ट शेयर विश्लेषण, शिपिंगः वर्गीकरण और मोड – लाइनर और चार्टर, 3पीएलः चयन और मूल्यांकन मानदंड, एआई और ब्लॉकचेनः सिमुलेसन अभ्यास और लॉजिस्टिक्स में अनुप्रयोग, अवसर विश्लेषणः संचार पर गहन सांस्कृतिक विशेषताओं के प्रभाव को समझना।

कार्यक्रम में एचपीसीएल के कुल 57 अधिकारियों ने भाग लिया।

6. भारतीय आर्थिक सेवाओं (ऑनलाइन) के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए भारत के सामने अंतरराष्ट्रीय व्यापार चुनौतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (8–12 मार्च 2021)

भारतीय आर्थिक सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए भारत के सामने अंतरराष्ट्रीय व्यापार चुनौतियों पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 8–12 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की सामग्रीः कार्यक्रम की सामग्री में वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था और विश्व व्यापार प्रणाली में परिवर्तन, व्यापार–संबंधी बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रिप्स) पर समझौते का परिचय, ट्रिप्स और सस्ती दवाओं तक पहुंच, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण और विश्व व्यापार संगठन, कृषि पर समझौता (एओए): प्रमुख प्रावधान और भारत की प्रतिबद्धताएं, खाद्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियां, विश्व व्यापार संगठनः नई चुनौतियों का सामना करना, आरसीईपीः भविष्य की व्यापार वार्ता के लिए सीखना।

कार्यक्रम में एफटीए में ट्रिप्स–प्लस प्रावधान, डब्ल्यूटीओ में विवाद समाधान तंत्र, क्षेत्रीय व्यापार व्यवस्थाः आगे की ओर देखना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति और कूटनीति एवं गैट्सः कानूनी वास्तुकला और भारत की प्रतिबद्धताएं आदि भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में 30 अधिकारियों ने भाग लिया।

(2) हाइब्रिड/ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

एमडीपी विभाग ने निम्नलिखित लंबी अवधि के हाइब्रिड/ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया।

1. उद्यमिता और नेतृत्व में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (मई 2019–मई 2020)

उद्यमिता और नेतृत्व में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम मई 2019 से मई 2020 तक आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत 3 दिवसीय ऑन–कैंपस मॉड्यूल के साथ हुई, जिसके बाद आईआईएफटी के प्रौद्योगिकी भागीदार, एजुकेशन लेन, टेक महिंद्रा द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रविवार को कक्षाओं का आयोजन किया गया। ऑनलाइन कक्षाएं आईआईएफटी स्थित टेक महिंद्रा के स्टूडियो से आयोजित की जाती हैं, जिसमें छात्र सीधे डेस्कटॉप मोड पर कक्षाओं में भाग लेते हैं।

कार्यक्रम में उद्यमिता और नेतृत्व प्रबंधन, उद्यमियों के लिए विपणन, उद्यमियों के लिए वित्त, उद्यमियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, उद्यमियों के लिए नवाचार और उद्यमियों के लिए व्यापार कानून आदि पर मॉड्यूल शामिल हैं।

15 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

2. अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (नवंबर 2019– जनवरी 2021)

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम नवंबर 2019 से जनवरी 2021 के दौरान आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत 3 दिन के ऑन–कैंपस मॉड्यूल के साथ हुई, जिसके बाद रविवार को कक्षाएं एजुकेशन लेन, टेक महिंद्रा, प्रौद्योगिकी भागीदार द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई हैं। ऑनलाइन कक्षाएं आईआईएफटी स्थित टेक महिंद्रा के स्टूडियो से आयोजित की जाती हैं, जिसमें छात्र सीधे डेस्कटॉप मोड पर कक्षाओं में भाग लेते हैं।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यावसायिक पर्यावरण, वैश्विक वित्तीय प्रबंधन, व्यापार लॉजिस्टिक्स और प्रलेखन, परियोजना वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण (मुद्रा और विदेशी मुद्रा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय जिंस डेरिवेटिव बाजार, विलय और अधिग्रहण आदि सहित) पर मॉड्यूल शामिल हैं।

45 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

3. निर्यात और आयात प्रबंधन में चार–माह का प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

निर्यात आयात प्रबंधन (2 बैच) में चार माह के प्रमाण–पत्र कार्यक्रम हाइब्रिड/ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए गए थे।

क्रमांक	अवधि	प्रतिभागी
1.	जुलाई–अक्टूबर 2020	47
2.	नवम्बर 2020 – मार्च 2021	49

ये कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे और कक्षाएं सप्ताहांत पर आयोजित की गई थीं, जिसमें छात्र अपने डेस्कटॉप/लैपटॉप के द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से कक्षाओं में भाग लेते थे।

कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, भारत का विदेश व्यापार और नीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, व्यापार प्रलेखन, व्यापार वित्त, सीमा शुल्क विनियम और भारत की एक्जिम प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रम शामिल थे।

(3) निर्यात बंधु योजना मूक के अंतर्गत ऑनलाइन एमडीपी

डीजीएफटी के निर्देश पर, आईआईएफटी द्वारा प्रशिक्षण, परामर्श और हैंड होल्ड क्षमता के लिए "निर्यात–आयात की मूल बातें" पर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) के माध्यम से ऑनलाइन "कभी भी – कहीं भी" निर्यात जागरूकता पाठ्यक्रम की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है। यह ऑनलाइन पाठ्यक्रम भारत सरकार की 'निर्यात बंधु' योजना के तहत संचालित किया जा रहा है।

वर्ष 2020–21 के दौरान, इसमें देश के विभिन्न हिस्सों के निर्यातकों/उद्यमियों सहित कुल 332 प्रतिभागियों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

एमडीपी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची (2020–21)

क. प्रायोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थान	प्रायोजित संगठन	अवधि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	भारतीय व्यापार सेवा के परिवीक्षाधीनों के लिए नौ महीने का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (बैच 2018)	आईआईएफटी नई दिल्ली	डीजीएफटी, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार	जनवरी–अक्टूबर 2020	डॉ. तुहीना मुखर्जी	2
2.	सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स	आईआईएफटी नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	2 मार्च–30 जुलाई 2020	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	59
3.	डब्ल्यूटीओ प्रकोष्ठ, केरल के सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए कृषि उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर ऑनलाइन एमडीपी।	डब्ल्यूटीओ सेल, केरल सरकार।	डब्ल्यूटीओ सेल, केरल सरकार।	15.26 जून 2020	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	30
4.	टाटा मेटालिक्स के अधिकारियों के लिए कोविड के बाद निर्यात संवर्धन रणनीति तैयार करना	नई दिल्ली	टाटा मेटालिक्स	2.4, 6,10.11 नवंबर 2020	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	45
5.	एचपीसीएल के कार्यपालकों के लिए विदेश व्यापार पर आधारभूत पाठ्यक्रम	नई दिल्ली	एचपीसीएल	जनवरी–मार्च 2021	डॉ. अरीज ए सिद्दीकी	57
6.	भारतीय आर्थिक सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए भारत के सामने अंतरराष्ट्रीय व्यापार चुनौतियों पर एमडीपी (ऑनलाइन)	नई दिल्ली	आईईएस	8.12 मार्च 2021	डॉ. रोहित मेहतानी	30
	योगः					**223**

ख. हाइब्रिड/ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थान	अवधि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	उद्यमिता और नेतृत्व में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम	आईआईएफटी नई दिल्ली	मई 2019 – मई 2020	डॉ. पारुल सिंह	15
2.	निर्यात–आयात प्रबंधन में चार महीने का प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन) बैच–14	आईआईएफटी नई दिल्ली	जुलाई 2020 – अक्टूबर. 2020	डॉ. अरुणिमा राणा	47
3.	अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन): बैच.3	आईआईएफटी नई दिल्ली	नवंबर 2019 – जनवरी 2021	डॉ. ए के सृष्टिधर चंद	45
4.	निर्यात–आयात प्रबंधन में चार महीने का प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन) बैच .15	आईआईएफटी नई दिल्ली	नवंबर 2020 – मार्च 2021	डॉ. आशीष गुप्ता	49
	योगः				**156**

ग. ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु योजना के तहत– मूक)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	निर्यात–आयात प्रबंधन	अप्रैल 2020 . मार्च 2021	डॉ. राम सिंह	332

कोलकाता परिसर

क) उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के बीच 19 फरवरी 2021 को गुवाहाटी में "निर्यात सम्मेलन" में बामुनि मैदान, गुवाहाटी स्थित उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय के कार्यालय में एक निर्यात सहायता प्रकोष्ठ की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह असम के निर्यातकों को विशेष रूप से व्यापार की अनिश्चितताओं और समग्र रूप से विश्व मैक्रो–आर्थिक स्थिति से उबारने की अनुमति देने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण होगा।

आईआईएफटी कोलकाता के एमडीपी डिवीजन द्वारा तैयार की गई "एक्सपोर्ट मेड ईज़ी फ्राम असम – ए रेडी रेकनर" नामक एक हैंडबुक डॉ.. के.के. द्विवेदी, आईएएस, प्रमुख सचिव, असम सरकार, उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम द्वारा श्री चंद्र मोहन पटवारी, माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री, असम की उपस्थिति में 19 फरवरी 2021 को "निर्यात सम्मेलन" में जारी की गई थी। हैंडबुक में निर्यात प्रक्रियाओं और प्रलेखन के बारे में जानकारी शामिल है जिसका उद्देश्य असम राज्य के निर्यातकों और उद्यमियों की अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने में मदद करना है।

19 फरवरी 2021 को उद्योग और वाणिज्य आयुक्त, असम सरकार के कार्यालय द्वारा निर्यात सम्मेलन आयोजित किया गया। असम सरकार ने राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आईआईएफटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सम्मेलन में आईआईएफटी, कोलकाता के एमडीपी विभाग द्वारा तैयार की गई हैंडबुक शीर्षक: "एक्सपोर्ट मेड ईज़ी फ्रॉम असम – ए रेडी रेकनर" का विमोचन भी किया गया।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नागालैंड के लिए कृषि और बागवानी वस्तुओं के निर्यात संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

असम के निर्यात सम्मेलन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और हैंडबुक का विमोचन

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, असम सरकार और आईआईएफटी के बीच 19 फरवरी 2021 को गुवाहाटी में "एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव" में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ख) पूर्वोत्तर अध्ययन केंद्र (सीएनईएसटी) के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीईएनईएसटी के अंतर्गत आईआईएफटी कोलकाता का एमडीपी डिवीजन निर्यात जागरूकता पर इक्कीस दिवसीय कार्यशालाओं के माध्यम से असम के 20 विभिन्न जिलों के 1,000 संभावित उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा। ये बीस कार्यशालाएं डीआईसी, असम के सहयोग से आयोजित की जाएंगी।

ग) निर्यात विकास के लिए पूर्वोत्तर भारत के कृषि–बागवानी क्षेत्र के लिए एपीडा द्वारा प्रायोजित आउटरीच कार्यक्रम

1. मणिपुर खाद्य उद्योग और निगम लिमिटेड (एमएफआईसीएल) में 9 से 13 मार्च 2021 के दौरान मणिपुर राज्य के 10 कृषि–बागवानी अधिकारियों के लिए "कृषि निर्यात नीति और निर्यात वृद्धि" पर 5–दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
2. नगालैंड राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एनएसएएमबी) में 6 से 10 अप्रैल 2021 के दौरान नगालैंड राज्य के 13 कृषि–बागवानी अधिकारियों के लिए "कृषि निर्यात नीति और निर्यात वृद्धि" पर 5–दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित की गई।

ऑनलाइन (ई–व्याख्यान) आयोजित एमडीपी की सूची

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	प्रायोजित संगठन	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	अंतरराष्ट्रीय व्यापार की तैयारी – पोस्ट–कोविड	ईईपीसी, भारत	4–11 मई 2020	62
2.	कोविड के बाद के परिदृश्य के लिए पश्चिम बंगाल के निर्यातोन्मुखी उद्यमियों को तैयार करना	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	9–12 जुलाई 2020	35
3.	कोविड के बाद के परिदृश्य के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समझने के लिए पश्चिम बंगाल के एमएसएमई के अधिकारियों को तैयार करना	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	15–20 सितंबर 2020	30
4.	पोस्ट–कोविड परिदृश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार की तैयारी	फिक्की, गुवाहाटी	13–16 अक्टूबर 2020	15
5.	"अंतरराष्ट्रीय व्यापार – गंतव्य पहचान" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एचपीसीएल	10–12 नवंबर 2020	10

आईआईएफटी में अनुसंधान

अनुसंधान विभाग की गतिविधियों का उद्देश्य आईआईएफटी के लिए दृश्यता बढ़ाना और मजबूत अनुसंधान आउटपुट के साथ व्यापार नीति विश्लेषण के लिए एक थिंक टैंक के रूप में उभरना है। विभाग के अनुसंधान और अन्य गतिविधियों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में दीर्घकालिक और अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करना है। इस प्रकार, अनुसंधान गतिविधियों को प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में भी व्यापक आधार देने के प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान के विकास में अनुसंधान गतिविधि का बहुत महत्व है क्योंकि यह अनुसंधान और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत व्यापक इंटफेस प्रदान करता है। सरकार और अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रायोजित अध्ययनों के अतिरिक्त, संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगा रहा है।

1. 2020–21 के दौरान पूर्ण किए गए शोध अध्ययन

- **भारत ईयू लिमिटेड व्यापार समझौते से संभावित लाभ पर अध्ययनः एक पूर्व मूल्यांकन**

प्रायोजितः भारतीय दूतावास, ब्रुसेल्स

अध्ययन भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार संबंधों को नवीनीकृत करने के लिए चल रहे प्रयासों से सृजित है और मौजूदा भारत–यूरोपीय संघ व्यापार संबंधों की पूरी तरह से वैचारिक समझ विकसित करने का प्रयास किया गया है। रिपोर्ट ने यूरोपीय संघ के बाजार में उनकी अप्रयुक्त निर्यात क्षमता और गैर–टैरिफ उपायों के आधार पर बातचीत के लिए फोकस उत्पादों की पहचान की। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि एफटीए के लिए पहचाने गए कई उत्पाद गैर–टैरिफ उपायों की उच्च आवृत्ति का सामना करते हैं, जो यूरोपीय संघ को भारत के निर्यात की बाजार पहुंच में बाधा है। यूरोपीय संघ को भारत के संभावित निर्यात के लिए चुने गए अंतिम उत्पाद कोड को दर्शाने वाले महत्वपूर्ण (27) क्षेत्रों में कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, जूते, तंबाकू, समुद्री भोजन, फल और सब्जियां, लोहा एवं इस्पात, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स आदि शामिल हैं। यूरोपीय संघ से भारत के संभावित (27) आयात में रसायन, उर्वरक, अल्कोहल उत्पाद, ऑटोमोबाइल, धातु उत्पाद, रत्न और आभूषण, विमान, टेलीफोन और सेल फोन, प्लास्टिक उत्पाद, विद्युत मशीनरी आदि शामिल हैं।

- **मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) योजना का तृतीय पक्ष मूल्यांकन**

प्रायोजितः वाणिज्य मंत्रालय

अध्ययन का उद्देश्य एमएआई योजना की समग्र समीक्षा करना, निर्यात प्रोत्साहन पर एमएआई योजना के प्रभाव का आकलन करना, योजना के परिणाम/उत्पादन को मापने के लिए मानदंड सुझाना और एमएआई के तहत प्राप्त सहायता से उत्पाद और देश के साथ निर्यात की मैपिंग करना था।

- **वर्ष 2019–20 के लिए सीएसआर परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए अध्ययन**

प्रायोजितःसिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल)

अध्ययन के उद्देश्य सीएसआर पहलों (निविदा दस्तावेज के खंड टप्प में उल्लिखित तकनीकी विनिर्देशों) का मूल्यांकन उनकी मौजूदा स्थिति में करना और यह सत्यापित करना कि उद्देश्य डीपीई द्वारा बनाई गई नीति के अनुरूप है और इसके परिणामों और विभिन्न हितधारकों पर प्रभाव के संदर्भ में परियोजना की प्रभावशीलता का आकलन करना था।

- **दिल्ली के लिए निर्यात संवर्धन नीति और रणनितिक कार्य योजना**

प्रायोजितः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली के लिए स्थायी आधार पर निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए परिकल्पित निर्यात संवर्धन नीति और रणनीतिक कार्य योजना विकसित करना था। इसके अतिरिक्त, निर्यात के लिए उत्पाद/सेवा समूह की पहचान करना और ऐसे उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए एक समग्र रणनीति विकसित करना तथा नए बाजारों की पहचान करने के साथ–साथ मौजूदा बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना भी था।

- **परिधान और मेड–अप के निर्यात पर विशेष पैकेज के प्रभाव पर अध्ययन**

प्रायोजितः कपड़ा मंत्रालय

अध्ययन का उद्देश्य निर्यात पर विशेष पैकेज के प्रभाव, परिधान/मेड–अप क्षेत्र में रोजगार और निवेश, योजनाओं के परिणामों का आकलन; आरओएसएल, पीएमआरपीवाई और एटीयूएफएस के तहत सब्सिडी, विशेष पैकेज के लक्ष्य क्यों हासिल

नहीं किए जा सके उनके कारण का पता लगाना, यदि ऐसा है, तो विशेष पैकेज के तहत लाभ लेने में निर्यातकों के सामने आने वाली चुनौतियों का पता लगाने, परिधान और मेड–अप के निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित करने वाली घरेलू और बाहरी चुनौतिया की पहचान करना, और विशेष पैकेज की निगरानी और कार्यान्वयन में सुधार के लिए सुझाव देना था।

2. 2020–21 के दौरान प्रगति के तहत अनुसंधान अध्ययन

- **समकालीन प्रबंधन में भागवत गीता के निहितार्थ पर अध्ययनः एक अनुभवजन्य अध्ययन**

प्रायोजित : आईसीएसएसआर।

अनुसंधान परियोजना प्राचीन भारतीय ग्रंथ भगवत गीता की अवधारणाओं द्वारा समर्थित समकालीन प्रबंधन शैलियों के संबंध में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिए व्यापक क्षेत्र अनुसंधान के आधार पर एक व्यापक अध्ययन करने पर विचार करती है। शोध कार्य में समकालीन प्रबंधन प्रथाओं के साथ प्राचीन पाठ को जोड़ने के लिए एक वैचारिक ढांचे को विकसित करने के लिए गुणात्मक डेटा विषयगत विश्लेषण और अन्य सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग शामिल होगा।

- **कोविड–19 – भारतीय हस्तशिल्प निर्यात के लिए चुनौतियां, अवसर और खतराः प्रभाव आकलन पर एक अध्ययन**

प्रायोजितः हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच)

अध्ययन का उद्देश्य कोविड के बाद के भारतीय हस्तशिल्प निर्यात के अवसर के परिदृश्य में उपभोक्ता वरीयता में बदलाव, चीन के खिलाफ वैश्विक खरीद प्राथमिकता में बदलाव, भारत के लिए व्यापार विविधीकरण की आवश्यकता को देखते हुए मूल्यांकन करना होगा। इन सभी अपेक्षित व्यापार परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए, शोध अध्ययन लक्षित देश के अवसर, भारतीय हस्तशिल्प के लिए उत्पन्न होने वाले व्यापार अवसरों, टैरिफ लाइन वार, चीन के अलावा वैश्विक प्रतिस्पर्धा और उभरते व्यापार अवसरों को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत द्वारा हस्ताक्षरित व्यापार समझौते की संभावनाओं का विश्लेषण करते हुए उद्यमियों, निर्यातकों, कारीगरों, निर्माताओं को कोविड युग में नए बाजारों में प्रवेश करने में सहायता करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

- **दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों के बीच सचेत, आशावादी सीख, खुशी और उपलब्धि पर अध्ययन**

प्रायोजितः आईसीएसएसआर

युवा छात्रों का जीवन स्कूलों में व्यतीत होता है और उनकी प्रारंभिक समाजीकरण प्रक्रिया भी स्कूलों में तैयार हो रही है। शिक्षक, साथी और अन्य हितधारक छात्रों के सामाजिक मनोवैज्ञानिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में, सचेत, आशवादी सीख और खुशी उनकी स्कूल स्तर की उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी तरह, खुशी के सिद्धांत को प्रभावित करते हैं कि खुशी इस बात का प्रतिबिंब है कि हम आम तौर पर कितना अच्छा महसूस करते हैं। यह अध्ययन दिल्ली के सरकारी स्कूली बच्चों के बीच सचेत, आशावादी सीख और उपलब्धि पर खुशी के प्रभाव की जांच करने के लिए उपर्युक्त सिद्धांतों पर आधारित है।

3. पीएच.डी. कार्यक्रम

पीएच.डी. कार्यक्रम (प्रबंधन) 2020 का उद्घाटन 25 सितंबर 2020 को किया गया। 24 छात्र (3 पूर्णकालिक और 21 अंशकालिक) कार्यक्रम में शामिल हुए। द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम का कार्य जारी है।

अब तक संस्थान ने सभी विषयों में 44 पीएच.डी. डिग्री प्रदान की हैं। 2020 में महामारी के बावजूद, संस्थान ने 9 अध्येताओं के लिए सफलतापूर्वक ऑनलाइन अंतिम पीएच.डी. मौखिक परीक्षा आयोजित की गई, और उन्हें आगामी दीक्षांत समारोह में पीएच.डी. डिग्री प्रदान की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां की गई।

संकाय विकास कार्यक्रम

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान संकाय विकास कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अनुमोदित आईआईएफटी संकाय भागीदारीः

सम्मेलन		प्रशिक्षण कार्यक्रम
राष्ट्रीय	0	2
अंतरराष्ट्रीय	1	1

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम शीर्षक	तिथि	स्थल	आयोजक संस्था
1.	डॉ. श्वेता श्रीवास्तव मल्ला	मास्टरक्लास फॉर डायरेक्टर्स	29–30 अगस्त 2020 5–6 सितंबर 2020	ऑनलाइन	इंस्टिट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स, नई दिल्ली
2.	डॉ.. भरत कुमार चिल्लाकुरी	पीपल एनालिटिक्स और डिजिटल एचआर में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम	23 अगस्त– नवंबर 2020	ऑनलाइन	भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर
3.	डॉ. गिन्नी चावला	इंटरनैशनल कांफ्रेंस ऑन द बिजनेस ऑफ नाउः द फ्यूचर स्टार्टस हियर	4–6 दिसंबर 2020	ऑनलाइन	यूरोपीय प्रबंधन अकादमी (ईयूआरएएम), 2020 ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन, आयरलैंड द्वारा समर्थित
4.	डॉ.. प्रियंका जायसवाल	एचआर एनालिटिक्स पर ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रम	3 मार्च – 27 अप्रैल 2021	ऑनलाइन	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, यूएसए

एफडीपी के तहत संकाय द्वारा प्राप्त प्रकाशन शुल्क

क्र.सं.	संकाय का नाम	पेपर का शीर्षक	जर्नल्स
1.	डॉ. सुनिथा राजू	इंडिया चाइना ट्रेडः गोइंग बियॉन्ड रिवील्ड कम्पेरेटिव एडवांटेज	चाइना इकोनॉमिक रिव्यू
2.	डॉ. सुनिथा राजू	इंडिया चाइना ट्रेडः गोइंग बियॉन्ड रिवील्ड कम्पेरेटिव एडवांटेज	कम्पेरेटिव इकोनॉमिक्स स्टडीज
3.	डॉ. सुनिथा राजू	टेक्नोलॉजीकल कैपबिलिटी एंड एक्सपोर्ट परफॉरमेंस अंडर वर्यिंग टेक्नोलॉजी फ्रंटियर्स ए डेवल्पिंग कंट्री पर्सपेक्टिव	द वर्ड इकोनॉमी
4.	डॉ. पारुल सिंह	इंस्टीटूशनल एनवायरनमेंट, कॉम्पिटेंसीज एंड फर्म एक्सपोर्ट परफॉरमेंसः ए स्टडी ऑफ द एमर्जिंग कंट्री	कॉर्पोरेट ओनरशिप एंड कंट्रोल
5.	डॉ. अरीज आफताब सिद्दीकी	एक्सपोर्ट गारंटीज एंड फर्म परफॉरमेंस इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस	कॉर्पोरेट ओनरशिप एंड कंट्रोल

समझौता ज्ञापन

आईआईएफटी ने छात्र/संकाय आदान–प्रदान के साथ–साथ संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों को सक्षम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ अकादमिक संबंध स्थापित किए हैं। आईआईएफटी का दुनिया भर के 30 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग है। इन विश्वविद्यालयों/संस्थानों में से 14 यूरोप में, 9 एशिया में और 7 विश्व के अन्य भागों में हैं।

2020–21 में नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

- संस्थान ने 10 अप्रैल 2020 को तीन साल की अवधि के लिए बांग्लादेश विदेश व्यापार संस्थान, ढाका, बांग्लादेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- संस्थान ने पांच साल की अवधि के लिए छात्र/संकाय विनिमय और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 31 मई 2020 को इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी, ताशकंद क्षेत्र, उज्बेकिस्तान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एएसीएसबी प्रत्यायन

अंतिम स्व मूल्यांकन रिपोर्ट (एसईआर) माह नवंबर 2020 में पीआरटी अध्यक्ष को प्रस्तुत की गई। इस संबंध में सुझावों की एक सूची प्राप्त हुई, जिसे पीआरटी यात्रा से पहले शामिल करने की आवश्यकता थी। पीआरटी यात्रा माह सितम्बर 2021 के प्रथम सप्ताह में निर्धारित की गई। मई 2021 में अंतिम एसईआर प्रस्तुत करने से पूर्व एक संशोधित एसईआर समीक्षा के लिए पीआरटी अध्यक्ष के समक्ष 20 अप्रैल तक की प्रस्तुत की जानी थी। मई 2021 में प्रस्तुत करने के लिए एसईआर अद्यतन पर स्पष्टीकरण हेतु यात्रा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए 25 मार्च को पीआरटी अध्यक्ष के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया।

द एसोसिएशन ऑफ एमबीएज (एएमबीए)

एएमबीए सदस्यता के लिए आईआईएफटी के आवेदन को स्वीकार कर लिया गया व संस्थान को सदस्यता शुल्क के रूप में 2,000.00 पाउंड की राशि जमा करने के लिए कहा गया। एएमबीए मान्यता के लिए आईआईएफटी का आवेदन प्रक्रिया में है और इसे जून 2021 से पूर्व जमा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सदस्यता

संस्थान निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सदस्य है:

- प्रबंधन विकास के लिए यूरोपीय फाउंडेशन (ईएफएमडी)।
- एमबीए एसोसिएशन (एएमबीए)।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी)।
- एसोसिएशन ऑफ एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी)।

राष्ट्रीय सदस्यता

संस्थान निम्नलिखित राष्ट्रीय संस्थानों की सदस्यता है:

- भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू)।
- अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए)।
- भारतीय प्रबंधन स्कूल संघ (एआईएमएस)।
- ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क, इंडिया।

राष्ट्रीय बी–स्कूल रैंकिंग में आईआईएफटी का स्थान

1. एनआईआरएफ द्वारा भारत रैंकिंग 2020 को डॉ. आर.पी. निशंक, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास द्वारा 11 जून 2020 को ई–रिलिजड किया गया। इस रैंकिंग के लिए कुल 630 बिजनेस स्कूलों ने प्रबंधन श्रेणी में भाग लिया। पिछले वर्ष (2019 में 31वें स्थान) की तुलना में आईआईएफटी को प्रबंधन श्रेणी के तहत 26वें स्थान पर रखा गया, जो पांच स्थान ऊपर रहा।

2. बिजनेस टुडे–एमडीआरए बी–स्कूल सर्वे 2020 में, आईआईएफटी ने देश में क्रमशः बेस्ट बी–स्कूल ओवरऑल और बेस्ट गवर्नमेंट बी–स्कूल्स के रूप में 11वीं और 7वीं रैंक हासिल की।

3. आईआईएफटी ने फैकल्टी छात्र अनुपात, रोजगार योग्यता, समावेशिता और विविधता जैसे मानकों पर प्रभावशाली स्कोर के साथ आउटलुक–I, केयर बी–स्कूल सर्वेक्षण में 15वां स्थान हासिल किया।

4. 2020 बिजनेस क्रॉनिकल बी–स्कूल सर्वेक्षण में, आईआईएफटी को दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में 'A+++' ग्रेड का दर्जा दिया गया, सामाजिक उत्तरदायित्व, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और उद्योग सहभागिता में सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल करने वाले देश के सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूलों में छठा स्थान दिया गया।

5. 2020 के कैरियर 360 बी–स्कूल सर्वे रैंकिंग में 'AAAA+' रेटिंग के साथ, आईआईएफटी को देश में 'टॉप 14' एलीट बी–स्कूलों में स्थान दिया गया।

6. एनआईआरएफ 2021 के लिए आवेदन जमा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं

वर्ष 2020–21 के दौरान आईआईएफटी के कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) विभाग की मुख्य गतिविधियां निम्न प्रकार रहीः

1. ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैंपस और हाइब्रिड) 2019–2020 का सफलतापूर्वक समापन

अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम, ऑन–कैंपस और हाइब्रिड दिसंबर 2020 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 128 प्रतिभागियों भाग लिया, जिनमें से 95 ऑन–कैंपस मोड में और 33 हाइब्रिड मोड में थे।

2. ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैंपस और हाइब्रिड) का सफल प्रक्षेपण 2020–2021

15 माह का अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम, ऑन–कैंपस और हाइब्रिड के नए बैच का कोविड–19 महामारी के बीच 8 अगस्त 2020 को वर्चुअल मोड में उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉरपोरेट/उद्योग से कुल 109 कार्यपालक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें से 76 ने कैंपस मोड में पंजीकरण कराया और 33 ने हाइब्रिड बैच के लिए चुना। उद्घाटन समारोह में प्रो. मनोज पंत, कुलपति, प्रो. सतिंदर भाटिया, अध्यक्ष (ईएमपीडी), आईआईएफटी तथा अन्य उल्लेखनीय संकाय सदस्य, पूर्व छात्र और प्रतिभागी उपस्थित थे। प्रो. मनोज पंत, निदेशक, आईआईएफटी ने उद्घाटन समारोह के अवसर पर संबोधित किया।

3. पीएचडीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय सप्ताह, हाइब्रिड प्रदर्शनी (15 मार्च 2021 से 19 मार्च 2021)

ईएमपी विभाग ने 15–19 मार्च 2021 के दौरान अपने प्रमुख कार्यक्रम के लिए पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से पहल की। आईआईएफटी इस आयोजन के लिए ''नॉलेज पार्टनर'' के रूप में जुड़ा था। आईआईएफटी के कुलपति, प्रो मनोज पंत ने उद्घाटन समारोह में थीम पेपर प्रस्तुत किया।

प्रो. मनोज पंत, कुलपति आईआईएफटी 15 मार्च 2021 को पीएचडीसीसीआई इंटरनेशनल वीक, हाइब्रिड प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में थीम पेपर प्रस्तुत करते हुए।

डॉ. पूजा लखनपाल, प्रोफेसर एवं प्रमुख (ईएमपीडी) के साथ डॉ. प्रियंका जायसवाल, सहायक प्रोफेसर और डॉ.गिन्नी चावला, सहायक प्रोफेसर 15 मार्च 2021 को पीएचडीसीसीआई इंटरनेशनल वीक, हाइब्रिड प्रदर्शनी के अवसर पर।

आईआईएफटी के प्रतिष्ठित केंद्र

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र

संस्थान में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र एक शोध इकाई है जो सामान्य रूप से व्यापार और विशेष रूप से डब्ल्यूटीओ में रूचि रखता है, इसके अलावा यह डब्ल्यूटीओ वार्ता–संबंधित ज्ञान और दस्तावेजीकरण के स्थायी भंडार के रूप में कार्य करता है। इसे नियमित रूप से भारत सरकार द्वारा शोध कार्य करने और विश्व व्यापार संगठन व अन्य मंचों यथा मुक्त एवं बेहतर व्यापार समझौतों (एफटीएज/पीटीएज) दोनों में तथा व्यापक आर्थिक सहयोग समझौतों (सीईसीए) में एक स्वतंत्र विश्लेषणात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए कहा जाता है ताकि उसे विभिन्न व्यापार वार्ताओं में अपनी स्थिति में वृद्धि करने में मदद मिले। इसके अतिरिक्त, केंद्र विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके अपने आउटरीच और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग तथा सरकारी इकाइयों सहित अन्य साझीदारों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, इस प्रकार यह साझीदारों और नीति निर्माताओं के बीच सर्वसम्मति बनाने के लिए एक मंच के तौर पर कार्य कर रहा है।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यकलापों के पीछे पांच व्यापक उद्देश्य प्राप्त करना हैः (1) भारत के व्यापार वार्ताकारों और नीति निर्माताओं को विश्व व्यापार संगठन में बहुपक्षीय व्यापार वार्ता और अनुसंधान और विभिन्न समर्थन के माध्यम से नियमित डब्ल्यूटीओ कार्यक्रमों में प्रभावी ढंग से भाग लेने में सहायता करना, (2) वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के बीच उभरते व्यापार मुद्दों की समझ बढ़ाने के लिए, (3) आउटरीच और प्रसार गतिविधियों के माध्यम से हितधारकों के बीच प्रमुख व्यापार मुद्दों की समझ को बढ़ाना, (4) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व व्यापार संगठन और अन्य व्यापार संबंधी मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए भारत और अन्य विकासशील देशों में क्षमता विकसित करना, और (5) अंतरराष्ट्रीय व्यापार के कुछ पहलुओं पर वैश्विक परंपरा को प्रभावित करने की कोशिश करना।

कोविड–19 महामारी से पैदा हुई स्थिति को देखते हुए, केंद्र को कार्य करने के ऑनलाइन तरीके के लिए खुद को जल्दी से अनुकूलित करना पड़ा। 2020–21 के दौरान, केंद्र ने वाणिज्य विभाग और सरकार के अन्य विभागों को 272 विश्लेषण और सलाह प्रदान की सीडब्ल्यूएस संकाय और कर्मचारियों ने डब्ल्यूटीओ और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर 21 तकनीकी प्रकाशन प्रकाशित किए। इसके अतिरिक्त, केंद्र के संकाय और कर्मचारियों ने व्यापार के मुद्दों पर आसानी से समझने के लिए सूचना और विश्लेषण के प्रसार के लिए समाचार पत्रों और लोकप्रिय पत्रिकाओं में 22 लेख प्रकाशित किए, कुछ प्रमुख गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल थेः

- मात्स्यिकी सब्सिडियों पर डब्ल्यूटीओ की वार्ताओं में सक्रिय भागीदारी और सीडब्ल्यूएस की अग्रणी भूमिका।
- कोविड–19 महामारी को परिचयन करने और अधित्याग के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन बनाने के लिए नागरिक समाज संगठनों के साथ समन्वय करने हेतु ट्रिप्स छूट पर प्रस्ताव की संकल्पना और मसौदा तैयार करना।
- कुछ क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं सहित कुछ प्रस्तावित सरकारी योजनाओं का कानूनी विश्लेषण।
- भारत की व्यापार नीति समीक्षा के लिए वाणिज्य विभाग को सहायता प्रदान करना, जिसमें मसौदा सरकारी रिपोर्ट तैयार करना, भारत की प्रारंभिक व अंतिम वक्तव्य हेतु इनपुट और एक हजार से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने में सहायता करना शामिल है।
- चावल के लिए शांति खंड को लागू करने के लिए भारत की सुविधा हेतु प्रारंभिक तकनीकी कार्य करना।
- इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स पर संयुक्त वक्तव्य पहल के तहत प्रस्तावों का व्यापक मानचित्रण और विश्लेषण।
- भारत के एफटीए में सेवाओं पर प्रभाव विश्लेषण अध्ययन।
- एचएस कोड के साथ लगभग 10,000 बीआईएस उत्पाद मानकों का मानचित्रण।

कोविड–19 महामारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं के आयोजन में सीडब्ल्यूएस के लिए काफी चुनौतियाँ पेश की फिर भी, 2021–21 के दौरान, सीडब्ल्यूएस ने 14 अंतरराष्ट्रीय बैठकों सहित 44 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन किया। कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में निम्नलिखित शामिल थेः

- समावेशिता और विकास को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए कुल मिलाकर 10 वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने विश्व व्यापार संगठन में विकासशील देशों के सामने आने वाले कुछ प्रमुख मुद्दों पर प्रस्तुतियाँ दी। वेबिनार में जिनेवा स्थित प्रतिनिधियों और कैपिटल–आधारित अधिकारियों की भागीदारी देखी गई।
- एफटीए वार्ता के कुछ पहलुओं पर सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए 21 कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- विदेशी सब्सिडी पर एक उभरते और सामयिक मुद्दे पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में व्यापार उपचार के क्षेत्र में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय व्यापार केंद्र (सीआरटी)

क्षेत्रीय व्यापार केंद्र (सीआरटी) एक नई दिल्ली स्थित स्वायत्त थिंक–टैंक है, जिसे वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल ट्रेड (क्रिट) के तहत आईआईएफटी में स्थापित किया गया है।

सीआरटी का नीति–उन्मुख अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारत के आर्थिक जुड़ाव को क्षेत्रीय लेंस के माध्यम से देखते हैं। सीआरटी के व्यापक कार्यों में अनुसंधान सहित, क्षेत्र–उन्मुख और विषय–विशिष्ट दोनों शामिल हैः

- भारत और अन्य विकासशील देशों के निहितार्थ के परिप्रेक्ष्य से अफ्रीका, आसियान, चीन, यूरोपीय संघ, यूरेशिया, जापान, कोरिया, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण एशिया आदि सहित विशिष्ट क्षेत्रों/देशों के लिए प्रासंगिक व्यापार और निवेश के मुद्दों पर अनुसंधान और जागरूकता बढ़ाना।
- अनुसंधान, क्षमता निर्माण और आउटरीच कार्यक्रमों के व्यापक विषय वस्तुओं में व्यापार, सेवाओं में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और व्यापार व विकास संबंधी मुद्दों के बीच अंतर–संबंध शामिल हैं।
- कुछ विशिष्ट विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रीकरण जैसे – टैरिफ विश्लेषण, माल में व्यापार की संभावना, उत्पत्ति के नियम, गैर–टैरिफ उपाय, एसपीएस/टीबीटी, देशों की निवेश व्यवस्था, व्यापार और निवेश पूरकता आदि।
- विशिष्ट क्षेत्रों/देशों के लिए प्रासंगिक व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत के लिए अवसरों पर अनुसंधान करना।

व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल)

व्यापार और निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल) की स्थापना भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के तहत वर्ष 2017 में भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों व और अन्य सरकारी एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून से संबंधित कानूनी मुद्दों के गहन विश्लेषण प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी। सीटीआईएल अपने निपटान में संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ व्यापार और निवेश कानून पर सूचना के भंडार के रूप में कार्य करता है। यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून के मुद्दों पर विकसित हो रहे संवाद में शामिल होने और प्रभावित करने के लिए एक प्रमुख भारतीय मंच के रूप में भी कार्य करता है। केंद्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून के मुद्दों पर भारत सरकार को लगातार तकनीकी जानकारी प्रदान करता रहा है। वास्तव में, इसकी स्थापना के बाद से, भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत व्यापार संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय व्यापार की व्याख्या और विश्लेषण, भारत की चल रही व्यापार वार्ताओं में अनुसंधान व इनपुट्स प्रदान करना, ई–कॉमर्स नीति, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कराधान के मामले, रॉयल्टी लगाने, और घरेलू कानूनों के विकास में भारत की सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण व्यापार प्रतिबद्धता सहित केंद्र द्वारा वाणिज्य विभाग का 750 से अधिक परामर्श राय प्रदान की गई है। हाल ही में, सीटीआईएल वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक प्रभाग की अगुवाई में नए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक कानून के विषय–वस्तु का मसौदा तैयार करने में शामिल रहा है। विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) के निर्देशन में, सीटीआईएल ने विधेयक के लिए मसौदा पाठ तैयार किया है, जिसमें भारत के लिए एक–रूप और सामंजस्यपूर्ण लॉजिस्टिक कानूनी ढांचा लाने का प्रस्ताव है। भारत के राष्ट्रीय कानून स्कूलों और अन्य प्रमुख संस्थानों के साथ जुड़ने और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून में संलग्न होने के लिए उनकी क्षमता का विकास करना सीटीआईएल का मिशन है। सीटीआईएल लगातार, संयुक्त आयोजनों जैसे सम्मेलनों, संगोष्ठियों, चर्चाओं और छात्रों के वास्तविक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून के कानूनी ज्ञान को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कानून स्कूलों के साथ सहयोग कर रहा है। सीटीआईएल में, हम नैदानिक कानूनी शिक्षा के महत्व को पहचानते हैं और इसलिए, केंद्र भारत में विभिन्न राष्ट्रीय कानून स्कूलों और अन्य प्रमुख संस्थानों में ट्रेडलैब (जिनेवा) लॉ क्लीनिक का संचालन कर रहा है।

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान किए गए प्रमुख अध्ययन/रिपोर्ट/परियोजनाएं

1. **उद्योग विनियमों में अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं पर अध्ययनः** सीटीआईएल ने 17 विभिन्न क्षेत्राधिकारों में व्यापार उपचार से संबंधित कानूनों और विनियमों का गहराई से विश्लेषण किया; 8 विभिन्न क्षेत्राधिकारों में टैरिफ दर कोटा पर कानून और विनियम; प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुक्त क्षेत्रों से संबंधित योजनाएं; व्यापार और निवेश सुविधा ढांचे में मौजूदा रुझान।

2. **सर्वग्राही रासायनिक नियमों पर अध्ययनः** सीटीआईएल ने भारत के रसायन और पेट्रोकेमिकल विभाग के लिए सर्वव्यापी रासायनिक नियम, रासायनिक सुरक्षा और प्रबंधन नियमों का मसौदा तैयार किया। इसने अन्य देशों और यूरोपीय संघ, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, तुर्की और चीन जैसे क्षेत्राधिकारों में पालन किए जाने वाले रसायनों के नियमों का भी अध्ययन किया।

3. **नए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक कानून के लिए मसौदा पाठ तैयार करनाः** सीटीआईएल वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक प्रभाग के नेतृत्व में एक नए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक कानून के पाठ का मसौदा तैयार करने में शामिल है। विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) के निर्देशन में, सीटीआईएल ने विधेयक के लिए मसौदा पाठ तैयार किया है जो भारत में एक नई एम–रूप और सामंजस्यपूर्ण लॉजिस्टिक कानूनी ढांचा लाने का प्रस्ताव करता है।

4. **यूरोपीय संघ द्वारा विभिन्न प्रकार के सुरक्षा उपायों का कार्यान्वयन और भारत के लिए उनकी प्रासंगिकताः** सीटीआईएल ने बहुपक्षीय सुरक्षा उपायों, द्विपक्षीय सुरक्षा उपायों से संबंधित यूरोपीय संघ के विनियमन का विश्लेषण करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की और यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों में प्रचलित निगरानी तंत्र की जांच की इसने अद्वितीय सुरक्षा उपायों का अध्ययन किया जो यूरोपीय संघ द्वारा लागू किए गए हैं जैसे कि ट्रिगर, स्नैपबैक और अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और भारतीय अभ्यास में स्थिरीकरण के उपाय। सीटीआईएल ने भारत की चल रही एफटीए वार्ताओं के प्रारूप पाठों में कुछ तंत्रों का सुझाव दिया है।

5. **संयुक्त राज्य अमेरिका की बाल श्रम रिपोर्ट, 2019 के खराब रूप और बाल और लागू श्रम 2020 से उत्पादित वस्तुओं की सूची का विश्लेषण** : सीटीआईएल ने बाल श्रम रिपोर्ट के सबसे खराब रूप और अमेरिकी श्रम विभाग द्वारा जारी सूची का विश्लेषण प्रदान करते हुए एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की

सीटीआईएल ने दोनों सूची में भारत की उच्च रैंकिंग को कम करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान की, हितधारकों के परामर्श में भाग लिया और आगे का रास्ता तय करने में वाणिज्य विभाग की सहायता की

6. **भारत के डिजिटल सेवा कर पर यूएसटीआर की धारा 301 जांच में वाणिज्य विभाग को व्यापक समर्थनः** सीटीआईएल ने डीएसटी जांच में वाणिज्य विभाग की सहायता की, जिसमें सीटीआईएल ने जांच के हर चरण में सहायता प्रदान की सीटीआईएल भारतीय उत्पादों पर डीएसटी लगाने के विरूद्ध गवाही देने के लिए तीसरे पक्ष के विशेषज्ञों को सामने लाया। इसके अतिरिक्त, सीटीआईएल ने इस मामले के तहत यूएसटीआर को प्रस्तुत विभिन्न साक्ष्यों और खंडन पर लिखित टिप्पणियां प्रदान की

7. **भारत–यूके स्कोपिंग पेपरः** सीटीआईएल ने सीमित क्षेत्रों में प्रारंभिक फसल व्यापार समझौते में शामिल वैधताओं और उपकरणों का विश्लेषण करते हुए एक रिपोर्ट तैयार की, जो प्रकृति में अंतरिम है और लंबी अवधि में व्यापक भारत–यूके बीटीआईए के अग्रगामी है। इसके अलावा, सीटीआईएल ने गैट के अनुच्छेद गगपअ के ढांचे के भीतर एक प्रारंभिक फसल समझौते पर प्रारंभिक चर्चा में सीधे भाग लिया।

8. **उत्पाद से जुड़ी योजनाएंः** सीटीआईएल ने आत्मानिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लिए शुरू की गई पीएलआई योजनाओं के मसौदे दिशानिर्देशों की डब्ल्यूटीओ संगतता पर व्यापक राय और सुझावों की एक श्रृंखला प्रदान की कई पीएलआई योजनाओं के पाठ और डिजाइन को संशोधित करने में सीटीआईएल के इनपुट महत्वपूर्ण थे।

9. **सीटीआईएल और ट्रेडलैब, जिनेवा लॉ क्लिनिकः** सभी पक्षों के बीच निर्बाध समन्वय और संचार सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालयों और लाभार्थियों के बीच सीटीआईएल एक एंकर प्रतिष्ठान के साथ हब–एंड–स्पोक मॉडल में भारत की ट्रेडलैब संचालन की जाती हैं। सीटीआईएल भारत में विभिन्न एनएलयू के साथ ट्रेडलैब (जिनेवा) लॉ क्लिनिक चलाता है। द क्लिनिक फॉर द ऑटम सेमेस्टर का समापन जनवरी 2021 में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर (एनएलयूजे) के साथ हुआ। स्प्रिंग सेमेस्टर के लिए क्लिनिक श्रृंखला जारी है।

10. **नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्रः** सीटीआईएल ने मुद्दों और परिचालन संबंधी बिंदुओं के साथ–साथ नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विविधीकरण के संभावित क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक अध्ययन किया। अध्ययन विभिन्न इकाइयों के निर्यात प्रदर्शन, हितधारक परामर्श, मौजूदा नीति ढांचे की जांच और भारत सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई योजनाओं को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था।

11. **मुरादाबाद विशेष आर्थिक क्षेत्रः** सीटीआईएल ने मुरादाबाद विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विविधीकरण के संभावित क्षेत्रों के साथ–साथ ढांचागत और प्रशासनिक कमियों पर यह व्यापक अध्ययन किया। यह कार्यस्थल के दौरे, हितधारक परामर्श, मौजूदा नीति ढांचे की जांच और भारत सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई योजनाओं के माध्यम से आयोजित किया गया था।

12. **व्यापार उपचार व्यवस्थाओं पर अध्ययनः** सीटीआईएल ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा, मैक्सिको, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, चीन, तुर्की और ब्राजील सहित देशों के एंटी–डंपिंग, काउंटरवेलिंग और सुरक्षा व्यवस्थाओं में संस्थागत व्यवस्थाओं पर एक अध्ययन किया और एक रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया। अध्ययन का उद्देश्य भारत की व्यापार उपचार संस्थागत व्यवस्था को सुव्यवस्थित और संशोधित करने के लिए सिफारिशें प्रदान करना था।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा की गई अनुसंधान गतिविधियां

क्र.सं.	अनुसंधान गतिविधियां
1	सीटीआईएल ने भारत में आयात लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं पर एक रिपोर्ट तैयार की
2	भारत और यूके के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते के लिए स्कोपिंग असेसमेंट।
3	सीटीआईएल ने विभिन्न क्षेत्राधिकारों में अवशोषण विरोधी प्रावधानों का विश्लेषण किया।
4	सीटीआईएल ने यूरोपीय संघ द्वारा विभिन्न प्रकार के सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन और भारत के लिए उनकी प्रासंगिकता पर जानकारी प्रदान की
5	सीटीआईएल डीएस547 (संयुक्त राज्य अमेरिका – स्टील और एल्युमीनियम उत्पाद पर कुछ उपाय) के लिए भारत की दूसरी लिखित प्रस्तुति पर टिप्पणी प्रदान की
6	सीटीआईएल डीएस 585 (भारत – संयुक्त राज्य अमेरिका से कुछ उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क) के लिए भारत की पहली लिखित प्रस्तुति पर टिप्पणियाँ प्रदान की
7	सीटीआईएल ने जीसीसी प्राधिकारियों द्वारा भारत से सिरेमिक टाइलों के आयात पर लगाए गए एंटी–डंपिंग शुल्क के संबंध में विश्व व्यापार संगठन में परामर्श शुरू करने की क्षमता पर काम किया।
8	सीटीआईएल ने भारत के प्रारंभिक खोज अनुरोध (डीएस585) पर संयुक्त राज्य अमेरिका की टिप्पणियों पर भारत की प्रतिक्रिया पर टिप्पणियां प्रदान की
9	सीटीआईएल ने अमेरिका और ब्राजील द्वारा दिए गए संयुक्त वक्तव्य 'विश्व व्यापार प्रणाली के लिए बाजार–उन्मुख स्थितियों का महत्व' के संबंध में भारत के रुख पर जानकारी प्रदान की
10	सीटीआईएल टीआरआईपीएस समझौते और कोविड–19 से संबंधित कार्यों के लिए कोस्टा रिका के प्रस्ताव पर इनपुट प्रदान किए।
11	सीटीआईएल ने गैट अनुच्छेद XXIV और गैट्स अनुच्छेद V के तहत आवश्यकताओं पर राय प्रदान की।
12	सीटीआईएल ने 4 मई 2020 से कच्चे पेट्रोलियम तेल और परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों पर 10 प्रतिशत अस्थायी शुल्क लगाने के लिए फिलीपींस के उपाय पर राय प्रदान की।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा की गई अनुसंधान गतिविधियां	
क्र.सं.	अनुसंधान गतिविधियां
13	सीटीआईएल ने गैट्स के अनुच्छेद V-3(ए) के तहत विकासशील देशों के बीच पीटीए के समापन की संभावना पर राय प्रदान की।
14	सीटीआईएल ने निर्यात ऋण पर अंतरराष्ट्रीय कार्य समूह की बैठक में संयुक्त वक्तव्य के मसौदे पर इनपुट प्रदान किए।
15	सीटीआईएल ने कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित आरओडीटीईपी योजना पर राय प्रदान की।
16	सीटीआईएल ने भारतीय नीतियों के उदाहरणों का विश्लेषण किया जो यूएस, ईयू और जापान द्वारा त्रिपक्षीय वक्तव्य के पैरा 1 की प्रकृति में हो सकते हैं।
17	सीटीआईएल ने त्रिपक्षीय वक्तव्य के भारत के विरोध और औद्योगिक सब्सिडी पर चीनी प्रस्ताव के प्रायोजन पर राय प्रदान की।
18	सीटीआईएल ने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रस्ताव पर भारत के रुख और एनएमई से संबंधित चीन के काउंटर प्रस्ताव पर राय प्रदान की।
19	सीटीआईएल ने डब्ल्यूटीओ संगत निर्यात सब्सिडी योजना पर राय प्रदान की।
20	सीटीआईएल ने जीएटीटी के अनुच्छेद II:2(ए) के तहत लगाए जा सकने वाले सीमा करों की व्याख्या पर राय प्रदान की।
21	सीटीआईएल ने आसियान–इंडिया ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट के ओसीपी प्रावधानों के अनुच्छेद 10 और अनुच्छेद 13 की व्याख्या पर राय प्रदान की।
22	सीटीआईएल ने व्यापार और निवेश कार्य समूह की असाधारण आभासी बैठक में जी–20 सदस्यों और अतिथि देशों द्वारा प्रस्तावित सामूहिक कार्रवाइयों पर टिप्पणियों पर राय प्रदान की।
23	सीटीआईएल ने चीन की विदेशी निवेश नीति पर एक नोट का मसौदा तैयार किया।
24	सीटीआईएल ने सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के त्वरित कार्यान्वयन के लिए ड्राईवर के रूप में व्यापार और निवेश पर संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी रिपोर्ट पर टिप्पणियां प्रदान की।
25	सीटीआईएल ने गैट्स के अनुच्छेद III के तहत बीमा क्षेत्र की अधिसूचनाओं पर राय प्रदान की।
26	सीटीआईएल ने ई–कॉमर्स पर मौजूदा एफडीआई नीति के कथित उल्लंघन पर राय प्रदान की।
27	सीटीआईएल ने सक्षम खंड के तहत एलडीसी छूट पर एक आधिकारिक व्याख्या के लिए कोरिया गणराज्य के प्रस्ताव पर राय प्रदान की।
28	सीटीआईएल ने संयुक्त पहल के अध्यक्ष द्वारा घरेलू सेवाओं के विनियमन और भारत की स्थिति पर प्रस्तुत सूचना नोट के संबंध में चिंताओं पर राय प्रदान की।
29	सीटीआईएल ने गैट के अनुच्छेद XVII के तहत भारत की पिछली दो अधिसूचनाओं पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर राय प्रदान की।
30	सीटीआईएल ने यूरोपीय संघ में भारतीय रसायनों और फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात द्वारा सामना की जाने वाली व्यापार बाधाओं पर राय प्रदान की।
31	सीटीआईएल ने उन फर्मों से एसईआईएस दावों की पात्रता पर राय प्रदान की, जिनके पास विदेश से प्रेषण प्राप्त करने का कॉस्ट प्लस मॉडल है।
32	सीटीआईएल ने मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन के सीपीसी वर्गीकरण और एसईआईएस योजना के तहत ऐसी सेवाओं के कवरेज पर राय प्रदान की।
33	सीटीआईएल ने गैट्स के अनुच्छेद V.3(ए) के तहत विकासशील देशों के बीच पीटीए के समापन की संभावना पर राय प्रदान की।
34	सीटीआईएल ने यूएस जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंस पर राय दी : संभावित संशोधन, 2020 समीक्षा (जांच संख्या 332–578)।
35	सीटीआईएल ने संशोधित एंटी – एब्जॉर्प्शन ड्राफ्ट नियमों के संबंध में टीपीडी की चिंताओं पर टिप्पणी प्रदान की।
36	सीटीआईएल ने मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड पार्क्स स्कीम (एमआईटीआरए) की डब्ल्यूटीओ संगतता पर राय प्रदान की।
37	सीटीआईएल ने विश्व व्यापार संगठन में गैर–बाजार अर्थव्यवस्थाओं के नए नियमों पर प्रश्नावली पर राय प्रदान की।
38	सीटीआईएल ने एंटी–अवशोषण के संबंध में मसौदा नियमों पर टिप्पणियां प्रदान की।
39	ई–कॉमर्स संस्थाओं के लिए भारत के समानीकरण लेवी की यूएस 301 जांच के संबंध में यूएसटीआर के लिए प्रश्नों/स्पष्टीकरण की सूची।
40	सीटीआईएल ने विश्व व्यापार संगठन–उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की संगति पर राय प्रदान की।
41	तीन आईटीए विवादों में भारत के डीएसबी बयान पर सीटीआईएल की टिप्पणी।
42	सीटीआईएल ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा तैयार की गई 'नई औद्योगिक क्लस्टर उन्नयन योजना, 2020–25' की विश्व व्यापार संगठन की स्थिरता पर राय प्रदान की।
43	सीटीआईएल ने ई–कॉमर्स पर भारत के समानीकरण लेवी में धारा 301 जांच पर इनपुट प्रदान किए।
44	सीटीआईएल ने सॉफ्टवेयर उत्पादों के लिए उत्पाद कोड बनाने के एमईआईटीवाई के प्रस्ताव पर राय प्रदान की।
45	सीटीआईएल ने विश्व व्यापार संगठन में नए सब्सिडी अनुशासन के प्रभाव पर प्रश्नावली पर टिप्पणियां प्रदान की।
46	सीटीआईएल ने ई–कॉमर्स मार्केटप्लेस एंटिटी नेटवर्क की परिभाषा में संशोधन पर टिप्पणियां प्रदान की।
47	सीटीआईएल ने डब्ल्यूटीओ के विश्लेषण पर राय प्रदान की – इंडोनेशिया द्वारा माल के आयात में किए गए कुछ उपायों की संगति।
48	सीटीआईएल ने इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम द्वारा लगाए गए कुछ सार्वजनिक खरीद शर्तों के डब्ल्यूटीओ – संगति के विश्लेषण पर राय प्रदान की ।
49	यूएस जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज मॉडिफिकेशन्स (2020) पर सुनवाई के बाद का संक्षिप्त विवरण।
50	यूएस जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज की वार्षिक समीक्षा पर पूर्व–सुनवाई संक्षिप्त।
51	सीटीआईएल ने यूएसटीआर डीएसटी पर पृष्ठभूमि नोट तैयार किया।
52	सीटीआईएल ने मसौदा एंटी–एब्जोर्बसन नियम पर इनपुट्स प्रदान किए।
53	सीटीआईएल ने अपनी वीज़ा–482 अधिसूचना पर ऑस्ट्रेलिया से मांगे जाने वाले और स्पष्टीकरण पर इनपुट प्रदान किए।
54	सीटीआईएल ने भारत में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वैश्विक चैंपियन बनाने पर डब्ल्यूटीओ की अनुकूलता नीति आयोग के प्रस्ताव पर राय प्रदान की।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा की गई अनुसंधान गतिविधियां	
क्र.सं.	**अनुसंधान गतिविधियां**
55	सीटीआईएल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के "कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद अमेरिकी श्रम बाजार के लिए जोखिम पेश करने वाले एलियंस के प्रवेश को निलंबित करने की उद्घोषणा" पर राय प्रदान की।
56	सीटीआईएल ने चीन द्वारा यूरोपीय संघ–मूल्य निर्धारण पद्धति (डीएस–516) विवाद को वापस लेने के भारत के लिए निहितार्थ पर राय प्रदान की।
57	गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल द्वारा एडी जांच के संबंध में सीटीआईएल ने एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड के पत्र की समीक्षा की।
58	सीटीआईएल ने भारत में यूरोपीय संघ द्वारा एक पैनल की स्थापना के अनुरोध के जवाब में ड्राफ्ट स्टेटमेंट की समीक्षा की – सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र (डीएस582) में कुछ सामानों पर टैरिफ ट्रीटमेंट।
59	सीटीआईएल ने 'द कंसेंसस प्रिंसिपल एट रिस्क' शीर्षक वाले साउथ सेंटर के पेपर पर राय दी।
60	सीटीआईएल ने सीमा शुल्क टैरिफ (सुरक्षा उपायों की पहचान और आकलन) नियम, 1997 का विश्लेषण और पुनरीक्षण किया।
61	सीटीआईएल ने भारतीय एंटी–डंपिंग और सीओ अवमूल्यन शुल्क नियमों में कम शुल्क नियम से संबंधित स्पष्टीकरणों पर राय प्रदान की।
62	सीटीआईएल ने आंशिक दायरे के समझौतों में व्यापार उदारीकरण के तौर–तरीकों के रूप में वरीयता के मार्जिन (एमओपी) के उपयोग के संबंध में अनुच्छेद XXIV के तहत चिंताओं पर राय प्रदान की।
63	सीटीआईएल ने सेवा डीआर पर संयुक्त पहल पर मसौदा पाठ में प्रस्तावित संशोधनों पर एक नोट तैयार किया।
64	सीटीआईएल ने भारतीय संदर्भ में अवशोषण–रोधी शुल्क लगाने की संभावना तलाशने पर राय प्रदान की।
65	सीटीआईएल ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, लॉजिस्टिक विभाग, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य मंत्रालय और भारतीय मानक ब्यूरो के बीच सेवा क्षेत्र में मानकीकरण पर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन की पुष्टि की।
66	सीटीआईएल ने लॉजिस्टिक्स पर एक राष्ट्रीय फ्रेमवर्क विधान का मसौदा तैयार करने के प्रस्ताव पर नोट तैयार किया।
67	सीटीआईएल ने इंडोनेशिया (II) द्वारा लगाए गए कुछ लाइसेंस प्रतिबंधों का विश्लेषण किया।
68	सीटीआईएल ने चीनी ताइपे के दूसरे अनुरोध के लिए डीएसबी में भारत के ड्राफ्ट स्टेटमेंट पर सर्वदा कमेंट–1 के साथ राय प्रदान की।
69	सीटीआईएल ने जापान के दूसरे अनुरोध के लिए डीएसबी में भारत के ड्राफ्ट स्टेटमेंट पर सर्वदा टिप्पणियाँ–1 के साथ राय प्रदान की।
70	सीटीआईएल ने भारत – मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौते (सीईसीपीए) के तहत ऑटो ट्रिगर सेफगार्ड मैकेनिज्म (एटीएसएम) पर मसौदा प्रावधान विकसित किया।
71	सीटीआईएल ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों और संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ नियमों की तुलना और ओवरलैप पर राय प्रदान की।
72	सीटीआईएल ने एसजी नियमों पर टिप्पणियां दी।
73	सीटीआईएल ने भारतीय एंटी–डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी नियमों से कम शुल्क नियम के निरसन के संबंध में चिंताओं पर राय प्रदान की।
74	सीटीआईएल ने आंशिक स्कोप व्यापार समझौते पर राय प्रदान की।
75	सीटीआईएल ने मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध पर राय दी।
76	सीटीआईएल ने सुरक्षा अपवादों पर राय प्रदान की।
77	सीटीआईएल ने मसौदा लॉजिस्टिक अधिनियम (2) में संबोधित किए जाने वाले प्रमुख वैचारिक मुद्दों पर एक नोट का मसौदा तैयार किया।
78	सीटीआईएल ने कृषि संबंधी समिति में विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों द्वारा दालों पर मात्रात्मक प्रतिबंधों पर भारत से पूछे गए प्रश्नों पर जानकारी प्रदान की।
79	सीटीआईएल ने डॉ. थॉमस कॉटियर की नियुक्ति को हल करने के लिए राय प्रदान की।
80	सीटीआईएल ने यूके व्यापार उपाय संशोधनों पर राय प्रदान की।
81	सीटीआईएल ने सेज नियमों में संशोधन पर राय दी।
82	सीटीआईएल ने भारत ऑटो उद्योग के प्रस्तावों पर राय प्रदान की।
83	विकासशील देशों के बीच व्यापार वरीयता की वैश्विक प्रणाली के तहत तीसरे दौर की वार्ता के साथ भारत की भागीदारी की समीक्षा पर राय।
84	सीटीआईएल ने चीन की डिजिटल मुद्रा पर कार्यकारी समूह पर एक नोट प्रदान किया।
85	सीटीआईएल ने डीआर रेफ पेपर के गैट्स माइनस एलिमेंट्स पर एक नोट प्रदान किया।
86	सीटीआईएल ने भारत के आईटीए–1 समझौते से बाहर निकलने पर एक संशोधित राय प्रदान की।
87	पैनलिस्टों के चयन के लिए मानदंड के लिए सीटीआईएल इनपुट (डीएस582)।
88	सीटीआईएल ने प्रस्तावित एलईएपीएस विधेयक पर इसकी आवश्यकता, इसके द्वारा हल की जाने वाली समस्याओं और प्रस्तावित समाधानों के संबंध में एक पृष्ठभूमि नोट तैयार किया।
89	सीटीआईएल ने नए लॉजिस्टिक कानून पर एक परामर्श पत्र तैयार किया।
90	सीटीआईएल ने सेवा बीआरएपी प्रस्तावों पर एक नोट प्रदान किया।
91	सीटीआईएल ने उद्योग विनियमों में अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक रिपोर्ट तैयार की।
92	सीटीआईएल ने ईपीएफ योजना और भारत–सिंगापुर सीईसीए के साथ इसकी निरंतरता पर एक राय प्रदान की।
93	सीटीआईएल ने डीएस582 और डीएस588 के लिए पैनल संरचना और डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान समझ के अनुच्छेद 8.6 और अनुच्छेद 8.7 के बीच संबंध पर एक राय प्रदान की।
94	सीटीआईएल ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर इनपुट प्रदान किए – चीन से कुछ सामानों पर टैरिफ उपाय।
95	सीटीआईएल ने यूएस ट्रेड रेमेडी अमेंडमेंट पर टिप्पणियां दी।
96	सीटीआईएल ने तकनीकी विनियमों के सामंजस्य पर एक अवधारणा नोट तैयार किया।
97	सीटीआईएल ने चीन को खाद्य आयात के निलंबन और संबंधित एसपीएस उपायों पर एक राय प्रदान की।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा की गई अनुसंधान गतिविधियां	
क्र.सं.	अनुसंधान गतिविधियां
98	सीटीआईएल ने ड्राफ्ट ओसीआर पर टिप्पणियां प्रदान की।
99	सीटीआईएल ने विश्व व्यापार संगठन पैनल की कार्यवाही में संवर्धित तृतीय पक्ष अधिकारों के लिए कानूनी मानक पर एक नोट तैयार किया।
100	सीटीआईएल ने टीबीटी और एसपीएस एसटीसी पर राय दी।
101	सीटीआईएल ने प्रस्तावित आईआरआईएल.नेट पर तैयार किए गए एक चर्चा नोट पर टिप्पणियां प्रदान की।
102	सीटीआईएल ने मुक्त आर्थिक क्षेत्रों के आधार पर एससीओ के भीतर आर्थिक विकास क्षेत्र (ईजीजेड) स्थापित करने पर टिप्पणियां प्रदान की।
103	सीटीआईएल ने डीएसयू के तहत वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) के उपयोग को सुव्यवस्थित करने पर एक प्रस्तावः ताइवान, पेन्घु, किनमेन और मात्सु के अलग–अलग सीमा शुल्क से मध्यस्थता और संचार पर मसौदा वक्तव्य पर टिप्पणियां प्रदान की।
104	सीटीआईएल ने भारतीय अंटार्कटिका विधेयक–2 पर डीसीएन पर टिप्पणियां प्रदान की।
105	सीटीआईएल ने जी20 शेरपा बैठक 2021 के लिए जारी नोट पर टिप्पणी प्रदान की।
106	सीटीआईएल ने भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों पर एक नोट प्रदान किया।
107	सीटीआईएल ने एफईआरपी गणना पर एक नोट प्रदान किया।
108	सीटीआईएल ने जीसीसी राज्य के साथ व्यापार संबंधों पर टिप्पणियां प्रदान की।
109	सीटीआईएल ने लोकसभा प्रश्न संख्या 1437 – मोस्ट फेवर्ड नेशन स्टेटस इनपुट्स के उत्तर के लिए इनपुट प्रदान किए।
110	सीटीआईएल ने निवेश पर यूरोपीय संघ–चीन व्यापक समझौते के 'सैद्धांतिक समझौते' का प्रारंभिक विश्लेषण प्रदान किया।
111	सीटीआईएल ने सीएक्यूएम–ड्राफ्ट बिल पर राय दी।
112	सीटीआईएल ने निवेश पर यूरोपीय संघ–चीन व्यापक समझौते के अध्याय II - VI का विश्लेषण प्रदान किया, जिसमें निवेश के उदारीकरण, नियामक ढांचे, निवेश और सतत विकास, विवाद निपटान, और संस्थागत और अंतिम प्रावधानों पर अध्याय शामिल हैं।
113	सीटीआईएल ने 'इंडिया फर्स्ट' सुधार पुस्तिका पर टिप्पणियां प्रदान की।
114	सीटीआईएल ने तेलंगाना थाईलैंड समझौता ज्ञापन के पैराग्राफ IV पर टिप्पणियां प्रदान की।
115	सीटीआईएल ने मानव निर्मित और तकनीकी वस्त्रों के लिए फोकस उत्पाद योजना की डब्ल्यूटीओ संगतता पर टिप्पणियां प्रदान की।
116	सीटीआईएल ने एनईसी योजनाओं पर ईएफसी ज्ञापन पर एक नोट प्रदान किया।
117	सीटीआईएल ने डब्ल्यूटीओ संगतता पीएलआई योजना–आईटी और हार्डवेयर पर राय और सिफारिशें प्रदान की।
118	सीटीआईएल ने अक्षय ऊर्जा उपकरणों के उत्पादन के लिए विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने की योजना की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता पर टिप्पणियां प्रदान की।
119	सीटीआईएल ने सफेद वस्तुओं के उत्पादन के लिए पीएलआई योजना के लिए स्पष्टीकरण प्रदान किया।
120	सीटीआईएल ने ऑस्ट्रेलिया की मात्रात्मक प्रतिबंध की अधिसूचना पर कृषि संबंधी समिति में भारत द्वारा उठाए जा सकने वाले प्रश्नों पर एक टिप्पणी प्रदान की।
121	सीटीआईएल ने पीवी सोलर मॉड्यूल पर पीएलआई योजना की डब्ल्यूटीओ संगतता पर राय प्रदान की।
122	सीटीआईएल ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में पीएलआई योजना पर नीति आयोग द्वारा संशोधित प्रस्ताव और सुधार बिंदुओं की डब्ल्यूटीओ संगतता पर अनुवर्ती प्रतिक्रिया प्रदान की।
123	सीटीआईएल ने ऑटोमोबाइल पर पीएलआई योजना के पुनर्गठन के लिए सिफारिशों पर एक नोट तैयार किया।
124	सीटीआईएल ने व्हाइट गुड्स पर पीएलआई योजना की डब्ल्यूटीओ संगतता का विश्लेषण किया।
125	यूरोपीय संघ ईटीएस के अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के विस्तार से संबंधित चिंताओं पर राय।
126	सीटीआईएल ने भारत–यूरोपीय संघ के स्कोपिंग पेपर के मसौदे की समीक्षा की।
127	सीटीआईएल ने किर्गिज़ गणराज्य पर राय प्रदान की – मोड 4 प्रतिबद्धताओं के निर्धारण में असंगति।
128	सीटीआईएल ने संशोधित टिप्पणियों के लिए अंकटाड पर टिप्पणियां प्रदान की।
129	सीटीआईएल ने एफटीडीआर के तहत एकतरफा उपाय तंत्र शुरू करने पर राय प्रदान की।
130	सीटीआईएल ने डिजिटल मूल्य लेबल पर राय प्रदान की।
131	सीटीआईएल ने जी20 इटली टीआईडब्ल्यूजी अंक नोट पर राय प्रदान की।
132	सीटीआईएल ने व्यापार उपचार व्यवस्थाओं पर एक अध्ययन तैयार किया।
133	सीटीआईएल ने रिपोर्ट ट्रेड एंड सस्टेनेबिलिटी II तैयार की।
134	सीटीआईएल ने आईटीए विवादों के तहत हितों के टकराव पर राय प्रदान की।
135	सीटीआईएल ने पीएलआई–आईटी और हार्डवेयर संशोधित–दिशानिर्देशों पर राय प्रदान की ।
136	सीटीआईएल ने ऑटोमोबाइल और ऑटो–कंपोनेंट्स के लिए संशोधित पीएलआई योजना पर राय प्रदान की।
137	सीटीआईएल ने स्टील के लिए पीएलआई योजना पर एक संशोधित राय प्रदान की।
138	सीटीआईएल ने चीन पहुंच और सीपीआरआई प्रमाणन के संबंध में एसटीसी पर टिप्पणियां प्रदान की।
139	सीटीआईएल ने वाणिज्य सचिव को एशिया आर्थिक वार्ता, 2021 में भाग लेने के लिए बातचीत के बिंदु और इनपुट प्रदान किए।
140	सीटीआईएल ने बजट भाषण, 2021 में परिकल्पित काउंटरवेलिंग ड्यूटी के अस्थायी निरसन पर एक विश्लेषण प्रदान किया।
141	सीटीआईएल ने व्यावसायिक सेवाओं में सहयोग पर अवधारणा नोट की समीक्षा की।
142	सीटीआईएल ने गैट 1994 के सक्षम खंड और अनुच्छेद XXIV का पुनरीक्षण किया।
143	सीटीआईएल ने भारत की इको–फॉरेक्स नीतियों पर यूएस ट्रेजरी रिपोर्ट पर एक नोट तैयार किया।
144	भारत – ईयू बीटीआईए व्यापार और स्थिरता के मुद्दों पर उच्च स्तरीय चर्चा– चर्चा सत्र के प्रमुख बिंदु और आरओडी।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा की गई अनुसंधान गतिविधियां	
क्र.सं.	**अनुसंधान गतिविधियां**
145	सीटीआईएल ने नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र पर एक रिपोर्ट तैयार की।
146	सीटीआईएल ने मुरादाबाद विशेष आर्थिक क्षेत्र पर एक रिपोर्ट तैयार की।
147	सीटीआईएल ने ईयू–ऑस्ट्रेलिया ड्राफ्ट एफटीए टेक्स्ट और भारत के लिए संभावित रेड लाइन्स के ट्रेड एंड सस्टेनेबिलिटी चैप्टर का विश्लेषण किया।
148	सीटीआईएल ने 12–03–2021 के लिए राज्य सभा प्रश्न डायरी संख्या एस2993 पर राय प्रदान की – विदेशी देशों के साथ राज्यों द्वारा व्यापार समझौते।
149	सीटीआईएल ने भारत में नए लॉजिस्टिक कानून पर एक नोट प्रदान किया।
150	सीटीआईएल ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट ऑपरेशंस के लिए कानूनी ढांचे पर यूएनईएससीएपी की दूसरी आभासी विशेषज्ञ बैठक के लिए प्रस्तावित भारतीय लॉजिस्टिक कानून पर एक प्रस्तुति तैयार की।
151	सीटीआईएल ने रेफ्रिजरेंट और एसी उत्पादों के निषेध और साफ्टा के साथ इसकी निरंतरता पर राय प्रदान की।
152	सीटीआईएल ने गैट, 1994 के एआईटीआईजीए समीक्षा और कला, XXIV, पर राय प्रदान की।
153	सीटीआईएल ने यूरोपीय संघ में बासमती भौगोलिक संकेत विपक्ष पर राय प्रदान की।
154	सीटीआईएल ने डीजीटीआर के लिए "एंटी–डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटीज" का व्यापक विश्लेषण किया।
155	सीटीआईएल ने यूरोपीय संघ के एंटी–सर्क्युवेंशन प्रावधानों के स्पष्टीकरण पर राय प्रदान की।
156	भारतीय चीनी समर्थन नीतियों (डीएस579, डीएस580 और डीएस581) के खिलाफ शुरू किए गए डब्ल्यूटीओ विवादों में वाणिज्य विभाग को व्यापक समर्थन।
157	सीटीआईएल ने व्यापक शोध प्रदान किया और डीएस579, डीएस580 और डीएस581 में भारत की रक्षा के लिए रणनीति और तर्क तैयार करने में सहायता की।
158	सीटीआईएल ने इन विवादों में पैनल के प्रश्नों के लिए भारत के लिखित प्रस्तुतीकरण और प्रतिक्रियाओं को तैयार करने के लिए इनपुट भी प्रदान किए।
159	सीटीआईएल ने वाणिज्य विभाग के अनुरोध पर एमएमटीसी की ओर से समीक्षा याचिका पर एक नोट प्रदान किया।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा आयोजित/प्रायोजित/सहभागिता कार्यक्रम		
क्र.सं.	**दिनांक**	**कार्यक्रम का नाम**
1.	29 अप्रैल 2020 कार्यक्रम।	गेट ,ट्रिमस और एससीएम समझौते के तहत ''सब्सिडी और स्थानीय सामग्री आवश्यकताएँ" पर प्रशिक्षण
2.	13 अगस्त 2020	"एफटीए वार्ता" के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
3.	21–27 अगस्त 2020	"सीआईआई और सीडब्ल्यूएस के साथ सह–आयोजित मुक्त व्यापार समझौते और निर्यात अवसर" पर वेबिनार।
4.	22 अगस्त 2020	एएनएम ग्लोबल द्वारा आयोजित "भारत में निवेश आर्बिट्रेशन अवार्ड की संभवता और आईसीएसआईडी की प्रासंगिकता" पर वेबिनार।
5.	3–21 सितंबर 2021	डीओसी–सीआरआईटी–सीटीआईएल "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ता" पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
6.	30 सितंबर 2020	"विश्व व्यापार संगठन में सब्सिडी विनियमन का भविष्य" पर पैनल चर्चा।
7.	26 नवंबर 2020	सीटीआईएल ने आईएनबीए द्वारा प्रायोजित 9वें वार्षिक आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक ''71वां संविधान दिवस" आयोजित किया।
8.	25 जनवरी 2021	उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा आयोजित "गुणवत्ता और उत्पादकता में चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कानूनी सेवा उद्योग" पर वेबिनार।
9.	25 फरवरी, 2020	सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ (एसआईईएल) द्वारा आयोजित "अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून" पर वेबिनार।

अप्रैल 2020 – मार्च 2021 के दौरान आयोजित हितधारक परामर्श		
क्र.सं.	**दिनांक**	**कार्यक्रम**
1.	20 मई 2020 बैठक।	सीएसएसएस की समीक्षा, सीओएस बैठक की तैयारी और सीएसएसएस के तहत सुधार एजेंडा के संबंध में
2.	2 जून 2020	डीओसी और आमंत्रित हितधारकों के साथ सर्वग्राही रासायनिक विनियमों पर बैठक और प्रस्तुति।
3.	8 जून 2020	डीओसी, डीसीपीसी और सीआईआई प्रतिनिधियों के साथ सर्वग्राही केमिकल विनियमन पर चर्चा करने के लिए बैठक।

निगमित संबंध एवं नियोजन विभाग

अंतिम प्लेसमेंट (एमबीए, पूर्णकालिक 2019–21)

भारतीय विदेश व्यापार संसथान (आईआईएफटी) ने हाल ही में अपने मुख्य एमबीए (आईबी) कार्यक्रम, 2019–21 के बैच के लिए अंतिम प्लेसमेंट का समापन किया। प्लेसमेंट का औसत सीटीसी ₹21.08 लाख प्रति वर्ष रहा, जबकि मध्यम सीटीसी ₹20 लाख प्रति वर्ष हरा। उच्चतम सीटीसी ₹46.5 की लाख प्रति वर्ष थी, जबकि शीर्ष 25 प्रतिशत छात्रों के बैच की औसत सीटीसी ₹25.22 एलपीए रही।

उत्कृष्ट प्रतिभा और उत्तम पाठ्यक्रम के कारण आईआईएफटी देश में शीर्ष नियोक्ताओं के लिए सबसे पसंदीदा भर्ती स्थलों में से एक रहा। कुछ उल्लेखनीय नए कंपनियों में एंजेल ब्रोकिंग, अल्फा अल्टरनेटिव्स, बजाज फिनसर्व, बेनक्यू, गामासेक, हेल्थियंस, केपीएमजी, लोगीनेक्स्ट सॉल्यूशंस, एसएंडपी ग्लोबल, शांगरीला कॉरपोरेट सर्विसेज, थाउसेन्ट्रिक, यूनाइटेड ब्रेवरीज, –वीओआईएस, वोक्सको, श्याओमी, येलो मैसेंजर और जेडएस एसोसिएट्स शामिल हैं।

सेल्स एंड मार्केटिंग क्षेत्र में 24 प्रतिशत ऑफर के उच्चतम प्रतिशत को आकर्षित किया, जिसमें एयरटेल, एमवे, सिप्ला, बजाज, डाबर, एली लिली, जीएसके, एचयूएल, आईटीसी, लोरियल, मेडट्रॉनिक, पेटीएम, आरपीजी, सिग्निफाई और टाटा स्टील जैसे ब्रांडों के अतिरिक्त, बेनक्यू, कोलगेट पामोलिव, यूनाइटेड ब्रुअरीज, वेलस्पन और येलो मैसेंजर सहित नए नियोक्ताओं के साथ बड़ी संख्या में भर्ती करना जारी रखा।

इस प्लेसमेंट सीज़न में प्रतिष्ठित परामर्श क्षेत्र में शुरू किए गए ऑफ़र की संख्या में भी वृद्धि देखी गई, जो आईआईएफटी द्वारा एक बैच के लिए अब तक की सबसे अधिक संख्या रही। बेन कैपेबिलिटी नेटवर्क, बीओडी, कॉग्निजेंट, इंफोसिस कंसल्टिंग, केपीएमजी, मैकिन्से एंड कंपनी, माइकल पेज, प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस, थाउसेन्ट्रिक, विप्रो और जेडएस एसोसिएट्स जैसी प्रमुख कंसल्टिंग फर्मों ने 75 से अधिक ऑफर दिए।

कॉर्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, धन प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और फिनटेक जैसी भूमिकाओं के लिए वित्त क्षेत्र एक प्रमुख भर्तीकर्ता बना रहा, जिसने बैच के 22 प्रतिशत को ऑफर दिया। इस क्षेत्र में प्रख्यात नियोक्ताओं अल्फा ऑल्ट्रनेटिव, सिटी बैंक, डे शॉ, जीई, गोल्डमैन सैक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी एसटीजी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मॉर्गन एंड चेस, सिल्वरडेल, सिनर्जी परामर्श व यस बैंक आदि जैसे कुछ नाम हैं।

55 प्रस्तावों से अधिक के साथ, आईटी और एनालिटिक्स एक आकर्षक क्षेत्र बना रहा, और टेक दिग्गज की ओफा मिक्स और डीसीएम श्रीराम, ईपीआईआईएनडिफि, एक्सल, गामासैक, गो–एमएमटी, हेक्सावेयर, लॉगिनेक्सट सॉल्यूशंस, माइक्रोसॉफ्ट, पोलेस्टार और एसएंडपी ग्लोबल आदि स्टार्ट–अप्स क्षेत्र की भागीदारी देखी गई।

महामारी के रूप में चुनौतियों के बावजूद, बजाज ऑटो, डाबर, गोल्डमैन सैक्स, गूगल, जेपी मॉर्गन चेस एंड कं, आईटीसी, एलडीसी, लॉरियल, माइक्रोसॉफ्ट और ट्राफिगुरा जैसी कंपनियों ने आईआईएफटी में अपना विश्वास बनाए रखा और विविध भूमिकाओं के लिए प्रस्तावों के साथ मजबूत संबंधों को बनाए रखा।

आईआईएफटी अपने पूर्व छात्रों के लिए आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने नियुक्ति के पूरे दौर में अपना भरपूर सहयोग दिया और इस प्रकार के आगामी अभियानों में उनका सहयोग अपेक्षित है।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट (एमबीए, पूर्णकालिक 2020–22)

दो माह के लिए ₹1.61 लाख के औसत वजीफा के साथ 46 नए नियोक्ताओं सहित 123 कंपनियों में 401 छात्रों के आईआईएफटी के सबसे बड़े बैच को ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट दिया गया, जबकि मध्यम वजीफा ₹1.50 लाख तक रहा। आईआईएफटी पिछले दो वर्षों की तुलना में 20 प्रतिशत वृद्धि वाले बैच के लिए उच्चतम वजीफा ₹3.2 लाख को बनाए रखने में कामयाब रहा।

बैच के 70 फीसदी ने छह अंकों वाले वजीफे के साथ, बैच के शीर्ष 100 छात्रों ने दो माह के लिए औसत वजीफा की ₹2.37 लाख प्राप्त किया।

वर्चूअल प्लेसमेंट सेटिंग की चुनौती के साथ, आईआईएफटी ने इस ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के दौरान विविध क्षेत्रों और उद्योगों से 123 नियोक्ताओं की उपस्थिति देखी।

यहां तक कि इस उल्लेखनीय दौर में, आईआईएफटी ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के दौरान प्रख्यात ब्रांडों जैसे ब्रिजस्टोन, सीआईबीसी, सीओएफसीओ, कॉनड्यूएंट, ईवाई, फ्लिकार्ट, ग्रोफर्स, जैन फार्म फ्रैस फूड्स, जैन इरिगेशन, आईएमआई, मार्स, मैकिन्से एंड कंपनी, संगरीला कॉर्पोरेट सर्विसेज, यूनाइटेड ब्रुअरीज उड़ान, अनअकेडेमी, वीओआईएस तथा श्यामी जैसी नई कंपनियों को अपने साथ जोड़ने में सक्षम रहा।

प्रो. मनोज पंत, कुलपति, आईआईएफटी, ने कहा, "हम इस महामारी के दौर में निरंतर समर्थन और आईआईएफटी में विश्वास के लिए अपने पुराने व नए नियोक्ताओं और अपने छात्रों के आभारी हैं। हम आगामी नियुक्ति दौर के लिए कॉरपोरेट और पूर्व छात्रों के सहयोग की अपेक्षा करते हैं और आईआईएफटी की एक शीर्ष बी–स्कूल के रूप में स्थिति बनाए रखने की आशा करते हैं।"

इस वर्ष के 46 नए नियोक्ताओं ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यवसाय परामर्श, उत्पाद प्रबंधन, बिक्री और विपणन, वित्त, कमोडिटी ट्रेडिंग, व्यापार परामर्श, श्रेणी प्रबंधन, संचालन, लॉजिस्टिक, डिजिटल विपणन, व्यवसाय विकास और सामान्य प्रबंधन में पेशकश की है।

सतत प्रवृत्ति, आईआईएफटी ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए शीर्ष व्यापार फर्मों को परिसर में आकर्षित करने में सफल रहा। ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए आला व्यापार क्षेत्र के नए संगठनों जैसे कोफको, इंटरनेशनल मैटिरियल इंक, तथा ओलम एग्रो को देखा गया। हमारे नियमित नियोक्ता जैसे एलडीसी, टाटा इंटरनेशनल और मार्सक ने आईआईएफटी के छात्रों में विश्वास दिखाना जारी रखा, जिससे यह इन प्रसिद्ध कंपनियों की मेजबानी करने वाला एकमात्र संस्थान बन गया।

प्रमुख ब्रांडों जैसे बजाज, डाबर, जीई (कमर्शियल लीडरशिप प्रोग्राम), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड, जीएसके, एचटी मीडिया, आईटीसी, लोरियल, मेडट्रॉनिक और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, टाटा इंटरनेशनल से लगभग 35 प्रतिशत ऑफ़र के साथ बिक्री और विपणन शीर्ष क्षेत्र में बना रहा, जिन्होंने बड़ी संख्या में भर्ती करना जारी रखा, जबकि नए भर्तीकर्ताओं में मार्स और यूनाइटेड ब्रेवरीज शामिल थे।

प्रमुख भूमिकाओं के लिए कुल प्रस्तावों का 24 प्रतिशत फाइनेंस क्षेत्र के बड़े नामों जैसे सिटी बैंक, डीई शॉ, गोल्डमैन सैक्स, जनरल इलेक्ट्रिक (वित्तीय प्रबंधन कार्यक्रम), एचएसबीसी एसटीजी, आईसीआईसीआई बैंक, इंडस वैली पार्टनर्स, और जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, सिल्वरडेल व सिनर्जी परामर्श जैसे बड़े नामों से आकर्षण प्राप्त हुआ।

प्रतिष्ठित परामर्श क्षेत्र से कुल प्रस्तावों को 9 प्रतिशत बीओडी, कॉग्निजेंट परामर्श, ईवाई, और मैकिन्से एंड कंपनी जैसे संगठनों से प्राप्त हुआ, जो इस क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ को दर्शाता है।

टैक कंपनियों जैसे कॉनड्यूएंट, जेनपैक्ट, गूगल, हेक्सावेयर, माइक्रोसॉफ्ट, तथा टीसीएस, आईटी एवंएनालिटिक्स से 35+ प्रस्तावों के साथ कुल प्रस्तावों के 9 प्रतिशत के कारण यह एक पसंदीदा क्षेत्र रहा।

ई–कॉमर्स में एक बड़ा उछाल देखा गया, जहां उद्योग जगत के अग्रणी फ्लिपकार्ट और ग्रोफर्स से बैच के लिए विभिन्न प्रस्ताव दिए गए। इस क्षेत्र में नियोक्ताओं ने नई भूमिकाओं की पेशकश की, जिससे प्रतिभागियों को चयन के लिए असंख्य विकल्प मिले।

महामारी के दौरान भी, आईआईएफटी बजाज ऑटो, बेक्टन डिकिंसन, डाबर, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स, गूगल, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, आईटीसी, एलडीसी, लोरियल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे अपने पुराने नियोक्ताओं के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने में सफल रहा, जो विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों के साथ शीर्ष नियोक्ताओं के रूप में बन रहे।

प्रो. रोहित मेहतानी, प्रमुख, निगमित संबंध एवं नियोजन विभाग ने कहा कि "संकट के बीच भी संस्थान में कॉर्पोरेट क्षेत्र का विश्वास स्थिर बना रहा और हमारे छात्रों को महत्वपूर्ण प्रस्ताव जारी रखे। व्यवसाय संगठनों का हमारे छात्रों की क्षमता में विश्वास यह दर्शाता है कि आईआईएफटी ने अपने पाठ्यक्रम को प्रासंगिक बनाए रखा है।"

छात्र गतिविधियां 2020 – 21

दिल्ली परिसर

2020–21 शैक्षणिक वर्ष सबसे अभूतपूर्व और चुनौतीपूर्ण रहा है, ऐसा आईआईएफटी दिल्ली के छात्रों ने कभी नहीं देखा है। भले ही ऑनलाइन कक्षाएं यह सुनिश्चित कर रही थीं कि छात्र सीखने से वंचित नहीं हैं, लेकिन चुनौती गैर–शैक्षणिक आयोजनों को इस तरह से आयोजित करने की थी कि यह ऑफ़लाइन अनुभव से मिलता जुलता हो। ड्यूक एलिंगटन के उद्धरण "एक समस्या आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का एक मौका है" से एक संकेत लेते हुए, सभी छात्र निकायों एवं संबंधित अधिकारियों ने ऑनलाइन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए आगे बढ़े। इन कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेड विंड्स, वार्षिक बिजनेस कॉन्क्लेव।
2. चौसर, वार्षिक राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन।
3. तरंग – पॉडकास्ट सीरीज।
4. मेलांज मंच – वर्चुअल ओपन माइक इवेंट।
5. तमाशा – स्टैंड अप कॉमेडी शो।
6. अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताएं।
7. अंतरा–कॉलेज प्रतियोगिताएं।

ट्रेड विंड्स 2021

विषयः डिजिटल प्रचलन का युगः संकट से समाधान तक

ट्रेड विंड्स के बारे में

ट्रेड विंड्स आईआईएफटी का वार्षिक बिजनेस कॉन्क्लेव है जो आईआईएफटी के छात्रों को उद्योग के प्रतिष्ठित पेशेवरों के साथ–साथ विभिन्न सम्मानित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। ट्रेड विंड के माध्यम से, छात्र और उद्योग विशेषज्ञ बाजार के रुझान से लेकर जटिल उद्योग समस्याओं के प्रबंधन तक पैनल चर्चा में शामिल होते हैं। ये सत्र हमारे छात्रों को अपने परिदृश्य को व्यापक बनाने और अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों के बहुआयामी क्षेत्रों से अवगत कराने का मौका प्रदान करते हैं और साथ ही, शीर्ष नेतृत्व के लिए देश के आगामी युवाओं और सहस्राब्दी के साथ जुड़ने के लिए एक द्वार के रूप में कार्य करते हैं। आईआईएफटी दिल्ली का वार्षिक व्यापार सम्मेलन इस बार ऑनलाइन के माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसमें 28 विशिष्ट अतिथियों ने 3 दिनों में 6 अलग–अलग शिखर सम्मेलनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रीय डिजिटल शिखर सम्मेलनः कोविड के बाद डिजिटलीकरण के युग में व्यापार परिवर्तन

दिनांक 1:9 जनवरी 2021 (प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक)

राष्ट्रीय डिजिटल शिखर सम्मेलन की मेजबानी 9 जनवरी 2021 को की गई थी, जिसका विषय था पोस्ट–कोविड डिजिटलीकरण के युग में व्यापार परिवर्तन। हमें एचडीएफसी लाइफ में बिजनेस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजी के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री थॉमसन थॉमस; सुश्री निमिलिता चटर्जी, पार्टनर ईवाई, फाइनेंशियल सर्विसेज एनालिटिक्स; श्री मधुर अरोड़ा, लीड, गूगल में मोबाइल ऐप समाधान; श्री अमित वर्मा, बिग बास्केट में इंजीनियरिंग के निदेशक; श्री अभय टंडन, निदेशक एवं लोव इनोवेशन लैब्स इंडिया के प्रमुख से मिलकर एक सम्मानित पैनल की मेजबानी करने का सम्मान मिला। चर्चा का संचालन डॉ. ओ. पी. वल्ली, प्रोफेसर एवं प्रमुखः सेंटर फॉर इंटरनेशनल ट्रेड इन टेक्नोलॉजी आईआईएफटी दिल्ली द्वारा किया गया था। आईआईएफटी दिल्ली की वार्षिक डिजिटल पत्रिका, टेक्टोनिक्स 2021 का भी शिखर सम्मेलन के दौरान सम्मानित पैनलिस्टों और दर्शकों के सामने अनावरण किया गया, जिसमें टेक्टोनिक्स प्रतियोगिता से शीर्ष लेख शामिल थे – ट्रेड विंड्स के दौरान एक राष्ट्रीय स्तर की लेख लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राष्ट्रीय संचालन शिखर सम्मेलन

दिनांक 1:9 जनवरी 2021 (दोपहर 2:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक)

विषयः डिजिटल प्रचलन का युगः संकट से समाधान तक

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, दिल्ली में वार्षिक व्यापार सम्मेलन के अंतर्गत संचालन शिखर सम्मेलन ट्रेड विंड्स 2021 के पहले दिन का दूसरा शिखर सम्मेलन था। इस वर्ष के कॉन्क्लेव का विषय था – "डिजिटल प्रचलन का युगः संकट से समाधान तक"। ओपसिग्मा क्लब, आईआईएफटी, ट्रेडविंड्स 2021 के हिस्से के रूप में "ऑपरेशन मैनेजमेंट में डेटा एनालिटिक्स और डिजिटलीकरण की भूमिका" विषय के साथ राष्ट्रीय संचालन शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने पर गर्व महसूस कर रहा था। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि वक्ताओं के परिचय के साथ हुआ, जिसकी शुरुआत श्री प्रहलाद चंद्रशेखरन निदेशकः पीडब्ल्यूसी इंडिया उसके बाद सुश्री इरा गिलानी लाल, जो वर्तमान में गोल्डरैट इंडिया से जुड़ी एक प्रबंधन सलाहकार हैं और फिर सुश्री कृति महाजन जो आईकेईए में ग्लोबल परचेज मैनेजर हैं, उसके बाद श्री अरुण पंडित का परिचय हुआ, जो लोडशेयर नेटवर्क में सेल्स प्रमुख हैं, जो एक मैट्रिक्स पार्टनर्स फंडेड लॉजिस्टिक्स स्टार्टअप है। तदोपरांत, ओप्सिग्मा क्लब की वार्षिक पत्रिका "ओपुलेंस" मूल विषय डिजिटलीकरण के आसपास के अनावरण के साथ–साथ ओप्सिग्मा क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लेख लेखन प्रतियोगिता "ऑप्समैग्नम" के विजेताओं की घोषणा की गई।

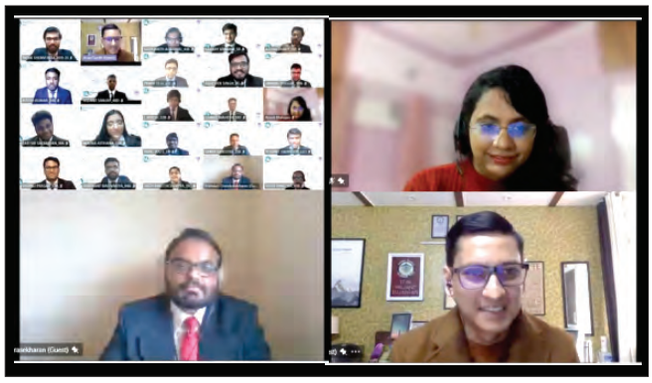

राष्ट्रीय वित्त शिखर सम्मेलन

दिनांक 2:10 जनवरी 2021 (प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक)

विषय : महामारी के बीच डिजिटल युग में निवेश और एमएंडए के अवसर

राष्ट्रीय वित्त शिखर सम्मेलन 10 जनवरी 2021 को चर्चा का विषय "महामारी के बीच डिजिटल युग में निवेश और एमएंडए के अवसर" के साथ आयोजित किया गया था। निवेश उद्योग ने डॉट–कॉम बुलबुले के फूटने, महान मंदी आदि सहित बहुत कुछ सहा है और पिछले संकट से बहुत कुछ वापसी की है, लेकिन इस बार चीजें अलग हैं। महामारी का प्रभाव न केवल वित्तीय प्रणाली, विक्रेताओं के मूल्यांकन और खरीदारों की अल्पावधि में सौदे करने की भूख पर है, बल्कि कई अन्य कारकों पर भी है; फलस्वरूप निवेश के अवसरों को प्रभावित कर रहा है। इस परिदृश्य का कैसे मार्गनिर्देशन किया जाए और इसके कारण उत्पन्न होने वाले अधिकांश अवसरों को समझने के लिए, फाइनेंस सोसाइटी, आईआईएफटी दिल्ली ने बीएफएसआई क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्षेत्रों से एक सम्मानित पैनल – डॉ. शीबा कपिल, वित्त की प्रोफेसर, आईआईएफटी, नई दिल्ली; श्री प्रमोद कुमार, प्रबंधन निदेशक एवं बैंकिंग, भारत, बार्कलेज निवेश बैंक के प्रमुख; श्री विनय जोसेफ, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक इंडिया में मुख्य निवेश रणनीतिकार; श्री दिव्यांशु तांबे, कार्यकारी निदेशक, ईवाई; श्री रामभूषण कनुमुरी, मुख्य रणनीति और संचालन अधिकारी, इन्वेस्टेक इंडिया; और श्री तेज कपूर, सह–कार्यकारी अध्यक्ष, फोसुन आरजेड कैपिटल (इंडिया एंड एसईए) को आमंत्रित किया।

इस चर्चा का संचालन श्री प्रियंक जैन, कॉर्पोरेट ट्रेजरी विश्लेषक, गोल्डमैन सैक्स द्वारा किया गया। वक्ताओं ने खुदरा निवेशकों के लिए निवेश परिदृश्य को नेविगेट करने, महामारी के दौरान विलय और अधिग्रहण की चुनौतियों और महामारी के बाद की दुनिया में उत्पन्न होने वाले संभावित रुझानों, स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र पर कोविड प्रभाव और निकट भविष्य में लाभान्वित होने वाले उद्योगों जैसे विभिन्न विषयों पर बात की। शिखर सम्मेलन के दौरान सम्मानित पैनलिस्टों और दर्शकों के सामने आईआईएफटी दिल्ली की वार्षिक वित्त पत्रिका फिनटेलेक्ट का भी अनावरण किया गया। पत्रिका में राष्ट्रीय लेख लेखन प्रतियोगिता से शीर्ष लेखों को सम्मिलित किया जाता है। इसमें हमारी वार्षिक इक्विटी अनुसंधान प्रतियोगिता डेक स्टॉकथॉन 2020 के विजेता, जो औद्योगिक, ऑटो सहायक और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की कंपनियों पर है को भी शामिल किया जाता है।

राष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन

दिनांक 2:10 जनवरी 2021 (दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक)

विषयः अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अनुकूलन : संकट और अवसर

राष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन 10 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया था, जिसका विषय था सामान्य स्थिति हेतु मार्गनिर्देशनः आगामी डिजिटल रुझान और व्यापार का भविष्य। सम्मेलन के लिए व्यापार क्षेत्र में विविध अनुभवों के साथ एक सम्मानित पैनल में डॉ. वंदना कुमार, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग में संयुक्त सचिव; डॉ. जीतरानी उदगाता, सहायक निदेशक, जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और जावियन फैशन में स्ट्रैटेजिक एडवाइजर; श्री तबरेज़ अहमद, समूह निदेशक, सरकारी कार्य और सार्वजनिक नीति, डेल टेक्नोलॉजीज; और श्री अभिजीत भद्रन, प्रमुख, ग्रीनविच मेटल्स में परिचालन को आमंत्रित किया गया। चर्चा का संचालन डॉ. रोहित मेहतानी, प्रमुख कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट समिति, आईआईएफटी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति और राजनीतिक अर्थव्यवस्था के लिए प्रोफेसर स्तर के सलाहकार द्वारा किया गया था। आईआईएफटी दिल्ली की वार्षिक व्यापार पत्रिका, इनसाइड ट्रेड का भी शिखर सम्मेलन के दौरान सम्मानित पैनलिस्टों और दर्शकों के सामने अनावरण किया गया। पत्रिका में कॉमर्सियो आर्टिकेल प्रतियोगिता के शीर्ष लेखों को प्रदर्शित किया गया – यह लेख लेखन प्रतियोगिता पूरे भारत में खुले रूप में आयोजित की गई थी।

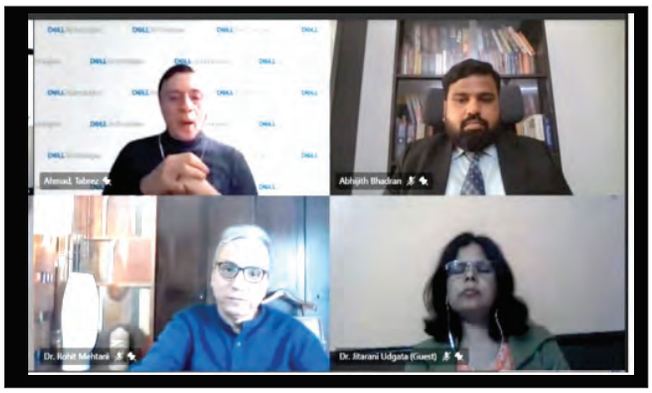

राष्ट्रीय विपणन शिखर सम्मेलन

दिनांक 3:11 जनवरी 2021 (सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक)

विषयः महामारी के नेतृत्व में ब्रांड की गतिशीलताः प्राथमिकता या क्षणभंगुर

आईआईएफटी में वार्षिक विपणन शिखर सम्मेलन 11 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया था, जिसमें प्रतिष्ठित उद्योग हस्तियों ने महामारी के नेतृत्व में ब्रांड की गतिशीलताः प्राथमिकता या क्षणभंगुर विषय के साथ भाग लिया था। पैनल में आमंत्रित सदस्य – श्री निखिल केहैर, प्रमुख, मॉडर्न ट्रेड, जॉनसन एंड जॉनसन; श्री आदित्य मित्तल, एसोसिएट डायरेक्टर, सेल्स, नॉर्थ इंडिया, केलॉग्स कंपनी; सुश्री अपूर्वा दिवगीकर, ग्लोबल ब्रांड डायरेक्टर, डैनोन; और सुश्री डोला हलदर – ब्रांड हेड, डोरिटोस, पेप्सिको इंडिया। इस कार्यक्रम का संचालन लव इन–स्टोर के मुख्य व्यवसाय अधिकारी और 2013 बैच के आईआईएफटी के पूर्व छात्र श्री आदित्य गोयल द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरुआत सभी मेहमानों ने बिक्री और विपणन में बदली हुई प्रथाओं के बारे में अपनी बात रखने के साथ की थी और बाद में श्री आदित्य गोयल द्वारा संचालित एक फायरसाइड चैट में शामिल हो गए। इस कार्यक्रम का समापन आईआईएफटी में मार्केटिंग क्लब और मार्केट रिसर्च सेल की पत्रिका 'मैगजीन ऑफ ब्रैंडवैगन' के शुभारंभ के साथ हुआ।

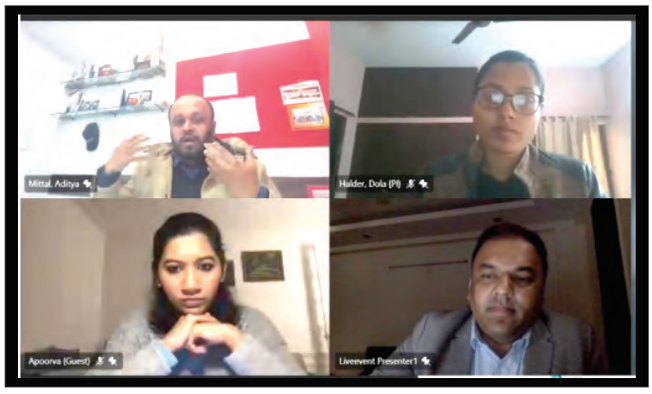

राष्ट्रीय नेतृत्व शिखर सम्मेलन

दिनांक 3:11 जनवरी 2021 (दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक)

विषयः नवाचार के युग की शुरुआतः फिजिकल टू फिजिटल

राष्ट्रीय नेतृत्व शिखर सम्मेलन की मेजबानी 11 जनवरी 2021 को चर्चा के विषय नवाचार के युग की शुरुआतः फिजिकल टू फिजिटल के साथ की गई थी। परामर्श में विविध क्षेत्रों से एक सम्मानित पैनल में श्री विशाल शर्मा, प्रबंधन निदेशक और लीडर परामर्श, बिजनेस–डेलोइट कंसल्टिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड; श्री नितिन नंदराजोग, पार्टनर, कंसल्टिंग– केपीएमजी; सुश्री निमिलिता चटर्जी, पार्टनर, बिजनेस कंसल्टिंग फाइनेंशियल सर्विसेज एनालिटिक्स – अर्न्स्ट एंड यंग; सुश्री दीपा सयाल, सीईओ एवं संस्थापक, एडीजीऑनलाइन सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड और अध्यक्ष एवं मुख्य संरक्षक – आईडब्ल्यूआईएल इंडिया; श्री अभिषेक, पार्टनर, अर्न्स्ट एंड यंग कंसल्टिंग (इंडिया, मिडिल ईर्स्ट, अफ्रीका और यूरोप); श्री सौरभ सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पोलेस्टार सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड को आमंत्रित किया गया। चर्चा का संचालन प्रो. बिस्वजीत नाग, प्रोफेसर एवं प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, आईआईएफटी दिल्ली द्वारा किया गया था। आईआईएफटी दिल्ली की वार्षिक परामर्श पत्रिका, स्ट्रैटेगोस का भी सम्मानित पैनलिस्टों और दर्शकों के सामने शिखर सम्मेलन के दौरान अनावरण किया गया। सोक्रेट ने पीएचआई – द फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर एंड इंश्योरेंस सेल, इंफ्रा सेल – द इंफ्रास्ट्रक्चर एंड रियल एस्टेट सेल और ई–सेल – द एंटरप्रेन्योरशिप सेल के साथ सहयोग किया।

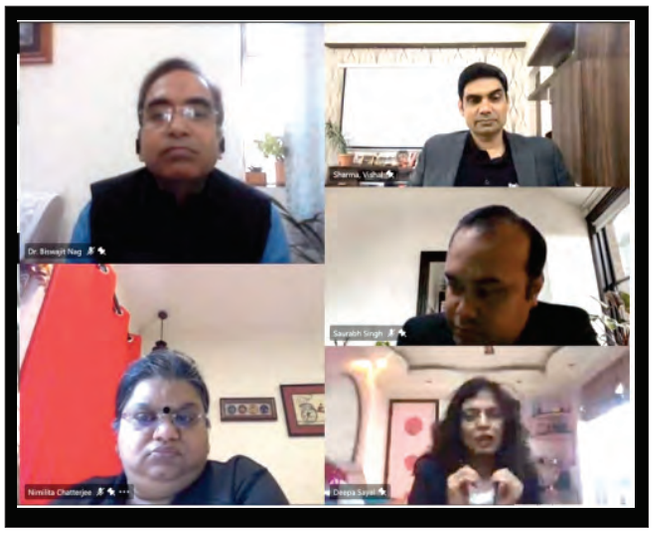

चौसर, वार्षिक राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन

चौसर का दूसरा संस्करण, वार्षिक राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन का आयोजन 5–6 सितंबर 2020 से सोक्रेट, आईआईएफटी दिल्ली के परामर्श और रणनीति क्लब द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मैकिन्से एंड कंपनी के पार्टनर श्री सौम्यदीप गांगुली और डॉ. रोहित मेहतानी, प्रमुख– सीआरपीडी एवं आईआईएफटी में अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति के प्रोफेसर द्वारा किया गया।

दो दिनों के दौरान पांच विशिष्ट क्षेत्रों में आयोजित कार्यशालाओं में स्टालवार्टस सहित उद्योग के दिग्गजों की एक तारकीय श्रेणी देखी गई – श्री रोहित मित्तल, प्रबंधक– रणनीति और संचालन (वित्त परामर्श), वित्त परामर्श कार्यशाला के लिए डेलॉइट से श्री कुमार विवेक, परामर्श प्रबंधक, एक्सेंचर रणनीति; डिजिटल परामर्श कार्यशाला के लिए श्री कृष्णा एन. वेंकटरमण, प्रबंधन भागीदार, एक्स–लीप; रणनीति परामर्श कार्यशाला के लिए श्री एल्विस लाजर, सीईओ, हेसोल कंसल्टिंगः परिचालन परामर्श के लिए लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन कार्यशाला हेतु श्री नमन श्रीवास्तव, (पूर्व–भारत सरकार) और ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव के सह–संस्थापक; और नीति परामर्श कार्यशाला के लिए सुश्री शताक्षी शर्मा, बीसीजी प्रबंधन सलाहकार।

तरंग – पॉडकास्ट श्रृंखला

वर्ष 2020 के लिए पूर्व छात्र संबंध समिति की एक महत्वाकांक्षी परियोजना 'तरंग – द पॉडकास्ट सीरीज़' थी। 'तरंग' के विंग के तहत, उन्होंने पॉडकास्ट की एक श्रृंखला को आगे बढ़ाया, जिसमें 'लीडिंग एज', 'एंटरप्रेन्योरशिप स्पीक' और 'बियॉन्ड' की बेलीविक्स के तहत प्लेलिस्ट शामिल हैं। लीडिंग–एज सीरीज़ उन पूर्व छात्रों से जुड़ने पर केंद्रित है जो हमारे समुदाय में वरिष्ठ व्यक्ति हैं और अपने अनुभव से सीखते हैं। एंटरप्रेन्योरशिप स्पीक जैसा कि नाम हमारे उन पूर्व छात्रों के आसपास के केंद्रों को दर्शाता है जो उद्यमिता अभियान में तल्लीन हैं और खुद को स्थापित करने के रास्ते पर हैं। बियॉन्ड सीरीज़ में एक पूर्व छात्र को विस्तार से जानना और आईआईएफटी के बाद उनकी यात्रा के बारे में बात करना शामिल है।

मेलांज मंच – वर्चुअल ओपन माइक कार्यक्रम

मेलांज मंच, आईआईएफटी में सांस्कृतिक समिति, दिल्ली, मेलांज द्वारा 24 अगस्त 2020 को आयोजित किया। यह समिति का वर्ष का पहला सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जो छात्रों के बीच प्रतिभा के प्रदर्शन पर केंद्रित था। यह शाम गायन, संगीत, कविता, और स्टैंडअप कॉमेडी के प्रदर्शन से सराबोर थी।

इस कार्यक्रम में दोनों सीनियर और जूनियर बैच ने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तमाशा – स्टैंडअप कॉमेडी शो

आईआईएफटी, दिल्ली में सांस्कृतिक समिति मेलांज द्वारा आयोजित तमाशा हंसी और हंसी से भरी रात थी क्योंकि सनसनीखेज और प्रफुल्लित करने वाले राहुल दुआ ने अपने कॉमेडी कार्यक्रम के साथ मंच पर धूम मचा दी थी। 7 दिसंबर 2020 को आयोजित इस कार्यक्रम में कॉमेडियन शुभांग यादव द्वारा स्टैंड–अप प्रदर्शन भी शामिल था।

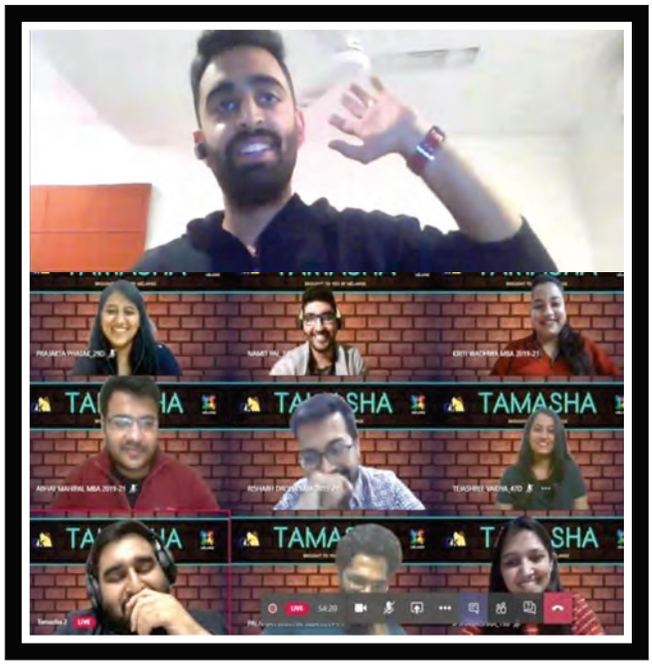

इंटर–कॉलेज प्रतिस्पर्धा

1. **क्विनटएसेंशियल द्वारा क्यूफिएस्टा**
   आईआईएफटी दिल्ली की क्विज़िंग क्लब क्विनटएसेंशियल द्वारा 15–17 जनवरी 2021 के दौरान वार्षिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें दौर 1 के लिए ऑनलाइन क्विज़ और दौर 2 के लिए लाइव वेबिनार क्विज़ शामिल की गई। प्रतियोगिता कार्यक्रम व्यावसायिक कौशल के आकलन पर आधारित था। इस आयोजन में 1100 से अधिक टीमों ने भाग लिया। अंतिम स्पर्धा शीर्ष 18 टीमों के बीच आयोजित की गई, जिसमें शीर्ष 3 टीमों को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

2. **ब्रांडवैगन द्वारा मार्कस्क्रिबल**
   आईआईएफटी दिल्ली में विपणन क्लब ब्रांडवैगन द्वारा 27 नवंबर से – 12 दिसंबर 2020 के दौरान मार्कस्क्रिबल, लेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 250 से अधिक टीमों की भागीदारी देखी गई। यह प्रतियोगिता एक दौर की थी, जिसमें शामिल टीमों को दिए गए विषय ज्यादातर महामारी के दौरान विपणन और बिक्री प्रथाओं के आसपास पर केंद्रित थी। सहभागी टीमों के लिए 1200 शब्दों की शब्द–सीमा रखी गई थी। सभी पुरस्कृत लेख क्लब की वार्षिक पत्रिका मार्कदर्शन में प्रकाशित किया गए।

3. **बलाश एंड आईबीसी द्वारा कॉमरसियों आर्टिकिल**
   ट्रेड सोसाइटी आईआईएफटी दिल्ली ने 5–18 दिसंबर 2020 के दौरान एक निबंध लेखन प्रतियोगिता – कॉमर्सियो आर्टिकेल का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय व्यापार विषयों पर प्रासंगिक लेख लिखना शामिल था। इस आयोजन में विभिन्न बी स्कूलों की 133 टीमों ने भाग लिया।

4. **मार्केट रिसर्च सेल द्वारा इन्स्क्राइब :**
   इनसाइट्स, विपणन अनुसंधान सेल, आईआईएफटी दिल्ली द्वारा "विपणन 4–0: नए युग का विपणन रुझान" विषय पर 17 दिसंबर 2020 के दौरान इन्स्क्राइब – निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भारत भर के प्रीमियम बी–स्कूलों से उत्साही भागीदारी देखी गई। शीर्ष 3 टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किया तथा पुरस्कृत लेख को एमआरसी की वार्षिक पत्रिका, इनसाइट्स में प्रकाशित किए गए।

5. **सिस्टेमिक्स द्वारा टेक्टोनिक्स**
   सिस्टेमीयू, आईआईएफटी दिल्ली एसएमएसी क्लब द्वारा 4–20 दिसंबर 2020 के दौरान "डिजिटलीकरण के युग में परिवर्तनः पोस्ट कोविड–19" विषय पर अपनी वार्षिक लेखन प्रतियोगिता टेक्टोनिक्स का आयोजन किया। प्रतियोगिता के लिए 300 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए और शीर्ष 3 लेखों को नकद पुरस्कार के साथ पुरस्कृत किया गया।

6. **कोशिश द्वारा फाइट द फल्ड**
   कोशिश, आईआईएफटी दिल्ली की सामाजिक चेतना प्रकोष्ठ द्वारा एक गैर–लाभ संगठन – गूंज संगठन के साथ असम और बिहार में बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों को राहत बाढ़ पहल के लिए फाइट द फल्ड विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता 22 अगस्त 2020 से 26 अगस्त 2020 के दौरान दो दौर में आयोजित की गई। प्रथम दौर में प्रश्नोत्तरी के लिए 557 टीमों ने भाग लिया, जिसमें से दूसरे दौर में 25 टीमों को आगे बढ़ाने के साथ गूंज द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को जीवंत मामले दिए गए। अंत में, शीर्ष 3 टीमों को गूंज के साथ एक इंटर्नशिप के लिए पीपीआई का अवसर प्रदान किया गया तथा विजेता को पुरस्कार के रूप में राशि ₹5,000/– नकद प्रदान की गई। इस पहल के माध्यम से, कोशिश बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए ₹28,400 दान करने में सफल रही।

7. **सोकरेट्स द्वारा स्ट्रेटगोस और चौसर**
   सोकरेट्स, आईआईएफटी दिल्ली के परामर्श और रणनीति क्लब ने दो अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

   चौसर, एक माह लंबी अवधि भारत प्रकरण प्रतियोगिता में 2000 से अधिक छात्रों की एक विशाल प्रतिभागिता रही, जो मुख्य रूप से 4 दौर में आयोजित की गई थी। पहला दौर परामर्श प्रश्नोत्तरी का था, और दूसरा दौर सिमुलेशन आधारित एक व्यापार की स्थिति के विषय में किया गया था। और तीसरे दौर में मामला अध्ययन के लिए कॉफी पर मामलों के साथ साझेदारी में था। प्रतियोगिता से शीर्ष 5 प्रतिभागियों ने 6 सितम्बर 2020 को कार्यक्रम के अंतिम दौर में अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सम्मानित पैनलिस्ट श्री हिमांशु जोशी, प्राचार्य, एक्सेंचर रणनीति; श्री अपार भटनागर, एसोसिएट निदेशक, मॉनिटर डेलॉयट; और श्री अनंत कीर्ति, टीओसी चिकित्सक, प्रबंधन सलाहकार, वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप रहे।

   स्ट्रेटगोस – वार्षिक निबंध लेखन प्रतियोगिता जनवरी में आयोजित की गई। इस आयोजन को पूरे भारत से 150 से अधिक पंजीकरण मिले।

इंट्रा–कॉलेज प्रतिस्पर्धा

1. **खेल समिति द्वारा ओजी वार**
   ओजी वार, आईआईएफटी दिल्ली की खेल समिति द्वारा 5–27 दिसंबर 2020 के दौरान आयोजित एक 4 सप्ताह तक चलने वाला कार्यक्रम था, जिसे सप्ताहांत में 7 खेल कार्यक्रमों में विभाजित करते हुए शामिल किया गया था। इस दौरान हल्के–फुल्के मनोरंजन और शतरंज जैसे पारंपरिक खेलों सहित इसमें आधुनिक समय के खेल जैसे कॉल ऑफ़ ड्यूटी और फ़ीफ़ा फ़ैंटेसी ड्राफ्ट भी आयोजित किए गए थे।

   इस कार्यक्रम में पूरे बैच से भारी भागीदारी देखी गई, जिसमें छात्रों ने अंतिम विजेता बनने के लिए एक–दूसरे के खिलाफ संघर्ष किया।

2. **पिक्सेल द्वारा माह की फोटोग्राफर प्रतिस्पर्धा**
   माह का फोटोग्राफर प्रतियोगिता का आयोजन आईआईएफटी दिल्ली के फोटोग्राफी प्रकोष्ठ, पिक्ससेल द्वारा किया गया था। प्रतियोगिता विभिन्न विषयों के तहत अगस्त, सितंबर और नवंबर में आयोजित की गई। प्रत्येक माह के लिए विजेता प्रविष्टियां नीचे दर्शाई गई हैं।

3. **ट्रेडिंग थॉट्स द्वारा कोवफेफे फैंटासिआ 3.0 मिनटिए**
   ट्रेडिंग थॉट्स – आईआईएफटी के साहित्यिक प्रकोष्ठ ने नवंबर और दिसंबर 2020 के महीनों में कोवफेफे, फैंटासिया 3.0 और मिनुटिया का आयोजन किया ।

   कोवफेफे – 21 नवंबर 2020 को आयोजित साहित्यिक प्रश्नोत्तरी रात को बैच से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

   फैंटासिया 3.0 – द एनुअल ओपन मिक नाईट – 6 दिसंबर 2020 को आयोजित वार्षिक ओपन माइक नाइट में '21, '22 और पूर्व छात्रों के बैचों ने मंत्रमुग्ध कर देने वाली एवं दिल को छू लेने वाली प्रस्तुतियां दी।

   मिनटिए – 29 दिसंबर 2020 को समाप्त हुई एक माइक्रो कथा प्रतियोगिता ने सभी साहित्यिक उत्साही लोगों को चयनित विषयों पर अपने विचार लिखने के लिए बाध्य कर दिया।

4. **बलेश द्वारा रियल ट्रेडर 2020**
   प्रतियोगिता नवंबर 2020 में आईआईएफटी दिल्ली के इंटरनेशनल ट्रेड क्लब ब्लैश द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों को एचएस कोड और स्थान दिए गए थे और उन्हें निर्यात रणनीति बनाने और लॉजिस्टिक योजना बनाने की आवश्यकता थी। 2 राउंड थे, और चयनित किए गए उम्मीदवारों को अपने विचार का विस्तार करने और प्रस्तुत करना अपेक्षित था। सर्वश्रेष्ठ 3 प्रस्तुतियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

5. **फ्यूजन फाइनेंसियल डिस्ट्रेसः ''दिवालिया और अवसर'' (द ईआईसी चैलेंज)**
   फ्यूजन एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसे आईआईएफटी दिल्ली में कैपिटल, फाइनेंस एंड इनवेस्टमेंट क्लब द्वारा आयोजित किया गया। कई दौरों में आयोजित वित्त प्रतियोगिता में संकट में कंपनियों का विस्तृत विश्लेषण शामिल था और भाग लेने वाली टीमों को एक वसूली योजना की रणनीति बनाने की आवश्यकता थी।

6. **ब्रांडवैगन द्वारा आविष्कार 2020**
   आविष्कार 2020 एक मामला अध्ययन प्रतियोगिता है, जिसे आईआईएफटी दिल्ली के मार्केटिंग क्लब ब्रैंडवैगन द्वारा आयोजित किया गया। यह अगस्त 2020 में तीन दौर में आयोजित किया गया था।

7. **सिस्टेमिक्स द्वारा डेटा विज़ार्ड**
   डेटा विजार्ड एक डेटा विज़ुअलाइज़ेशन प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन आईआईएफटी दिल्ली के एसएमएसी क्लब सिस्टेमिक्स द्वारा अगस्त 2020 में किया गया था।

मास्टर क्लास

मास्टर क्लास हमारे छात्रों को व्यवसाय के पोषण के लिए तैयार करने की दृष्टि से आयोजित किया जाता है, जबकि उन्हें किसी देश की स्थिति और नीति निष्पादन की दक्षता से उनके व्यावसायिक कार्य पर पड़ने वाले प्रभाव से पूरी तरह अवगत कराया जाता है।

पिछले 6 माह के दौरान प्रतिष्ठित हस्तियों को मास्टर क्लास के लिए आमंत्रित किया गया।

श्री पीयूष गोयल, माननीय रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 10 सितंबर 2020 को 'भारत में व्यापार नीतिः वर्तमान नीति और भविष्य की दिशा' पर चर्चा की।

श्री ए.के. भल्ला, गृह सचिव, भारत सरकार ने 10 अक्टूबर 2020 को छात्रों से 'ऑर्गनाइजेशनल मैनेजमेंट ऑफ लार्ज सिस्टम्सः द केस ऑफ इंडिया' के बारे में बात की।

श्री अनिल स्वरूप, आईएएस (सेवानिवृत्त), शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव, जिन्होंने हमारे छात्रों को "पेशेवर जीवन में नैतिक दुविधाओं" के

बारे में सचेत किया, ठीक उसी प्रकार श्री पवन कुमार अग्रवाल, विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, जिन्होंने "भारत में ट्रांसफॉर्मिंग लॉजिस्टिक्स सेक्टर" के बारे में बहुत गहराई से चर्चा की।

इन उद्योग दिग्गजों द्वारा हमारे छात्रों के प्रश्नों का विस्तार से जवाब दिया। इस प्रकार, इन सत्रों के दौरान छात्रों को कुछ अमूल्य अंतर्दृष्टि से अवगत कराया।

कोलकाता परिसर

आईएमएफ – छात्र परिषद द्वारा कोलकाता परिसर पर सितंबर 2020 से फरवरी 2021 के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियों की रूपरेखा के साथ रिपोर्ट तैयार की जाती है। इस रिपोर्ट को 4 व्यापक भागों में विभाजित किया गया है:

1. विवान 6.0: आईआईएफटी कोलकाता का अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन।
2. टेडेक्स आईआईएफटी कोलकाता।
3. क्लबों और प्रकोष्ठों की प्रमुख गतिविधियाँ।
4. सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां।

विवान 6.0: आईआईएफटी कोलकाता का अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन

आईआईएफटी कोलकाता का यह वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम 19–22 नवंबर 2020 के दौरान आयोजित किया गया। यह कोविड–19 महामारी के कारण ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सिराज अजमत चौधरी, नेशनल कोलैटरल मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंधन निदेशक व सीईओ और टाटा ग्लोबल बेवरेजेज लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक थे।

इस आयोजन में 8 शिखर सम्मेलन शामिल थे जिसमें 25 सम्मानित वक्ताओं ने छात्रों के साथ अपना अनुभव साझा किया। शिखर सम्मेलन में विपणन, वित्त, आईटी–परामर्श, फार्मा, सार्वजनिक नीति, उद्यमिता और सामाजिक क्षेत्र जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया।

इस वर्ष आईआईएफटी कोलकाता में पहली बार उद्यमिता शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी की गई।

इन कार्यक्रमों में सभी प्रतिष्ठित पैनलिस्ट थे, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

– सुश्री नमिता लिज़ कोशी – उपाध्यक्ष – ओगिल्वी।
– सुश्री सोनम डोनकर, मुख्य वित्तीय अधिकारी, वेदांता लिमिटेड।
– श्री राकेश सिंघानिया, मुख्य वित्तीय अधिकारी, वेल्स फारगो इंडिया।
– श्रीमती प्रगति चक्रवर्ती, निदेशक (रणनीति एवं व्यवसाय डिजाइन), डेलॉइट।
– श्री अभिषेक, पार्टनर, ईवाई।
– श्री पीयूष जैन, सह–संस्थापक एवं सीओओ, फोकेट इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड।
– श्री पृथ्वीराज श्रीनिवास, मुख्य अर्थशास्त्री, एक्सिस कैपिटल।

सम्मेलन के साथ–साथ, विवान 6.0 ने डी2सी वेबसाइट पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की। प्रतियोगिताओं में मामलो प्रतियोगिताएं और प्रश्नोत्तरी शामिल थे, जिसमें सभी प्रमुख बी–स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। ऑनलाइन मोड में भी यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी।

टेडेक्स आईआईएफटी कोलकाता

टेडेक्स स्वतंत्र रूप से संगठित टेड टॉक है, जिसमें एक व्यक्ति अधिकतम 18 मिनट तक किसी भी विषय पर बोल सकते है। आईआईएफटी कोलकाता कुछ वर्षों से इस तरह के टेड वार्ता का आयोजन करता रहा है और उन्होंने एक शानदार सफलता हासिल की है। इस वर्ष भी 28 नवंबर को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, हालांकि यह कार्यक्रम ऑनलाइन मोड था परंतु सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल विविध पृष्ठभूमि से आदरणीय वक्ता निम्न प्रकार हैं:

1. आतिशी मार्लेना, आम आदमी पार्टी में भारतीय राजनीतिज्ञ, शिक्षिका।
2. फैसल मलिक, फिल्म निर्माता, अभिनेता।
3. डिंपल परमार, सह–संस्थापक व सीईओः जैनऑनको.आईओ; लव हील कैंसर।
4. सुहास मिश्रा, सीईओ, मिस्टर्स।
5. अनूप सोनी, भारतीय अभिनेता और एंकर।
6. निकिता लूथर, द वर्ल्ड सीरीज़ ऑफ़ पोकर विजेता, भारत की पहली वुमन पोकर प्रो.।
7. अतुल शुक्ला, उपाध्यक्ष, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी।
8. हरजीत खंडूजा, उपाध्यक्ष, मानव संसाधन, रिलायंस जियो।
9. प्रतीक सिन्हा, पार्टनर, पीडब्ल्यूसी इंडिया।

क्लब और सेल्स की मुख्य गतिविधियां

आईआईएफटी कोलकाता में 16 क्लब और सेल सक्रिय हैं जैसे – मार्केटिंग, वित्त, रणनीति, व्यापार, संचालन, सार्वजनिक नीति, आदि। ये छात्र संचालित निकाय हैं, जो छात्रों के क्षेत्र ज्ञान और शैक्षिक कार्य अनुभव को बढ़ाने के लिए गतिविधियों का आयोजन करते हैं। इस अवधि के दौरान शामिल कुछ प्रमुख गतिविधियां निम्न प्रकार हैं:

1. **बैंडवेगनः** आईआईएफटी कोलकाता की मार्केटिंग क्लब द्वारा राष्ट्रीय स्तर की मामला अध्ययन प्रतियोगिता, विपणन प्रश्नोत्तर के.टी. सत्र का आयोजन नमिता लिज़ कोशी, उपाध्यक्ष – ओगिल्वी – एफएमसीजी पर फोर विज़न सेल्स वर्कशॉप, डिजिटल मार्केटिंग वर्कशॉप डीजीविद्या द्वारा किया गया।

2. **कैपिटलः** आईआईएफटी कोलकाता की फाइनेंस क्लब वित्तनीती – वार्षिक मामला अध्ययन प्रतियोगिता, इनफिनीटी वित्त पत्रिका शीतकालीन संस्करण 2020

3. **ई–सेलः** आईआईएफटी कोलकाता के उद्यमिता सेल द्वारा पहली बार विवान 6.0 के दौरान उद्यमिता शिखर सम्मेलन 'इनक्यूबेट' मामला अध्ययन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को जुपरली नामक एक एडटेक स्टार्टअप में लाइव प्रोजेक्ट के अवसरों से सम्मानित किया गया।

4. **सिस्टेमिक्सः** हेनरी हार्विन ऑन सर्टिफाइड पायथन बिजनेस एनालिस्ट के सहयोग से सिस्टम कंसल्टिंग क्लब वर्कशॉप द्वारा उत्पाद प्रबंधन और डिजाइन थिंकिंग पर प्रतिस्पर्धा, जिसे स्मैकएक्सपर्ट कहा जाता है, एनालिटिक्स प्रतियोगिता जिसे डेटा विजार्ड कहा जाता है, हविश एम कंसल्टिंग के सहयोग से, एनालिटिक्स मामला अध्ययन प्रतियोगिता, जिसे माइंडक्रंच कहा जाता है का आयोजन किया गया।

5. **टोस्टमास्टर्स क्लब आईआईएफटी कोलकाताः** आईआईएफटी कोलकाता टोस्टमास्टर्स क्लब अब एक चुनिंदा विशिष्ट क्लब है। क्लब की रेटिंग टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल द्वारा दी गई सूची से क्लब द्वारा पूरी की जाने वाली उपलब्धियों की संख्या पर निर्भर करती है। आईआईएफटी के टीएम क्लब ने इनमें से 6 लक्ष्यों में से 5 हासिल किए हैं। इस प्रकार, एक विशिष्ट क्लब के रूप में इसका चयन किया गया है।

सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां

टाइटेनोमैची – वार्षिक खेल उत्सव इस वर्ष 22–24 मार्च 2021 के दौरान ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। छह ऑनलाइन खेल और 3 कसरत चुनौतियां इसका हिस्सा रही।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आईआईएफटी के छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए पुरस्कार			
क्र.सं.	पुरस्कार/प्रतियोगिता	कंपनी/बी–स्कूल	स्थान
1.	–वॉयस वेंटेज 2020	वोडाफ़ोन	क्षेत्रीय फाइनलिस्ट
2.	–वॉयस वेंटेज 2020	वोडाफ़ोन	राष्ट्रीय विजेता
3.	अमेज़न एसीई चैलेंज	अमेज़न	विजेता– वाइल्डकार्ड राउंड
4.	बजाज ऑफरोड्स	बजाज	परिसर विजेता
5.	बजाज ऑफरोड्स	बजाज	परिसर विजेता
6.	बजाज – फिनसर्व	बजाज – फिनसर्व	क्षेत्रीय राउंड
7.	बॉन्ड विद पिडिलाइट	पिडिलाइट	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
8.	कोलगेट ट्रांसेंड–2.0	कोलगेट–पामोलिव	राष्ट्रीय उप–विजेता
9.	कोलगेट ट्रांसेंड–2.0	कोलगेट–	पामोलिवसेमी फाइनलिस्ट
10.	कोलगेट ट्रांसेंड–2.0	कोलगेट–	पामोलिवसेमी फाइनलिस्ट
11.	डेसीफर – टेस्टबुक	टेस्टबुक	राष्ट्रीय विजेता
12.	ईएक्सएल एक्यूमेन	ईएक्सएल	राष्ट्रीय विजेता
13.	फ्यूचर जेनराली गेट सेट गो सीजन 2	फ्यूचर जेनराली	परिसर विजेता
14.	गोदरेज लाउड	गोदरेज	विशेष आमंत्रित
15.	हीरो कैंपस चैलेंज	हीरो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
16.	एचयूएल एलआईएमई	एचयूएल	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
17.	एचयूएल टेकटोनिक सीजन 2	एचयूएल	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
18.	आईटीसी इंटरबैंग	आईटीसी	परिसर विजेता
19.	जॉनसन एंड जॉनसन – डिजिटल मार्केटिंग चैलेंज	जॉनसन एंड जॉनसन	राष्ट्रीय विजेता
20.	केपीएमजी केआईसी 2020	केपीएमजी	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
21.	महिंद्रा राईस	महिंद्रा एंड महिंद्रा	परिसर विजेता
22.	मीरो कैंपस चैलेंज 2.0	मीरो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
23.	मीरो कैंपस चैलेंज 2.0	मीरो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
24.	मीरो कैंपस चैलेंज 2.0	मीरो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
25.	एमआई समिट 2.0	श्याओमी	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
26.	माइक्रोसॉफ्ट पीएम एंगेज चैलेंज	माइक्रोसॉफ्ट	परिसर विजेता
27.	मंत्रा स्टाइलबिज'20	मंत्रा	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
28.	ऑप्टम स्ट्रैटेथॉन	ऑप्टम	परिसर फाइनलिस्ट
29.	पेप्सिको–डेयर टू डू मोर	पेप्सीको	कंट्री फिनाले

उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य पर संवाद

संस्थान छात्रों के लिए, उद्योग के अग्रणी और विशेषज्ञों के साथ उनके समृद्ध अनुभव और ज्ञान को साझा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है, जो उन्हें उद्योग के दिग्गजों के साथ बातचीत करने, कॉर्पोरेट जगत की बेहतर समझ हासिल करने और उनके सीखने की प्रक्रिया में सुधार करने में मदद करता है। वर्ष के दौरान, आईआईएफटी परिसर का दौरा करने वाले कुछ प्रख्यात वक्ता इस प्रकार थे:

उद्योग, व्यापार तथा वाणिज्य पर चर्चा			
क्र.सं.	**वक्ता**	**पदनाम**	**कंपनी**
1.	अभय टंडन	निदेशक एवं प्रमुख	लोव्स इनोवेशन लैब्स–लोव्स इंडिया
2.	अभिजीत आनंद, सुश्री अन्नू सिंह	उपाध्यक्ष एवं उत्पाद प्रमुख – जीसीसी बिजनेस उप–प्रबंधक मानव संसाधन	मेकमाईट्रिप
3.	आदित्य भट	संस्थापक, बिजनेस ऑफ आइडियाज एवं प्रमुख	जियो क्रिएटिव लैब्स
4.	अक्षत मोहिन्द्रा	ग्लोबल अकांउट मैनेजर	सिस्को
5.	आनंद झा	मैनेजिंग डायरेक्टर – ट्रेड फाईनेंस एंड लेंडिंग	ड्यूश बैंक इंडिया
6.	आनंद माधव	एसोसिएट डायरेक्टर – डेटा साईसेंस	ग्रेमनर
7.	अंचल सुल्तानिया सूर्यकांत पांड अनूप वी.के.	वाईस प्रेसीडेंट हेड ऑफ बिजनेस यूरोप एंड रशिया सीआईएस केपेबिलिटी ग्लोबल प्रमुख–केपेबिलिटी एंड टैलेंट डेवल्पमेंट मैनेजर – बिजनेस प्रोसेस ट्रांसफॉर्मेशन	सिप्ला
8.	अनिल भसीन	प्रेसीडेंट	हैवेल्स इंडिया लिमिटेड
9.	अनिर्बन बी.	इनोवेशन डायरेक्टर	दनोन
10.	अंशुमान मिश्रा	संस्थापक	लोनअड्डा
11.	अनुराग श्रीवास्तव	हेड ऑपरेशनल रिस्क	सोसाइटी जेनरले
12.	आशिमा शर्मा	प्रोकयोरमेंट डेप्यूटी चीफ मैनेजर	बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड (टाइम्स ग्रुप)
13.	अशोक मेनन	ग्लोबल लीडर, सस्टेनेबिलिटी एनालिटिक्स और ऑपरेशंस कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी डिवीजन	एसएबीआईसी
14.	आशुतोष सिन्हा	ग्रुप हेड, एचआर एंड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस	लैंडमार्क ग्रुप
15.	बालासुब्रमण्यन सेथुरमन	सीनियर मैनेजमेंट टीम मेंबर	पारेख इंटीग्रेटेड सर्विसेज
16.	ब्यास देव रल्हन	सीईओ और सह–संस्थापक	नेक्स्ट एजुकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
17.	कॉलिन मेंडेस	हेड ऑफ हयूमन रिसोर्सस	वोल्टासबेको
18.	दमनदीप सिंह सोनी	वाईस प्रेसीडेंट ग्रोथ	बीओएटी
19.	दीपक वेणुगोपाल	मार्केटिंग मैनेजर, ग्रेटर एशिया	केएफसी
20.	देवेंद्र चावला	प्रबंधन निदेशक और सीईओ	स्पेंसर रिटेल लिमिटेड और नेचर बास्केट लिमिटेड
21.	दिनेश रेड्डी	एपीएसी भर्ती लीड	पीपीडी
22.	गौरव चड्ढा	मैनेजिंग डायरेक्टर	एक्सेंचर
23.	गौरव गुलाटी	पार्टनर	एकूरेसी इंटरनैशनल
24.	जयदीप अग्रवाल	मैनेजिंग डायरेक्टर	गोल्डमैन सैक्स
25.	जसवंत शरणार्थी	हेड – लर्निंग टैलेंट एंड ओडी	केविनकेयर
26.	जयंत राणा	डायरेक्टर एंड हेड ऑफ इंडिया ऑफिस	मोलेकुले कंसल्टिंग एलएलसी
27.	जितेंद्र चक्रवर्ती पुचा	वाईस प्रेसीडेंट , कॉग्निजेंट डिजिटल बिजनेस एवं हैदराबाद सेंटर हेड	कॉग्निजेंट
28.	कमलदीप सिंह	हेड –फूड एंड एफएमसीजी यूनिट	फ्यूचर ग्रुप इंडिया

उद्योग, व्यापार तथा वाणिज्य पर चर्चा (जारी)			
क्र.सं.	वक्ता	पदनाम	कंपनी
29.	मिहिर शाह	वीपी तथा हेड, सब्सक्रिप्शन एवं कंजूमर रेवनेयू	जियोसावन
30.	नितिन जैन	सेल्स डायरेक्टर	मार्स इंडिया
31.	नितिन पुलयानी	हेड ऑफ प्रोडक्टस, फिनेनशियल सर्विसेस लेड बिलपे, रिचार्ज एंड ऑनलाइन मर्चेंट प्रोडक्टस	फोनपे
32.	पावन चौधरी	संस्थापक एवं सीईओ	मेरीलिटिक्स इंक
33.	पल्लब रॉय	पार्टनर – मैनेजमेंट कंसल्टिंग	केपीएमजी इंडिया
34.	पार्थ अग्रवाल	जनरल मैनेजर	लालामोव
35.	पवनदीप चड्ढा	डीजीएम	फील्डफ्रेश फूड्स
36.	प्रसेनजीत रॉय	सीनियर एक्सीक्यूटीव वाईस प्रेसीडेंट एंड चीफ माक्रेटिंग ऑफिसर	एनटीटी लि.
37.	प्रतीक सिन्हा	पार्टनर	पीडब्ल्यूसी
38.	प्रिया सुब्रामनी	सीनियर डायरेक्टर कंस्टमर एक्सपीरियंस	वॉलमार्ट ग्लोबल टेक इंडिया
39.	राहुल गुप्ता	वाईस प्रेसीडेंट प्रोकयोरमेंट एंड प्लानिंग	एमवे
40.	राजेंद्र अवस्थी और सुष्मितश्री बाबू	फाउडिंग मेंबर	ईपीआईकेआईएन डीआईएफआई
41.	रामनाथन वी	एचआर लीडर –कमर्शियल एंड सर्विसेस, दक्षिण एशिया	जीई हेल्थकेयर
42.	रवीश भटनागर	हेड ऑफ डिजिटल बैंकिंग	इंडसइंड बैंक
43.	ऋषि परदाल	सीईओ एवं प्रबंधन निदेशक	यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड
44.	रितेश दोशी	सीईओ, पी एंड एल, सेल्स एंड मार्केटिंग	एशियन पेंट्स – बांग्लादेश
45.	रितु सिंह, कुलदीप सिंह कुशवाहा	हेड टोटल रिवार्डस –इंडियन सबकॉटिनेट मैनेजर रिवार्डस – भारत और श्रीलंका	अक्जोनोबेल
46.	रूबी तोमार	सेक्शन मैनेजर	एचपी
47.	संदीप उपाध्याय	बिजनेस हेड	ओयो कैंपस और वर्कस्पेस
48.	सत्य देव तिवारी	फाउंडर एंड प्रबंधन निदेशक	वोल सैंटे
49.	सत्यम तिवारी	फाउंडिंग मेंबर	थाउसेन्ट्रिक
50.	सेंथिल नयागम के	चीफ लर्निंग ऑफिसर एंड हेड ऑफ रेवन्यू अशोरेंस	हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज
51.	शिशिर सक्सेना	एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट एंड हेड – इंडिया/एपीएसी	ब्रिलियो
52.	श्रवण ए.	डायरेक्टर क्लाईंट सक्सेस	ग्रेमेनर
53.	श्रीराम अय्यर	प्रेसिडेंट एंड कंट्री हेड ऑफ हेल्थ	बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस
54.	सुमित दास	वाइस प्रेसिडेंट एंड स्ट्रेजिक बिजनेस यूनिट हेड–विटामिनस	जुबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड
55.	सुरेश कुमार	एक्सीक्यूटिव प्रेसिडेंट एंड सीएचआरओ	पॉलीकैब
56.	तारिषी कामरा	हयूमन रिसोर्सस–टेलेंट एग्सीक्यूशन लीड इंडिया बीयू एंड कैंपस सीओई एएमईएसए	पेप्सिको
57.	तथागत वर्मा	सीनियर डायरेक्टर एवं हेड ऑफ टेक्नोलॉजी स्ट्रैटेजी एंड बिजनेस ऑपरेशंस तथा चीफ ऑफ स्टॉफ	वॉलमार्ट लैब्स
58.	तोजो जोस	चीफ हयूमन रिसोर्स ऑफिसर	मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड
59.	वरुण अलघ	संस्थापक एवं सीईओ	होनासा कंज्यूमर प्रा. लिमिटेड (मामार्थ)
60.	वरुण गुप्ता	डायरेक्टर और हेड ऑफ इंडिया ऑफिस	लेंड ईस्ट
61.	वेदनारायनन वेदानथम	एसएमई बिजनेस हेड	रेजरपे
62.	विनय फिराके	सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एंड हेड – मैन्यूफैक्चिरिंग (यूरोप)	विप्रो
63.	युगल किशोर शर्मा	चीफ एक्सीक्यूटिव ऑफिसर	ओएनईओटीटी इंटरटेनमेंट

विदेश व्यापार पुस्तकालय

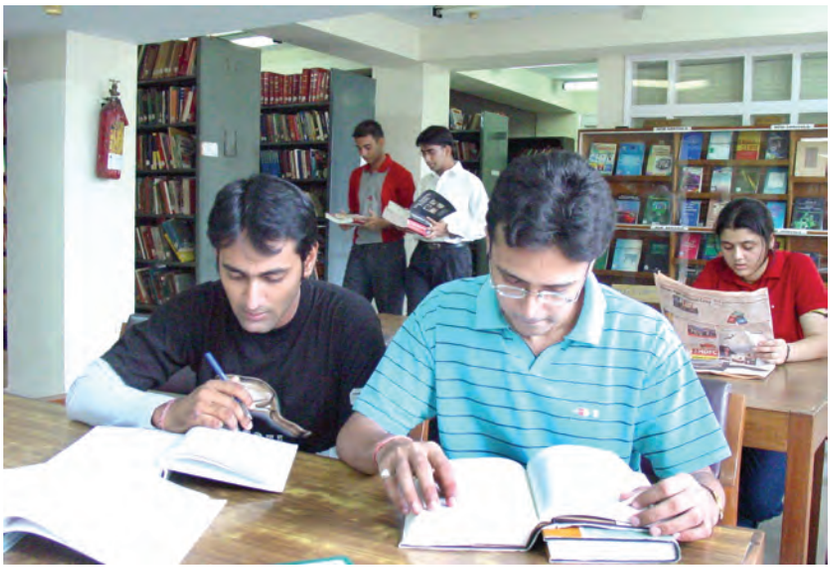

संस्थान का विदेश व्यापार पुस्तकालय अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य पर सूचना संसाधन के रूप में एक सुव्यवस्थित संग्रह है जो इसके पाठकों की आवश्यकतानुसार मुद्रित या इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध है। इसके विशेष प्रकाशनों, रिपोर्टों, डेटाबेस, ई–जर्नल्स, प्रिंट जर्नल्स, लेखों आदि की संख्या बढ़ाने और अद्यतन करने के लिए सतत् प्रयास किए जाते हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 1,05,081 संसाधनों का एक प्रभावशाली संग्रह है जिसमें 77,916 पुस्तकें/सीडी–खण्ड, 17,781 सजिल्द आवधिक और सांख्यिकीय सिद्धांत, बैंकिंग, उद्योग, प्रबंधन, विपणन, उपभोक्तावाद, भूराजनीतिक आर्थिक प्रणाली, सेवाएं, कंप्यूटर, आईटी, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परिवहन और व्यापार संचार आदि पर 235 पत्रिकाएं हैं। इसके अतिरिक्त, इसके संग्रह में अनुसंधान रिपोर्टें, कंपनी रिपोर्टें, सांख्यिकीय वार्षिक प्रकाशन, मामला अध्ययन, सीडी–रोम्स, वीडियो कैसेट्स हैं। संस्थान के दिल्ली व कोलकाता परिसर दोनों में ई–संसाधन पर विशेष संग्रह है तथा विश्व व्यापार संगठन संसाधन केंद्र भी एक विशिष्ट केंद्र के रूप में है जहां विशेष रूप से विश्व व्यापार संगठन व संबंधित मुद्दों पर महत्त्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। इसके साथ ही, पुस्तकालय को निर्बाध रूप से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र अभिकरण, आईटीसी/अंकटाड/डब्ल्यूटीओ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, भारत सरकार के मंत्रालयों व विभागों, निर्यात संवर्धन परिषदों, वस्तु मंडलों व अन्य व्यापार संवर्धन संस्थाओं के प्रकाशनों से समृद्ध बनाने की प्रक्रिया जारी रहती है।

वर्ष 2020–21 के दौरान पुस्तकालय अधिग्रहण का मद–आधारित विवरण निम्न प्रकार है:–

वर्ष 2020–2021 के दौरान पुस्तकालय में सामग्री की स्थिति

मद	वर्ष 2021–21 में अधिग्रहण	31.03.2021 को कुल संख्या
पुस्तकें, रिपोर्टें, वीडियो कैसेट एवं सीडी–रोम्स	152	77,916
दस्तावेज	कोई नहीं	9,122
सजिल्द आवधिक प्रकाशन (नि:शुल्क प्राप्त जर्नल्स सहित)	कोई नहीं	17,781
अभिदत्त/मानार्थ प्राप्त जर्नल	कोई नहीं	235
डेटाबेस/ऑनलाइन साइट्स (मानार्थ ई–जर्नल्स सहित)	कोई नही	27
कुल	**152**	**1,05,081**

ई–संसाधन

संस्थान के दोनों परिसरों दिल्ली व कोलकाता पर पाठकों को हर समय ऑनलाइन सूचना प्राप्त कराने के लिए, पुस्तकालय ने 27 ऑनलाइन व ऑफलाइन डेटाबेस जैसे ब्लूमबर्ग, सीएमआईई डेटाबेसेस (प्रोवेस, भारतीय व्यापार एवं उद्योग विश्लेषण सेवा), कॉमोडिटी प्राइस बुलेटिन, डीजीसीआईएस स्टेटिसटिक्स, एफॉरमेल, आईएफएस, इंडिया स्टेट.कॉम, इनसाइड ट्रेड.कॉम, प्रोक्वेस्ट, सन्स मैगजीन, ट्रेड मैप, वर्ल्ड बैंक ऑनलाइन डेटाबेसेस, वर्ल्ड ट्रेड एटलस, विट्सय 4 ई–जर्नल पैकेज अर्थात ब्लैकवेल सिनर्जी (21 ई–जर्नल्स), ईबीएससीओ और एमराल्ड मैनेजमेंट अतिरिक्त 175 पत्रिकाएं और कई भिन्न–भिन्न पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली हुई है। ये डेटाबेस देश के अध्ययनोंय कृषि, अर्थशास्त्र, जन–सांख्यिकी, श्रम, मीडिया, शैक्षणिक बाजार पूर्वानुमान पर सांख्यिकीय आँकड़े, बाजार रिपोर्टेय कंपनियों के वार्षिक आँकड़ेय शेयर बाजार प्रशुल्क एवं गैर–प्रशुल्क अवरोधय डब्ल्यूटीओ संबंधी विवादय डब्ल्यूटीओ में मुद्दे व दिन–प्रतिदिन के मामलेय विभिन्न देशों के सूचकांकय भारतीय राज्यों के लिए आँकड़ेय विदेश व्यापार, विभिन्न देशों के साथ भारत का क्षेत्रीय एकीकरण तथा विदेश व्यापार से संबंधित कई अन्य मुद्दों पर बहुमूल्य सूचना उपलब्ध कराते हैं।

डब्ल्यूटीओ संसाधन केंद्र

पुस्तकालय में स्थापित डब्ल्यूटीओ संसाधन केंद्र एक मान्यता प्राप्त केंद्र है जो विशेषकर डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञता के क्षेत्र में कार्यरत है। केंद्र डब्ल्यूटीओ संबंधी मुद्दों व भारत के लिए इसके निहितार्थ पर अनुसंधानकर्ताओं, नीति निर्माताओं व शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। केंद्र में डब्ल्यूटीओ एवं संबंधित मुद्दों पर पुस्तकों, रिपोर्टों, जर्नलों, वीडियो कैसेट्स, सीडी–रोम्स और समाचार मदों/लेखों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। वर्तमान में केंद्र में लेखों 4,301 पुस्तकों का संग्रह है।

देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शोधकर्ता अपने डॉक्टरेट व डॉक्टरेट के बाद शोध कार्य के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।

कंप्यूटर केंद्र और आईटी सहायता सेवाएं

(1) **आईटी की आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण तथा परियोजनाओं का उन्नयनः** कोविड–19 के व्यापक प्रभाव ने अनेक क्षेत्रों में कार्य करने के तौर–तरीकों को काफी प्रभावित किया है, जिसमें शिक्षा क्षेत्र विशेष रूप से सम्मिलित है। यह शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय रहा है, परंतु इस दौरान कुछ सकारात्मक बदलाव भी हुए हैं। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने निम्नलिखित को प्राप्त करने हेतु अपने आईटी की आधारभूत संरचना में समग्र रूप से सुधार किया गया हैः

- हाइपर कन्वर्ज्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ स्वयं का डेटा सेंटर। संस्थान की सभी महत्वपूर्ण आईटी सेवाओं जैसे वेबसर्वर, ई–मेल, डेटाबेस, वित्त और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां।
- परिसर नेटवर्क का उन्नयन करते हुए लैन पर अंतिम उपयोगकर्ताओं को 10 जीबीपीएस बैकबोन और 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करना।
- परिसर में सुरक्षित वाईफाई।
- ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए दिल्ली और कोलकाता दोनों परिसरों में दो वर्चुअल कक्षाओं का प्रारंभ।
- संस्थान के वरिष्ठ प्रबंधन के कार्यालयों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का अधिष्ठापन।

(2) **ऑनलाइन कक्षाएं और ई–एमडीपीजः** 2020–21 के दौरान, संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 500 से अधिक ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की गई और वेब कॉन्फ्रेंसिंग टूल जैसे जूम और माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से बड़ी संख्या में ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए।

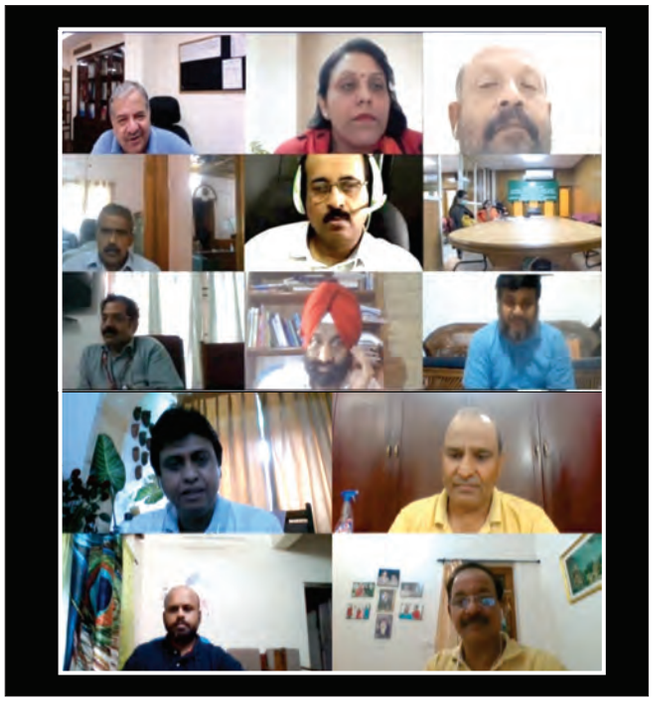

(3) **ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी एवं परीक्षाओं का आयोजनः** संस्थान ने अपने आंतरिक रूप से विकसित किए गए कैंपस मैनेजमेंट सिस्टम, कैंपस360 के माध्यम से, एक प्रॉक्टरिंग सिस्टम के माध्यम से 50 से अधिक परीक्षाओं के संचालन के अतिरिक्त, कुल 720 ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और 63 ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित की हैं।

(4) **सी–क्यूबः फ्लिप्ड क्लासरूमः** फ्लिप्ड क्लासरूम के माहौल में छात्रों को जोड़ने के लिए 'सी–क्यूबः कैंपस360–क्लाउड–क्लासेस' नामक एक विशेष कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

(5) **डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवायरनमेंट (डेट) और ब्लूमबर्ग एनीवेयर के माध्यम से वर्चुअल लाइब्रेरीः** कंप्यूटर सेंटर ने संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों तथा छात्रों के लिए विभिन्न शोध पत्रिकाओं और दूरस्थ डेटाबेस तक पहुंचने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) और डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवायरनमेंट (डेट) की स्थापना की जिसे ब्लूमबर्ग टर्मिनलों से जोड़ने के लिए संस्थान द्वारा किराए पर लिया गया।

(6) **रिमोट एक्सेस सिमुलेशन लैबः** कंप्यूटर सेंटर द्वारा सिमुलेशन–केंद्रित पाठ्यक्रम और डेटा विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए रिमोट एक्सेस सिमुलेशन लैब भी स्थापित की गई।

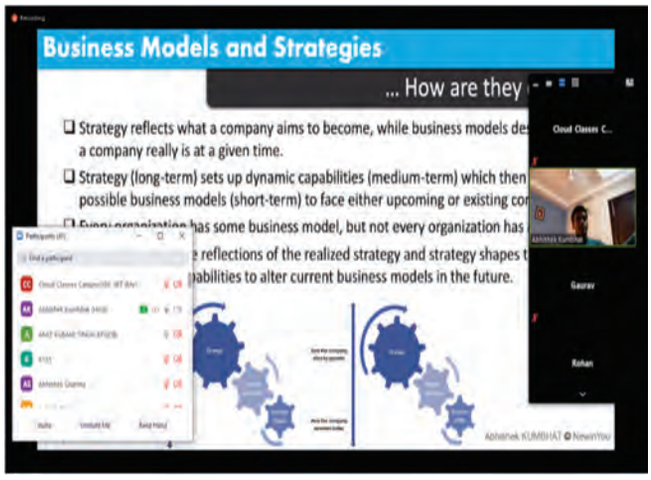

(7) **मास्टर कक्षाएं:** संस्थान के कंप्यूटर केंद्र ने निम्नलिखित मास्टर कक्षाओं के संचालन में उद्योग जगत और भारत सरकार के प्रसिद्ध वक्ताओं के साथ समन्वय किया है:

I. **10 सितंबर 2020:** भारत में व्यापार नीति: वर्तमान नीति और भविष्य की दिशा। श्री. पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग और रेल मंत्री।
II. **10 अक्टूबर 2020:** बड़ी प्रणालियों का संगठनात्मक प्रबंधन: भारत का मामला: श्री ए.के. भल्ला, आईआईएफटी के पूर्व निदेशक और भारत सरकार के वर्तमान गृह सचिव।
III. **7 दिसंबर 2020:** पेशेवर जीवन में नैतिक दुविधा: श्री अनिल स्वरूप, आईएएस (सेवानिवृत्त)।
IV. **9 फरवरी 2021:** कानून और अर्थशास्त्र: प्रो. बिबेक देबरॉय, प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन।
V. **18 फरवरी 2021:** अंतर्राष्ट्रीय वाता: व्यापार वार्ता के विशेष संदर्भ के साथ सिद्धांत और व्यवहार: श्री अनूप वधावन, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य मंत्रालय।
VI. **26 फरवरी 2021:** प्रेरक वाता: श्री अहमद एल्शेख, अध्यक्ष, पेप्सिको।
VII. **12 मार्च 2021:** करियर जर्नी एंड लर्निंग एंड इंफोसिस स्ट्रैटेजी एंड इट्स लिंकेज टू की ट्रेंड्स इन एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी: श्री मोहित जोशी, प्रेसिडेंट, ग्लोबल इंफोसिस, यूके।

(8) **संस्थान का पहला वर्चुअल इकोनॉमिक एन्क्लेव:** आईआईएफटी इकोनॉमिक्स सोसाइटी (आईईएस) के साथ समन्वय करते हुए कंप्यूटर सेंटर ने 8–9 जून 2020 के दौरान संस्थान का पहला 'अर्थशास्त्र कॉन्क्लेव' लॉन्च किया है, जिसमें 'पोस्ट–कोविड परिदृश्य में व्यापार वित्त और आर्थिक विकास' तथा 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार और उपभोक्तावाद: भारत के लिए सबक' पर पैनल चर्चा में दुनिया भर के कुछ प्रसिद्ध नाम शामिल हैं।

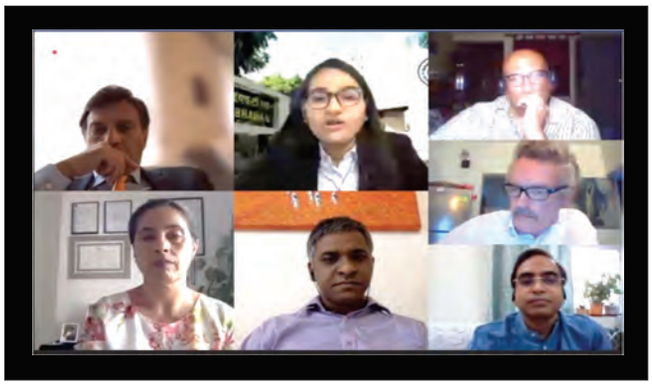

(9) **क्षेत्र आधारित बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी):** विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के समन्वय से निर्यातकों और आयातकों के लिए सत्र आयोजित करने के लिए संस्थान के आंतरिक विकसित और आयोजित किए गए एमओओसी पोर्टल में 2020–21 के दौरान तीस हजार के करीब पंजीकरण की एक बड़ी संख्या देखी गई है और आईआईएफटी से प्रमाणन प्राप्त करने के लिए 300 से अधिक उम्मीदवारों ने ऑनलाइन परीक्षा दी है।

(10) **एक्जिम वेबिनार श्रृंखला:** विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) के समन्वय से, संस्थान ने सितंबर 2020 से फरवरी 2021 तक 25 व्याख्यानों की एक वेबिनार श्रृंखला आयोजित की है।

(11) **वेबिनार:** प्रकाशन विभाग के समन्वय से कंप्यूटर केंद्र ने 2020–21 के दौरान चार वेबिनार आयोजित किए हैं।

(12) **हरित परिसर पहल:** जलवायु परिवर्तन से हमारे ग्रह को असुरक्षित स्तर तक गर्म करने के आशंका के साथ, पर्यावरण को हर तरह से मदद करने के लिए अपनी ओर से कुछ करना महत्वपूर्ण है। (http://campus360.iift.ac.in) के माध्यम से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और परीक्षा आयोजित करके, संस्थान ने 19 पेड़ों के आकार जितना कागज बचाया है।

प्रकाशन विभाग

प्रकाशन विभाग का सृजन वर्ष 2018 में सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया था और तत्पश्चात इसे आईआईएफटी में शैक्षणिक अनुसंधान के माहौल को बढ़ाने/वृद्धि करने की दृष्टि से जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

संस्थान ने एफटीआरः विदेशी व्यापार समीक्षा; फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी, आईआईएफटी न्यूजलेटर, आवधिक/प्रकाशन प्रकाशित किए तथा सेमिनार आयोजित किए और वर्किंग पेपर श्रृंखला प्रकाशित की।

1. संगोष्ठी श्रृंखलाः प्रोफेसर मनोज पंत, कुलपति, आईआईएफटी के मार्गदर्शन में प्रकाशन विभाग ने एक मासिक संगोष्ठी श्रृंखला आरंभ करने की पहल की है। इस संगोष्ठी में, हम बाहरी विशेषज्ञों को एक अकादमिक शोध पत्र/विषय प्रस्तुत करने और आईआईएफटी में संकाय सदस्यों/रिसर्च स्कालर्स के साथ वार्तालाप करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस प्रकार के आयोजनों के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक है, संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच एक अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देना। अगस्त 2018 से, हमने मासिक संगोष्ठी श्रृंखला/वेबिनार श्रृंखला के तहत कई व्याख्यान आयोजित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान प्रतिष्ठित सहयोगियों के सहयोग से निम्नलिखित छह वेबिनार तथा दो अन्य वेबिनार आयोजित की गई :

विशेषज्ञ पार्टनर के सहयोग से वेबिनार				
वेबिनार पार्टनर	**तिथि**	**आयोजन मोड**	**विषय**	**उद्देश्य**
सेज प्रकाशन	4 जून 2020	माइक्रोसॉफ्ट टीम	सेज अनुसंधान की पद्यति	पुस्तकों, संदर्भ कार्यों, जर्नल लेखों, शिक्षण डेटासेट्स और निर्देशात्मक मार्गदर्शिकाओं के उपयोग की सुविधा के लिए अनुसंधान विधियों डेटाबेस की समझ जो छात्रों को स्वयं अभ्यास करके डेटा विश्लेषण सीखने का मौका देती है।
मैकग्रा हिल एजुकेशन	12 जून 2020	वेबेक्स.कॉम	लेवेरजिंग टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन	लर्निंग एनालिटिक्सः शिक्षण, अंतर्दृष्टि और फीडबैक के लिए डैशबोर्ड जिसमें कुछ ही क्लिक में ऑनलाइन और डिजिटल मोड के डिजाइनिंग और संचालन को समझना, व्याख्यान संसाधनों (पीपीटी, समाधान, नोट्स और टेस्ट बैंक) की तैयारी शामिल है। छात्रों के साथ ऑनलाइन कनेक्ट – ऑनलाइन, स्मार्ट बुक और मोबाइल।
सीएमआईई	19 जून 2020	गोटोमिटिंग्स	हरनेसिंग इकॉनोमिक डेटाबेसिस – ए ट्रेनिंग ऑन सीएमआईई डेटाबेसिस	उद्योग स्तर और कंपनी स्तर डेटाबेस निष्कर्षण और अनुप्रयोगः अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों के लिए उद्योग दृष्टिकोण, आर्थिक आउटलुक, व्यापार दृष्टिकोण।
थॉमसन रॉयटर्स	24 जून 2020	माइक्रोसॉफ्ट टीम	ईकॉन एक्सेस डिस्कशन	(वित्तीय बुनियादी बातों, अर्थशास्त्र, अनुमान, विश्लेषिकी, चार्टिंग, अनुसंधान रिपोर्ट, कमोडिटीज, लिपर, डील, आदि) उद्योग और फर्म स्तर डेटा विश्लेषण की समझ।
रिफाइनिटिव	24 जून 2020	पंजीकरण आधारित	नेविगेटिंग द चेंज प्रीपेरिंग फॉर द लिबोर ट्रांसिशन	लिबोर में प्रतिमान बदलाव को समझना और चर्चा करना कि क्या लिबोर को बदलने के लिए वैकल्पिक डेटा या संदर्भ दरें मौजूद हैं।
ग्लोबल ट्रेड ट्रैकर	30 जून	जीटीटी एक्सेस ट्रेनिंग	नेविगेटिंग द चेंज प्रीपेरिंग फॉर द लिबोर ट्रांसिशन	दुनिया के प्रमुख व्यापारिक देशों, व्यापार प्रवाह से मूल व्यापार आंकड़ों को समझने के लिए व्यापार प्रवाह और डेटा उपयोग को समझना।

अनुसंधान वेबिनार		
तिथि	**विषय**	**अतिथि / आमंत्रित**
17 जुलाई 2020	कोविड –19 – बिग मिस, बदलाव एवं अवसर	**श्री क्षितिज महाजन** (को–फाउंडर ऑफ कंप्लीट सर्कल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड)
पैनल चर्चा		
12 अगस्त 2020	प्रबंधन शिक्षा और संस्थानों पर कोविड–19 का प्रभाव।	**प्रो. मनोज पंत** (कुलपति, आईआईएफटी) **श्री गिरीश ऐवल्ली** (सीईओ, साउथ एशिया एगटेक हब फॉर इनोवेशन) **श्री श्याम वासुदेवन** (निदेशक और सीओओ, आइडियावर्क्स डिजाइन एंड स्ट्रेटेजी) **डॉ. सुदीप राठी** (निदेशक, न्यूयॉर्क वित्त संस्थान)
12 फरवरी 2021	उभरते बाजार में कॉर्पोरेट प्रशासन और फर्म का प्रदर्शन	**श्री तरुण झा** (मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट हैड, स्कोडा)

2. फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी जर्नल और आईआईएफटी न्यूजलैटर का प्रकाशन

फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी आईआईएफटी का एक त्रैमासिक गृह प्रकाशन है जो पूर्ण शोध पत्र, मामला–अध्ययन, मोनोग्राफ, पुस्तक–समीक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं प्रबंधन अनुसंधान में डॉक्टरेट शोध प्रबंधन का सारांश प्रकाशित करता है। इस अंत:विषय सहकर्मी समीक्षा किए गए फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन में वैचारिक विचारों, अनुसंधान विधियों के अनुप्रयोगों को प्रोत्साहित करना है। प्रकाशन प्रभाग ने वर्ष 2021–21 के दौरान 3 अंक प्रकाशित किए हैं। प्रकाशन विभाग फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी तथा क्वार्टरली न्यूजलैटर (जनवरी–मार्च 2021) के प्रकाशन की प्रक्रिया में है। फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी अब आईसीआई (भारतीय उद्धरण सूचकांक) अनुक्रमित है।

3. फॉरेन ट्रेड रिव्यू का प्रकाशन

फॉरेन ट्रेड रिव्यू (एफटीआर), एक सहकर्मी समीक्षित त्रैमासिक पत्रिका है, जिसकी शैक्षिक अनुसंधान बिरादरी में साढ़े चार दशक से अधिक का अस्तित्व है। इस अवधि के दौरान, पत्रिका ने विभिन्न व्यापारों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को कवर करने वाले एफडीआई से संबंधित अनुसंधान डोमेन, डब्ल्यूटीओ के मुद्दे, क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक्स, क्षेत्रीय विश्लेषण आदि को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। पत्रिका अकादमिक कठोरता, व्यापक व्यापार डेटा विश्लेषण और गंभीर नीतिगत निहितार्थ वाले लेख प्रकाशित करती है जो उच्च शैक्षणिक अनुसंधान और नीति विश्लेषण के लिए उपयुक्त हैं। यह पत्रिका कमेटी ऑन पब्लिकेशन एथिक्स (सीओपीई) की सदस्य है। एफटीआर ने सफलतापूर्वक खंड 55 के साथ अपने 3 अंकों का प्रकाशन किया। फॉरेन ट्रेड रिव्यू अब स्कोपस (कमेटी ऑन पब्लिकेशन एथिक्स) अनुक्रमित है।

4. वर्किंग पेपर श्रृंखला को अपलोड करना		
वर्ष के दौरान निम्नलिखित वर्किंग पेपर रेपेक के साथ अपलोड किए गए हैं:		
ईसी–20–41	कोविड –19 का आर्थिक प्रभाव विश्लेषणः भारत की जीडीपी, रोजगार और असमानता पर प्रभाव	बिस्वजीत नाग और विलेम वैन डेर गिस्ट
ईसी–20–42	स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक स्ट्रीट कारः एक विकल्प प्रयोग दृष्टिकोण	ओइंड्रिला डे, देबलीना चक्रवर्ती
ईसी–20–43	श्रम, व्यापार और वेतन असमानता कुछ नए परिणाम	मनोज पंत, सुगंधा हुरिया
ईसी–20–44	क्या सीमांत अंतर–उद्योग व्यापार और रोजगार परिवर्तन के बीच कोई संबंध है? भारतीय उद्योगों से साक्ष्य	साक्षी अग्रवाल, देबाशीष चक्रवर्ती
ईसी–20–45	निर्यात गारंटियों और भारतीय फर्मों की तकनीकी दक्षता के बीच संबंध विकसित करना	काशिका अरोड़ा, अरीज ए सिद्दीकी, बिस्वजीत नाग
ईसी–21–01	भारत की एक्ट ईस्ट नीतिः आरसीईपी वार्ता और उससे आगे	बिस्वजीत नाग, देबाशीष चक्रवर्ती, साक्षी अग्रवाल
ईसी–21–02	आभासी व्यापार से लाभ पर एक प्राथमिक प्रमेय	सुगाता मारजीत, लेई यांग
ईसी–21–03	आंतरिक प्रवास, न्यूनतम ग्रामीण मजदूरी और रोजगार गारंटीः हैरिस टोडारो को फिर से बनाना	सुगाता मारजीत, रेजा ओलादि
ईसी–21–04	व्यापार, विकास और असमानता का एक नया रिकार्डियन मॉडल	सुगाता मारजीत
ईसी–21–05	भारतीय राज्यों के सापेक्ष प्रदर्शन पर कोविड–19 का मुकाबला	सुगाता मारजीत, अनीश कुमार मुखोपाध्याय, मेधा चटर्जी
ईसी–21–06	प्रस्तावित भारत–यूरोपीय संघ व्यापार समझौता और यूएनईसीई 1958 प्रावधानः भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए अनुभवजन्य परिणाम	देबाशीष चक्रवर्ती, बिस्वजीत नाग, रिपुदमन भारद्वाज
ईसी–21–07	एशियाई वैश्विक मूल्य श्रृंखला उन्नयनः प्रौद्योगिकी और व्यापार प्रदर्शन की तुलना करना	काशिका अरोड़ा, अरीज ए सिद्दीकी

आईआईएफटी संकाय द्वारा प्रकाशन

प्रो. मनोज पंत, कुलपति एवं अर्थशास्त्र के प्रोफेसर

- यादव, डी.के., पंत, एम. और सेठ, एन. (2020), ''एनालाइसिंग अनेबलर्स ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन इंप्रूविंग लॉजिस्टिक कैपेबिलिटीज ऑफ आग्रेनाजेशनसः ए टीआईएसएम अप्रोच'', जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, वॉल्यूम एहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट।

डॉ. आर.एम. जोशी, डीन

- शर्मा, ए., आर.एम. जोशी और वल्ली, ओ.पी. (2020), ''ह्यूमन कैपिटल'' ए की ड्राइवर ऑफ कंज्यूमर डिसीजन मेकिंग इन ऑनलाइन प्रमोशन'', अभिज्ञान, XXXVII (4)।
- शर्मा, ए., वल्ली ओ.पी. और जोशी आर.एम. (2020), ''ए क्रिटिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ कंज्यूमर रिस्पांस फॉर मोनेटरी एंड नॉन–मॉनिटरी प्रमोशन्स अक्रॉस ई–सर्विसेज'', पैराडीगम, 24(2), पीपी. 195–207।

डॉ. के. रंगराजन, प्रमुख एवं प्रोफेसर (कोलकाता परिसर)

- झा, एम.के., और रंगराजन के. (2020), ''द अप्रोच ऑफ इंडियन कॉरपोरेट्स टुवार्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंटः एन एक्सप्लोरेशन यूजिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स बेस्ड मॉडल'', सस्टेनेबल डेवलपमेंट, वॉल्यूम 28, अंक 5, पीपी. 1–14
- झा, एम.के., और रंगराजन के. (2020), ''एनालासिस ऑफ कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी प्रर्फोमेनस एंड फाइनेशियल प्रर्फोमेनस कैसुल लिंकेज इन दा इंडियन कॉटैक्ट'', एशियन जर्नल ऑफ सस्टेनेबिलिटी एंड सोशल रेसपोंसिबिलिटी, वॉल्यूम 5, इशू 1, पीपी. 1–30
- झा, एम.के., और रंगराजन के. (2020), ''सस्टेनएबल डेवल्पमेंट एंड सस्टेनएबल डेवल्पमेंट गोल्सः ए बिबलियोमेट्रिक रिव्यू–बेसड कॉपेरिसन स्टडी'', कॉरपोरेट गवरनेंस एंड सस्टेनेबिलिटी रिव्यू।
- दास, एम., रंगराजन, के. और दत्ता, जी. (2020), ''कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी इन एसएमईस – एन एशियन पर्सपेक्टिव'', जर्नल ऑफ एशिया बिजनेस स्टडीज, वॉल्यूम। 14, इशू न.1, पीपी. 109–138।
- दास, एम. और रंगराजन, के. (2020), इम्पेक्ट ऑफ पोलिसी इनिशिऐटिवस एंड कोलाबरेटीव सियंर्जी ऑन सस्टेनेबिलिटी एंड बिजनेस प्रर्फोमेनस ऑफ इंडियन एमएसएमई इंडियन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट रिव्यू , वॉल्यूम। 13 इशू नं.3, पीपी. 607–627

डॉ. आर.पी. दत्ता, प्रोफेसर

- दत्ता, राधिका प्रसाद, और जयंत कुमार सील (2020), '' हाउ द एफिसिएंसी ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया हेव इवोलवड ओवर टाइमः ए स्टडी ऑन सेलेक्टेड म्यूचुअल फंडस इन इंडिया'', जर्नल ऑफ प्रीडिक्शन मार्केट्स, 14, नं.1।

डॉ. गौतम दत्ता, प्रोफेसर

- शर्मा, शशांक और दत्ता, गौतम (2020), ''ए नोवेल अप्रोच फॉर किएटिंग सेंटीमेंट लेक्सिकॉन फॉर मूवी रिव्यूस यूसिंग स्टार रेटिंग्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑन इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज 11(1), पीपी. 376–386।

डॉ. शीबा कपिल, प्रोफेसर

- कपिल, एस. और बैरिक, जी. (2020), ''प्रिडिक्शन ऑफ इनबाउंड एंड डोमेस्टिक टेकओवर कैंडिडेट्स फ्रॉम इंडियन मार्केटः प्री एंड पोस्ट ग्लोबल क्राइसिस'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 5(1), पीपी. 22–48।
- कपिल, एस. एंड ढींगरा, पी.के. (2021),''आउटवर्ड फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंटः इमर्जिंग इकॉनॉमिस होम कंट्री डेटर्मिनेन्ट्स'', इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड बैंकिंग, 6(1), पीपी. 58–72।
- कपिल, एस. एंड ढींगरा, पी.के. (2021),''फ्लैगिंग डेटर्मिनेन्ट्स फॉर इंडियन आउटवर्ड एमएंडए'', इंटरनैशनल जर्नल ऑफ इकॉनोमिक्स एंड फाइनेंसियल इश्यूज 11(5), पीपी. 1–10।
- ढींगरा के., एंड कपिल, एस. (2019),''डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ मर्जर्स एंड एकुइजीशन ए टूल इन वुका इन बिजनेसः ए रिव्यु स्टडी'', इंटरनैशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 28(19), पीपी. 321–330।
- कपिल, एस., एंड ढींगरा के. (2021),''अंडरस्टैंडिंग डेटर्मिनेन्ट ऑफ डोमेस्टिक मर्जर्स एंड एकुइजीशन थ्रू लिटरेचर रिव्यु'', इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड बैंकिंग, 6(1), पीपी. 31–57।
- कपिल, एस., एंड ढींगरा, के. (2020),''मर्जर्स एंड एकुइजीशन इन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री, ए चौलेंज इन वुका वर्ल्ड'', टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जर्नल, वॉल्यूम 82, पीपी. 5819–5831।
- कपिल, एस. और बैरिक, जी. (2020), ''पोस्ट–एक्यूजिशन प्रर्फोमेंस एनालिसिस ऑफ इंडियन टार्गेट फर्मसः द रोल ऑफ डील करक्टरस्टिक्स'', द इंडियन इकॉनोमिक्स जर्नल वॉल्यूम 66 इशू: 3–4, पीपी. 250–269।

डॉ. नितिन सेठ, प्रोफेसर

- यादव, डी.के., पंत, एम. और सेठ, एन. (2020), ''एनालासिंग अनेबलरस ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन इंप्रूविंग लॉजिस्टिक कैपेबिलिटीस ऑफ आग्रेनाजेशनसः ए टीआईएसएम अप्रोच'', जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, वॉल्यूम एहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट।
- अग्रवाल, वी., सेठ, एन. और दीक्षित, जे.के. (2020), ''ए कंबाइंड एएचपी–टॉपसिस–डीमैटेल एप्रोच फॉर इवैल्यूएटिंग सक्सेस फैक्टर्स ऑफ ई–सर्विस क्वालिटीः एन एक्सपीरियंस फ्रॉम इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री'', इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च, वॉल्यूम एहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट।
- डोरा, एम., वेसाना, जे., गेलिनक, एक्स., सेठ, एन., डे, बी. और स्टीर, एच.डी. (2020), ''इंपोरटेंस ऑफ सस्टेनेबल ऑपरेशनस इन फुड लॉसः एबीडेंस फ्रॉम द बेल्जियन फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री'', एनाल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 290, पीपी. 47–72।

डॉ. सैकत बनर्जी, प्रोफेसर

- बनर्जी, एस. और गोयल, पी. (2020), ''पार्टी ब्रांड हेट इन पॉलिटिकल मार्केटः एंटेसिडेंट्स एंड कॉन्सिक्वेंसिस'', एशियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, वॉल्यूम 28 नंबर 2, पीपी. 97–121।
- बनर्जी एस. (2020), ''फेक्टर्स इंपेक्टींग स्टेट ब्रांडींग कम्यूनिकेशन सकसेसः ए मेडिएटींग एंड मल्टीग्रुप एनालिसीस'', प्लेस ब्रांडिंग एंड पब्लिक डिपलोमेसी, वॉल्यूम नं. पीपी।
- बनर्जी, एस. (2020), ''ऑन द रिलेशनशिप बिटविन ऑनलाइन ब्रांड कम्युनिटी एंड ब्रांड परेफरेंस इन पोलिटीकल मार्केट'', इंटरनैशनल रिव्यू ऑन पब्लिक एंड नानप्रोफिट मार्केटिंग https://doi.org/10.1007/s12208-020-00264-1
- ब्रांड को–क्रिएशन थ्रू पार्टीसिपेशन ऑफ ऑग्रेनाजेशन, कंज्यूमर्स, एंड सप्लायर्सः एन इम्पीरिकल वेलिडेशन।
- कपूर. एस. और बनर्जी, एस. (2020), ''ऑन द रिलेशनशिप बिटविन ब्रांड स्कैंडल एंड कंज्यूमर एटिट्यूडः ए लिटरेचर रिव्यू एंड रिसर्च एजेंडा'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज।
- बनर्जी, एस. और मुखर्जी, एम.पी. (2021), ''रिवेम्पिंग हेरिटेज ब्रांडः ए केस ऑफ मुर्शिदाबाद, वेस्ट बंगाल, इंडिया'', प्लेस ब्रांडिंग एंड पब्लिक डिप्लोमेसी, वॉल्यूम नं., पीपी।

डॉ. राम सिंह, प्रोफेसर

- ''आईडेंटीफाईग मार्केटस एंड डेवल्पिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन स्ट्रैटेजी फॉर वूलन टेक्सटाईल्स फ्रॉम इंडिया''।
- सिंह, एस. और सिंह आर. (2020), ''डोमेस्टीक सोर्सस ऑफ इंडियास ट्रेड पॉलिसी परेफरेंसस इन आरसीईपी नेगोसिएशनस, जर्नल ऑफ वर्ल्ड, 54(4), पीपी. 503–530।
- ''डु रूल्स ऑफ ओरिजिन एक्सटेंड डिस्प्रोपोरशोनेट ट्रेड गैन्स अंडर साफ्टाः ए केस स्टडी ऑफ बाइसिकल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज''।
- राम सिंह, एंड सुरेंदर सिंह (2020), ''इज इंडिया हैडिंग टुवर्ड्स ट्रेड प्रोटेक्शनिज्म'' एन एनालिसिस ऑफ सीएआरओटीएआर रूल्स?'' इंटरनैशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, आईएसएसएन नं.:2545–4137।
- सीएआरओटीएआर रूल्स 2020: बूम और बेन फॉर इंडिया फॉरेन ट्रेड?''

डॉ. संजय रस्तोगी, प्रोफेसर

- शर्मा, जी., गुप्ता, एस., सवहने, ए., एंड रस्तोगी, एस. (2020), ''एक्सामिनिंग द इन्फ्लुएंस ऑफ डेमोग्राफिक मार्जिनलाइजेशन ऑन परफॉरमेंस ऑफ द स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन'', जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स। https://doi.org/10.1002/pa.2267
- अग्रवाल, ए., नोबी, के. एंड रस्तोगी, एस. (2020), ''लिंकिंग स्ट्रक्चरल एम्पावरमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूटिव जस्टिस टु एम्पलॉईज बिहेवियरल एंड अटिट्यूडिएनल कोंसिक्वेंसेसः टेस्टिंग द मेडिएटिंग रोल ऑफ साइकोलॉजिकल एम्पावरमेंट'', जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स https://doi.org/10.1002/pa.2418.
- शर्मा, पी., गुप्ता, एस. एंड रस्तोगी, एस. (2020), ''की मोटिवटर्स फॉर ड्राइविंग वर्क परफॉरमेंस ऐमिड कोविड–19 इन डेवल्पिंग नेशंस'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्क आर्गेनाईजेशन एंड इमोशन। DOI: 10.1504/IJWOE.2020.10030107.
- ''एन इंटेग्रेटेड मॉडल ऑफ फाइनेंसियल लिटरेसी अमंग बी–स्कूल ग्रेजुएट्स यूसिंग फुज्जी एएचपी एंड फैक्टर एनालिसिस''।
- ''ए फ्रेश लुक एट एनवायरनमेंट फ्रेंडली कस्टरमर्स प्रोफाइलः एविडेंस फ्रॉम इंडिया''।
- ''जेन जेड एंटरिंग द वर्कफोर्सः रिस्ट्रक्चरिंग एचआर पॉलिसीस एंड प्रेक्टिसेस फॉर फोस्टरिंग द टास्क परफॉरमेंस एंड ओर्गनइजेशनल कमिटमेंट''।

डॉ. ओ.पी. वल्ली, प्रोफेसर

- शर्मा, ए., जोशी, आर.एम. और वल्ली, ओ.पी. (2020), ''ह्यूमन कैपिटलः ए की ड्राइवर ऑफ कंज्यूमर डिसीजन मेकिंग इन ऑनलाइन प्रमोशन'', अभिज्ञान, XXXVII(4).

डॉ. दीपांकर सिन्हा, प्रोफेसर

- सिन्हा, डी. और चौधरी, एस.आर. (2020), ''ब्लॉकचेन बेस्ड स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट फॉर इंटरनेशनल बिजनेस – ए फ्रेमवर्क, जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग।
- चौधरी, ए. के., सिन्हा, डी. और दास, ए. (2020), ''ए नॉवेल एन्हांस्ड डिसीजन ट्री मॉडल फॉर डिटेक्टिंग क्रॉनिक किडनी डिजीज'', नेटवर्क मॉडलिंग एनालिसिस इन हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स एंड बायोइनफॉरमैटिक्स, वॉल्यूम 10, अंक 1, पीपी. 1–22।
- बागोडी, वी., वेंकटेश, एस.टी. और सिन्हा, डी. (2020), ''ए स्टडी ऑफ परफॉरमेंस मईर्स एंड क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम इन स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज इन इंडिया'', बेंचमार्किंगः एन इंटरनेशनल जर्नल।
- सिन्हा, डी. (2020), ''एफिशिएंसी एंड परफॉर्मेंस ऑफ ग्लोबल सप्लाई चेनः थ्योरी एंड एविडेंस'', फॉरेन ट्रेड रिव्यू, वॉल्यूम 55, इशू 4, पीपी. 447–449।
- सिन्हा, डी. और चौधरी, एस.आर. (2020), ''ए फ्रेमवर्क फॉर इंसुरिंग जीरो डिफेक्ट्स एंड सस्टेनेबल ऑपरेशंस इन मेजर इंडियन पोर्ट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबल मैनेजमेंट।
- चौधरी, ए.के., सिन्हा, डी. और बनर्जी, डी.के. (2020), अर्ली प्रिडिक्शन्स ऑफ हार्ट डिजीज युसिंग द मोस्ट सिग्नीफिकेंट फीचर्स ऑफ डायबिटीज बाय मशीन लर्निंग टेक्निक्स, एशियन जर्नल फॉर कन्वर्जेन्स इन टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 7, इशू 1, पीपी. 168–178।
- चौधरी, ए.के., दास, ए., सिन्हा, डी. और बनर्जी, डी.के. (2020), ''एप्लिकेशन ऑफ डेटा माइनिंग टेक्निक्स फॉर अवॉइडिंग अंडरस्टीमेशन ऑफ एन इवेंट, एशियन जर्नल फॉर कन्वर्जेंस इन टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 7, इशू 1, पीपी. 179–189।

डॉ. आर.पी. शर्मा, प्रोफेसर

- शर्मा, आर.पी. (2020), ''क्रिएटिंग 'मोमेंट्स ऑफ मैजिक' ड्यूरिंग द 'मोमेंट्स ऑफ माइजरी' बाय डिलिवरिंग द राइट एलीमेंट्स ऑफ वैल्यू'', मैनेज मैगजीन, डेनमार्क. अवेलेबल एट https://managemagazine.com/article-bank/marketing/creating-moments- of-magic-during-moments-of-misery-by-delivering-the-right-elements-of-value/?fbclid=IwAR1lXgbb Ttlat7TB40xdTRT_KZiOHLxyWhIto9CE8lvUSSpYQeT gtr0gOw
- शर्मा, आर.पी. (2020), ''ब्रांड और अवेलेबिलिटीः व्हाट टूक प्रोमिनेन्स ड्यूरिंग द पेन्डेमिक? इटी ब्रांड इक्विटी, 13 जुलाई। अवेलेबल https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/news/marketing/brand-or- availability-what-took-prominence-during-the-pandemic/76921011
- शर्मा, आर.पी. (2020), ''कस्टमर सेंट्रिक एंड रेस्पॉन्सिव सेल्स एंड मार्केटिंग ड्यूरिंग क्राइसिस'', इटी ब्रांड इक्विटी, 23 अगस्त। अवेलेबल एट https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/ news/marketing/customer-centric-and- responsive-sales-marketing-during-crisis/77670191
- शर्मा, आर.पी. (2020), ''द मिस्ट्री ऑफ 'ह्यूमन–लाइक' कस्टमर–ब्रांड रिलेशनशिप्स, इटी ब्रांड इक्विटी, 27 सितम्बर। अवेलेबल एट https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/ news/business-of-brands/the- mystery-of-human-like-customer-brand-relationships/78337974
- शर्मा, आर.पी. (2020), ''इज पर्सनल सेल्लिंग डेड? द राईज ऑफ वर्चुअल सेल्लिंग'' इटी ब्रांड इक्विटी, 23 जनवरी। अवेलेबल एट https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/news/digital/is-personal-selling- dead-the-rise-of-virtual-selling/80417593
- शर्मा, आर.पी. (2020), ''विल वीमेन डू बेटर एट मार्केटिंग टू वीमेन? इटी ब्रांड इक्विटी, 14 फरवरी 2021। अवेलेबल एट

https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/news/marketing/will-women-do- better-at-marketing-to-women/80912569

डॉ. बिस्वजीत नाग, प्रोफेसर

- अब्राहम, बी.पी., रे, पी. और नाग, बी. (2020), ''चाइना–बैशिंग एंड पोस्ट–कोविड–19 नैरेटिव – ए रियलिटी चेक'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 55(39)।
- नाग, बी. (2020), ''इंपेक्ट ऑफ इंडिया आसियन एफटीए ऑन इमपलॉयमेंट इन इंडियन मैनुफेक्चरिंग सैक्टर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकॉनोमिक पॉलिसी इन इमर्जिंग इकॉनोमीज, खंड 13, अंक 6।
- गीतिमा दास कृष्णा व बिश्वजीत नाग (2020), ''डज गवर्नमेंट बांड मार्केट इन्फ्लूएंस कॉर्पोरेट बांड मार्केटः एन एम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ इंडिया विस एशियन पीर्स'', द एम्पिरिकल इकॉनोमिक्स लैटर्स, खंड 19, अंक 9
- नाग, बी. (2020), ''पोस्ट–कोविड वर्ड इकोनॉमी एंड इंडिया–चाइना बिलटेरल ट्रेड'', कोविड–19 चैलेंजिज फॉर द इंडियन इकोनॉमीः ट्रेड एंड फॉरेन पॉलिसी इफेक्ट्स, पृ.17।

डॉ. एम. वेंकेटसन, प्रोफेसर

- हिमानी मिश्रा और एम. वेंकेटसन, ''ब्लॉकचैन इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट ऑफ ओर्गनइजेशंसः एन इम्पीरिकल असेसमेंट टू गेज एचआर एंड नॉन–एचआर पर्सपेक्टिव''।

डॉ. बसंत के. साहू, एसोसिएट प्रोफेसर

- साहू, बी.के. (फोर्थ कमिंग), ''रूरल–अर्बन लिंकेजिस एंड लॉकल ग्रोथ मोटर्सः ए स्टडी ऑफ नॉनफार्म एक्टिविटीज इन ओडिशा'', एन्वेसक, खंड 49, संख्या 2।

डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर

- अग्रवाल, एस. और चक्रवर्ती, डी. (2020), ''लेबर मार्केट एडजस्टमेंट एंड इंट्रा–इंडस्ट्री ट्रेडः एम्पिरिकल रिजल्ट्स फ्रॉम इंडियन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स'', जर्नल ऑफ साउथ एशियन डेवलपमेंट, 15 (2), पीपी. 238–269।

डॉ. ए.आर. सिंगला, एसोसिएट प्रोफेसर

- सिंह, ए. और सिंगला, ए.आर. (2020), ''कंस्ट्रक्टिंग डेफिनिशन ऑफ स्मार्ट सिटीज फ्रॉम सिस्टम थिंकिंग व्यू'', किबरनेट्स, वॉल्यूम अएहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट।
- ए स्ट्रेटेजिक एंड अडाप्टिव प्लान फॉर रिसरजेंस ऑफ फूड–टेक डिलीवरी सर्विस सेक्टर डूरिंग एंड बियॉन्ड पब्लिक हेल्थ पेंडेमिक क्राइसिस''।
- सिंह, यू., रावत के., और सिंगला, ए.आर. (2020),''डायनेमिक्स ऑफ ई–गवर्नेंस इन पोस्ट–कोविड ईराः इंडिया'', द इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इन डेवलपिंग कंट्रीज , आईएसएसएनः 1681–4835, विले, स्कोपस इंडेक्स्ड, एबीडीसी (सी)) इंडेक्स्ड।

डॉ. अरीज ऑफताब सिद्दीकी, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2020), ''आइडेंटीफीइंग एक्सपोर्ट मार्केटस फॉर इंडियन डिवाइसस'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड हेल्थ केयर मार्केटिंग, वॉल्यूम एहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट। https://doi.org/10.1108/IJPHM-09-2019-0059 ।
- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2020), ''आईसीटी पेनेट्रेशन एंड इकोनॉमिक ग्रोथः एन एम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ मेजर ट्रेडिंग नेशंस'', इंडियन इकोनॉमिक जर्नल।
- अरोड़ा, के. और सिद्दीकी, ए.ए. (2020), ''टेक्नोलॉजी एक्सपोर्ट एंड ग्लोबल वैल्यू चेन लिंकेजिजः ए कम्पेरेटिव सक्टोरल स्टडी ऑफ इंडिया'', इंडियन इकोनॉमिक जर्नल।
- अरोड़ा, के., सिद्दीकी, ए.ए., और नाग, बी. (2020), डेवल्पपिंग लिंकेजेज बिटवीन एक्सपोर्ट गारंटीस एंड टेक्निकल एफिशिएंसी ऑफ इंडियन फर्म्स (नं. 2045), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड।
- सिद्दीकी, ए.ए., और अभिषेक, ए. (२०२०), ''इम्पैक्ट ऑफ ऑयल एक्सपोर्ट्स ऑन ग्रोथ ऑफ द इकोनॉमी ऑफ ओमान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 20(4), पीपी. 568–579।
- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2021), ''इंस्टीटूशनल एनवायरनमेंट, कम्पीटेंसीस एंड फर्म एक्सपोर्ट परफॉरमेंसः ए स्टडी ऑफ द इमर्जिंग कंट्री''।
- सिद्दीकी, ए.ए., और सिंह, आर. (2021), ''आइडेंटीफाइंग मार्केट्स एंड डेवल्पपिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन स्ट्रेटेजी फॉर वुलन टेक्सटाइल्स फ्रॉम इंडिया'', द जर्नल ऑफ डेवल्पपिंग एरिया, 55(2). doi:10.1353/jda.2021.0043 ।
- अरोड़ा, के. और सिद्दीकी, ए.ए. (2021),''कंपेरेटिव टेक्नोलॉजी एंड ट्रेड परफॉर्मेंसः ए पर्सपेक्टिव फ्रॉम एशियन ग्लोबल वैल्यू चेन अपग्रेडेशन'', फोकस डब्ल्यूटीओ.आईबी, वॉल्यूम 22 नंबर 4, पीपी. 3–16।
- अरोड़ा, के. और सिद्दीकी, ए.ए. (2021), ''एशियन ग्लोबल वैल्यू चेन अपग्रेडेशनः कम्पेयरिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेड परफॉर्मेंस'', आईआईएफटी वर्किंग पेपर।
- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2021), ''यूएस–चाइना ट्रेड वॉरः इम्पैक्ट ऑन केमिकल एक्सपोर्टिंग फर्म्स फ्रॉम इंडिया टू यूएस'', कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड सस्टेनेबिलिटी रिव्यू, 5(1)।

डॉ. अंकित केसरवानी, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- शर्मा, टी.जी., टाक, पी. और केशरवानी, ए. (2020), ''अंडरस्टैंडिंग कॉन्टिनुएन्स इंटेंशन टू प्ले ऑनलाइन गेम्सः द

रोल्स ऑफ हेडोनिक वैल्यू, यूटिलिटरियन वैल्यू एंड परसीवड रिस्क'', जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, 19(3), पीपी. 346–372।

डॉ. आशीष गुप्ता, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- टंडन, ए., गुप्ता, ए., गोयल, पी., और सिंह, वी. (2020), ''इम्पैक्ट ऑफ डिजिटाइजेशन ऑन एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टमः एन इंडियन पर्सपेक्टिव'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड ग्लोबलाइजेशन, वॉल्यूम 25 नंबर 2, पीपी. 154–169।
- कुमार, जे., गुप्ता, ए., टापर, ए.वी. और खान, एम.सी.आर. (2020), ''एक्सओएसः डज द रिटेंशन ऑफ सेल्सफोर्स मैटर इन एंटरप्रेन्योरियल स्टार्ट–अप्स?'', एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 10(3)।
- प्रियंका राजपाल, आशीष गुप्ता और रवि शंकर (2020), ''कस्टमर एंगेजमेंट विद सोशल मीडिया ब्रांड कम्युनिटीजः एन ओपिनियन बेस्ड आउटलुक'', एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 10, नंबर 4, पीपी. 8–32।
- कुमार, जे., गुप्ता, ए. और दीक्षित, एस. (2020), ''नेटफ्लिक्सः एसवीओडी एंटरटेनमेंट ऑफ नेक्स्ट जेन', एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, वॉल्यूम 10 नंबर 3।

डॉ. कविता वाधवा, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- स्यामाला, एस.आर. और वाधवा के. (2020), ''ट्रेडिंग परफॉर्मेंस एंड मार्केट एफिशिएंसीः एविडेंस फ्रॉम रोम एल्गोरिथम ट्रेडिंग'', रिसर्च इन इंटरनेशनल बिजनेस एंड फाइनेंस, वॉल्यूम 54।
- त्रिपाठी, एन.एन., स्यामाला, एस.आर. और वाधवा, के., (2020), "डू डिफरेंट टाइप्स ऑफ रिलेटेड पार्टी ट्रांसक्शन्स इम्पेक्ट फर्म परफॉरमेंस डिफरेंटली? एविडेंस फ्रॉम इमर्जिंग मार्केट'', आईयूपी जर्नल ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस, वॉल्यूम 19, नंबर 2, पीपी. 44–57।

डॉ. प्रतीक माहेश्वरी, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- मिश्रा, एच. और माहेश्वरी, पी. (2020), ''अचीविंग सस्टेनेबल डेवल्पपमेंट गोल्स थ्रू फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोलुशनः एन इंडियन पर्सपेक्टिव'', इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज, 11 (2), पीपी. 63–75।

डॉ. प्रीति टाक, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- शर्मा, टी.जी., टाक, पी. और केशरवानी, ए. (2020), ''अंडरस्टैंडिंग कॉन्टिनुएन्स इंटेंशन टू प्ले ऑनलाइन गेम्सः द रोल्स ऑफ हेडोनिक वैल्यू, यूटिलिटरियन वैल्यू एंड पर्सिवड रिस्क'', जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, 19 (3), पीपी. 346–372।
- शर्मा, टी.जी., हामरी, जे., केशरवानी, ए., और टाक, पी. (2020), अंडरस्टैंडिंग कॉन्टिनुएन्स इंटेंशन टू प्ले ऑनलाइन गेम्सः रोल्स ऑफ सेल्फ–एक्सप्रेसिवनेस, सेल्फ–कंगरुइटी, सेल्फ–एफ्फीकेसी, एंड पर्सीवड रिस्क, बिहैवियर एंड इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, पीपी. 1–17।
- टाक, पी. (2020), ''एंटीसिडेंट्स ऑफ लग्जरी ब्रांड कंजम्पशनः एन इमर्जिंग मार्केट कॉन्टेक्स्ट'' एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 10(2), पीपी. 23–44।
- प्रीति टाक और मानसी गुप्ता (2021), ''एक्जामिनिंग ट्रैवल मोबाइल ऐप एट्रीब्यूट्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन कंज्यूमर एंगेजमेंटः एन एप्लीकेशन'', जर्नल ऑफ एस–ओ–आर फ्रेमवर्क, जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, डीओआईः 10.1080/15332861.2021.1891517

डॉ. दिव्या टुटेजा, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- हिदी कालिया, सौरभ सिंघल, दिव्या टुटेजा, ''डेवल्पमेंट प्रोग्राम्स, सिक्योरिटी, एंड वायलेंस रिडक्शनः एविडेंस फ्रॉम एन इंसर्जेन्सी इन इंडिया''। वर्ड डेवल्पमेंट, खंड 130, जून 2020।

डॉ. ए.के.एस. चांद, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- सर्जियो कुरारिनी, जियोवानी उर्सिनो, ए.के.एस. चांद (2020), ''स्ट्रेटेजिक ट्रांसमिशन ऑफ कॉरिलेटिड इंफॉर्मेशन'', द इकोनॉमिक जर्नल, वॉल्यूम 130, इशू 631, अक्टूबर, पीपी. 2175&2206] https://doi.org/10.1093/ej/ueaa039

डॉ. गिन्नी चावला, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- चावला, जी., सिंह, टी. और सिंह, आर. (2020), ''ऑपरेशनलाइजिंग द एंटेसिडेंट्स एंड आउटकम्स ऑफ यूनियन पार्टिसिपेशन इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट'', जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, वॉल्यूम एहेड–ऑफ–प्रिंट नं. एहेड–ऑफ–प्रिंट।

डॉ. नमन शर्मा, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- शर्मा, एन. (2020), ''फोस्टरिंग पॉजिटिव डिवाइन्सः ए पोटेंशियल स्ट्रैटेजी टू एन एंगेज्ड वर्कफोर्स'', स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन, 36(8), पीपी. 1–3।

- जैन, जी., शर्मा, एन. और श्रीवास्तव, ए. (2021), ''एनहांसींग ट्रैनिंग इफेक्टिवनेस फॉर आर्गेनाईजेशनस थ्रू ब्लॉकचेन–इनेबल्ड ट्रैनिंग इफेक्टिवनेस मेजरमेंट (बीईटीईएम)'', जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल चेंज मैनेजमेंट, वॉल्यूम 34 नंबर 2, पीपी. 439–461।

डॉ. भरत कुमार चिल्लाकुरी, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- अंडरस्टैंडिंग द इफेक्ट्स ऑफ पर्सिविड ऑर्गनाइजेशनल स्पोर्ट एंड हाई–परफॉरमेंस वर्क सिस्टम्स ऑन हेल्थ हार्म थ्रू सस्टेनेबल एचआरएम लेन्सः ए मॉडरेटेड मेडिएटेड एग्जामिनेशन।
- चिल्लाकुरी, बी. (2020), ''अंडरस्टैंडिंग जेनरेशन जेड एक्सपेक्टेशंस फॉर इफेक्टिव ऑनबोर्डिंग'', जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल चेंज मैनेजमेंट, 33(7), पीपी. 1277–1296।
- चिल्लाकुरी, बी., वंका, एस. और मोगिली, आर. 2020), ''लिंकिंग

सस्टेनेबल डेवलपमेंट टू स्टार्टअप इकोसिस्टम इन इंडियाः ए कॉन्सेप्टुअल फ्रेमवर्क'', इंट जे. बिजनेस एंड ग्लोब्लाइजेशन, 25(2), पीपी. 139–153।

- चिल्लाकुरी, बी. (2020), ''एग्जामिनिंग द रोल ऑफ सुपरवाइजर सपोर्ट ऑन जेनरेशन जेडस इंटेंशन टू क्विट, 23(2), पीपी. 408–430।
- चिल्लाकुरी, बी., और वंका, एस. (2021), ''एक्सामिनिंग द इफेक्ट्स ऑफ वर्कप्लेस वेल–बीइंग एंड हाई–परफॉरमेंस वर्क सिस्टम्स ऑन हेल्थ हार्मः ए सस्टेनेबल एचआरएम पर्सपेक्टिव, सोसाइटी एंड बिजनेस रिव्यू, 26 (1), पीपी. 71–93।

डॉ. नमन शर्मा, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- शर्मा, एन. (2021), ''यूजिंग पॉजिटिव डेविएंस टू एन्हांस एम्प्लॉई एंगेजमेंटः एन इंटरप्रिटिव स्ट्रक्चरल मॉडलिंग अप्रोच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल एनालिसिस, एबीडीसी – बी, स्कोपस, https://doi.org/10.1108/IJOA-07-2020-2341 ,DlisDVsM 11 Qjojh 202A
- जैन, जी., शर्मा, एन., और श्रीवास्तव, ए. (2021), ''एनहांसींग ट्रैनिंग इफेक्टिवनेस फॉर आर्गेनाईजेशनस थ्रू ब्लॉकचेन–इनेबल्ड ट्रैनिंग इफेक्टिवनेस मेजरमेंट (बीईटीईएम)'', जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल चेंज मैनेजमेंट, वॉल्यूम 34 नंबर 2, पीपी. 439–461। https://doi.org/10.1108/JOCM-10-2020-0303 एबीडीसी – बी, स्कोप्स,
- शर्मा, एन. (2020), ''फोस्टरिंग पॉजिटिव डेविएंसः ए पोटेंशियल स्ट्रैटेजी टू एन एंगेज्ड वर्कफोर्स'', स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन, वॉल्यूम 36 नंबर 8. https://doi.org/10.1108/SD-10-2019- 0206 स्कोप्स,

डॉ. पारुल सिंह, एसिस्टेंट प्रोफेसर

- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2020), ''आइडेंटीफाइंग एक्सपोर्ट मार्केट्स फॉर इंडियन मेडिकल डिवासिस'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड हैल्थकेयर मार्केटिंग, वॉल्यूम 14 नंबर 4, पीपी. 587–605।
- सिद्दीकी, ए.ए., और सिंह, पी. (2019), ''आईसीटी पेनेट्रेशन एंड इकोनॉमिक ग्रोथः एन एम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ मेजर ट्रेडिंग नेशंस, द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 67(3–4), पीपी 312–333।

व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल) द्वारा प्रकाशन

प्रो. जेम्स जे. नेदुम्परा, प्रोफेसर और प्रमुख (सीटीआईएल)

आर्टिकल

- नेदुम्परा, जे.जे., और वेंकटरमन, अक्षय (2020), प्रेवेंटिंग केमिकल एक्सीडेंट्स इन इंडियाः इस डायनामिक इन्वेंटोरयिंग द सोलुशनघ 13 मई। https://www.financialexpress.com/industry/ preventing-chemical-accidents-in-india-is-dynamic-inventorying-the-solution/1957539/
- नेदुम्परा, जे.जे., और वेंकटरमन, अक्षय (2020), द राइज ऑफ इम्पोर्ट सब्सिट्यूशन सब्सिडीज एंड लोकल कंटेंट रिक्वायरमेंट्स इन ए डायस्टोपियन डब्ल्यूटीओ 2.0 रिजीम, 17 जून। https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-030-45428-9_13
- रिईमेजिनिंग ट्रेड एग्रीमेंट्स – द प्रॉमिज ऑफ 'ट्रांसक्शनल एफटीएज', 7 सितंबर 2020। http://regulatingforglobalization.com/2020/09/07/reimagining-trade-agreements-the-promise-of-transactional-ftas/
- नेदुम्परा, जे.जे., और लड्ढा, आदित्य (2020), ह्यूमन राइट्स एंड एनवायर्नमेंटल कॉउंटरकलेमस इन इन्वेस्मेंट ट्रीटी आर्बिट्रेशन 9 अक्टूबर 2020। https://link.springer.com/referencework entry/10.1007%2F978-981-13-5744-2_82-1
- नेदुम्परा, जे.जे., और गुप्ता, मान्या (2020), सब्सिडीस इन फ्री ट्रेड जोन्स एक्सटेंशन ऑफ टेरीटोरियल लिमिट्स स्टेट रिस्पांसिबिलिटी – रेगुलेटिंग फॉर ग्लोबलाइजेशन ट्रेड, लेबर एंड ईयू लॉ पर्सपेक्टिव्स, वोल्टर्स क्लूवर ,10 अक्टूबर।
- अंडर जो बीडेन , स्टेट्स क्वा ऑन ट्रेड पॉलिसी?, 29 दिसंबर 2020। https://www.financialexpress.com/opinion/under-joe-biden-status-quo-on-trade-policy/2159331/ http://regulatingforglobalization.com/2020/10/20/subsidies-in-free-trade-zones-extension-of-territorial-limits-and-state-responsibility/

डिस्कशन पेपर

- नेदुम्परा, जे.जे., मीना, ऋषभ और सिद्धार्थ, एस. आत्रेय (2020), डायरेक्टर जनरल ऑफ द डब्ल्यूटीओः द पास्ट, प्रेसेंट एंड फ्यूचर, अगस्त। https://ctil.org.in/docs/Papers/Discussion/CTIL%20Discussion%20Paper%20August%2031%202020.pdf

प्रो. लीला चौकरौने

पुस्तक

- लीला चौकरौने और जेम्स जे. नेदुम्परा (2021), इंटरनेशनल इकॉनोमिक लॉः टेक्स्ट, केसेस एंड मटेरियलस। फोर्थकमिंग। http://services.cambridge.org/us/academic/subjects/law/public-international-law/ international-economic-law-text-cases-and-materials?format=PB

डॉ ऋषभ गुप्ता

- गुप्ता, ऋषभ, भास्कर, स्मृति, और मीना ऋषभ (2020), स्टडी ऑन इन्वेस्टर पर्सेप्शन्स टुवर्ड्स इंडिआज इन्वेस्टमेंट ट्रीटीज, 30 दिसंबर । https://ctil.org.in/cms/docs/Papers/Publish/CTIL%20Study%20on%20BITs%20and%20Investments.pdf

श्री प्रखर भारद्वाज

आर्टिकल

- भारद्वाज, प्रखर और तिवारी सुनंदा (2020), सिचुएटिंग इंडियाज मोड 4 कमिटमेंट इन जियोपॉलिटिक्स एंड पॉलिटिकल इकोनॉमीः द केस ऑफ गैट्स 2000 प्रपोजल, इंडिया – सिंगापुर सीईसीए एंड इंडिया – आसियान टीआईएस, 20 जुलाई। https://tradelawdevelopment.files.wordpress.com/2021/03/11.-tewari-bhardwaj.pdf

राजभाषा हिंदी की गतिविधियां

संस्थान संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की श्रृंखला में निर्धारित लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूरा करने के लिए वचनबद्ध है। वर्ष 2020–21 के दौरान कोविड–19 महामारी का दुष्प्रभाव संस्थान की अन्य गतिविधियों के साथ–साथ राजभाषा हिंदी की गतिविधियों में भी देखा जा रहा है। पूर्व में राजभाषा हिंदी के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए संस्थान को समय–समय पर माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' तथा वाणिज्य मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा ष्शील्ड/ट्राफीष् प्रदान की गई हैं, जो इसकी प्रमाणिकता को दर्शाता है। संस्थान में कार्यालयीन कामकाज के साथ–साथ शिक्षण एवं प्रशिक्षण में भी हिंदी की उपयोगिता को वरीयता दी गई है। वर्ष 2020–21 के दौरान हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित किए गए कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः–

1. **राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन** – राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत दर्शाए गए सभी कागजात अर्थात कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, अधिसूचनाएं, संविदाएं, करार, टेंडर के फार्म और नोटिस, नियम, दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी सरकारी कागज व प्रशासनिक रिपोर्ट आदि द्विभाषी रूप में जारी की गईं।

2. **राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 का अनुपालन** – संस्थान के कोड, भर्ती नियम, संविधान, पुस्तकालय नियम व विनियम, अंशदायी भविष्य निधि नियम, सेवाओं की हस्तपुस्तिका, नागरिक प्राधिकार, परामर्श नियम, पुस्तकालय नियम व विनियम आदि को समय–समय पर संशोधित करते हुए द्विभाषी रूप से संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

   (क) सभी साइनेज, रबड़ की मोहरें, नामपट्ट, लोगो, सीलें, पत्र शीर्ष, विजिटिंग कार्ड आदि द्विभाषी रूप में उपयोग किए गए।

   (ख) संस्थान में कर्मचारियों द्वारा सभी प्रपत्र जैसे अवकाश आवेदन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल, यात्रा रियायत बिल, वाहन व्यय, ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति इत्यादि पूरी तरह द्विभाषी रूप में उपयोग में लाए गए।

   (ग) संस्थान में आयोजित होने वाले सभी शिक्षण व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रवेश–पत्रों तथा बैनर आदि को द्विभाषी रूप में तैयार किया गया।

3. **राजभाषा नियम, 1976 के नियम–5 का अनुपालन** – संस्थान के सभी अनुभागों/विभागों में प्राप्त हिंदी पत्रों का उत्तर पूर्ण रूप से हिंदी में ही दिया गया।

4. **पत्राचार की स्थिति** – संस्थान 'क' क्षेत्र में स्थित है, अतः "क" और "ख" क्षेत्र में अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी/द्विभाषी रूप में किया गया। वर्ष के दौरान वार्षिक कार्यक्रम 2020–21 के अनुरूप हिंदी पत्राचार के लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी प्रयास किए गए।

5. **संस्थान की द्विभाषी वेबसाइट** – संस्थान की वेबसाइट हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है तथा अंग्रेजी वेबसाइट के साथ–साथ हिंदी वेबसाइट को समय–समय पर अद्यतन किया गया।

6. **शिक्षण कार्यक्रम** – कोविड–19 महामारी के कारण संस्थान में शिक्षण–प्रशिक्षण के अंतर्गत सभी कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में विभिन्न सरकारी, सार्वजनिक, निजी संस्थाओं के अधिकारियों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कार्यक्रमों के दौरान हिंदी व अंग्रेजी की मिली–जुली भाषा में प्रबंधन व अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय पर सघन शिक्षण/प्रशिक्षण दिया गया।

7. **नराकास** – संस्थान 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास दक्षिण दिल्ली–3) का सदस्य कार्यालय के साथ–साथ नोडल कार्यालय भी है। संस्थान ने वर्ष के दौरान नराकास द्वारा समय–समय पर आयोजित सभी बैठकों में अपनी सहभागिता दर्ज की है।

8. **तिमाही बैठक** – वर्ष 2020–21 के दौरान राजभाषा नियमों के अनुपालनार्थ निदेशक महोदय की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों के दौरान संस्थान में राजभाषा कार्यों की समीक्षा व प्रगामी प्रयोग संबंधी निर्णय लिए गए। बैठकों की तिथियां निम्न प्रकार हैं :–

तिमाही	आयोजन की तिथि
जनवरी–मार्च 2021	12 अप्रैल 2021
अक्तूबर–दिसम्बर 2020	14 जनवरी 2021

9. **हिंदी कार्यशाला** – संस्थान में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ये कार्यशालाएं अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित की गईं। कार्यशालाओं के दौरान तकनीकी विषयों के साथ–साथ अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चा की गई। वर्ष 2020–21 में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं की तिथियां इस प्रकार हैंः–

तिमाही	आयोजन की तिथि
जनवरी–मार्च 2021	24 मार्च 2021
अक्तूबर–दिसम्बर 2020	23 नवम्बर 2020

10. **हिंदी में प्रकाशन** – संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2019–20 का हिंदी में प्रकाशन किया गया। हर वर्ष की भांति, हिंदी कक्ष द्वारा गृह–पत्रिका 'यज्ञ' का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में संस्थान की मुख्य गतिविधियां तथा राजभाषा नियमों के अतिरिक्त, आईआईएफटी परिवार अपने मन की बात कविता, कहानी, नाटक, निबंध, आदि के माध्यम से व्यक्त करता रहा है। इससे सृजनात्मकता को बढ़ावा मिलता है एवं विचारों का आदान–प्रदान होता है।

11. **संस्थान में हिंदी सप्ताह**

कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए कोलकाता केंद्र सहित संस्थान में 9–15 सितम्बर 2020 के दौरान संयुक्त रूप से ऑनलाइन हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकांश राजकीय कार्य हिंदी में करते हुए ऑनलाइन हिंदी प्रतियोगिताएं जैसेः– लिखित हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी निबंध लेखन, कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी तथा वाद–विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं के विजेता सहभागियों को प्रोत्साहन के रूप में नकद पुरस्कार राशि व प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

दिल्ली परिसर से ''हिंदी सप्ताह'' के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेता सदस्य निम्न प्रकार हैंः–

क) लिखित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रथम तीन पुरस्कार विजेता

सतपाल सिंह	–	प्रथम पुरस्कार
संजीव कुमार	–	द्वितीय पुरस्कार
राकेश कुमार ओझा	–	तृतीय पुरस्कार

ख) हिंदी निबंध प्रतियोगिता के प्रथम चार पुरस्कार विजेता

राकेश कुमार ओझा	–	प्रथम पुरस्कार
दीपा पी.जी. (हिंदीतर)	–	प्रथम पुरस्कार
संजीव कुमार	–	द्वितीय पुरस्कार
यतिन कुमार	–	द्वितीय पुरस्कार

ग) कथा–कहानीः कहो अपनी जुबानी प्रतियोगिता के प्रथम चार पुरस्कार विजेता

तनुश्री अरोड़ा	–	प्रथम पुरस्कार
एस. बालासुब्रमणियन (हिंदीतर)	–	प्रथम पुरस्कार
राकेश कुमार ओझा	–	द्वितीय पुरस्कार
संजीव कुमार	–	तृतीय पुरस्कार

घ) वाद–विवाद प्रतियोगिता के प्रथम चार पुरस्कार विजेता

नीतीश दवे	–	प्रथम पुरस्कार
एस. बालासुब्रमणियन (हिंदीतर)	–	प्रथम पुरस्कार
राकेश कुमार ओझा	–	द्वितीय पुरस्कार
संजीव कुमार	–	तृतीय पुरस्कार

कोलकाता केंद्र से ''हिंदी सप्ताह'' के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेता सदस्य निम्न प्रकार हैंः–

1) लिखित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रथम तीन पुरस्कार विजेता

अतुल कुमार	–	प्रथम पुरस्कार
उमामा नसरीन हक	–	द्वितीय पुरस्कार
सोमा घोष	–	तृतीय पुरस्कार

2) हिंदी निबंध प्रतियोगिता के प्रथम चार पुरस्कार विजेता

अतुल कुमार (हिंदी भाषी)	–	प्रथम पुरस्कार
उमामा नसरीन हक	–	प्रथम पुरस्कार
उपासना आचार्य	–	द्वितीय पुरस्कार
द्वैपायन आश	–	तृतीय पुरस्कार

3) कथा–कहानीः कहो अपनी जुबानी प्रतियोगिता के प्रथम चार पुरस्कार विजेता

उमामा नसरीन हक	–	प्रथम पुरस्कार
उपासना आचार्य	–	द्वितीय पुरस्कार
सोमा घोष	–	तृतीय पुरस्कार
रामकृष्ण दास	–	तृतीय पुरस्कार

4) वाद–विवाद प्रतियोगिता के प्रथम तीन पुरस्कार विजेता

जैनब ईमाम	–	प्रथम पुरस्कार
अतुल कुमार (हिंदी भाषी)	–	प्रथम पुरस्कार
उमामा नसरीन हक	–	द्वितीय पुरस्कार

वार्षिक लेखा
2020—21

लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन

सेवा में,
प्रबंधन मंडल के सदस्यगण
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
(सोसायटी पंजीकरण कानून 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी)
मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

राय

हमने **भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (संस्थान)** के 31 मार्च 2021 तक के संलग्न तुलन–पत्र, इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उसके साथ संलग्न आय व व्यय विवरण और प्राप्तियां व भुगतान तथा लेखांकन की महत्वपूर्ण नीतियों व अन्य व्याख्यात्मक जानकारी के सारांश की लेखापरीक्षा की है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुसार एक सही और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

राय के लिए आधार

हमने वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षा के मानकों (एसएएस) के अनुसार किया, उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए ऑडिटर की जिम्मेदारियां' खंड में आगे वर्णित किया गया है। हम भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी 'आचार संहिता' के अनुसार स्वतंत्र संस्थान हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो अधिनियम के प्रावधानों और उसके नियमों के तहत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय विवरणों पर हमारी योग्य लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामला विशेष

1. संस्थान पर ₹1,34,73,824.43 का सस्पेंस है, जो वित्तीय वर्ष 2019–20 से लंबित है।
2. संस्थान ने कॉर्पस फंड के माध्यम से ₹1,28,57,000.00 का कोलकाता भवन बनाया है। इसलिए कोलकाता भवन ₹1,28,57,000.00 तक बढ़ाया जाता है।
3. चालू वर्ष में संस्थान ने सभी उचंत प्रविष्टियों को अन्य आय में शामिल किया है।
4. कोलकाता केंद्र में, निम्नलिखित देनदारियां लंबे समय से लंबित हैं। हम इन बकाया देनदारियों पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं, क्योंकि इन देनदारियों के संबंध में हमें कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया था।

क्र.सं.	नाम	राशि ₹
1.	बिजली कनेक्शन देय	77,69,937.00
2.	नगरपालिका प्रभार देय	19,81,250.00

5. प्रोक्वेस्ट एलएलसी दिनांक 22/09/2020 के चालान के अनुसार, संस्थान आरसीएम के तहत चालान मूल्य राशि ₹5,24,720.00 ($7000) पर 18 प्रतिशत जीएसटी के भुगतान के लिए उत्तरदायी है। लेकिन संस्थान ऐसा करने में विफल रहा है और खातों की किताबों में कोई जीएसटी देयता भी दर्ज नहीं की गई है।

6. जीएसटी के तहत छूट की आपूर्ति लेखा किताबों से मेल नहीं खाती है, जीएसटीआर–1 और जीएसटीआर–3बी।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है जो कि भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार संस्थान की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन और प्राप्तियां व भुगतान को सही तथा निष्पक्ष दर्शाते हैं। इस जिम्मेदारी में डिजाइन, वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण के कार्यान्वयन तथा रखरखाव सम्मिलित हैं जो सही और निष्पक्ष दर्शाते हैं तथा भौतिक गलती चाहे धोखाधड़ी या त्रुटिवश हो, से मुक्त हैं।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की थी। इन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण गलत बयान से मुक्त हों, इसके लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम नैतिकता और योजना का अनुपालन करते हुए लेखापरीक्षा करते हैं।

एक लेखापरीक्षा में राशि तथा वित्तीय विवरणों में किए गए खुलासों के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल होती है। धोखाधड़ी या गलती से वित्तीय विवरण में गलत सूचनाओं के जोखिम के आंकलन सहित चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती हैं। उन जोखिमों के आंकलन करने में, लेखा परीक्षक वित्तीय विवरणों की तैयारी व निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए संस्थान से संबंधित आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए उन लेखा प्रक्रियाओं को डिजाइन करता है जो परिस्थितियों में उपयुक्त हों। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा बनाए गए लेखांकन अनुमानों के औचित्य के मूल्यांकन के साथ–साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी सम्मिलित होता है।

हम मानते हैं कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं वे हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

हमें वे सभी जानकारियां एवं स्पष्टीकरण प्राप्त हुए हैं जो हमारे उत्तम ज्ञान व विश्वास के अनुसार हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

(क) हमारी राय में, जहां तक इन लेखा बहियों की हमारी परीक्षा से प्रकट होता है, संस्थान ने कानून द्वारा यथा आवश्यक उचित लेखा बहियों का रखरखाव किया है।

(ख) इस रिपोर्ट में संलग्न तुलन–पत्र, आय व व्यय विवरण और प्राप्तियां एवं भुगतान खाते, लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

कृते, **आरएसएम एंड असोसिएट्स**
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण सं. 02813S

हस्ता./–
ई. मधुसुदन रेड्डी
भागीदार
सदस्यता सं. 202308

स्थान : नई दिल्ली
तारीख: 10 नवम्बर 2021

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र

(राशि : ₹)

विवरण	अनुसूची	31-03-2021	31-03-2020
कॉर्पस / पूंजी कोष व देनदारियां			
कॉर्पस, पूंजी व अन्य देनदारियां	1	612,30,40,557	548,59,09,300
चिह्नित / धर्मादा कोष	2	3,88,11,955	3,77,12,036
चालू देनदारियां व प्रावधान	3	44,73,26,793	40,07,61,732
कुल योग		**660,91,79,305**	**592,43,83,068**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	4	189,83,41,959	190,48,80,413
चिह्नित कोषों में निवेश	5	3,76,82,540	3,77,12,037
अन्य में निवेश	6	346,46,97,603	324,30,88,754
निवेश से प्राप्त ब्याज	7A	35,26,03,290	31,82,16,163
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	7	85,58,53,913	42,04,85,701
कुल योग		**660,91,79,305**	**592,43,83,068**
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	16		
आकस्मिक देयताएं व लेखा पर टिप्पणी	17		

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **आरएसएम एंड असोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटैंट्स
फर्म रजि. सं. 02813S

हस्ता./–
ई. मधुसूदन रेड्डी
भागीदार
सदस्यता सं. 202308

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 नवम्बर 2021

कृते भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

हस्ता./–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

हस्ता./–
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष की आय व व्यय लेखा

(राशि : ₹)

विवरण	अनुसूची	31-03-2021	31-03-2020
क) आय			
सेवाओं से आय	8	79,17,06,678	84,54,36,133
सीआरआईटी के लिए प्राप्त अनुदान	9ए	15,66,00,000	27,63,00,000
सीआरआईटी की आय	9बी	5,94,016	92,20,392
शुल्क / चंदा	10	0.00	0.00
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	11	0.00	5,78,766
अर्जित ब्याज	12	22,76,25,928	24,42,05,841
अन्य आय	13	4,79,31,395	62,63,888
पूर्व अवधि आय	13ए	26,61,573	4,26,352
योग (क)		**122,71,19,590**	**138,24,31,372**
ख) व्यय			
स्थापना व्यय	14	42,86,70,279	33,95,59,331
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	15	28,89,86,290	26,83,22,217
मूल्यह्रास – (अनुसूची 4 के अनुरूप)	4	4,69,88,869	1,27,12,040
पूर्व–अवधि मद (नेट)	15ए	65,01,970	1,31,14,207
सीआरआईटी का व्यय	15बी	16,12,20,683	22,40,42,441
योग (ख)		**93,23,68,092**	**85,77,50,236**
व्यय से अधिक आय से अधिक शेष (क–ख)		**29,47,51,498**	**52,46,81,136**

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **आरएसएम एंड असोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटैंट्स
फर्म रजि. सं. 02813S

हस्ता./–
ई. मधुसूदन रेड्डी
भागीदार
सदस्यता सं. 202308

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 नवम्बर 2021

कृते भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

हस्ता./–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

हस्ता./–
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि : ₹)

प्राप्तियाँ	31-03-2021	31-03-2020	भुगतान	31-03-2021	31-03-2020
I. प्रारंभिक शेष			**I. व्यय**		
(a) नकद व डाक टिकट	22,784	12,726	(a) स्थापना व्यय	38,30,32,675	364,598,616
(b) बैंक में जमा			(b) प्रशासनिक व्यय	16,60,48,044	192,087,657
(i) चालू खाता	26,12,135	41,91,988	**II. निवेश व जमा अपने फंड से**		
(ii) जमा खाता (एसटीडी)	17,03,17,458	23,10,68,863			
(iii) बचत खाता	6,13,84,77	11,25,65,888	(a) (निवेश – अन्य)	1,04,82,18,290	1,492,129,156
II. प्राप्त अनुदान					
(a) भारत सरकार से (क्रिट)	30,00,00,000	27,63,00,000			
(b) आईआईएफटी	17,17,10,000	–			
III. निवेश से आय			**III. अचल संपत्ति एवं पूंजी पर व्यय प्रगति पर कार्य**		
(a) चिह्नित/धर्मादा कोष	40,05,12,441	42,29,022			
IV. ब्याज प्राप्ति			(a) अचल संपत्ति की खरीद	11,483,433	28,556,472
(a) बैंक जमा से	13,05,20,084	57,77,05,757	**IV. अन्य भुगतान**	82,82,38,883	698,620,138
(b) ऋण, अग्रिम आदि	–	–			
V. अन्य आय			**V. अंतिम शेष**		
(a) बाजार सर्वेक्षण/सेमिनार फीस, प्रशिक्षण फीस/ संपत्ति आय	63,46,17,169	1,22,43,39,496	(a) नगदी व स्टेम्प	4,946	22,784
			(b) बैंक शेष		
VI. अन्य प्राप्तियां			(i) चालू खाता	45,05,29,839	2,612,135
(a) एफडी की मेच्योरिटी	1,10,53,88,648	52,85,60,863	(ii) जमा खाता (एसटीडी)	4,75,61,994	17,03,17,458
(b) विविध	5,94,01,061	5,13,54,590	(iii) बचत खाता	10,13,68,454	61,384,777
VII स्थायी संपत्ति की बिक्री	–	–			
कुल	**3,036,486,557**	**3,010,329,193**	**कुल**	**3,036,486,557**	**3,010,329,193**

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **आरएसएम एंड असोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटैंट्स
फर्म रजि. सं. 02813S

हस्ता./–
ई. मधुसूदन रेड्डी
भागीदार
सदस्यता सं. 202308

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 नवम्बर 2021

कृते भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

हस्ता./–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

हस्ता./–
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–1 पूंजी, कॉर्पस निधि व अन्य कोष

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021		31-03-2020	
क) पूंजी कोष				
वर्ष के आरंभ में शेष				
भूमि एवं भवन हेतु पूंजीगत अनुदान		16,81,99,000		16,81,99,000
नए भवन के लिए पूंजीगत अनुदान		10,72,89,068		10,72,89,068
छात्रावास सी–9 के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान		2,86,00,000		2,86,00,000
मैदान गढ़ी में भूमि के लिए पूंजीगत अनुदान		26,28,00,000		26,28,00,000
मैदान गढ़ी में भूमि के लिए पूंजीगत अनुदान		1.00		1.00
कोलकाता परिसर के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान	133,57,00,000			133,57,00,000
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-		
जमाः समायोजन	(32,856,223)	130,28,43,777	-	133,57,00,000
एमएसएमई शिमला केंद्र की स्थापना के लिए पूंजीगत अनुदान	1,88,00,000		1,88,00,000	
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त		1,88,00,000		1,88,00,000
		-		
मैदान गढी परिसर के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान				
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त	30,00,00,000	30,00,00,000	-	
	0.00		-	-
आईएआईएफटी (युगांडा) की स्थापना के लिए				
वर्ष के आरंभ में अन्य अनुदानों का शेष		0.00	15,34,15,110	42,50,000
घटाः उपदान/छुट्टी नकदीकरण आरक्षित निधि हेतु अंतरण	15,34,02,257			
वर्ष के अंत में अन्य अनुदानों का शेष	0.00		12,853.00	
	-	15,34,02,257	-	15,34,02,257
दान परिसंपत्ति फंड				
दान परिसंपत्ति प्रारंभिक शेष				
जमाः दान परिसंपत्ति निधि में अंतरण	10,997.80		10,998.00	
घटाः मूल्यह्रास	-		-	
स्थायी सदस्यता	-	10,997.80	-	10,998.00
स्थायी सदस्यता चालू शेष				
जमाः ब्याज (समायोजन घटाते हुए)	1,22,70,394		1,22,70,394	
	-	1,22,70,394	-	1,22,70,394
ख) सामान्य कोष				
वर्ष के आरंभ में शेष				
जमाः आय–व्यय लेखा से अंतरित निवल आय का शेष	325,15,57,910			285,15,74,274
जमाः सहायता अनुदान से अंतरण, सीटीएफएल आय	29,47,51,498			52,46,81,136
	1,51,10,000			
जमारू कोलकाता भवन का समायोजन	1,28,57,352		(114,700,000.00)	
घटा/जमारू पेंशन कॉर्पस से अंतरित			-10,000,000.00	
		357,42,76,760		325,15,55,410
ग) उपदान आरक्षित निधि		7,72,30,025		7,72,30,025
घ) छुट्टी नकदीकरण आरक्षित निधि		5,37,25,051		5,37,25,051
ड.) पेंशन कॉर्पस		6,35,93,226		1,20,77,096
कुल		**612,30,40,557**		**548,59,09,300**

अनुसूची–1ए इंटरयूनिट शेष

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
इंटरयूनिट देय राशि	24,02,76,334	16,60,86,359
इंटरयूनिट प्राप्य राशि	-240,276,334	16,60,86,359
कुल	-	-

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–2 चिह्नित पूंजी/धर्मादा कोष

(राशि : ₹)

कोष	(क) 01.04.2020 को कोष ओपनिंग बैलेंस	(ख) 2020–21 के दौरान जमा		कुल (क+ख)	(ग) फंड के उद्देश्यों के अनुसार खर्च	कुल (ग)	वर्ष के अंत में शेष (क+ख+ग)	गत वर्ष
		(1) फंड के निवेश से प्राप्त आय	(2) अन्य निवेश		राजस्व व्यय			
पुरस्कार के लिए कोष								
ए.के. सेनगुप्ता अवार्ड	11,135.76	556.79	-	11,693	-	-	11,693	11,135.76
बी.एम. घई अवार्ड	39,922.16	1,996.11	-	41,918	-	-	41,918	39,922.16
दून एंड ब्रॉड स्ट्रीट अवार्ड	3,685.36	184.27	-	3,870	-	-	3,870	3,685.36
रंगास्वामी अवार्ड	13,195.37	659.77	-	13,855	-	-	13,855	13,195.37
श्रीनिवास अय्यंगर अवार्ड	17,008.30	850.42	-	17,859	-	-	17,859	17,008.30
चेयर्स के लिए कोष					-			
एपीडा चेयर	6,218,917	310,945.84	-	6,529,863	-	-	6,529,863	6,218,917
ईडीआई चेयर वीएसएनएल	10,551,797	527,589.83	-	11,079,387	-	-	11,079,387	10,551,797
ईडीआई चेयर बामर–लारी	2,332,703	116,635.14	-	2,449,338	-	-	2,449,338	2,332,703
एसटीसी चेयर	7,041,001	352,050.03	-	7,393,051	-	-	7,393,051	7,041,001
छात्रवृत्ति कोष								
छात्रवृत्ति प्राप्ति लेखा	1,182,850	59,142.52	-	1,241,993	-	-	1,241,993	1,182,850
सुमित्रा चिश्ती अवार्ड	67,644.16	3,382.21	-	71,026	-	-	71,026	67,644.16
ओरनेट सोलर	528,470	26,423.50	-	554,893	-	-	554,893	528,470
अन्य कोष								
एमएमटीसी कॉर्पस	5,349,962	267,498.12	-	5,617,460	29,500	29,500	5,587,960	5,349,962
ईसीजीसी चेयर	3,332,698	-	-	3,332,698	589,548	589,548	2,743,150	3,332,698
पीईसी कॉर्पस	1,021,048	51,052.38	-	1,072,100	-	-	1,072,100	1,021,048
कुल वित्तीय वर्ष 2020-21	**37,712,036**	**1,718,967**	**-**	**39,431,003**	**619,048**	**619,048**	**38,811,955**	**37,712,036**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–3 चालू देयताएं व प्रावधान (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021		31-03-2020	
क. चालू देयताएं				
1. विविध लेनदार (9.28 करोड़ आकस्मिक देयता सहित)		9,83,44,044		10,14,40,369
2. कर्मचारियों को देय		2,23,94,732		2,36,30,931
3. अग्रिम प्राप्ति		52,275.00		59,20,308
3क.छात्रों से अग्रिम प्राप्ति		15,74,500		15,74,500
4. प्रतिभूति जमा / प्रतिधारण राशि		1,80,60,310		1,96,64,744
5. पुराने चैक				
(a) 12 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया	8,49,383		2,71,377	
(b) 12 माह से कम अवधि के लिए बकाया	3,10,976	11,60,359	5,79,756	8,51,133
6. निधि				
(a) आईआईएफटी अल्यूमनाई निधि	83,92,102		43,02,988	
(b) आईएमएफ निधि (प्राप्य)	-5,981,401.44	24,10,700	-8,216,725.00	-39,13,737.00
7. अन्य चालू देयताएं				
(a) अन्य चालू देयताएं	6,32,49,758		6,61,09,664	
(b) अनुदान आगे लाया गया	33,18,565		33,18,565	
(c) छात्रवृत्ति	50,58,830		18,33,830	
(d) संवैधानिक देयता	1,22,74,805	8,39,01,957	74,22,785	7,86,84,844
कुल (क)		22,78,98,878		22,78,53,092
ख. प्रावधान				
1. उपादान		8,31,19,070		7,72,30,025
2. संचित अवकाश नकदीकरण		6,45,74,523		5,37,25,051
3. बोनस		4,46,717		6,00,421
4. अन्य प्रावधान		7,12,87,605		4,13,53,143
कुल (ख)		**21,94,27,915**		**17,29,08,640**
कुल (क+ख)		**44,73,26,793**		**40,07,61,732**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–4 स्थायी संपत्ति

विवरण	मूल्यहास की दर	सकल ब्लॉक			
		01.04.2020 को	जमा	समायोजन	31.03.2021 को
1. भूमि					
(a) लीजहोल्ड– दिल्ली परिसर		2,77,38,561			2,77,38,561
(b) लीजहोल्ड– मैदानगढ़ी, दिल्ली		28,33,33,725			28,33,33,725
(c) लीजहोल्ड– कोलकाता परिसर		0.00	1.00		1.00
2. भवन					
(a) लीजहोल्ड	1.58%	15,31,30,729			15,31,30,729
(b) पूंजीगत कार्य प्रगति पर		-42,750,849.21	35,71,811	8,28,86,152	4,37,07,114
(c) लीजहोल्ड (नेफेड)		7,43,19,479			7,43,19,479
(d) कोलकाता भवन				119,15,05,761	
(e) कुलपति का आवास		52,31,158			52,31,158
3. फर्नीचर व फिक्सचर, विद्युत	9.50%	12,24,78,440	4,67,30,950	0.00	16,92,09,390
4. वाहन	9.50%	22,61,687	0.00	0.00	22,61,687
5. कार्यालय उपकरण, टाइपराइटर, डुप्लीकेटर, एयरकंडीशनर, ट्रांसफार्मर व वाटर कूलर	9.50%	3,73,58,517	8,79,120	0.00	3,82,37,637
6. कंप्यूटर हार्डवेयर	25%	14,27,42,582	2,24,77,558	-20,090.00	16,52,00,050
7. पुस्तकें	33.33%	3,58,85,486	5,41,143	0.00	3,64,26,629
8. सोलर पैनल	1.58%	1,77,42,128	22,02,944	0.00	1,99,45,072
9. रसोई उपकरण (कोलकाता)		0.00			0.00
10. जिम इक्यूपमेंट	9.50%	738,360	-	-	738,360
11. प्लांटस एंड मशीनरी	6.33%	-	91,955,835	-	91,955,835
12. विंग्स ऑफ विजडम	0.00		14,99,850	14,99,850	
कुल (क)		**86,02,10,002**	**16,83,59,362**	**8,43,65,912**	**2,30,44,41,038**
अन्य स्थायी संपत्ति	-			0.00	
(a) (क) सीडा संपत्ति	-			0.00	
(I) फोटोकापियर, पुस्तकें / ट्रेड डायरेक्ट्री, प्रिंटिंग मशीन / लैटरिंग मशीन व टाइपराइटर	9.50%	5,68,982	-	-	5,68,982
(ii)दृश्य श्रव्य उपकरण व माइक्रोफिश रीडर	9.50%	8,97,520	-	-	8,97,520
(b) दान में प्राप्त संपत्ति निधि	-			0.00	
(i) कंप्यूटर	25%	21,36,508	-	-	21,36,508
(ii)फव्वारा व सरस्वती की मूर्ति	9.50%	77,000.00	-	-	77,000.00
कुल (बी)		36,80,010	0.00	0.00	36,80,010
कुल योग(क+ख)		**86,38,90,012**	**16,83,59,362**	**8,43,65,912**	**2,30,81,21,048**

(राशि : ₹)

मूल्यह्रास					निवल ब्लॉक	
31.03.2020 तक	कटौतियां	वर्ष के लिए	**Adjustments**	**31.03.2021 तक**	**31.03.2021 को**	**01.04.2020 को**
0.00				0.00	2,77,38,561	2,77,38,561
0.00				0.00	28,33,33,725	28,33,33,725
0.00				0.00	1.00	0.00
0.00				0.00	0.00	0.00
9,42,28,174		21,177.62		9,42,49,352	5,88,81,377	5,89,02,554
-82,886,152.19			8,28,86,152	0.00	4,37,07,114	4,01,35,303
0.00				0.00	7,43,19,479	7,43,19,479
0.00		1,87,23,310		1,87,23,310	117,27,82,451	0.00
0.00				0.00	52,31,158	52,31,158
7,96,45,455	0.00	82,13,236	0.00	8,78,58,691	8,13,50,698	4,28,32,984
9,26,285	0.00	2,07,868	0.00	11,34,153	11,27,534	13,35,402
2,40,88,379	0.00	19,17,245	0.00	2,60,05,624	1,22,32,013	1,32,70,138
12,68,79,572	0.00	1,00,78,519	0.00	13,69,58,091	2,82,41,959	1,58,63,010
3,20,78,520	0.00	14,91,545	0.00	3,35,70,065	28,56,564	38,06,966
5,60,651	0.00	3,15,133	0.00	8,75,784	1,90,69,288	1,71,81,477
			0.00	0.00	0.00	
132,616	-	57,546	-	190,162	548,197	605,744
-	-	5,820,804	-	5,820,804	86,135,031	-
-929,307.06		1,42,486	14,99,863	7,13,042	7,86,808	9,29,307
27,47,24,194	0.00	**4,69,88,869**	**8,43,86,015**	**40,60,99,077**	**189,83,41,959**	**58,54,85,809**
			0.00	0.00	0.00	
			0.00	0.00	0.00	
5,68,982		-		5,68,982	0.00	0.00
8,97,520		-		8,97,520	0.00	0.00
0.00				0.00	0.00	0.00
21,36,508		-		21,36,508	0.00	0.00
76,983.00		-		76,983.00	0.00	0.00
36,79,993	0.00	0.00	0.00	36,79,993	0.00	0.00
27,84,04,187	**0.00**	**4,69,88,869**	**8,43,86,015**	**40,97,79,070**	**189,83,41,959**	**58,54,85,809**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–5 चिह्नित/पीठासीन कोष में निवेश (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
क. चिह्नित/पीठासीन कोष	3,76,82,540	3,77,12,037
कुल	**3,76,82,540**	**3,77,12,037**

अनुसूची–6 निवेश – अन्य (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
क. कार्पस		
(अ) सावधि जमा–कॉर्पस	308,67,34,162	274,66,41,443
ख. उपदान आरक्षित कोष	7,72,30,025	7,72,30,025
ग. छुट्टी नकदीकरण आरक्षित कोष	5,37,25,051	5,37,25,051
घ. पेंशन/बोनस कोष	6,35,93,226	1,20,77,096
ड. आयकर प्रयोजन	18,34,15,139	35,34,15,139
कुल	**346,46,97,603**	**324,30,88,754**

अनुसूची–7ए निवेश पर उपार्जित ब्याज (लेकिन देय नहीं) (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. सावधि जमा पर	35,26,03,290	31,82,16,163
कुल	**35,26,03,290**	**31,82,16,163**

नोटः उपार्जित ब्याज लेकिन देय नहीं, अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं दर्शाया गया है। कॉर्पस/आय खाते में लेन–देन प्रभाव दर्शाया गया है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–7 चालू संपत्ति, ऋण व अग्रिम आदि (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021		31-03-2020	
क. चालू संपत्ति				
1. इन्वेंटरीजः				
(अ) लेखन सामग्री/कंप्यूटर उपभोग्य स्टॉक आदि (प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लागत पर)		18,03,195		26,20,976
2. विविध देनदार :				
(अ) छः माह से अधिक अवधि वाले बकाया कर्ज	6,65,93,349		4,20,22,013	
घटारू संदिग्ध ऋणों हेतु प्रावधान	24,00,046		24,00,046	
	6,41,93,303		3,96,21,967	
(आ) छः माह से कम अवधि वाले बकाया कर्ज	6,06,93,640		44,37,867	
(इ) छात्रों से प्राप्य	7,25,000	12,56,11,943	7,25,000	4,47,84,834
3. नकदी व डाक टिकट (नकद अग्रदाय सहित)		2,18,674		2,24,057
4. बैंक बैलेंसः				
(अ) अनुसूचित बैंकों के पासरू				
चालू खाता (इंडियन बैंक)	-310,147,039		68,11,007	
जमा खाते अल्पावधि (स्वीप खाता)	54,25,51,319		22,71,54,859	
अन्य बैंक खाते	5,02,04,378	28,26,08,657	65,74,650	24,05,40,516
5. छठा वेतन आयोग बकाया				
कुल (क)		**41,02,42,469**		**28,81,70,383**
ख. ऋण, अग्रिम व अन्य संपत्तियांः				
1. ऋणः				
(अ) स्टाफ (स्टाफ अग्रिम सहित)		97,09,209		2,83,29,574
2. अग्रिम एवं अन्य राशि नकद या वस्तु या उसके मूल्यानुसार प्राप्त की जानी हैः				
(अ) पूर्व भुगतान	2,66,29,144		2,59,13,838	
(आ) अन्य (बयाना/प्रतिभूति जमा सहित)	33,40,77,859		3,33,26,206	
(इ) पुराने चेक	0.00	36,07,07,003	-	5,92,40,044
3 स्रोत पर कर कटौती		7,51,95,231		4,47,45,700
कुल (ख)		**44,56,11,444**		**13,23,15,318**
कुल (क+ख)		**85,58,53,913**		**42,04,85,701**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–8 सेवाओं से आय (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. सेवाओं से आय		
(a) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	1,60,750	18,05,908
(b) प्रशिक्षण/अनुसंधान कार्यक्रम	79,15,45,928	84,36,30,225
कुल	**79,17,06,678**	**84,54,36,133**

अनुसूची–9ए डब्ल्यूटीओ अध्ययन केन्द्र के लिए अनुदान (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. केन्द्र की गतिविधियों के लिए प्राप्त अनुदान	15,66,00,000	27,63,00,000
कुल	**15,66,00,000**	**27,63,00,000**

अनुसूची–9बी डब्ल्यूटीओ केन्द्र आय (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. वर्ष के दौरान आय	5,94,016	92,20,392
2. डब्ल्यूटीओ कर्मचारी सेवाएं	–	–
कुल	**5,94,016**	**92,20,392**

अनुसूची–10 सदस्यता शुल्क (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	–
कुल	**–**	**–**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–11 प्रकाशन से आय

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. प्रकाशनों से आय	0.00	5,78,766
कुल	**0.00**	**5,78,766**

अनुसूची–12 अर्जित ब्याज

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. सावधि जमा पर:		
(अ) अनुसूचित बैंक	20,75,67,999	23,71,44,915
2. बचत बैंक खाता	2,00,40,724	53,65,080
3. ऋण पर :		
(अ) कर्मचारी / स्टाफ	17,205.00	13,566.00
4. आयकर वापसी पर:	0.00	16,82,280.00
कुल	**22,76,25,928**	**24,42,05,841**

अनुसूची–13 अन्य आय

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. विविध आय	1,50,75,171	59,43,888
2. प्रायोजित	0.00	3,20,000.00
3. आस्थगित अनुदान आय	3,28,56,224	
कुल	**4,79,31,395**	**62,63,888**

नोटः परामर्श से आय, स्क्रेप बिक्री, डब्ल्यूटीओ अध्ययन केन्द्र से जनशक्ति लागत की प्रतिपूर्ति, फ्रेंकिंग मशीन पर प्राप्त छूट आदि विविध आय में सम्मिलित हैं।

अनुसूची– 13ए पूर्व अवधि मदें

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. कार्यक्रम शुल्क	–	–
2. प्रकाशन आय	–	–
3. आरआईपी पर ब्याज	–	–
4. डब्ल्यूटीओ विविध आय	–	–
5. विविध पूर्व अवधि कटौती	26,61,573	4,26,352
कुल	**26,61,573**	**4,26,352**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–14 स्थापना खर्च (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. वेतन, भत्ते वेजिज	38,39,44,684	28,48,01,933
2. अंशदायी निधि में योगदान	17,92,628	14,24,878
3. एनपीएस में योगदान	49,10,833	42,18,340
4. कर्मचारी कल्याण खर्च	91,97,244	1,04,71,396
5. कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च	58,67,912	1,00,68,150
6. अन्य (संविदात्मक कर्मचारियों और अन्य का वेतन)	2,29,56,978	2,85,74,634
कुल	**42,86,70,279**	**33,95,59,331**

अनुसूची–15 अन्य प्रशासनिक खर्च (राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. विज्ञापन एवं प्रचार	22,22,338	2,81,692
2. ऑडिटर फीस	2,05,671	1,84,915
3. बैंक व बीमा शुल्क	3,49,706	3,95,570
4. कंप्यूटर एवं नेटवर्किंग खर्च	97,57,361	1,35,97,629
5. विद्युत	1,46,53,160	2,99,39,360
6. सुरक्षा एवं सफाई पर खर्च	2,80,07,402	3,09,00,953
7. संगोष्ठी/कार्यशाला/कार्यक्रमों पर खर्च	5,32,82,049	10,78,90,391
8. जीएसटी खर्चे	1,89,40,510	59,982.00
9. विदेशी मुद्रा से घाटा (प्राप्ति)	-11,454.50	99,404.00
10. अतिथि–गृह सामान्य एवं अनुरक्षण खर्च	0.00	90,573.00
11. विधिक/परामर्श फीस	18,91,502	31,67,728
12. पुस्तकालय व्यय	2,78,71,255	2,63,34,086
13. डाकतार, टेलीफोन और दूरसंचार व्यय	4,78,954	7,69,499
14. प्रिंटिंग व स्टेशनरी	7,26,457	28,21,786
15. किराया, शुल्क व कर	1,92,64,314	67,39,602
16. मरम्मत एवं अनुरक्षण	9,65,04,664	2,77,52,368
17. चंदा व्यय (प्रकाशन व्यय)	0.00	90,656.00
18. यात्रा एवं परिवहन व्यय	35,48,869	1,75,049
19. वाहन पेट्रोल व मरम्मत	1,69,010	4,95,498
20. विविध व्यय/शुल्क	40,074.00	1,85,877
21. अन्य प्रशासनिक खर्च	1,10,84,449	1,63,49,599
कुल	**28,89,86,290**	**26,83,22,217**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची–15ए पूर्ववर्ती खर्च

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. वेतन व कर्मचारी कल्याण	–	–
2. कार्यक्रम संबंधी खर्च	–	–
3. मरम्मत व अनुरक्षण	–	–
4. भवन किराया एवं कर	–	–
5. प्रिंटिंग व स्टेशनरी व्यय	–	–
6. व्यय डाकतार टेलीग्राम	–	–
7. व्यय कानूनी एवं सलाहकार सेवाएं	–	–
8. विविध पूर्ववर्ती जमा	43,21,711.00	1,31,14,207
9. विविध पूर्ववर्ती उधार	–	–
10. प्रकाशन / चंदा	–	–
11. उपार्जित ब्याज	–	–
12. विविध ब्याज	21,80,259.00	–
कुल	**65,01,970**	**1,31,14,207**

अनुसूची–15बीः डब्ल्यूटीओ केंद्र संबंधी खर्च

(राशि : ₹)

विवरण	31-03-2021	31-03-2020
1. वेतन व भत्ते	7,74,30,827	71,190,997
2. सामान्य खर्चें	13,55,470	4,340,485
3. चंदा व्यय	26,53,409	9,91,015
4. संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन आदि	72,93,771	4,22,99,824
5. पट्टा किराया	3,77,69,854	3,63,72,484
6. दैनिक कर्मचारी भत्ता	1,69,85,412	21,318,084
7. इंडिया ट्रेड पोर्टल रखरखाव (डब्ल्यूटीओ)	0.00	1,92,98,920
8. पूर्ववर्ती व्यय (डब्ल्यूटीओ)	–	–
9. अन्य डब्ल्यूटीओ व्यय	1,77,31,940	2,82,30,632
कुल	**16,12,20,683**	**22,40,42,441**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के भाग वाली अनुसूचियां

अनुसूची 16: महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

I. लेखा परंपराएं

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर, जब तक कि लेखांकन के वास्तविक आधार का उल्लेख न हो और लेखांकन की संचय विधि पर तैयार किया जाता है।

(क) आवर्ती और अनावर्ती व्यय के लिए प्राप्त अनुदान सहायता (अचल परिसंपत्तियों को छोड़कर) आय के रूप में समझी जाती है। स्थायी संपत्ति को खरीदने में प्रयुक्त अनुदान सहायता को पूंजीगत खाते में अंतरित किया जाता है।
(ख) सदस्यता शुल्क को छोड़कर, जिसकी गणना प्राप्त होने पर की जाती है, विभिन्न कार्यकलापों से प्राप्त आय की गणना उपार्जित आधार पर की गई है।
(ग) स्थायी सदस्यता शुल्क को आय के रूप में नहीं समझा जाता है और इसे विशेष कोष के रूप में लिया गया है।
(घ) आवेदन–पत्र फीस, जब कभी प्राप्त होती है, को आय के रूप में माना जाता है।
(ड.) बैंकों के पास दीर्घावधिक जमाओं/अल्पावधिक जमाओं पर तथा कर्मचारियों को दिए गए अग्रिमों पर ब्याज की उपार्जित आधार पर गणना की जाती है।
(च) विशिष्ट निधि के विरूद्ध किए गए निवेशों और स्थायी सदस्यता फीस पर प्राप्त ब्याज को संबंधित निधि में अंतरित किया जाता है और आय के रूप में नहीं समझा जाता है।
(छ) छुट्टी यात्रा रियायत पर खर्च की गणना नकद के रूप में की जाती है।
(ज) सॉफ्टवेयर पर व्यय उसकी अधिप्राप्ति के वर्ष के दौरान खर्च के रूप में दर्शाया गया है।

II. अचल परिसंपत्तियां

अचल परिसम्पत्तियों को अधिप्राप्ति की लागत (आवक भाड़े, शुल्कों, करों और प्रासंगिक तथा अधिप्राप्ति से संबद्ध प्रत्यक्ष व्यय सहित) में से संचित मूल्यह्रास को कम करके दर्शाया गया है।

III. मूल्यह्रास

(क) इमारत पर मूल्यह्रास स्ट्रेट–लाइन ''रिटिन–डाउन'' मूल्य पद्धति पर 1.58 प्रतिशत की दर से प्रभारित किया जाता है।
(ख) अन्य परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, संस्थान द्वारा निश्चित परिसम्पत्तियों की अवधि के आधार पर स्ट्रेट–लाइन पद्धति पर प्रभारित किया जाता है। मूल्यह्रास की प्रभावी दर निम्न प्रकार हैं:

(i)	फर्नीचर, फिक्सर, विद्युत उपकरण, टेप रिकार्डर और श्रृव्य–दृश्य उपकरण	9.50 प्रतिशत
(ii)	टाइपराइटर, डुप्लीकेटर्स, एयर कन्डीशनर्स	9.50 प्रतिशत
(iii)	मोटर कार, स्कूटर और साइकिल	9.50 प्रतिशत
(iv)	पुस्तकालय पुस्तकें	33.33 प्रतिशत
(v)	कंप्यूटर	25.00 प्रतिशत

(ग) 30 सितम्बर के बाद अधिप्राप्त परिसम्पत्तियों के मामले में मूल्यह्रास लागू दर के 50 प्रतिशत की दर से प्रभारित किया जाता है।

(घ) किसी विशिष्ट निधि में से सृजित परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास संबंधित निधि के खाते में डेबिट किया जाता है।

(ड.) अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम/बाजार कार्यात्मक अनुसंधान कार्यकलापों पर आय और व्यय को क्रमशः वर्तमान देनदारियों और वर्तमान परिसंपत्तियों के अंतर्गत दर्शाया जाता है तथा कार्यक्रम/परियोजना के पूरा होने वाले वर्ष में गणना की जाती है।

IV. राजकीय अनुदान/सब्सिडियां

राजकीय अनुदानों/सब्सिडियों की प्राप्ति के आधार पर गणना की जाती है।

V. सेवानिवृत्ति लाभ

उपदान और संचयी छुट्टी के लिए प्रावधान इस प्रयोजन के लिए किए गए प्रोद्भूत मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र के भाग वाली अनुसूचियां

अनुसूची 17: लेखों की टिप्पणियां

I. कोलकाता परिसर के निर्माण हेतु मुख्य कार्य के लिए संविदा ₹133.57 करोड़ की लागत पर अवार्ड किया गया है। ठेकेदार के साथ सहमत ''अदायगियों की अनुसूची'' के अनुसार, अदायगियां, प्रत्येक चरण की पूर्णता, कार्य के लिए प्रोजेक्ट प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) की सिफारिशों और चालू रनिंग खाता (आरए) शेष के प्रस्तुतिकरण पर आधारित, एक क्रमिक ढंग से जारी की गई है। मामला मध्यस्था के अधीन है और वर्तमान देयता में ₹9.28 करोड की देनदारी बनाई गई है। कोलकाता परिसर के सीडब्ल्यूआईपी व्यय को पूंजीकृत करते हुए वित्तीय वर्ष 2019–20 में ₹133.25 करोड़ के लिए अचल परिसंपत्तियों के तहत ''बिल्डिंग'' का निर्माण किया गया है जिसे 01.04.2020 को कोलकाता के बही खातों में अंतरित किया गया है और मूल्यह्रास 2020–21 के लिए भी प्रभारित किया गया है।

II. संस्थान ने छुट्टी नकदीकरण और उपदान की भावी देनदारी वहन करने के लिए निधियां सृजित की हैं। निधियों का सृजन कॉरपस निधि में से किया गया है, तदनुसार, कॉरपस निधि के निवेश के एक भाग को इन निधियों के लिए निश्चित किया गया है।

III. वर्ष के दौरान ₹1,24,13,721/– की उपदान देयता राशि के लिए प्रावधान (कुल मिलाकर ₹8,31,19,070/–, पिछले वर्ष ₹7,72,30,025/–) किया गया है। वर्ष के दौरान भुगतान किए गए ₹65,24,676/– की ग्रेच्युटी को प्रावधान खोलने के विरूद्ध समायोजित किया गया है।

IV. वर्ष के दौरान कर्मचारियों के लिए ₹1,08,49,472/– की राशि (कुल मिलाकर ₹6,45,74,723/–, पिछले वर्ष ₹5,37,25,051/–) को संचयित छुट्टी नकदीकरण लाभ के लिए प्रावधान किया गया है। वर्ष के दौरान ₹62,53,147/– के छुट्टी नकदीकरण लाभ को प्रारंभिक प्रावधान के विरूद्ध समायोजित किया गया है।

V. वर्ष 2019–20 के लिए बोनस हेतु ₹4,46,717/– का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2020–2021 के दौरान दिल्ली और कोलकाता परिसर के लिए राशि ₹4,60,533/– का भुगतान किया गया है।

VI. प्रबंधन ने 31.3.2021 की स्थिति के अनुसार अचल परिसम्पत्ति से संबंधित शेषों का उल्लेख किया है, जो निम्न प्रकार है:

अचल परिसम्पत्तियों के सकल ब्लॉक की राशि ₹230.44 करोड़, संचयित मूल्यह्रास की राशि ₹40.97 करोड़, परिसम्पत्तियों के निवल ब्लॉक की राशि ₹189.83 करोड़ और कोलकाता परिसर के मूल्यह्रास सहित वित्त वर्ष 2020–21 के लिए मूल्यह्रास की राशि ₹4.69 करोड़ है।

बीओएम ने संस्थान के लिए वर्ष 2017–18 में एक नई अचल संपत्ति नीति को मंजूरी दी थी। तदनुसार, मूल्यह्रास संपत्ति के लिए प्रभारित किया गया है।

VII. वाणिज्य विभाग ने अनुदान सहायता (पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए) के तहत क्रिट केंद्र के सामजस्य हेतु नेफेड भवन के नवीनीकरण के लिए ₹11.47 करोड़ मंजूर किए थे और एनबीसीसी से अंतिम उपयोगिता प्रमाण–पत्र की प्रतीक्षा है।

VIII. वाणिज्य विभाग ने मैदानगढ़ी परिसर के निर्माण के लिए ₹302.64 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और एनबीसीसी लिमिटेड को यह कार्य दिया गया है। आईआईएफटी और एनबीसीसी लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के खंड 4.5 के अनुसार डीओसी से प्राप्त लागत का 10 एनबीसीसी को अग्रिम के रूप में प्रेषित किया गया है। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित) द्वारा परियोजना की गैर–मंजूरी के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सका, क्योंकि डीडीए द्वारा आवंटित भूमि भू–आकृतिक रिज के अंतर्गत आती है। सीईसी के सुझाव के अनुसार निकटवर्ती भूमि के आवंटन के लिए मामले को डीडीए के साथ उठाया गया है।

IX. वर्ष के दौरान स्वयं की परिसम्पत्तियों पर ₹0.86 करोड़ का मूल्यह्रास तुलन–पत्र की अनुसूची–4 में दिया गया है जिसमें सीआरआईटी की परिसम्पत्तियों पर प्रभारित किए गए ₹0.23 करोड़ का मूल्यह्रास शामिल है, जिसकी अनुसूची–15ख के तहत केन्द्र के व्यय में गणना की गई है और शेष ₹0.63 करोड़ की आय और व्यय विवरण में संस्थान के व्यय के रूप में गणना की गई है।

X. वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों के अंतर्गत कतिपय शेष हैं तथा वर्तमान देनदारियां, यदि कोई हों, पुष्टि और परवर्ती समाधान के अध्यधीन हैं। मुख्य शेष निम्नवत हैं:

(क) दिल्ली के लिए प्राप्ति योग्य कतिपय डेबिट शेष ₹32.46 करोड़ (मैदान गढ़ी परिसर के निर्माण के लिए एनबीसीसी को अग्रिम सहित) और कोलकाता के लिए ₹77,30,634/– (जिनमें से कुछ वर्ष 2010–11 से पिछले वर्षों से संबंधित हैं), दिल्ली के लिए स्टाफ को अग्रिम ₹85,30,665/– और कोलकाता के लिए ₹2,10,052/–

(ख) स्टाफ के कतिपय क्रेडिट शेष की राशि ₹3,59,993/– (पिछले वर्षों से संबंधित 2009–10 तक)।

XI. आयकर विभाग द्वारा सीपीएफ की मान्यता के संबंध में संगत दस्तावेज तत्काल उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, संस्थान के पैनल एडवोकेट की मदद से नए दस्तावेज तैयार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

XII. संस्थान की राय में, सभी ज्ञात देनदारियों के लिए, मूल्यह्रास सहित, प्रावधान किया गया है तथा पर्याप्त है।

XIII. तुलन–पत्र, प्राप्ति और अदायगी खाता तथा आय और व्यय खाता, भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के का.ज्ञा. सं. जी020008/2/2002–बीएंडए, दिनांक 21.2.2002 द्वारा निर्धारित लेखों के आम फार्मेट के अनुसार तैयार किए गए हैं।

XIV. वित्तीय परिणामों में वर्ष 2020–21 के संबंध में संस्थान के कोलकाता केंद्र की आय और व्यय निम्नवत सम्मिलित हैः

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2020–21	2019–20
1.	आय	39.43	32.72
2.	व्यय (मूल्यह्रास से पहले)	14.70	15.83
3.	मूल्यह्रास	3.82	0.43
4.	कुल व्यय	18.53	16.26
5.	अधिशेष	20.90	16.45

XV. पेंशन दायित्व को पूरा करने के लिए, एक दस साल का वार्षिक मूल्यांकन किया गया है जिसकी राशि ₹6,35,93,226/– है। 2009–10 के दौरान सृजित पेंशन कोष के अलावा। तदनुसार, इस निधि के लिए कॉर्पस फंड का निवेश निर्धारित किया गया है। वर्ष 2020–21 के दौरान ₹75,53,230/– का पेंशन भुगतान जारी किया गया है।

XVI. वित्त वर्ष 2018–19 से, लागू कानूनों के अनुसार ''कॉरपस निधि'' का नाम बदलकर ''सामान्य निधि'' कर दिया गया है।

XVII. ''कोलकाता परिसर पूंजीगत कार्य प्रगति पर'' समूहीकरण को वित्त वर्ष 2020–21 के लिए अचल परिसंपत्ति रजिस्टर में ''भवन'' शीर्ष के तहत बदल दिया गया है।

XVIII. पिछले वर्ष के आंकड़ों को, जहां कहीं आवश्यक था, पुनः समूहकृत अथवा पुनः व्यवस्थित किया गया है।

XIX. प्राप्ति और अदायगी खाता, आय और व्यय खाता तथा तुलन–पत्र में दिए गए आंकड़ों को निकटतम रुपए तक पूर्ण किया गया है।

XX. खण्ड I से XVII तक लेखों के अभिन्न भाग हैं और विधिवत प्रमाणीकृत किया गया है।

कृते **आरएसएम एंड असोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटैंट्स
फर्म रजि. सं. 02813S

हस्ता./–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

हस्ता./–
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव

भागीदार
सदस्यता सं. 202308

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 नवम्बर 2021

संस्थान का संकाय

(प्रकाशन की तारीख को)

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
कुलपति		
प्रोफेसर मनोज पंत	एम.ए. (अर्थशास्त्र), पीएच.डी. (साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय निवेश और वित्त, विकास अर्थशास्त्र
ईसीजीसी चेयर प्रोफेसर		
डॉ. विजय पी. ओझा	पीएच.डी. एम.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र	
विशिष्ट प्रोफेसर		
डॉ. सुगाता मारजीत	एम.ए. (अर्थशास्त्र), यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर पीएच.डी. (इको) यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र
डीन		
डॉ. राकेश मोहन जोशी	पीएच.डी. एम.बी.ए, ईएमआईटी (स्वर्ण पदक विजेता) आईआईएफटी	अंतरराष्ट्रीय विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति, अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता
विभाग / केन्द्र प्रमुख		
डॉ. (श्रीमती) सतिन्द्र भाटिया	पीएच.डी. (वित्तीय प्रबंधन) एम.कॉम एम.फिल. (संगठन व्यवहार) पीएमपी (प्रोजेक्ट मैनेजमैंट प्रोफेशनल	प्रबंधकीय लेखा, वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय बाजार, व्यापार वित्त
डॉ. के. रंगराजन	पीएच.डी. एम.कॉम., ए.एम.टी., ए.ए.एम.ए. (आस्ट्रेलिया)	रणनीतिक प्रबंधन और व्यापार की योजना बनाना, संगठनात्मक पुनर्गठन, क्लस्टर विकास और रणनीतियां, टीपीओज तथा राज्य उद्यमों और संबद्ध क्षेत्रों का प्रबंधन
डॉ. रवीन्द्र सारधी वदलामुदी	पीएच.डी. (आईआईएम–अहमदाबाद) एम. कॉम.	अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, लेखा प्रबंधन, स्प्रेडशीट मॉडलिंग, सुरक्षा विश्लेषण व पोर्टफोलियो प्रबंधन।
डॉ. शीबा कपिल	पीएच.डी., एम.बी.ए. (वित्त) यूजीसी–नेट	वित्तीय प्रबंधन, विलय एवं अधिग्रहण, व्यापार मूल्यांकन, निवेश विश्लेषण एवं मूल्यांकन

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. नितिन सेठ	पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) पोस्ट डॉक्टरल (जर्मनी) एम.टेक. (उत्पादन आईआईटी दिल्ली) एम.ई. (औद्योगिक यांत्रिकी व प्रबंधन) बी.ई. (यांत्रिकी)	संचालन प्रबंधन, सेवा संचालन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन।
डॉ. संजय रस्तोगी	पीएच.डी. पोस्ट डॉक्टरल (जर्मनी) एम.एस.सी. (सांख्यिकी)	व्यवसाय सांख्यिकी, क्वांटिटेटिव टेकनिक्स, बिजनेस अनुसंधान, विपणन अनुसंधान, अर्थमितीय मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान।
डॉ. रोहित मेहतानी	पीएच.डी. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (एटीडब्ल्यूएस) एम.बी.ए. इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट (एनपीसी) एम.एस. (बिट्स पिलानी) एम.बी.ए. औद्योगिक प्रबंधन (डीकिन विश्वविद्यालय/ऑस्ट्रेलिया) पीजीपी अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय (आईआईएम कोलकाता), पीजीपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आईआईएफटी दिल्ली), एम.ए. लोक प्रशासन और एम.ए. ग्लोबल पॉलिटिकल इकोनॉमी (हॅल यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड/ब्रिटिश चेवनिंग स्कॉलर) बी.एससी.	अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था और आर्थिक कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति और कॉर्पोरेट कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन
डॉ. बिश्वजीत नाग	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	औद्योगिक अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थमिति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त।
डॉ. ओ.पी. वल्ली	पीएच.डी. (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय) ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर (आईआरएमए), प्रमाणित सॉफ्टवेयर क्वॉलिटी प्रोफेशनल, चीनी भाषा में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम, सीएसईबी (यूके) से आईटीआईएल फाउंडेशन में प्रमाणित, एमजीजी(जर्मनी)	विपणन, सूचना प्रणाली व परियोजना प्रबंधन, अनुसंधान विधियां, निर्णय मॉडलिंग।
डॉ. पूजा लखनपाल	पीएच.डी. (संगठनात्मक व्यवहार) (आईआईटी, मुम्बई) पोस्ट डॉक्टरल (जर्मनी) एम.ए. (मनोविज्ञान),	प्रबंधकों के लिए मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, विविधता सांस्कृतिक प्रबंधन, कॉर्पोरेट जगत का सामाजिक दायित्व।
डॉ. नीति नंदिनी चटनानी	पीएच.डी. एम.बी.ए. बी.एस.सी.	वित्तः वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन, कॉमोडिटी व्यापार एवं मूल्य जोखिम प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला वित्त

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. जैकलीन सिम्स	पीएच.डी. एम.कॉम. यूजीसी–जेआरएफ	वित्तीय एवं प्रबंधकीय लेखांकन, निवेश बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं का प्रबंधन।
डॉ. आशीष पान्डे	पीएच.डी. (वित्त), एमबीए (आईएमआई) बेल्जियम, प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्णकालिक) एम.कॉम.	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, कॉरपोरेट वित्त, मूल्यांकन।
डॉ. राधिका प्रसाद दत्ता	पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय अर्लिंग्टन) एम.एस. (कोलोराडो राज्य विश्वविद्यालय) एम.एस.सी. (आई.आई.टी.) बी. स्टेट्स. (आईएसआई)	प्रबंधन सूचना प्रणाली, डेटा माइनिंग (डेटा की गोपनीयता सहित संरक्षण), फ्रैक्टल्स और जटिल सिस्टम में स्केलिंग।
डॉ. रनजॉय भट्टाचार्य	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एम.एस.सी. (अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, आर्थिक वातावरण
डॉ. गौतम कुमार दत्ता	पीएच.डी.(आईआईटी) एम.बी.ए. जीसीपीसीएल (हार्वर्ड) बी.ई. (यांत्रिकी),	विपणन एवं उद्यमिता
डॉ. सैकत बैनर्जी	पीएच.डी., ''वैश्विक बिजनेस प्रबंधन कार्यक्रम'' (थंडरबर्ड स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट, अरिजोना यूएस) एमबीए (गोल्ड मेडलिस्ट) पी.जी.डी.पी.आर. पी.जी.डी.एम. एवं एस.एम.	ब्रांड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार, विपणन संचार
डॉ. दीपांकर सिन्हा	पीएच.डी. (औद्योगिक एवं प्रणाली इंजीनियरिंग) आईआईटी, खड़गपुर एमबीए (वित्त), इग्नू एमएससी (फिजिक्स–इलेक्ट्रानिक्स) एनआईटी, राउरकेला कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा, एसीएल परिचालन अनुसंधान में डिप्लोमा (ओआरएसआई)	अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और परिचालन प्रबंधन, एमआईएस, बीपीआर और बंदरगाहों तथा जहाजरानी में लीन इम्पलीमेंटेशन, अंतरराष्ट्रीय अनुबंध प्रबंधन, सड़क लॉजिस्टिक्स विनियामक मामले, रेलवे लॉजिस्टिक्स

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रोफेसर		
डॉ. (श्रीमती) डी. सुनीथा राजू	पीएच.डी. एम.ए.	कृषि व्यापार मुद्दे, आर्थिक वातावरण एवं नीतियां, उद्योग क्षेत्र विश्लेषण, क्षेत्रीय व्यापार समझौते।
डॉ. प्रबीर कुमार दास	पीएच.डी. एम.एस.सी (कृषि सांख्यिकी)	व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान विधि, उन्नत अनुसंधान विधि व परियोजना, विपणन अनुसंधान, परिचालन अनुसंधान, उन्नत विश्लेषिकी, वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं रणनीति पर उन्नत पाठ्यक्रम, व्यावहारिक विपणन अनुसंधान, व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत पूर्वानुमान तकनीकें, बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण एवं पूर्वानुमान तकनीकें, सांख्यिकी तथा अनुसंधान पद्धति, बिग डेटा विश्लेषिकी।
डॉ. राम सिंह	पीएच.डी. एमबीए यूजीसी–नेट एमजीजी (जर्मनी) एससीएम और लॉजिस्टिक्स में मास्टर प्रमाणपत्र (एमएसयू–यूएसए)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिचालन एवं लॉजिस्टिक्स
डॉ. एम. वेंकटेशन	पीएच.डी. (सामाजिक मनोविज्ञान) एम.फिल. (सामाजिक मनोविज्ञान) एम.ए. (मनोविज्ञान),	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहार विज्ञान, मनोविज्ञान परीक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन, योग्यता मापदंड, मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति, चेंज मैनेजमेंट, वैश्विक नेतृत्व, उद्यमिता, कर्मचारी परामर्श, कर्मचारी संलिप्तता।
डॉ. सास्वती त्रिपाठी	पीएच.डी.(गणित) नेट पास सीएसआईआर फेलो प्रमाणित स्कोर–पी प्रोफेशनल – एपीआईसीएस, यूएसए द्वारा प्रदान किया गया (आपूर्ति श्रृंखला पेशेवरों के लिए एपीआईसीएस से अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन) एम.फिल. (ऐप.मैथ्स) एम.एससी. (ऐप.मैथ्स)	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, संचालन अनुसंधान, व्यावसायिक आंकड़े, व्यापार अनुसंधान पद्धति (बीआरएम), ग्राफ सिद्धांत, संख्यात्मक पद्धति, रेखीय और गैर–रेखीय विभेदक समीकरण।
डॉ. आर.पी. शर्मा	पीएच.डी. एम.बी.ए. एम.ए. (भूगोल)	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, विक्रय प्रबंधन।
डॉ. जयंत कुमार सील	पीएच.डी. सी.एम.ए. एम.फिल.	कॉर्पोरेट वित्त, व्युत्पन्न व जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्त सुरक्षा विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय एवं प्रबंधन लेखांकन।
डॉ. रवि शंकर (पुनः नियोजन)	पीएच.डी. एम.बी.ए. एम.एस.सी.	सेवाओं का विपणन, विपणन प्रबंधन एवं रणनीति, वितरण प्रबंधन, प्रबंधकीय संप्रेषण।
डॉ. (श्रीमती) विजया कट्टी (पुनः नियोजन)	पीएच.डी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान	भारत का सार्क के साथ व्यापार, भारत–नेपाल आर्थिक संबंध, डब्ल्यूटीओ, आरटीएज व संबंधित मुद्दे, वैश्विक व्यापार वातावरण, विश्व अर्थव्यवस्था में भारत व्यापार नीति संबंधित मुद्दे।

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
एसोसिएट प्रोफेसर		
डॉ. बसंता के. साहू	पीएच.डी. अर्थशास्त्र एम.फिल., अर्थशास्त्र एम.ए., अर्थशास्त्र बी.ए. (प्रवीण), अर्थशास्त्र	विकास अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और एएमपीय लोक नीति, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, कृषि और एएमपी, घरेलू अर्थशास्त्र, माइक्रोफाइनांस
डॉ. बिबेक रॉय चौधरी	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) नेट–जेआरएफ	माइक्रोइकॉनॉमिक्स, उत्पादकता विश्लेषण, अनुप्रयुक्त अर्थमिति, सर्वेक्षण (निर्यात संभावना प्रतिस्पर्धात्मकता, आदि), सेवा व्यापार, सूक्ष्म वित्त।
डॉ. देबाशीष चक्रबर्ती	पीएच.डी. एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विश्व व्यापार संगठन एवं भारतीय कृषि, पर्यावरण निरंतरता।
डॉ. श्वेता श्रीवास्तव मल्ला	पीएच.डी. एम.ए.	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहार विज्ञान, व्यापार नैतिकता, संगठनात्मक न्याय, सकारात्मक मनोविज्ञान, सीएसआर, कॉर्पोरेट प्रशासन, स्थायी व्यवसाय।
डॉ. असीम राज सिंगला	पीएच.डी. एम.सी.ए.	सूचना प्रणाली, आंकडा प्रबंधन प्रणाली, ई–कामर्स, ईआरपी प्रणाली, प्रणाली विश्लेषण व डिजायन, एमएस एक्सेल के प्रयोग के साथ डाटा मॉडलिंग, व्यवसाय इंटेलिजेंस।
डॉ. जयदीप मुखर्जी	पीएच.डी. एम.ए. (अर्थशास्त्र, गोल्ड मेडलिस्ट) बी.ए. (अर्थशास्त्र, गोल्ड मेडलिस्ट)	मैक्रोइकोनॉमिक सिद्धांत और नीति, समय–श्रृंखला अर्थमिति पर विशेष ध्यान देने वाले अर्थमितीय अनुप्रयोग, खेल सिद्धांत और उसके अनुप्रयोग, अंतरराष्ट्रीय वित्त।
डॉ. हिमानी गुप्ता	पीएच.डी. (आईआईटी रूड़की) एम.फिल. (सांख्यिकी) एम.एस.सी. (सांख्यिकी) एफडीपी (आईआईएम–ए)	सांख्यिकी, आकलन सिद्धांत, ऑपरेशन अनुसंधान, व्यापार अनुसंधान विधि, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण स्थिरता के मुद्दे।
डॉ. त्रिपेन्दु प्रकाश घोष	पीएच.डी. एम.फिल. एम.ए. (अर्थशास्त्र),	वित्तीय प्रबंधन, ढांचा–गत वित्त, वित्त में एक्सेल स्प्रेडशीट माडलिंग, परिवार फर्मों की परफारमेंस एवं कॉर्पोरेट गवर्नेंस, वित्तीय बाजार एवं संस्थाएं, निश्चित आय सुरक्षा, सुरक्षा विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन।
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
डॉ. अरीज़ आफताब सिद्दीकी	पीएच.डी. एमआईबी नेट / जेआरएफ – यूजीसी–नेट स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग में सर्टिफिकेट	व्यापार संचालन और वैश्विक स्त्रोत।
डॉ. अंकित केशरवानी	पीएच.डी. एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी–नेट	डिजिटल विपणन, ग्राहक संबंध प्रबंधन, विपणन अनुसंधान, विपणन प्रबंधन।

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. प्रीती टाक	पीएच.डी. एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी–नेट	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, बिक्री और वितरण प्रबंधन।
डॉ. आशीष गुप्ता	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी–नेट	विपणन प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार, विज्ञापन और ब्रांड प्रबंधन, डिजिटल तथा सोशल मीडिया विपणन
डॉ. गिन्नी चावला	पीएच.डी. एम.बी.ए. (मानव संसाधन प्रबंधन) यूजीसी–नेट और जेआरएफ	मानव संसाधन प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. कविता वाधवा	पीएच.डी. (वित्त) पीएच.डी. (लेखांकन) विजिटिंग स्कॉलर कार्यक्रम (वीएसपी) व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क एम. फिल (वित्त एवं लेखांकन) एम.कॉम (वित्त एवं लेखांकन)	वित्तीय लेखांकन, प्रबंधन लेखांकन, वित्तीय विवरण विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन , पोर्टफोलियो प्रबंधन और म्यूचुअल फंड, एमएस–एक्सेल का उपयोग करके वित्तीय मॉडलिंग
डॉ. दिव्या टुटेजा	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) यूजीसी–नेट एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए. (प्रवीण) अर्थशास्त्र	सूक्ष्म अर्थशास्त्र, वित्तीय बाजार, मौद्रिक सिद्धांत, अर्थमितीय और पूर्वानुमान, विकास अर्थशास्त्र
डॉ. अरूणिमा राणा	पीएच.डी. (बिट्स पिलानी) एम.बी.ए. (विपणन) यूजीसी–नेट	विपणन प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, मॉडलिंग उपभोक्ता व्यवहार, डिजिटल विपणन
डॉ. प्रतीक माहेश्वरी	पीएच.डी. एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी–नेट मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातक संकाय विकास में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीपीएफडी), एस्टन विश्वविद्यालय, बर्मिंघम, यूके	अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, विज्ञापन और संवर्धन प्रबंधन, ग्रामीण विपणन, प्रबंधन के मौलिक सिद्धांत।
डॉ. पापिया घोष	पीएच.डी. नेट एम.ए. (अर्थशास्त्र)	नेटवर्क्स का अर्थशास्त्र, कानून और अर्थशास्त्र, सामाजिक पसंद सिद्धांत, अनुप्रयुक्त सूक्ष्मअर्थशास्त्र
डॉ. आर्य के. सृष्टिधर चंद	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.एससी. (भौतिक विज्ञान)	आर्थिक सिद्धांत, वित्तीय अर्थशास्त्र औद्योगिक संगठन, अर्थमिति और मैक्रोइकॉनॉमिक्स
डॉ. प्रियंका जायसवाल	पीएच.डी. एमबीए (मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार) बी.एससी.	मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. तुहिना मुखर्जी	पीएच.डी. नेट (यूजीसी) मनोविज्ञान एम. ए. (मनोविज्ञान),	संगठनात्मक व्यवहार/मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. भरत कुमार चिल्लाकुरी	पीएच.डी. नेट (यूजीसी) एमबीए (मानव संसाधन एवं विपणन)	स्थिरता, स्थिरता रिपोर्टिंग, सीएसआर, उद्यमिता, मानव पूंजी, मानव संसाधन परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यापार विश्लेषण, व्यापार और व्यवसाय में कानूनी मुद्दे।
डॉ. संगीथा मोंडल	पीएच.डी. एम. फिल (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए., (अर्थशास्त्र)	गणितीय अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, अर्थमिति
डॉ. औन्ड्रिला डे	पीएच.डी. एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.एससी., (अर्थशास्त्र) नेट (यूजीसी)	एप्लाइड माइक्रोइकॉनॉमिक सिद्धांत, गेम सिद्धांत, औद्योगिक संगठन, श्रम अर्थशास्त्र, प्रयोगात्मक अर्थशास्त्र, परिवहन अर्थशास्त्र
डॉ. नमन शर्मा	पीएच.डी. (प्रबंधन) एम.बी.ए. यूजीसी–नेट	सामान्य प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. ऑचल अरोड़ा	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) नेट (यूजीसी) एम. फिल (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए., (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
सुश्री नेहा जैन (अनुबंध पर)	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) (प्रस्तुत),एम.फिल (अर्थशास्त्र), एमए (अर्थशास्त्र)	अर्थमिति, विकास अध्ययन।
डॉ. अनिर्बान बिस्वास	पीएच.डी. नेट (यूजीसी) एम. फिल (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए., (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
डॉ. अजाज तौफिक	पीएच.डी. नेट (यूजीसी) एम. फिल (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए., (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
सुश्री सुगंधा हुरिया (अनुबंध पर)	एम.फिल. (अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।
डॉ. पारूल सिंह	पीएच.डी. एम.बी.ए. (मानव संसाधन, विपणन) नेट एवं जेआरएफ (यूजीसी) बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान)	सूचना प्रौद्योगिकी औरं विपणन।

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. जे.के. वर्मा	पीएच.डी., एम.टेक, बी.टेक,	सूचना प्रणाली / क्लाउड कंप्यूटिंग
डॉ. अंजू गोस्वामी	पीएच.डी. (वित्तीय अर्थशास्त्र), यूजीसी नेट – (प्रबंधन), एमबीए (वित्त) बीबीए	शिक्षणः बुनियादी और उन्नत अर्थमिति, अनुसंधान पद्धति, दक्षता और उत्पादकता विश्लेषण।
डॉ. सोनू वर्मा	पीएच.डी. एम.बी.ए. (विपणन, गोल्ड मेडलिस्ट) नेट (यूजीसी) मैनेजमेंट में बी.ई. (इलैक्ट्रानिक्स)	व्यावसायिक आंकड़े, व्यापार अनुसंधान पद्धति, विपणन अनुसंधान, संचालन प्रबंधन, अनुसंधान पद्धति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र		
प्रोफेसर एवं प्रमुख		
श्री अभिजीत दास	एम.एस.सी. (फिजिक्स)	एंटी–डम्पिंग, अनुदान, सुरक्षात्मक उपाय, विश्व व्यापार संगठन के विवाद, कृषि, नामा।
प्रोफेसर		
श्री मुकेश भटनागर	एम.बी.ए. बी.कॉम. (प्रवीण)	एंटी. डम्पिंग, अनुदान, सुरक्षात्मक उपाय, विश्व व्यापार संगठन के विवाद, बहुपक्षीय समझौते।
डॉ. मुरली कल्लुमल	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.फिल. (औद्योगिक अर्थशास्त्र) एम.ए. (औद्योगिक अर्थशास्त्र)	व्यापार एवं वातावरण, निवेश व व्यापार, गैर–कृषि बाजार पहुंच (नामा) मुद्दे, एसपीएस एवं टीबीटी उपाय (गैर प्रशुल्क उपाय), अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मानक की भूमिका, एसपीएस, टीबीटी पर वेब पोर्टल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए)।
सुश्री चांदनी रैना	एम.ए. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (लोक नीति और सतत् विकास)	बौद्धिक संपदा अधिकार।
एसोसिएट प्रोफेसर		
डॉ. प्रलोक गुप्ता	पीएच.डी. एम.बी.ई. यूजीसी – नेट	व्यापार सेवाओं का अर्थशास्त्र, डब्ल्यूटीओ एवं संबंधित मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, व्यापार एवं निवेश संपर्क, ई–कॉमर्स।
सुश्री शैलजा सिंह	एलएल.एम. एलएल.बी.(प्रवीण), बी.ए.	डब्ल्यूटीओ विवाद, डब्ल्यूटीओ से संबंधित अन्य कानूनी पहलू, निवेश और ई–कॉमर्स।
डॉ. सचिन कुमार शर्मा	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	व्यापार एवं विकास, कृषि एवं डब्ल्यूटीओ।

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अनुसंधान केंद्र		
प्रोफेसर एवं प्रमुख		
डॉ. राम उपेन्द्र दास	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं विकास।
डॉ. स्वाति सिंह	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए. (अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय एकीकरण, उपचार, अंतर–उद्योग व्यापार और गैर–प्रशुल्क उपाय।
व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र		
प्रोफेसर एवं प्रमुख		
डॉ. जेम्स जे. नेदुम्पारा	पीएच.डी. (एनएलएस, बैंगलोर) एलएल.एम. (कैम्ब्रिज), एलएल.एम. (एनवाईयू), एलएल.एम. (एनयूएस), एलएल.बी. (एमजीयू),	सार्वजनिक अंतरराष्ट्रीय कानून, निवेश कानून, व्यापार उपाय, एसपीएस/टीबीटी, डब्ल्यूटीओ विवाद।
सुश्री प्रदीप शाइनी	एलएल.एम. बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स)	अंतरराष्ट्रीय कानून और पर्यावरण कानून एवं व्यापार इंटरफेस
श्री सात्विक शेखर	एलएल.एम. एलएल.बी.	डब्ल्यूटीओ कानून, व्यापार नियमन व अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून

प्रशासन सेवाएं

(प्रकाशन की तारीख को)

पदनाम	नाम	संपर्क नं.
कुलसचिव	डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता	011–39147210 / 26531565
उप–कुलसचिव	गौरव गुलाटी (स्थानापन)	011–39147306 / 39147216
	भुवन चन्द्र (स्थानापन)	011–39147385
उप–वित्त अधिकारी	पीताम्बर बेहेरा	011–39147317
सहायक वित्त अधिकारी	दीपा पी.जी.	011–39147247
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	पी. शक्तिवेल (अनुबंध पर)	011–39147318
सहायक कुलसचिव	मीनाक्षी सक्सेना (स्थानापन)	011–39147319 / 26857908
	नलिनी मेशराम	011–39147249
अनुभाग अधिकारी	अनिल कुमार मीना	011–39147213
	द्वैपायन आश	033–24195700
	गौरव गुप्ता	011–39147221
	जितेंद्र सक्सेना	011–39147225
	करूण दुग्गल	011–39147322
	कविता शर्मा	011–39147321
	ललिता गुप्ता	011–39147226
	मोहिनी मदान	011–39147223
	राकेश कुमार ओझा	011–39147315
	सुमिता मारवाह	011–39147221
हिंदी अधिकारी	राजेन्द्र प्रसाद	011–39147248
लेखा अधिकारी	शाहिद अनवर	033–24195700

सहायक सेवाएं

(प्रकाशन की तारीख को)

पदनाम	नाम	संपर्क नं.
प्रमुख कॉर्पोरेट संबंध एवं नियोजन	प्रो. रोहित मेहतानी	011–39147308
प्रणाली प्रबंधक	बिमल कुमार पंडा	011–39147222
सहायक प्रणाली प्रबंधक	एस. बालासुब्रमणियन	011–39147222
कंप्यूटर प्रोग्रामर	नेहा विनायक	011–39147222
सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा	अमिता आनंद	011–39147383
	निर्मला	011–39147383

अतिथि संकाय

नाम	पदनाम	संगठन
अनिरबन दास	पेशेवर	–
अमरदीप सिंह	वित्त प्रमुख	लेक्स बोलस्टर ग्लोबल एलएलपी
आशीष जैन	सीए	पिटनी बोवेस सॉफ्टवेयर (आई) प्रा. लि.
हर्ष वर्धन	सेवानिवृत्त	–
जे. महाधुद	असोसिएट प्रोफेसर	आईआईटी खड़गपुर
कृष्ण मोहन	वरिष्ठ शोधकर्ता	कंटर आईएमआरबी
मृदुला मिश्रा	निदेशक	एसपायरल एज प्रा. लि.
एम.पी. सिंह	निदेशक	एसएमआई, दुबई
मधुमिता कोठारी	एडवोकेट	सुप्रीम कोर्ट
राहुल अग्निहोत्री	डायरेक्टर कंसल्टिंग	–
राजिन्द्र कौर	विधि प्रोफेसर	पंजाब विश्वविद्यालय
राजीव श्रीवास्तव	प्रोफेसर	आईएमआई
सरबजीत सिंह बुटालिया	प्रशिक्षण सलाहकार	वीएसएचआईपीएस(यूके)
जॉन्स मैथ्यू	प्रोफेसर	ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गुरुग्राम
संगीत साम्बली	एसोसिएट प्रोफेसर	आईआईएलएम
अंबिका प्रोसाद दास	अधिष्ठाता (डीन)	एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस
शीलादित्या दासगुप्ता	सेवानिवृत्त	एसिस्टेंट प्रोफेसर एपीआईएम, नई दिल्ली
गगन शर्मा	प्रबंधक	डिलॉयट
तथागत घोष	एसोसिएट प्रोफेसर	टी.ए. पाई मैनेमेंट इंस्टीट्यूट, मनीपाल
रोहित कुमार	एसिस्टेंट प्रोफेसर	आईआईएम रांची
एस.के. गर्ग	प्रोफेसर	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
दिनेश लिखि	वरिष्ठ प्रबंधक – कर्मचारी संबंध, एचआरडी	–

स्थायी सदस्य (31 मार्च 2021)

1. ए. सरकार एंड कं. (ज्वैलर्स) प्रा. लि., कोलकाता
2. कृषि व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली
3. अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, नई दिल्ली
4. इलाहाबाद बैंक, कोलकाता
5. अलाना कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि., मुंबई
6. अमरावती टेक्सटाइल्स, करूर
7. अमृतांजन लि., चेन्नै
8. एंग्लो फ्रेंच ड्रग कंपनी ईस्टर्न लि., बेंगलुरू
9. अरविंद डिस्टिलरी एंड कैमिकल्स लि., चेन्नै
10. आंध्रा बैंक, हैदराबाद
11. एमिल लि., नई दिल्ली
12. अल्लेप्पी कंपनी लि., अल्लेप्पी
13. अकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, देहरादून
14. अमिरा फूडस (इंडिया) लि., नई दिल्ली
15. एविस इंटरनेशनल लि., नई दिल्ली
16. अलंकार ग्लोबल प्रा. लि., नई दिल्ली
17. एपरेल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, नई दिल्ली
18. अदानी एक्सपोर्ट्स लि., अहमदाबाद
19. अशोक लेलैंड लि., चेन्नै
20. बी.टी.एक्स. केमिकल्स प्रा. लि., मुंबई
21. बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई
22. बैंक ऑफ मदुरा लि., चेन्नै
23. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., बेंगलुरू
24. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि., नई दिल्ली
25. भारत हैवी प्लेट एंड वेसल्स लि., विशाखापटनम
26. भारत मोटर्स, चेन्नै
27. ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज़ लि., बेंगलुरू
28. ब्रुक बांड इंडिया लि., बेंगलुरू
29. बालाजी डिस्टिलरीज़ लि., चेन्नै
30. बर्ड एंड कं. प्रा. लि., कोलकाता
31. बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली
32. बाम्बे डाइंग एंड मैन्यु. कं. लि., मुंबई
33. भारत एल्युमिनियम कं. लि., नई दिल्ली
34. कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, मुंबई
35. भारतीय काजू निर्यात संवर्धन परिषद, कोचीन
36. सिएट टायर्स ऑफ इंडिया लि., मुंबई
37. चेज ब्राइट स्टील कं. लि., मुंबई
38. चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट इन इंडिया, नई दिल्ली
39. चिल्लीज एक्सपोर्ट्स हाउस लि., विरूधुनगर
40. सिमको इंटरनेशनल, नई दिल्ली
41. सीएमसी लि., नई दिल्ली
42. सीएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, हैदराबाद
43. केपेक्सिल, कोलकाता
44. कॉफी बोर्ड, बेंगलुरू
45. कॉयर बोर्ड, कोच्चि
46. कामर्स एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन विंग, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद
47. चमड़ा निर्यात परिषद, चेन्नै
48. केम्फर एंड एलाइड प्रोडक्ट्स लि., नई दिल्ली
49. कारपेट एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल, नई दिल्ली
50. क्रिसेंट इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नै
51. उद्योग निदेशालय हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला
52. उद्योग निदेशालय मध्यप्रदेश सरकार, भोपाल
53. उद्योग निदेशालय महाराष्ट्र सरकार, मुंबई
54. डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेट्रीज लि., हैदराबाद
55. निर्यात संवर्धन एवं विपणन निदेशालय, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
56. उद्योग व वाणिज्य निदेशालय, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरू
57. धनलक्ष्मी विविंग वर्क्स, केनानूर, केरल
58. डी.सी.एम. लिमिटेड नई दिल्ली
59. दून एंड ब्रॉडस्ट्रीट इन्फोर्मेशन सर्विसेज इंडिया लि., मुंबई
60. ईस्टर्न सिल्क इंडस्ट्रीज़ लि., कोलकाता
61. ईसीजीसी ऑफ इंडिया लि., मुंबई
62. इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., हैदराबाद
63. इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार व तकनीकी विकास निगम लि., नई दिल्ली
64. इंजीनियर्स इंडिया लि., नई दिल्ली
65. एक्सेल इंडस्ट्रीज़ लि., मुंबई
66. भारतीय निर्यात–आयात बैंक, नई दिल्ली
67. इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, नई दिल्ली
68. एस.जी. इंटरनेशनल, नई दिल्ली
69. ईगल फलास्क इंडस्ट्रीज़ प्रा. लि., मुंबई
70. एसकोर्ट्स लि., फरीदाबाद
71. फेडरेल बैंक लि., अलवाय
72. फर्न्स एक्सपोर्ट, मुंबई
73. भारतीय खाद्य निगम, नई दिल्ली
74. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली

75. फर्टिलाइज़र्स एंड केमिकल्स (ट्रावनकोर) लि., कोचीन
76. फिकाम आर्गेनिक्स लि., मुंबई
77. फोम मैटिंग्स इंडिया लि., अल्लेप्पी
78. जी.एस.टी. कारपोरेशन, नई दिल्ली
79. जीप इंडस्ट्रियल सिंडीकेट लि., नई दिल्ली
80. ग्रीव्स कॉटन एंड कं. लि., मुंबई
81. ग्राइंडवेल नोर्टन लि., मुंबई
82. ग्राउंडनट एक्सट्रेक्शन एक्सपोर्ट डेवलपमेंट एसो., मुंबई
83. गुजरात अलकलिज एंड केमिकल्स लि., बड़ौदा
84. गुरू नानक मर्केन्टाइल कं., जालंधर
85. गुजरात इंटरनेशनल ट्रेड प्रमोशन काउंसिल, गांधी नगर
86. जी.के. एक्जिम (इंडिया) लि., मुंबई
87. गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (गीतम), विशाखापटनम
88. जी. प्रेमजी लि., बैंकाक
89. गीतांजली एक्पोर्ट्स कॉरपोरेशन लि., मुम्बई
90. जैम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, मुंबई
91. गीतांजली जेम्स लि., मुंबई
92. हरियाणा राज्य लघु उद्योग व निर्यात निगम लि., चंडीगढ़
93. एच.एम.टी. (इंटरनेशनल) लि., बेंगलुरू
94. हीरो साईकिल्स प्रा. लि., लुधियाना
95. हिमाचल प्रदेश राज्य लघु उद्योग व निर्यात निगम लि., शिमला
96. हिल टिल्लर एंड कं., बेंगलुरू
97. हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लि., रांची
98. हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि. मुंबई
99. हिन्दुस्तान लीवर लि., मुंबई
100. हिन्दुस्तान जिंक लि., उदयपुर
101. हैदराबाद लैम्प्स लि., सिकन्दराबाद
102. इरकोन इंटरनेशनल लि., नई दिल्ली
103. इंडियन रिन्युवेबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लि., नई दिल्ली
104. आई.टी.सी. लि., कोलकाता
105. भारत व्यापार संवर्धन संगठन, नई दिल्ली
106. इंडिया–सीआईएस चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली
107. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट मैनेजमेंट, मुंबई
108. इंडियन बैंक, चेन्नै
109. इंडियन कॉटन मिल्स फेडरेशन, नई दिल्ली
110. इंडियन ओवरसीज़ बैंक, चेन्नै
111. इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कं. लि., नई दिल्ली
112. इंडियन रेयर अर्थ्स लि., मुंबई
113. इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई
114. इंडिया शूगर एंड जनरल इंडस्ट्री एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट कॉरपोरेशन लि., नई दिल्ली
115. भारतीय निर्यात प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरू
116. इम्केमेक्स इंडिया लि., मुंबई
117. जिंदल स्ट्रिप्स लि., नई दिल्ली
118. जम्मू एंड कश्मीर बैंक लि., श्रीनगर
119. जूट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., कोलकाता
120. किर्लोस्कर ऑयल इंजिन्स लि., पुणे
121. केरल राज्य निर्यात व्यापार विकास परिषद, त्रिवेन्द्रम
122. किसान प्रोडक्ट्स लि., बेंगलुरू
123. किर्लोस्कर न्युमेटिक कं. लि., पुणे
124. केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम, त्रिवेन्द्रम
125. केरल राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लि., कोच्चि
126. कर्नाटक राज्य औद्योगिक निवेश व विकास निगम लि., बेंगलुरू
127. खुशीराम बिहारी लाल लि., दिल्ली
128. कुदरेमुख आइरन ओर कं. लि., मुंबई
129. लक्ष्मी मशीन वर्क्स लि., कोयम्बटूर
130. लोटस इंटरनेशनल, मुंबई
131. एल.जी. बालाकृष्णन एंड ब्रदर्स लि. कोयम्बटूर
132. लिबर्टी फुटवियर कं., करनाल
133. मारूति उद्योग लि., नई दिल्ली
134. महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लि., मुंबई
135. मजगांव डॉक लि., मुंबई
136. मेगनम इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लि., नई दिल्ली
137. मैसूर कॉफी क्योरिंग वर्क्स लि., चिकमगलूर
138. मेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथारिटी, कोच्चि
139. एमएसटीसी लि., कोलकाता
140. मेटल बॉक्स कंपनी ऑफ इंडिया लि., चेन्नै
141. महाराष्ट्र स्टेट टेक्सटाइल कॉरपोरेशन लि., मुंबई
142. मेकॉन लि., नई दिल्ली
143. माइका मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्रा. लि., कोलकाता
144. एमएमटीसी लि., नई दिल्ली
145. एमएसएसआईडीसी लि., मुंबई
146. मोहन एक्सपोर्ट्स (इंडिया) लि., नई दिल्ली
147. महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पुणे
148. मैक्सवेल एक्ज़िम लि., पांडिचेरी
149. एमवीआर इंडस्ट्रीज़ लि., चेन्नै

150. मेट्रोकेम इंडस्ट्रीज़ लि., अहमदाबाद
151. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
152. नागार्जुन साइनोड्स लि., हैदराबाद
153. नरूला उद्योग (इंडिया) प्रा. लि., नई दिल्ली
154. राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद
155. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि., हैदराबाद
156. राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लि., नई दिल्ली
157. नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन लि., मुंबई
158. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि., नई दिल्ली
159. नेशनल एग्रीक्लचरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि., नई दिल्ली
160. न्यू सेन्ट्रल जूट मिल्स कं. लि., कोलकाता
161. नव भारत कॉरपोरेशन, मुंबई
162. राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक, मुंबई
163. आर्डिनेन्स फैक्ट्री बोर्ड, कोलकाता
164. ओवरसीज कन्स्ट्रक्शन काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
165. पॉन फूड्स लि., पानीपत
166. पावरलूम डेवलपमेंट एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, मुंबई
167. पाम फार्मास्युटिकल्स (दिल्ली) लि., दिल्ली
168. पीएसजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोयम्बटूर
169. पीसीआई लि., नई दिल्ली
170. पॉल्योलेफिन्स इंडस्ट्रीज लि., मुंबई
171. पारिख ब्रदर्स, मुंबई
172. पंजाब एंड सिंध बैंक, नई दिल्ली
173. प्रोजैक्ट्स एंड इक्यूपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि., नई दिल्ली
174. पंजाब नेशनल बैंक, नई दिल्ली
175. रानी एजेंसी, सलेम
176. रबड़ बोर्ड, कोट्टायम
177. राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., विशाखापटनम
178. रेकिट एंड कोलमैन ऑफ इंडिया लि., कोलकाता
179. राजस्थान लघु उद्योग निगम लि., जयपुर
180. सु–राज डायमण्ड्स (इंडिया) लि., मुंबई
181. सतनाम ओवरसीज लि., मुंबई
182. शाह न्युमेटिक्स, मुंबई
183. सांगली बैंक लि., सांगली
184. श्रीजी केमिकल्स, अहमदाबाद
185. शापूरजी पल्लोनजी एंड कं. प्रा. लि., मुंबई
186. एसटीसी ऑफ इंडिया लि., नई दिल्ली
187. श्रीराम जूट मिल्स लि., कोलकाता
188. स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लि., कोलकाता
189. सेल इंटरनेशनल लि., नई दिल्ली
190. सांघवी एक्सपोर्ट्स, मुंबई
191. सिंथेटिक एंड रेयान वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, मुंबई
192. मसाला बोर्ड, कोच्चि
193. स्पोर्ट्स गुड्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, नई दिल्ली
194. सेठ घासीराम गोपीकृष्ण बेडरूका एजुकेशनल सोसायटी (रजि.), हैदराबाद
195. टी. अब्दुल वाहिद एंड कं., चेन्नै
196. टाटा एक्सपोर्ट्स लि., मुंबई
197. टाटा इंडस्ट्रीज़ प्रा. लि., मुंबई
198. टेक्नोफेब इंजीनियरिंग लि., नई दिल्ली
199. टेक्समाको लि., कोलकाता
200. टी बोर्ड, कोलकाता
201. थर्मेक्स लि., पुणे
202. त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि., इलाहाबाद
203. टीएनटी इंडिया लि., नई दिल्ली
204. यू.बी. एक्सपोर्ट्स, बेंगलुरू
205. उत्तर प्रदेश सहकारी, फेडरेशन लि., लखनऊ
206. उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लि., नई दिल्ली
207. ऊषा इंटरकॉन्टीनेन्टल (इंडिया) लि., नई दिल्ली
208. वी.डी. स्वामी एंड कं. लि., चेन्नै
209. वी.एस. डेम्पो एंड कं. लि., पणजी
210. वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स लि., लुधियाना
211. वासु अगरबत्ती, मैसूर
212. विक्टर टूल्स प्रा. लि., जालंधर
213. वी.बी.सी. एजुकेशनल सोसायटी, विशाखापटनम
214. वोल्टाज़ लिमिटेड हैदराबाद यूनिट, हैदराबाद

परिकल्पना

अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम शैक्षिक केंद्र के रूप में स्थापित होना।

ध्येय

ज्ञानार्जन हेतु एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना और उसे पोषित करना जिससे कि शिक्षार्थी समाज के प्रति संवेदनशीलता के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में पथ प्रदर्शक बनने में सक्षम हो सकें।

website : www.iift.ac.in

Artistic view of IIFT new campus, Maidan Garhi, New Delhi

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

दिल्ली परिसर

आईआईएफटी भवन, बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110016

फोन : 011-39147200 – 205 (पीबीएक्स) • फैक्स : 91-011-39147301

कोलकाता परिसर

1583 मदुरदाहा, चौबाघा मार्ग, वार्ड 108, बरो XII, कोलकाता–700107

फोन : 033-35014500, 35014600 (पीबीएक्स)